CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 16-02-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAJK1 User: cci Time: 02-15-2026 22:55 Color:

नई दिल्ली, सोमवार, 16 फरवरी 2026, माघ 27 | शक संवत 1947 फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी, विक्रम संवत 2082 | WATCH GOD WATCHDOG | वर्ष 80, संख्या 40 > पेज 16 > मूल्य ₹5.00 या ₹10.00* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित | www.nbt.in
*वार्षिक खरीद पर ही लागू

NBT नवभारत टाइम्स

सुप्रीम कोर्ट मेट्रो स्टेशन से पहुंचें

- **20** फरवरी तक कार्यक्रम
- **13** देशों के होंगे पवेलियन
- **500** से ज्यादा सेशन रहेंगे
- **3,250** से ज्यादा आएंगे एक्सपर्ट
- **2.5** लाख से ज्यादा लोग पहुंचेंगे
- **300** से ज्यादा डेमो और प्रदर्शनी
- **600** से अधिक स्टार्टअप प्रोजेक्ट

समिट में जाने के लिए क्या करना होगा?

समिट में हिस्सा लेने के लिए रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इसके लिए ईमेल आईडी, मोबाइल नंबर, फोटो, सरकारी पहचान पत्र की जरूरत होगी। impact.indiaai.gov.in पर रजिस्ट्रेशन सेक्शन पर क्लिक करें। फिर डेलिगेट्स के रजिस्ट्रेशन वाला हिस्से पर क्लिक करें। फॉर्म भरने के बाद नेक्स्ट बटन पर क्लिक करें। यहां प्रोफेशन टाइप वाले हिस्से में स्टूडेंट या विजिटर को सिलेक्ट करें।

INDIA AI की सुपर पावर

VISUALISATION AND DESIGN: RAJEEV RANJAN

इंडिया AI इंपैक्ट समिट, आपके लिए क्यों है खास

तेजी से बदलती आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) की दुनिया को समझाने और आम लोगों तक इसे पहुंचाने के मकसद से सोमवार से शुक्रवार तक भारत मंडपम में इंडिया AI इंपैक्ट समिट होगी। ग्लोबल साउथ में होने वाली यह पहली बड़ी वैश्विक AI समिट है। इसमें दुनिया के कई देशों के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री, बड़ी टेक कंपनियों के दिग्गज भी हिस्सा ले रहे हैं। सवाल यह है कि यह समिट है क्या, इससे पहले ऐसी समिट कहां हुई थी, आम लोगों की जिंदगी पर इसका क्या असर होगा। प्रदीप तिवारी की रिपोर्ट:

AI इंपैक्ट समिट क्या है?

इंडिया AI इंपैक्ट समिट 2026 भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्रालय और इंडिया AI मिशन की पहल है। यह 5 दिन का कार्यक्रम है, जिसमें पॉलिसी, रिसर्च, इंडस्ट्री और आम भागीदारी, सबको जोड़ा गया है। सरकार ने इस समिट की थीम रखी है- 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' यानी AI का इस्तेमाल सबके भले और खुशहाली के लिए हो।

इस समिट में क्या होगा?

इंडिया AI इंपैक्ट समिट में टेक लीडर्स भविष्य का प्लान बताएंगे। यहां एक बड़ा एक्सपो भी लगेगा। एक्सपो में 300 से ज्यादा प्रोजेक्ट दिखाए जाएंगे। यहां लोग जान सकेंगे कि अभी AI में क्या नया हो रहा है और भविष्य में क्या बदलाव आने वाले हैं। एक्सपर्ट बताएंगे कि अब तक क्या रिसर्च हुई है और आगे किन विषयों पर काम चल रहा है। AI से जुड़े कौन-कौन से चैलेंज हैं।

इससे पहले ऐसी समिट कहां हुई थी?

सबसे पहले 1-2 नवंबर 2023 को ब्रिटेन समिट में AI से जुड़े खतरों और सुरक्षा पर चर्चा हुई थी। इसके बाद 21-22 मई 2024 को साउथ कोरिया की राजधानी सियोल में AI को सुरक्षित और समावेशी बनाने पर जोर दिया गया। फिर 10-11 फरवरी 2025 को फ्रांस के पैरिस में AI ऐक्शन समिट में सार्वजनिक हित और टिकाऊ विकास से जोड़ने पर चर्चा हुई थी।

पहले हुई तीनों समिट में क्या रिजल्ट रहा?

ब्रिटेन की 2023 की समिट में गोपनीयता, डेटा सुरक्षा, जवाबदेही और मानव निगरानी जैसे मुद्दों को उठाया गया। सियोल में AI में जोखिम को समझने और जांचने के लिए वैज्ञानिक सहयोग जरूरी है। पैरिस 2025 की समिट में कहा गया कि AI का उपयोग सार्वजनिक भलाई के लिए होना चाहिए।

समिट से आम लोगों को क्या फायदा होगा

- लोगों को AI के वास्तविक उपयोग के बारे में पता चलेगा, जैसे शिक्षा, हेल्थ, खेती और सरकारी सेवाओं में कैसे AI मदद कर सकता है।
- AI सबके लिए उपलब्ध और उपयोगी कैसे बनाया जा सकता है, खासकर छोटे शहरों और ग्रामीण इलाकों तक। कई देश और संस्थान इसका डेमो दिखाएंगे।
- नई नौकरियों के बनाने और कौशल सीखने में AI ने कैसे मदद की, कंपनियां और देश इसका प्रैक्टिकल अनुभव भी दिखाएंगे।
- किसानों, छात्रों, शिक्षकों और छोटे कारोबारों को ऐसे AI टूल्स के बारे में जानकारी मिल सकती है जिससे उनका काम आसान बन सकेगा।

दिल्ली में हो रही समिट अहम क्यों?

नई दिल्ली की समिट को सरकार ग्लोबल साउथ में पहली वैश्विक AI समिट बता रही है। इस बार चर्चा सिर्फ AI के खतरे तक नहीं, बल्कि इस पर है कि AI का फायदा गरीब और मध्यम वर्ग तक कैसे पहुंचे। सरकार ने इसे AI डिवाइड को खत्म करने की दिशा बताया है, मतलब जिनके पास तकनीक है और जिनके पास नहीं, उनके बीच की दूरी कम करना।

OpenAI के CEO ने कहा- भारत में लीडरशिप की क्षमता, मोदी आज करेंगे AI इंपैक्ट समिट की शुरुआत

Hemwati.Rajaura1
@timesofindia.com

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को नई दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया AI इंपैक्ट समिट की शुरुआत करेंगे। 20 फरवरी तक चलने वाले इस आयोजन को देश में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) के क्षेत्र का बड़ा कार्यक्रम माना जा रहा है। इसमें नीति, तकनीक और उद्योग जगत एक साथ दिखाई देंगे। समिट और इसके साथ आयोजित एक्सपो में 2.5 लाख से अधिक विजिटर्स के आने की उम्मीद है। देश-विदेश से तकनीकी कंपनियां, स्टार्टअप, रिसर्च इंस्टिट्यूट, यूनिवर्सिटी, केंद्रीय और राज्य सरकारों के विभाग और अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधि इसमें हिस्सा लेंगे। आयोजन का उद्देश्य AI के व्यावहारिक उपयोग, नई तकनीकों और वैश्विक सहयोग के अवसरों को एक ही मंच पर लाना है।

AI के क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए भारत के पास सब कुछ है: सैम ऑल्टमैन

OpenAI के CEO सैम ऑल्टमैन ने कहा कि भारत AI के भविष्य को तय करने में अहम भूमिका निभाएगा। दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र होने के नाते भारत के पास AI में पूरी ताकत से आगे बढ़ने के लिए सब कुछ है- सकारात्मक सोच, घरेलू टेक टैलंट और एक राष्ट्रीय रणनीति। भारत समझता है कि AI का इस्तेमाल इंसानी प्रगति के लिए निर्माण करने में होना चाहिए। इसी सोच के साथ सरकार का 'IndiaAI मिशन' देश की कंप्यूटिंग क्षमता बढ़ाने, स्टार्टअप्स को सपोर्ट देने और कई भाषाओं में AI एप्लिकेशन तैयार करने पर काम कर रहा है, ताकि स्वास्थ्य और कृषि जैसी सेवाएं बेहतर हो सकें। इसका मकसद यह है कि AI कुछ लोगों तक सीमित न रहे, बल्कि करोड़ों भारतीयों के लिए जरूरी टूल बने।

अंदर देखें

जानें समिट क्यों है जरूरी

AI इंपैक्ट समिट के 3 सूत्र

1 People

AI हर इंसान की मदद के लिए हो, चाहे वो गांव का किसान हो या शहर का स्टूडेंट। इस सूत्र का मकसद है कि आम से खास तक AI की पहुंच हो, ताकि कोई पीछे न छूट जाए। भारत जैसे देश में जहां करोड़ों लोग अलग-अलग भाषाएं बोलते हैं, ये सूत्र AI को लोकल बनाने पर फोकस करता है। मतलब ऐसा AI सिस्टम जो आम लोगों की मदद करे, रोजगार बढ़ाए और सिक्योरिटी को मजबूत करे।

2 Planet

यह सूत्र कहता है कि AI इनोवेशन को पर्यावरण की देखभाल और सस्टेनेबिलिटी से जोड़ा जाए। जैसे, खेती में AI मौसम बताता है, ड्रोन से फसल की निगरानी करता है ताकि पानी और खाद की बर्बादी न हो। स्मार्ट सिटी में ट्रैफिक कंट्रोल करता है, कचरा मैनेज करता है। डेटा सेंटरों से निकलने वाली गर्मी को कंट्रोल करने के तरीके सुझाता है। मतलब, ऐसा AI सिस्टम हो, जो क्लाइमेट चेंज को कंट्रोल कर सके।

3 Progress

यह सूत्र AI के फायदे को सबके साथ बांटने पर जोर देता है, ताकि वैश्विक विकास हो। यह कहता है कि AI से समृद्धि सब तक पहुंचे। गवर्नमेंट सर्विसेज, सर्विस डिलिवरी, मोबिलिटी यानी आम आदमी की रोजमर्रा की जिंदगी आसान बनाए। यह सूत्र AI को आर्थिक ग्रोथ का इंजन बनाता है, जहां गांव-शहर सबका विकास हो। दुनिया के देश मिलकर AI शेयर करेंगे, ताकि गरीब देश भी अमीर बन सकें।

इंडिया AI इंपैक्ट समिट में कौन-कौन दिग्गज आ रहे

विदेश से भी आएंगे टेक इंडस्ट्री के कई दिग्गज

*इंडिया **AI** इंपैक्ट समिट में 100 से ज्यादा देशों के डेलिगेशन के हिस्सा लेंगे। 20 सरकारों के प्रमुख, कई देशों के मंत्री और दुनिया भर की प्रमुख कंपनियों के 50 से ज्यादा **CEO** शामिल होंगे। इसमें भारतीय कंपनियों के प्रमुख भी होंगे। समिट में **AI** इकोसिस्टम से जुड़े करीब 500 लोग हिस्सा लेंगे, जिसमें इनोवेटर्स, रिसर्चर और चीफ टेक्नोलॉजी ऑफिसर शामिल हैं। भारत से मुकेश अंबानी (**RIL**), नटराजन चंद्रशेखरन (टाटा संस), नंदन नीलेकणी (इंफोसिस), सुनील भारती मित्तल (भारती एंटरप्राइजेज), के. कृतिवासन (**TCS**), रोशनी नादर मल्होत्रा (**HCLTech**), सलिल पारेख (इंफोसिस) आदि शामिल हो सकते हैं।*

सैम अल्टमैन

सैम अल्टमैन OpenAI के सह-संस्थापक और CEO हैं। उन्होंने ChatGPT जैसे अहवास AI मॉडल को वैश्विक स्तर पर लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभाई है।

यान लेकुन

यान लेकुन मेटा में चीफ AI साइंटिस्ट हैं। डीप लर्निंग और कन्वोल्यूशनल न्यूरल नेटवर्क (CNN) के विकास में उनका प्रमुख योगदान रहा है।

क्रिस्टियानो एमोन

क्रिस्टियानो एमोन क्वालकॉम के CEO हैं। सेमीकंडक्टर और 5G तकनीक में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका रही है। मोबाइल चिपसेट और IoT को आगे बढ़ाया है।

डारियो अमोडेई

डारियो अमोडेई एंथ्रोपिक के सह-संस्थापक और CEO हैं। अहवास लैंग्वेज मॉडल के विकास में उनका महत्वपूर्ण योगदान है।

ब्रैड स्मिथ

ब्रैड स्मिथ माइक्रोसॉफ्ट के प्रेसिडेंट हैं। कंपनी में वह कानूनी मामलों, नियामक नीतियों और तकनीकी नैतिकता से जुड़े विषय देखते हैं।

डेमिस हसाबिस

डेमिस हसाबिस ब्रिटिश AI साइंटिस्ट हैं। वह DeepMind के सह-संस्थापक और CEO हैं। न्यूरोसाइंस और AI के क्षेत्र में अग्रणी रिसर्चर माने जाते हैं।

सुंदर पिचाई

सुंदर पिचाई गूगल और अल्फाबेट के CEO हैं। तमिलनाडु में जन्मे पिचाई 2015 में गूगल के CEO बने, तकनीकी इनोवेशन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

7 चक्र आम लोगों को जोड़ रहे

इंडिया AI इंपैक्ट समिट 2026 के 7 चक्र AI पर वैश्विक सहयोग के मुख्य क्षेत्रों को दर्शाते हैं। ये चक्र बताते हैं कि AI को कैसे कौशल, समावेशन, सिक्योरिटी, साइंस, संसाधनों की समान पहुंच और आर्थिक विकास से जोड़ा जाए। इनका लक्ष्य है कि AI का लाभ सभी तक पहुंचे और समाज पर सकारात्मक असर पड़े।

1 ह्यूमन कैपिटल

यह चक्र लोगों को AI के लिए तैयार करने पर केंद्रित है। मतलब, नए कौशल सिखाना, युवाओं और कर्मचारियों को ट्रेनिंग देना, ताकि वे AI युग में पीछे न रहें।

2 सोशल इंपावरमेंट

इसका उद्देश्य है कि AI का फायदा समाज के हर वर्ग तक पहुंचे। AI से ऐसी सेवाएं बनें जो आम लोगों की जिंदगी आसान करें और सरकारी सेवाएं बेहतर हों।

3 सेफ एंड ट्रस्टेड AI

AI सुरक्षित, जिम्मेदार और भरोसेमंद हो। इसके लिए नियम और निगरानी की व्यवस्था जरूरी है, ताकि लोगों का डेटा सुरक्षित रहे, गलत उपयोग न हो, और लोग AI पर भरोसा कर सकें।

4 इनोवेशन

AI का विकास पर्यावरण के अनुकूल और संतुलित हो। बड़े AI सिस्टम बिजली और संसाधन ज्यादा लेते हैं, इसलिए AI टिकाऊ तरीके से बढ़े और देशों के बीच तकनीकी अंतर न हो।

5 साइंस

यह AI का इस्तेमाल और नई रिसर्च पर केंद्रित है। साथ ही यह सुनिश्चित करता है कि रिसर्च के लिए डेटा और तकनीक तक सबकी बराबर पहुंच हो। वैज्ञानिक प्रगति में अहम भूमिका के लिए जरूरी।

6 AI रिसोर्सेज

AI बनाने के जरूरी साधन, जैसे कंप्यूटर क्षमता, डेटा और टूल्स सबको सस्ते और समान रूप से मिलें। इससे स्टार्टअप, रिसर्चर्स और छोटे संस्थान भी AI में काम कर सकेंगे।

7 AI फॉर ग्रोथ

AI का उपयोग सिर्फ मुनाफे के लिए नहीं, बल्कि समाज की भलाई के लिए भी हो। जैसे रोजगार बढ़ाना, सेवाएं बेहतर करना, और ऐसी मिसालें बनाना जो दिखाएं कि AI से लोगों की जिंदगी बेहतर हो सकती है।

12 राशियां और आपका दिन

ARIES 21 Mar - 19 Apr

आपने जिस प्रकार की पृष्ठभूमि लोगों के बीच बनाई है उसके बल पर आज का दिन आपके लिए अच्छा व्यतीत होगा। दोपहर तक आर्थिक संतोष भी खत्म होगा लेकिन कार्यक्षेत्र की धीमी गति से मानसिक तनाव पैदा हो सकता है। लोग सद्भावना रखेंगे। हर बात का दोहरा अर्थ निकलता है, सावधान रहें।

TAURUS 20 Apr - 19 May

आर्थिक मामलों में तकदीर आपका साथ देगी। स्थानीय कारोबार का विस्तार होगा। विभिन्न साझेदारी करने की स्थिति बनेगी, लेकिन निजी संबंधों के मामले में विपरीत रिश्ते अनुकूल साबित नहीं होंगे। एक नया दौरा आपके प्रति आकर्षित होगा लेकिन वह अपनी भावनाओं की अभिव्यक्ति नहीं कर सकेगा।

GEMINI 21 May - 21 Jun

अपनी प्रतिभा पर भरोसा रखें और यह याद रखें कि कुछ कर दिखाने के लिए ज्यादा तामझाम की जरूरत नहीं होती। आज न चाहते हुए भी आपको कुछ ऐसा काम करना पड़ता है जो औरों के लिए सुविधाजनक नहीं होगा। आपको संसाधन जुटाकर अपनी आर्थिक स्थिति को मजबूत करना चाहिए।

CANCER 22 Jun - 22 July

आज सुबह से ही कुछ प्रतिकूल समय आपके लिए चल रहा है। हो सकता है आज ही आपको स्वास्थ्य संबंधी प्रॉब्लम भी हो। दिन के पहले हिस्से में डॉक्टर आदि से मिलना बेहतर रहेगा। उसके बाद आप अपने रूटीन काम करें। आर्थिक समस्याएं परेशान कर सकती हैं। शाम के समय थोड़ा आराम हो जाएगा।

LEO 23 July - 22 Aug

इन दिनों आपका सबकुछ ठीक ठीक ही चल रहा है। कारोबार की स्थिति भी सुधरती जा रही है। किसी बड़े अधिकारी के करवहस होने से नौकरी में भी आपकी स्थिति मजबूत है। विरोधियों और आलोचना करने वालों के दिन में अभी नाराजगी है। ऐसे लोगों से सतर्क रहें, वे आपकी छवि खराब कर सकते हैं।

VIRGO 23 Aug - 22 Sep

किसी समय आप जब अच्छे मूड में रहते हैं तो अपने छोटों का भला करने में पीछे नहीं रहते हैं। इसका लाभ वे चापलूस भी उठा लेते हैं जो वास्तव में पीठ पीछे जाकर आपकी बुराई करते हैं। ऐसे ही लोगों में आज आपका समय व्यतीत होगा। जो सही पात्र हो उसका ही कल्याण करें। मित्रों से चर्चा होगी।

LIBRA 23 Sep - 22 Oct

किसी परीक्षा प्रतियोगिता के लिए आपको तैयार रहना है, अगर आप अपने व्यवसाय या कारोबार से संबंधित कोई अनुबंध या लिखा पढ़ी का काम करना चाहते हैं तो दिन के समय कहीं कर डालें। बाकी और कामों के लिए भी अच्छा तक अच्छा मौका चल रहा है। लंबे समय से अटके काम निपटा लेंगे तो आने वाले समय में आपको शुभ परिणाम प्राप्त होंगे। मित्रों से सहयोग मिलता रहेगा।

SCORPIO 23 Oct - 21 Nov

कभी- कभी कोई काम आपकी सोच के विपरीत हो जाते हैं। जिस व्यक्ति को आप सज्जन समझते हैं वही धोखा दे जाता है। कुछ ऐसी ही घटना आज भी होगी। काफी मिश्रित फलदायक दिन है। एकाध काम अचानक हो जाने से मनस्ताप कम होंगे और किसी अच्छे समाचार मिलने से निराशा भी खत्म होगी।

SAGITTARIUS 22 Nov - 21 Dec

कई दिनों से आप किसी छोटे मोटे काम के बिगड़ जाने से आश्चर्यचकित हैं। हो सकता है आज आपके इस काम में सुधार हो जाए। फिर भी किसी व्यर्थ की डर या आशंका से आपका मन अशांत रह सकता है। दोपहर बाद कुछ भागदौड़ करने से छिटपुट लाभ हो सकते हैं। मन में शांति बनी रहेगी।

CAPRICORN 22 Dec - 19 Jan

आज का दिन कुछ जानकारीपूर्ण और आपकी बौद्धिक क्षमता को बढ़ाने वाला होगा। अच्छे सज्जनजनों से मेल मुलाकात होगी और किसी बड़े लाभ की आशा में दिन सार्थक नजर आएगा। विदेशों की तरफ से भी अच्छी खबरें मिलेंगी और धार्मिक काम के लिए योजना बनाते वक्त आपसे सलाह लेंगे।

AQUARIUS 20 Jan - 18 Feb

इस समय अपने कार्यक्षेत्र में अपने जाने और सभी कार्यों को समय पर निपटाने का दौर चल रहा है। इस बीच कुछ अपने ही लोग आपकी चिंता भी बढ़ा सकते हैं। यदि आप किसी प्रेम प्रसंग के जाल में उलझे हैं तो उसका फैसला भी जल्दी करें। वक्त निकलने पर कुछ हाथ नहीं लगेगा।

PISCES 19 Feb - 20 Mar

आज आपका स्वास्थ्य ठीक नहीं चलेगा। दिन के पहले हिस्से में बहुत सारे काम एक साथ आपके सामने लटके रहेंगे। जहां तक हो सके इनमें महत्वपूर्ण काम पूरे कर लेना। दोपहर बाद फिर समय ठीक नहीं है। बनते काम में रुकावटें पैदा होंगी और उनका मानसिक आघात शाम तक बना रहेगा। अधिक तनाव न लें अन्यथा आपकी परेशानी हो सकती है। हनुमान जी के दर्शन करने से लाभ होगा।

क्या कहते हैं आपके नंबर

(16 फरवरी - 22 फरवरी 2026)

आचार्य नंदिता पांडे

मूलांक 1
(जन्म तिथि 1, 10, 19, 28)
कार्यक्षेत्र में प्रगति होगी और आप अपने प्रोजेक्ट द्वारा सफलता के मार्ग में आगे बढ़ते जाएंगे। इस सप्ताह आपकी स्ट्रैटेजी काम आएगी और उन्नति प्राप्त होती जाएगी। इस सप्ताह आर्थिक व्यय अधिक रहेंगे एवं युवा वर्ग पर अधिक खर्च होते जाएंगे। प्रेम संबंध में अहं के टकराव से बचें तो बेहतर होगा। इस सप्ताह के अंत में एक नई शुरुआत आपके जीवन में सुख समृद्धि के मार्ग खोलेगी एवं मन प्रसन्न रहेगा।

मूलांक 2
(जन्म तिथि 2, 11, 20, 29)
कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी और सप्ताह की शुरुआत में ही आपको अपने प्रोजेक्ट से संबंधित कोई सुखद समाचार भी मिल सकता है। इस सप्ताह अपने प्रेम संबंध में अपनी राय खुल कर सामने रखें तो जीवन में सुखी रहेंगे। आर्थिक मामलों में समय अनुकूल होता जाएगा।

मूलांक 3
(जन्म तिथि 3, 12, 21, 30)
कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी और प्रोजेक्ट सफलता के मार्ग में आगे बढ़ते जाएंगे। इस सप्ताह बड़े बुजुर्गों का आशीर्वाद रहेगा एवं निवेशों द्वारा फायदे होते जाएंगे। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होता जाएगा एवं लव लाइफ रोमांटिक रहेगी। इस सप्ताह से आपके प्रेम संबंध में एक सकारात्मक बदलाव नजर आते जाएंगे। इस सप्ताह धन लाभ की प्रबल स्थितियां बनेंगी।

मूलांक 4
(जन्म तिथि 4, 13, 22, 31)
इस सप्ताह आर्थिक लाभ रहेगा और धन वृद्धि के शुभ संयोग बनते जाएंगे। निवेशों द्वारा धन वृद्धि होगी और सुख समृद्धि प्राप्त होगी। इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में अचानक से सप्ताह के उत्तरार्ध में फायदे होते जाएंगे। प्रेम संबंध में मन अशांत रहेगा और बेचैनी बढ़ेगी। सप्ताह के अंत में किसी अफवाह को लेकर मन परेशान रहेगा।

मूलांक 5
(जन्म तिथि 5, 14, 23)
प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होता जाएगा और लव लाइफ रोमांटिक रहेगी। इस सप्ताह आप अपने प्रेम संबंध में प्रसन्न रहेंगे। कार्यक्षेत्र में किसी महिला की वजह से कुछ कष्ट बढ़ सकते हैं और आपके द्वारा लिए गए किसी ऐक्शन की वजह से प्रोजेक्ट में अवरोध बढ़ सकते हैं। आर्थिक मामलों में व्यय अधिक रहेंगे और इस तरफ ध्यान देने की आवश्यकता है। इस सप्ताह के अंत में आप अपनी मेहनत द्वारा सफलता के मार्ग में आगे बढ़ेंगे।

मूलांक 6
(जन्म तिथि 6, 15, 24)
आर्थिक मामलों में सफलता के मार्ग में आगे बढ़ेंगे एवं धन लाभ की प्रबल स्थितियां इस पूरे सप्ताह बनती जाएंगी। इस सप्ताह आपके कार्यक्षेत्र में अगर आप अपने अनुभव का अनुसरण कर निर्णय लेंगे तो जीवन में सफल रहेंगे। प्रेम संबंध में बातचीत द्वारा मामलों को सुलझाएंगे तो बेहतर होगा। सप्ताह के उत्तरार्ध में साझेदारी में किए गए किसी कार्य की वजह से कष्ट बढ़ेंगे।

मूलांक 7
(जन्म तिथि 7, 16, 25)
इस सप्ताह आपकी आर्थिक उन्नति के चांसेज बढ़ सकते हैं एवं संयम के साथ किसी भी निर्णय पर पहुंचेंगे तो जीवन में सुख समृद्धि प्राप्त होगी। प्रेम संबंध में आपसी प्रेम सुदृढ़ होगा एवं लव लाइफ में खुशियां दस्तक देंगी। इस सप्ताह कार्यक्षेत्र में भी उन्नति होगी, लेकिन आपकी अपेक्षाओं से कमतर रहेगी। सप्ताह के अंत में किसी बात को लेकर चिंता अधिक करेंगे।

मूलांक 8
(जन्म तिथि 8, 17, 26)
कार्यक्षेत्र में उन्नति होगी और धन वृद्धि के शुभ संयोग इस पूरे सप्ताह बनते जाएंगे। आर्थिक मामलों में आपको अपनी सोच पर भरोसा कर निर्णय लेना चाहिए तभी सुख समृद्धि प्राप्त होगी। प्रेम संबंध में जिस तरह के बदलाव आप अपने जीवन में चाहते हैं उन्हें प्राप्त करने में अभी समय अधिक लगेगा।

मूलांक 9
(जन्म तिथि 9, 18, 27)
कार्यक्षेत्र में धीरे-धीरे उन्नति के आसार दिखाई दे रहे हैं। यह सप्ताह आपके प्रोजेक्ट को सफल बना सकता है, लेकिन इस तरफ फोकस की आवश्यकता है। आर्थिक दृष्टिकोण से समय अनुकूल रहेगा एवं धन लाभ की प्रबल स्थितियां बनती जाएंगी। प्रेम संबंध में किसी बात को लेकर मन अशांत रहेगा। सप्ताह के अंत में जीवन में सुख समृद्धि के संयोग प्राप्त करेंगे।

जन्मदिन की शुभकामनाएं

इस वर्ष राहु और नेपच्यून आपके वर्ष के प्रतिनिधि ग्रह बने रहेंगे। फरवरी अंत तक शनि व बृहस्पति की चाल इस वर्ष आपके मार्ग में कुछ अप्रिय प्रभाव देने वाली होगी, क्योंकि साल की शुरुआत यानी फरवरी में शनि सूर्य का कुछ शुक्र बुध योग रहने से झगड़े विवाद हो सकते हैं, उनसे बचे रहेंगे तो ही अच्छा रहेगा। मार्च से अप्रैल तक आपका स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। मई से जून महीने का समय बहुत ही अनुकूल और लाभकारी सिद्ध होगा। जुलाई और अगस्त में नए अवसर मिल सकते हैं, लेकिन कोई भी नया निर्णय सोच-समझकर लें। सितंबर में सावधानी और धैर्य की आवश्यकता होगी। अक्टूबर में आपकी प्रतिभा और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। अक्टूबर में आपका भौतिक पक्ष मजबूत होगा। विद्यार्थी यदि संकुचित दृष्टिकोण से अध्ययन करेंगे तो सफलता की राह कुछ कठिन अवश्य हो जाएगी। **-आचार्य कृष्ण दत्त शर्मा**

कल का पंचांग (मंगलवार, 17 फरवरी 2026)

राष्ट्रीय मिति माघ 28, शक संवत 1947, फाल्गुन कृष्ण अमावस्या, मंगलवार, विक्रम संवत 2082। सौर फाल्गुन मास प्रविष्टे 6, शब्बान 28, हिजरी 1447 (मुस्लिम) तद अनुसार अंग्रेजी तारीख 17 फरवरी 2026 ई.। सूर्य उत्तरायण, दक्षिण गोल, शिशिर ऋतु। राहु काल अपराह्न 3 बजे से 4 बजकर 30 मिनट तक। अमावस्या तिथि शाम 5 बजकर 31 मिनट तक के बाद प्रतिपदा तिथि का आरंभ। धनिष्ठा नक्षत्र रात 9 बजकर 16 मिनट तक के बाद शतभिषा नक्षत्र का आरंभ। नाग करण शाम 5 बजकर 31 मिनट तक के बाद बव करण का आरंभ।

सुडोकू

	5	4			3		2	
		6		9				
3	7		5			6		
8			2			1	9	
	6						5	
	2	9			4			6
		2			5		1	3
				3		4		
	1		9			2	7	

TELEVISION

big magic

09:00 बवाल डबल
10:00 बड़ा बुड़बक
11:00 रुद्र के रक्षक
11:30 अलादीन
12:00 यशोदा अरेव कृष्ण
13:30 भ से भट्ट
14:00 हम पांच
15:00 अजब देश की गजब कहानी
15:30 प्यार मोहब्बत ऐसी तैसी
19:30 रुद्र के रक्षक
21:00 वीरा

प्रेम, वसंत और पर्यावरण पर सुनाई कविताएं

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

कनॉट प्लेस के पी.के. रोड रेलवे ऑफिसर्स क्लब में 'परिवर्तन साहित्यिक मंच' की अगुआई में एक समारोह में CRPF के जवान और कवि श्रवण यादव की पुस्तक 'पुलवामा के पन्ने' का गरिमामयी विमोचन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य विषय 'प्रेम, वसंत और पर्यावरण' रहा, जिस पर देश के प्रतिष्ठित कवियों ने अपनी रचनाओं से समां बांधा।

इस अवसर मुख्य रूप से लेखक तेज प्रताप नारायण, प्रो. सरोज कुमारी, सक्षम थिएटर के निर्देशक श्री सुनील यादव, डॉ संतोष पटेल ,राकेश रेणु और आर्टिस्ट कुमार रंजन उपस्थित रहे। काव्य-पाठ के सत्र में तेज प्रताप कु. तेजस्वी, शिव शंकर अहसास, डॉ. दीपा, सुश्री समीक्षा जैन, डॉ. सुशील द्विवेदी, डॉ. पुष्कर, अरुण चंद्र रॉय, डॉ संतोष पटेल, राकेश रेणु , डॉ मीनाक्षी तेज जैसे रचनाकारों ने अपनी सुरीली और वैचारिक कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम का संचालन भारती प्रवीण द्वारा किया गया। कार्यक्रम के अंत में हरिंद्र तिवारी ने उपस्थित अतिथियों, कवियों,अकादमिया और मीडियाकर्मियों का धन्यवाद ज्ञापन किया।

'AI पर आंख बंद कर न करें भरोसा'

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** कैंपस लॉ सेंटर में चल रहे 22वें के.के. लूथरा मेमोरियल मूट कोर्ट 2026 प्रतियोगिता रविवार को संपन्न हुई। डीयू के कैंपस लॉ सेंटर ने निर्मल लूथरा फाउंडेशन के साथ मिलकर मशहूर के.के. लूथरा मेमोरियल मूट कोर्ट प्रतियोगिता को होस्ट किया। प्रतियोगिता में देश विदेश के 138 संस्थानों ने हिस्सा लिया।

प्रतियोगिता के लिए शॉर्टलिस्ट की गई 72 टीमें अलग-अलग इंस्टिट्यूशन से हैं। प्रतियोगिता के फाइनल राउंड में दिल्ली हाई कोर्ट के जजों ने कार्रवाई की अध्यक्षता की। इस इवेंट में चीफ गेस्ट के तौर पर सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस बीवी नागरत्ना मौजूद रहीं। उन्होंने लॉ स्टूडेंट्स से आर्टिफिशल इंटेलिजेंस पर आंख बंद करके निर्भर रहने की बजाय लीगल रीजनिंग पर भरोसा करने की अपील की।

दिल्ली पुलिस स्थापना दिवस पर हुआ मैत्री क्रिकेट मैच

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** दिल्ली पुलिस स्थापना दिवस के मौके पर बीते शनिवार को विवेक विहार स्थित यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में इमला महिला पत्रकार एकादश व महिला पुलिस शाहदरा एकादश के बीच एक मैत्री क्रिकेट मैच हुआ। महिला पुलिस टीम ने महिला पत्रकारों की टीम को 10 ओवर में 59 रन बनाने का लक्ष्य दिया। जवाब में महिला पत्रकारों ने एक विकेट खोकर 60 रन बनाए। शाहदरा जिला के डीसीपी प्रशांत गौतम ने टीमों को ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

आज दिलवाएंगे बच्चों को रोल नंबर: सौरभ

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज साकेत के एपीजे स्कूल की ओर से रोके गए बच्चों के रोल नंबर को दिलवाने के लिए सोमवार खुद स्कूल जाने का दावा किया है। रविवार को उन्होंने सोशल मीडिया पर यह जानकारी साझा करते हुए कहा है कि पैरेंट्स परेशान न हों।

सोमवार को दोपहर एक बजे वह साकेत स्थित एपीजे स्कूल जाएंगे और बच्चों को रोल नंबर दिलवाएंगे। उन्होंने कहा कि बीजेपी सरकार और प्राइवेट स्कूल की मनमानी नहीं चलने देंगे। मंगलवार से सीबीएसई की परीक्षा है और एपीजे स्कूल ने बच्चों के रोल नंबर रोक दिए हैं। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि मंगलवार से 10वीं की सीबीएसई बोर्ड परीक्षाएं शुरू हो रही हैं और कुछ प्राइवेट स्कूल पूरी तरह मनमानी पर उतर आए हैं।

'आप' के समय से बढ़ रही फीस: बीजेपी

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है कि साकेत स्थित एपीजे स्कूल के केन्द्रीय माध्यमिक बोर्ड की परीक्षा देने जा रहे स्टूडेंट्स को रोल नंबर देने में विलंब का जो मामला आप नेता सौरभ भारद्वाज ने उठाया है वो खुद आम आदमी पार्टी के शासनकाल की उपज है।

बीजेपी नेता ने आरोप लगाते हुए कहा कि 2020 में कोविड काल के दौरान ही एपीजे स्कूल, साकेत ने फीस में बढ़ोतरी की थी। उन्होंने कहा कि आज सौरभ भारद्वाज द्वारा यह मामला उठाना इस बात की स्वीकृति है कि केजरीवाल सरकार के समय से ही निजी स्कूल लगातार फीस बढ़ाते रहे हैं। वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है कि पिछले साल भी आप के इशारे पर इस स्कूल ने रोल नंबर रोके थे, जिन्हें केंद्रीय बाल आयोग के हस्तक्षेप के बाद जारी किया गया था। उन्होंने कहा है कि एपीजे स्कूल में फीस में बढ़ोतरी मामले का बीजेपी सरकार से कुछ लेना देना नहीं।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता
समानान्तर देवबन्द शाखा खण्ड रूड़की।
सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग
उत्तर प्रदेश

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या:-03/अ०अ०/2025-26

महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्य हेतु अल्पकालीन ई-निविदायें (https://etender.up.nic.in) सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 में वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक 24.02.2026 को अपराह्न 02.00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। निविदा की प्री-क्वालिफिकेशन/टैक्नीकल बिड कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, समानान्तर देवबन्द शाखा खण्ड रूड़की के कार्यालय कक्ष में मुख्य अभियन्ता (यमुना) सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, उ0प्र0 ओखला नई दिल्ली द्वारा गठित समिति के सदस्यों द्वारा दिनांक 24.02.2026 को अपराह्न 02:30 बजे खोली जायेगी। प्री-क्वालिफिकेशन/टैक्नीकल बिड में क्वालिफाईड पाये गये ठेकेदारों की ही फाइनेन्शियल बिड खोली जायेगी। कार्यालय बन्द होने अथवा अवकाश होने की दशा में यह ई-निविदा अगले कार्य दिवस में उसी समय खोली जायेगी। निविदा दिनांक 18.02.2026 पूर्वाह्न 11.00 बजे से दिनांक 24.02.2026 को अपराह्न 02.00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड की जा सकती है। कार्यों का विवरण निम्नवत् है:-

लाट संख्या	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रु.में)	धरोहर राशि (लाख रु. में)	कार्य को पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य स्टेशनरी चार्ज जी.एस.टी. सहित (रु. में)	पंजीकृत श्रेणी	कार्य से सम्बन्धित सहायक अभियन्ता का पता
1	2	3	4	5	6	7	
1	समानान्तर देवबन्द शाखा फीडर चैनल के किमी0 0.000 से किमी0 11.000 के मध्य सर्विस रोड के गड्ढामुक्ति के कार्य।	32.35	0.65	15 दिवस	300 + 500 + 54 = 854	बी एवं उच्चतर	सहायक अभियन्ता प्रथम, समानान्तर देवबन्द शाखा खण्ड रूड़की

नोट:-
1. उक्त अल्पकालीन ई-निविदा पूर्णतया धनावंटन की प्रत्याशा में निकाली जा रही है। धनावंटन कम प्राप्त होने पर अथवा प्राप्त न होने की दशा में निविदायें निरस्त की जा सकती है एवं धन प्राप्त होने पर उपलब्ध धन से तत्समय कार्य की महत्ता के अनुसार कार्य सम्पादित कराया जायेगा।
2. उक्त अल्पकालीन ई-निविदा सूचना का विवरण एवं शर्तों की जानकारी http:/etender.up.nic.in व http:/idup.gov.in पर उपलब्ध है।

अधिशासी अभियन्ता
समानान्तर देवबंद शाखा खण्ड
रूड़की

UPID 246122 dt 13.02.2026,
www.upgov.nic.in

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, लघु सिंचाई खण्ड-गाजियाबाद।

पत्रांक-1610/लघुसिंखं/ई-निविदा/सरकारी/अनावासीय/2025-26 दिनांक-10-02-2026

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या-21

महामहिम राज्यपाल, उत्तर प्रदेश की ओर से अधोहस्ताक्षरी द्वारा प्रखण्ड-गाजियाबाद के अधीन जनपद-गाजियाबाद में मुख्यमंत्री लघु सिंचाई योजनान्तर्गत भूजल संवर्धन हेतु शासकीय/अर्द्धशासकीय भवनों पर रूफ टॉप रेनवाटर हार्वेस्टिंग प्रणाली की स्थापना के कार्यों हेतु दिनांक 18.02.2026 को प्रातः 10:00 बजे से ऑनलाइन http://etender.up.nic.in के माध्यम से प्री-क्वालीफिकेशन टैक्नीकल बिड एवं प्राईस बिड/फाईनेंशियल बिड, निविदा की शर्तों के अनुरूप अनुभवी ठेकेदारों से दिनांक 24.02.2026 को पूर्वाह्न 11:00 बजे तक आमंत्रित की जाती हैं। प्री-क्वालीफिकेशन टैक्नीकल बिड एवं फाईनेंशियल बिड दिनांक 24.02.2026 को प्रातः 12:00 बजे से कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता, लघु सिंचाई वृत्त, विकास खण्ड-रजापुर परिसर, सेक्टर-6, जागृति विहार, निकट मंशा देवी मन्दिर, गढ़ रोड, मेरठ में अधीक्षण अभियन्ता, लघु सिंचाई वृत्त की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा उपस्थित ठेकेदारों अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधियों के समक्ष ऑन लाइन खोली जायेगी। निर्धारित तिथि को कार्यालय में अवकाश होने की दशा में यह निविदा अगले कार्य दिवस को उसी समय खोली जायेगी।

निविदा संख्या	रूफ टॉप रेन वाटर हार्वेस्टिंग कार्य स्थल का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रु0)	धरोहर धनराशि (लाख रु0)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (अलग-अलग ड्राफ्ट)	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	2	3	4	5	6
ई-168/ 2025-26	सर्वोदय किसान इण्टर कालेज, जावली विकास खण्ड-लोनी	2.69	0.269	150+18% GST (Rs. 27) + 500.00 स्टेशनरी चार्ज	30 दिन
ई-169/ 2025-26	प्राथमिक विद्यालय लाल बाग, विकासखण्ड-लोनी	2.69	0.269	150+18% GST (Rs. 27) + 500.00 स्टेशनरी चार्ज	30 दिन
ई-170/ 2025-26	प्राथमिक विद्यालय बहटा-01, विकासखण्ड-लोनी	2.71	0.271	150+18% GST (Rs. 27) + 500.00 स्टेशनरी चार्ज	30 दिन
ई-171/ 2025-26	पूर्व माध्यमिक विद्यालय मोहम्मदपुर डिसाली विकासखण्ड-मुरादनगर	2.13	0.213	150+18% GST (Rs. 27) + 500.00 स्टेशनरी चार्ज	30 दिन
ई-172/ 2025-26	प्राथमिक विद्यालय इंदिरा एन्क्लेव, विकासखण्ड-लोनी	2.71	0.271	150+18% GST (Rs. 27) + 500.00 स्टेशनरी चार्ज	30 दिन
ई-173/ 2025-26	कार्यालय जिला उद्यान अधिकारी, गाजियाबाद।	1.72	0.172	75+18% GST (Rs. 14) + 500.00 स्टेशनरी चार्ज	30 दिन

यह निविदा/बिड सूचना उत्तर प्रदेश सरकार की वेबसाइट http://upgov.nic.in सूचना विभाग की वेबसाइट http://information.up.nic.in एवं ई-टेण्डर पोर्टल http://etender.up.nic.in पर उपलब्ध है तथा निविदा/बिड की विस्तृत शर्तें निविदा/ बिड प्रपत्र के साथ उपलब्ध होंगी जो निविदा की वेबसाइट पर अपलोड रहेंगी। Technical Evaluation Will be done offline by Tender committee. Financial bid will be opened only for those Tenderer who will qualify the technical bid. Date of opening of financial bid will be decided by the tender committee.

(ई. हरिओम)
अधिशासी अभियन्ता
लघु सिंचाई खण्ड, गाजियाबाद।

UPID 246147 dt 13.02.2026,
www.upgov.nic.in

TIMES interact — Connecting People, Connecting Needs.
To book your ad | Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) | Scan QR Code

व्यक्तिगत

नाम परिवर्तन

I, NEERAJ Kumar Sharma S/0 Late Shri Yogeshwar Nath Sharma R/o J -2302, Maxblis White House, Sector 75, Noida - 201301 Hereby State That My Name is Neeraj Kumar Sharma in All My Records Nor Neeraj Sharma, Whereas My Correct and Complete Name is Neeraj Kumar Sharma for all purposes

मैं, अवनीश पुत्र मनोज कुमार, जन्म तिथि 06-08-2002, निवासी RZC-172, गली नं.-2, मधु विहार, नई दिल्ली, ने अपना नाम अवनीश से बदलकर अवनीश राय कर लिया है। यह नाम परिवर्तन 09-02-2026 को दिल्ली में किए गए शपथपत्र के अनुसार किया गया है। भविष्य में मैं अवनीश राय के नाम से जाना जाऊँगा।

मैं मनचंदा पुत्र महावीर सिंह निवासी 370 ए, गांव बांकनेर नरेला दिल्ली- 110040 घोषित करता हूँ कि मनचंदा और मनचंदा खत्री एक ही व्यक्ति हैं।

टेंडर और नोटिस

निविदाएं (टेंडर्स)

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया
प्रापण विभाग
यूनियन बैंक भवन, 239, विधान भवन मार्ग, नरीमन पॉइंट, मुंबई - 400 021

निविदा सूचना

यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, प्रतिष्ठित विक्रेताओं से निम्नलिखित कार्य विवरण के लिए ई-निविदा प्रस्ताव आमंत्रित करता है. जीईएम बोली संख्या - जीईएम / 2026 / बी / 7221312 दिनांक: 11.02.2026.
आईबीएम टेप लाइब्रेरी, आईबीएम टीएसएम और आईबीएम स्केल डेटा लाइसेंस की आपूर्ति, स्थापना, कमीशनिंग और रखरखाव के लिए आरएफपी. निविदा प्रकाशन की तारीख - 11.02.2026 11:00 बजे. प्रस्ताव प्राप्ति की अंतिम तारीख - 16.03.2026 12:00 बजे. अन्य जानकारी एवं बोली दस्तावेज डाउनलोड करने के लिए तथा निविदा में प्रतिभागिता के लिए सरकारी ई-मार्केट (जीईएम) पोर्टल https://gem.gov.in को देखें.

EVENTS AND EXHIBITIONS

YOU'RE INVITED | दिल्ली वालो, तैयार हो जाओ!
Book Your Pass
Karigar Bazaar
DELHI EDITION
20TH FEB – 1ST MAR | 11am - 8pm
For The First Time Delhi's Biggest & Most Authentic Craft Experience Is Here
Discover a world where India's living craft traditions come alive with 200+ master artisans, including National Award winners, celebrated craftswomen & young craft entrepreneurs.
From handlooms, folk & tribal art, jewellery, home décor & sustainable crafts to live demonstrations, cultural evenings & authentic regional cuisines — experience Delhi's most thoughtfully curated celebration of Indian craftsmanship.
Where craft lives. Where heritage breathes.
Jawaharlal Nehru Stadium Gate No-13
Entry: ₹50 | Paid Parking | Mob: +91 87883 40654

बिजनेस

बिक्री के लिए

FOR Sale - Offset printing machine, single color 25-1/4" x 36 " (Heidelberg), 6 clamp Hotmelt Glue Book Binding machine (Printools). Running condition in Agra. Cont. Sanjay Bansal - 9760810200, 9412258080

TO BOOK YOUR EDUCATION ADS PLEASE CALL
AMIT : 9811790649
TO BOOK ONLINE LOG ON TO Ads.timesofindia.com
EXCLUSIVE OFFERS AND ASSISTANCE
SCAN QR CODE

TIMES interact — TIMES SPACE CENTRES

EAST
Green Channel Comm. 9899721820
Infinity Comm. 9810187009
Mantra Media & Mktg. 9811506870
OM Advtg. 9811715867
Parichay Advtg. & Mktg. 9350309890
Sambhav Advtg. 9810441787
VCAN (Vidhi Advtg. & Mktg.) 9899701024
FOR MORE DETAILS, PLEASE CONTACT BELOW MOBILE NOS. 98992 68321

WEST
Hariom Advtg. Company 9811555181
Sambandh Advtg. 9911194013
Unique ADs Media 9871055455
Zenith Advtg. Media 9871712835
Kartik Advertisers 9811636804
FOR MORE DETAILS, PLEASE CONTACT BELOW MOBILE NOS. 93126 33518 | 98117 90649

TIMES interact
TO ADVERTISE IN THE CLASSIFIEDS SECTION, FOR ANY OF THE BELOW MENTIONED CATEGORIES
MATRIMONIAL · PROPERTY · BUSINESS · RECRUITMENT, EDUCATION · CHANGE OF NAME, LOST & FOUND · SHOPPING · TENDER, PUBLIC NOTICE · SERVICES, VEHICLES, TRAVEL · BIRTHDAY/ ANNIVERSARY ADS

Please call us at the below mentioned nos.

Area / Zone	Contact Person	Mobile No.
Central Delhi1 + North Delhi	Amit Ghosh	98117 90649
Central Delhi2 + Ghaziabad	Sunil Srivastava	99994 99496
South Delhi + Faridabad	Raghav Arora	99999 95460
West Delhi + Dwarka + Gurgaon	Aman Pasricha	93126 33518
East Delhi + Noida	Sumit Negi	98992 68321

Readers are recommended to make appropriate enquires and seek appropriate advice before sending money, incurring any expenses, acting on medical recommendations or entering into any commitment in relation to any advertisement published in this publication. All creatives marked as Advertorial, Spotlight and Promotional Features are to be treated as Advertisements. The Times of India Group doesn't vouch for any claims made by the Advertisers of the products and services. The Printer, Publisher, Editor, and the owners of The Times of India Group publications shall not be held liable for any consequences, in the event such claims are not honoured by the Advertisers.

फटाफट खबरें

मोदी का इंटरव्यू PR स्टंटः कांग्रेस

■ NBT रिपोर्टः कांग्रेस ने पीटीआई को दिए मोदी के इंटरव्यू को स्क्रिप्टेड बताया। कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने रविवार देर शाम कहा कि यह एक PR स्टंट है। उन्होंने कहा, ये एक सोचा समझा तरीका है ताकि विपक्ष के उठाए बजट और अन्य मुद्दों से ध्यान भटकाया जा सके। ट्रेड डील पर किसानों से दबाव की वजह से मोदी ध्यान भटकाने की कोशिश कर रहे हैं।

जयराम रमेश

'भारत सामाजिक समरसता का केंद्र'

■ पीटीआई, गोरखपुर (यूपी): RSS चीफ मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि भारत विश्व में सद्भाव और सामाजिक समरसता का केंद्र है। उन्होंने कहा कि देश की सोच लेन-देन पर नहीं, बल्कि एकात्मता और परस्पर अपनत्व की भावना पर आधारित है। आरएसएस के शताब्दी वर्ष के अवसर पर एक कार्यक्रम में भागवत ने कहा कि समाज स्वार्थ से नहीं, बल्कि आपसी जुड़ाव और साझी जिम्मेदारी से बनता है।

मोहन भागवत

BJP कोर ग्रुप की बैठक, नड्डा पर्यवेक्षक

■ NBT रिपोर्ट, देहरादूनः उत्तराखंड बीजेपी की कोर ग्रुप की बैठक में पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा राष्ट्रीय पर्यवेक्षक के रूप में शामिल हुए। बैठक में पहली बार ऐसा हुआ जब कोर ग्रुप बैठक बिना प्रदेश प्रभारी और सह प्रभारी के हुई। बैठक में उत्तराखंड बीजेपी के 14 बड़े नेता मौजूद रहे, लेकिन पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा और तीरथ सिंह रावत बैठक में शामिल नहीं थे। कार्यकर्ताओं को ट्रेनिंग में संगठनात्मक विषयों की जानकारी दी जाएगी और चुनावों को लेकर कार्यकर्ताओं को ट्रेनिंग दी जाएगी।

'हम तैयार हैं' का बजट, ये 2047 के विज़न की नींव: मोदी

UPA के दौर में आर्थिक कुप्रबंधन था। तब ट्रेड डील्स पर बात होती थी, फिर टूट जाती थी, लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा। अब तक 38 देशों के साथ फ्री ट्रेड समझौते हुए हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बजट, 2047 के विकसित भारत के विजन, छोटी इंडस्ट्रीज को ग्लोबल उड़ान, AI में लीडरशिप की तैयारी, सुधारों की रफ्तार और महिलाओं को विकास के केंद्र में रखने जैसे तमाम मुद्दों पर अपनी बात रखी। न्यूज एजेंसी PTI को दिए इंटरव्यू में बजट पर उन्होंने कहा, यह किसी मजबूरी में लिया गया 'नाउ ऑर नेवर' फैसला नहीं है, बल्कि यह तैयारी और प्रेरणा से पैदा हुआ 'हम तैयार हैं' का पल है। पढ़िए इंटरव्यू की खास बातें...

Q क्या हाल में हुए व्यापार समझौतों में MSME पर बढ़ता ध्यान उनकी बेहतर निर्यात क्षमता की वजह से है या उन्हें ग्लोबल बाजार से जोड़ने की खास रणनीति है?

ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, यूके, यूरोपियन यूनियन और अमेरिका के साथ हुए फ्री ट्रेड समझौतों (FTA) से भारत के MSME को बड़े निर्यात अवसर मिले हैं। इन समझौतों के तहत कई उत्पादों पर टैरिफ बहुत कम या शून्य हो गया है, जिससे कपड़ा, चमड़ा, फुटवियर, इंजिनियरिंग सामान, प्रोसेस्ड फूड, रसायन, हस्तशिल्प और रत्न-आभूषण जैसे क्षेत्रों को सीधा फायदा होगा। इन एफटीए का मकसद सिर्फ व्यापार बढ़ाना नहीं है, बल्कि भारतीय MSME को ग्लोबल मार्केट से मजबूती से जोड़ना भी है। साथ ही, उन्हें रिसर्च एंड डिवेलपमेंट, टेस्टिंग, सर्टिफिकेशन और पर्यावरणीय मानकों को पूरा करने में भी सहयोग मिल रहा है।

सरकार की नीति अब MSME को वैश्विक विकास के केंद्र में रखती है, ताकि देश के युवा सिर्फ घरेलू बाजार तक सीमित न रहें, बल्कि अंतरराष्ट्रीय व्यापार में भी भाग लें। वहीं, देश के भीतर भी MSME को मजबूत किया जा रहा है। इकनॉमिक सर्वे के अनुसार, बैंक ऋण में इजाफा और एसेट क्वॉलिटी में सुधार हुआ है। बजट में सस्ती कार्यशील पूंजी, क्रेडिट गारंटी का विस्तार, जीएसटी प्रक्रियाओं को आसान बनाना जैसे कदम शामिल हैं।

Q क्या इस साल का बजट पारंपरिक लेखा-जोखा भर नहीं, बल्कि भारत के भविष्य का विज़न दस्तावेज है? क्या अब देश 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की ओर अगला बड़ा कदम उठाने के लिए तैयार है?

हम आज महामारी के बाद की नए ग्लोबल ऑर्डर में रह रहे हैं, जहां भारत के लिए व्यापार और नवाचार के नए अवसर खुल रहे हैं। कई देश भारत के साथ साझेदारी को उत्सुक हैं। हमारे पास युवा और तेजी से कुशल होती आबादी है और हम मजबूत विकास के साथ कम महंगाई और व्यापक आर्थिक स्थिरता पर ध्यान दे रहे हैं। अंतरिक्ष, खेल और स्टार्टअप जैसे क्षेत्रों में युवा नई पहचान बना रहे हैं। राजनीतिक स्थिरता और सुधारों से जुड़ी नीतियों ने इस भरोसे को और मजबूत किया है कि यह भारत के लिए ऐतिहासिक अवसर है।

आजादी के अमृत महोत्सव ने भी देश में मिशन की भावना जगाई। स्वच्छता जैसे मुद्दों पर लोगों के व्यवहार में बदलाव दिखा है, जिससे साफ है कि विकसित राष्ट्र केवल बुनियादी ढांचे से नहीं, बल्कि सामाजिक आदतों से भी बनता है।

यह 'अब नहीं तो कभी नहीं' का क्षण नहीं, बल्कि तैयारी और प्रेरणा से जन्मा 'हम तैयार हैं' का समय है। यह बजट 2026 भर नहीं, बल्कि 2047 तक विकसित भारत की मजबूत नींव रखने वाला दस्तावेज है।

मेरा स्वभाव ऐसा है कि मैं कभी पूरी तरह संतुष्ट नहीं रहता। मेरा मानना है कि सार्वजनिक जीवन में रचनात्मक बेचैनी और लगातार कुछ बेहतर करने की लगन जरूरी होती है।

FILE PHOTOS

Q बजट में मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्रों पर फोकस बढ़ा दिख रहा है, पिछले प्रयासों के क्या नतीजे रहे और क्या यह क्षेत्र रोजगार और आर्थिक विकास का बड़ा आधार बन सकता है?

औद्योगिकीकरण और शहरीकरण के साथ गांवों के युवा शहरों में आकर ग्लोबल इंडस्ट्री में काम करना चाहते हैं। उनकी इस उम्मीद को मैन्यूफैक्चरिंग और सर्विस सेक्टर ही पूरा कर सकते हैं। इसी सोच के साथ 'मेक इन इंडिया' और प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव (PLI) जैसी योजनाएं शुरू की गईं, जिनसे देश का औद्योगिक आधार मजबूत हुआ, ग्लोबल मार्केट से जुड़ाव बढ़ा और बड़े पैमाने पर रोजगार पैदा हुए। आज भारत मोबाइल फोन बनाने में दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा निर्माता है। डिफेंस, फार्मा, इलेक्ट्रॉनिक्स, टेक्सटाइल, केमिकल्स और इंजिनियरिंग जैसे क्षेत्रों में भी तेज प्रगति हुई है। खिलौनों के क्षेत्र में भी निर्यात में बड़ा इजाफा हुआ है। स्टार्टअप क्रांति ने मैन्यूफैक्चरिंग से जुड़े नए उद्यमों को बढ़ावा दिया है। मैन्यूफैक्चरिंग खास इसलिए है क्योंकि यह क्षेत्र हर कौशल स्तर के लोगों को नौकरी देता है और इसके साथ कई सहायक उद्योग भी विकसित होते हैं। बजट 2026 सेमीकंडक्टर, रेयर अर्थ और कंटेनर जैसे रणनीतिक क्षेत्रों पर जोर देकर आत्मनिर्भरता और बड़े रोजगार सृजन की दिशा में आगे बढ़ता है।

Q IT सेक्टर और डेटा सेंटर को दी गई टैक्स छूट से क्या भारत को लंबे समय में टेक पावरहाउस और AI में अग्रणी देश बनने के लक्ष्य को मजबूती मिलेगी?

दुनिया तेजी से तकनीकी बदलाव के दौर से गुजर रही है, जहां सिर्फ डिजिटल को अपनाना नहीं, बल्कि डिजिटल नेतृत्व जरूरी है। भारत 140 करोड़ लोगों के साथ दुनिया के सबसे बड़े डेटा उत्पादक और उपभोक्ता देशों में है। इस विशाल और विविध डेटा क्षमता का सही उपयोग तभी संभव है, जब सुरक्षा, कौशल, सॉफ्टवेयर और इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत हों। डिजिटल पर्सनल डेटा प्रोटेक्शन कानून से डेटा सुरक्षा सुनिश्चित की गई है। वहीं, डेटा सेंटर पर जोर मजबूत बुनियादी ढांचा तैयार कर रहा है, जो AI के लिए जरूरी कंप्यूटिंग शक्ति देगा। बजट में दी गई टैक्स छूट निवेश बढ़ाएगी, लागत घटाएगी और भारत को ग्लोबल डेटा हब और AI नेतृत्व की दिशा में आगे ले जाएगी।

Q बजट में रक्षा खर्च में बड़ी बढ़ोतरी क्या 'ऑपरेशन सिंदूर' से मिले अनुभवों का नतीजा है, क्या यह पड़ोसियों पर अविश्वास का संकेत है और पाकिस्तान के साथ फिर से युद्ध का खतरा कितना वास्तविक है?

इस साल के बजट में रक्षा क्षेत्र के लिए रेकॉर्ड 7.85 लाख करोड़ रुपये अलॉट किए गए हैं, जो पिछले बजट से 15% ज्यादा है। आधुनिकीकरण के लिए 1.85 लाख करोड़ रुपये और तीनों सेनाओं के पूंजीगत खर्च के लिए करीब 2.20 लाख करोड़ रुपये रखे गए हैं, जिनमें से 75% घरेलू रक्षा उद्योग से खरीद पर खर्च होंगे। इससे सुरक्षा मजबूत होने के साथ रोजगार और औद्योगिक आधार को भी बढ़ावा मिलेगा। रक्षा निर्यात 23,000 करोड़ रुपये पार कर चुका है। पूर्व सैनिकों के स्वास्थ्य के लिए 12,000 करोड़ रुपये से अधिक का प्रावधान है। सरकार का जोर लगातार आधुनिकीकरण, आत्मनिर्भरता और सशस्त्र बलों को हर समय मजबूत रखने पर है।

Q क्या भारत की 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' से हुए बदलावों से आप संतुष्ट हैं, इन सुधारों का आम लोगों को क्या लाभ मिला है और अगले दशक के लिए आप किन तीन प्रमुख आर्थिक सुधारों को प्राथमिकता देंगे?

मैं स्वभाव से कभी पूरी तरह संतुष्ट नहीं होता, क्योंकि सुधार की यात्रा निरंतर चलती रहती है। फिर भी 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' ने बड़े बदलाव किए हैं। GST सुधार से घरों और MSME को राहत मिली, छोटी कंपनियों की परिभाषा बदलने से अनुपालन बोझ घटा और बीमा में 100% विदेशी निवेश यानी FDI से विकल्प बढ़े। श्रम सुधार, डिजिटल भुगतान (UPI) और स्टार्टअप इकोसिस्टम ने युवाओं और उद्यमियों को नए अवसर दिए। बिचौलियों की भूमिका घटी और बुनियादी ढांचे में सुधार से आम लोगों को फायदा हुआ। अगले दशक में प्राथमिकता होगी- प्रतिस्पर्धा बढ़ाने वाले संरचनात्मक सुधार, तकनीक और मैन्यूफैक्चरिंग में नवाचार। शासन को और सरल बनाना भी हमारा टारगेट होगा।

Q आपने हमेशा कहा है कि विकसित भारत के विज़न के केंद्र में महिलाएं होनी चाहिए। तो यह बजट किन ठोस कदमों के जरिए महिलाओं के लिए बाधाएं कम करता है और उन्हें देश की विकास यात्रा में अधिक भागीदारी के अवसर देता है?

हमारी सरकार के हर फैसले में महिलाओं का कल्याण केंद्र में रहा है। बेटियों के जन्म से लेकर उनके आत्मनिर्भर बनने तक अनेक योजनाएं चलाई गई हैं। इस बजट में भी महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने पर खास जोर है। ग्रामीण क्षेत्रों में महिला उद्यमिता को बढ़ावा देने, स्वयं सहायता समूहों और लखपति दीदी जैसी पहलों को मजबूत करने के कदम उठाए गए हैं। हर जिले में गर्ल्स STEM हॉस्टल का प्रावधान उच्च शिक्षा में लड़कियों की बाधाएं कम करेगा। 1.5 लाख केयरगिवर्स की ट्रेनिंग से सम्मानजनक रोजगार बढ़ेगा। साथ ही एवीजीसी जैसे नए क्षेत्रों में महिलाओं के लिए अवसर सृजित किए जा रहे हैं।

EXTRACT OF UNAUDITED CONSOLIDATED FINANCIAL RESULTS FOR THE QUARTER AND NINE MONTHS ENDED 31 DECEMBER, 2025 (₹ in Lakh except as stated otherwise)

Particulars	Quarter ended 31.12.2025	Nine months ended 31.12.2025	Quarter ended 31.12.2024
Total Income from Operations	1,47,693	4,57,236	1,68,190
Net Profit from ordinary activities before tax	22,869	66,276	18,176
Net Profit for the period after tax (PAT)	16,997	49,266	13,261
Total Comprehensive Income for the period (Comprising Profit for the period after tax and Other Comprehensive Income after tax)	17,028	49,254	13,005
Paid-up Equity Share Capital (Face Value per share Re. 1/-)	2,289	2,289	2,289
Earnings Per Equity Share (Face Value of Re. 1/- each) 1. Basic 2. Diluted	 7.43 7.43	 21.52 21.52	 5.79 5.79

KEY NUMBERS OF UNAUDITED STANDALONE FINANCIAL RESULTS (₹ in Lakh)

Particulars	Quarter ended 31.12.2025	Nine months ended 31.12.2025	Quarter ended 31.12.2024
Total income from operations	1,47,693	4,57,236	1,68,190
Profit before tax	22,859	66,249	18,167
Profit after tax	16,987	49,239	13,252

SCAN ME

Place: Noida
Date: 14 February 2026

For and on behalf of Board of Directors of KRBL Limited
Sd/-
Anoop Kumar Gupta
Joint Managing Director
DIN: 00030160

Regd. Office: 5190, Lahori Gate, Delhi-110006
CIN: L01111DL1993PLC052845, Email: investor@krblindia.com, website: www.krblrice.com, Tel.: +91-11-23968328, Fax: +91-11-23968327

NOTES:
The above is an extract of detailed format of Quarterly Financial Results filed with the Stock Exchanges under Regulation 33 of the SEBI (Listing Obligations and Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The full format of the Quarterly Financial Results are available on the Stock Exchange websites viz. www.bseindia.com and www.nseindia.com. The same is also available on the company's website viz. www.krblrice.com and can be accessed through scanning the QR Code.

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 16-02-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH10 User: cci Time: 02-15-2026 22:05 Color:

नवभारत टाइम्स • विचार

नवभारत टाइम्स । नई दिल्ली । सोमवार, 16 फरवरी 2026

> तकनीकी प्रगति जीवन में इस तरह रच-बस जानी चाहिए कि बिलकुल अजनबी न लगे। - *बिल गेट्स*

AI सभी के लिए

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस को लेकर जब पूरी दुनिया में बहस चल रही है, तब आज से नई दिल्ली में कई देशों के प्रमुख, टेक कंपनियों के दिग्गज और विशेषज्ञ एक छत के नीचे होंगे। 16 से 20 फरवरी तक होने वाला इंडिया-AI इम्पैक्ट समिट तकनीक के भविष्य के लिए बेहद अहम है। इस मंथन से न केवल यह पता चल सकता है कि AI की दिशा क्या होनी चाहिए, बल्कि उस तरफ चलने की राह भी खुल सकती है।

आज से समिट शुरू

भारत का सूत्र | सम्मेलन के तीन मुख्य सूत्र हैं - पीपुल, प्लैनेट और प्रोग्रेस। ये तीन सूत्र ही AI के विकास के तीन महत्वपूर्ण स्तंभ साबित हो सकते हैं। इस वक्त दुनिया के ज्यादातर देशों में मशीनों की वजह से रोजगार संकट, सुरक्षा और पर्यावरणीय चिंता है। ऐसे में भारत का दिया सूत्र मददगार साबित हो सकता है। इसमें तकनीक की बात केवल इंसान नहीं, धरती के लिए भी है, उसे बेहतर बनाने के लिए। AI को केवल आर्थिक या रणनीतिक बढ़त नहीं, एक जिम्मेदारी के रूप में देखा जाना चाहिए।

सभी का विकास | यह सम्मेलन AI के लोकतंत्रीकरण की शुरुआत हो सकता है। किसी भी तकनीक का सबसे ज्यादा फायदा तब मिलता है, जब वह सभी के लिए सुलभ हो। भारत का मानना रहा है कि टेक्नॉलजी तक हर किसी की पहुंच होनी चाहिए, ताकि सभी को बराबर मौके मिलें। समिट को जिन 7 प्राथमिक क्षेत्रों में बांटा गया है, उनमें एक है - डेमोक्रेटाइजिंग AI रिसोर्सेज वर्किंग ग्रुप। यह बताता है कि भारत AI को समावेशी विकास के टूल के रूप में देखता है। इस पर किसी एक का नियंत्रण नहीं होना चाहिए।

मिशन में तेजी | अमेरिका या चीन की तुलना में भारत का AI सफर अभी बस शुरू ही हुआ है। सरकार ने मार्च 2024 में 'इंडिया AI मिशन' की शुरुआत की थी। इस मिशन में सेमीकंडक्टर, AI और मशीन लर्निंग वगैरह के लिए कई पहल की गई है। सरकार विदेशी क्लाउड कंपनियों को भी देश में ही डेटा सेंटर स्थापित करने के लिए लुभा रही है। इम्पैक्ट समिट से इन सारे प्रयासों को बल मिलेगा।

तकनीक और सुरक्षा | AI की सबसे बड़ी जरूरत है डेटा और यही भारत की सबसे बड़ी ताकत है। लेकिन, केवल डेटा का मैदान बनने से काम नहीं चलेगा। भारत को अपना डेटा सेंटर और अपना AI मॉडल चाहिए। इसके लिए जरूरी बुनियादी ढांचे तेजी से डिवेलप करने होंगे। यह तकनीक की दौड़ ही नहीं, सुरक्षा के लिए भी जरूरी है। देश को अगर यूजर से आगे बढ़कर डिवेलपर बनना है, तो रफ्तार बढ़ानी होगी। इंडिया-AI इम्पैक्ट समिट वह मौका है, जहां भारत अपनी क्षमता और महत्वाकांक्षा - दोनों दिखा सकता है।

नश्तर

निर्माण कार्य चालू आहे

सौरभ श्रीवास्तव

शहरों के साथ गड्ढे भी स्मार्ट हो गए हैं। अब वे सड़कों पर यूं ही नहीं नमूदार होते। उनके साथ एक बोर्ड भी आता है- निर्माण कार्य प्रगति पर है। निर्माण कार्य में प्रगति हो न हो, गड्ढे दिन-ब-दिन प्रगति करते जा रहे हैं। सड़कों के साथ समाज में उनकी संख्या तेजी से बढ़ रही है।

बोर्ड और फेंसिंग की वजह से सड़क के गड्ढे तो आसानी से दिख जाते हैं, पर समाज के गड्ढों का अहसास तब होता है, जब कोई उनमें गिर जाता है। सुबह टहलते वक्त एक गड्ढे के बगल से गुजरा तो आवाज सुनी, 'कोई बाहर निकालो।' मैंने झांककर देखा, एक कृषकाय व्यक्ति टकटकी लगाए ऊपर की ओर देख रहा था।

मैंने गड्ढे के किनारे लेटकर अपना हाथ उसकी ओर बढ़ाया और पूरी ताकत लगाकर उसे ऊपर खींच लिया। अब वह सड़क की सतह पर खड़ा था और मैं पड़ा था। वह मुस्कुराते हुए बोला, 'मुझे उठाने में आप काफी गिर गए।' 'गिरे को उठाने के लिए कई बार झुकना पड़ता है, पर यह गिरना नहीं है', मैं यह कहना चाहता था पर ज्ञान से पगे इस वाक्य के बाहर आने का यह सही वक्त नहीं था।

'तुम्हारा क्या नाम है?' मैंने पूछा। 'देश!'

'एक व्यक्ति का नाम देश कैसे हो सकता है? वह तो कई व्यक्तियों से मिलकर बनता है।' 'क्यों नहीं हो सकता? इस नाम वाले और भी हैं, जिनकी आलोचना देश की आलोचना है, जिनकी तारीफ देश भक्ति है।' मैं समझा नहीं, पर समझने का अभिनय करते हुए 'हूं' कहा और पूछा, 'तो देश यानी आपको कौन गड्ढे में गिरा गया?' 'वही जो यह बोर्ड लगा गए, निर्माण कार्य प्रगति पर है।'

दोनों उसके यानी 'देश' के हालात पर बात करते हुए टहलने लगे। कुछ दूर चलने के बाद दोनों अचानक एक बड़े गड्ढे में गिर गए। मिट्टी थी तो चोट नहीं लगी। झाड़कर खड़े हुए और एक-दूसरे को देखकर खिलखिलाने लगे। अब मैं और देश, दोनों गड्ढे में थे और इंतजार कर रहे थे कि कोई हमें बाहर निकाले।

एकदा

संकलन : दीनदयाल मुरारका

ज्ञान के सागर

सन 1835 में ईश्वरचंद्र विद्यासागर ने कलकत्ता के संस्कृत कॉलेज में अलंकार कक्षा में प्रवेश लिया। उनके गुरु थे प्रेमचंद तर्कवागीश - व्याकरण, भाषा और तर्क के प्रकांड पंडित। नए छात्र को देख उन्होंने सामान्य प्रश्न पूछे, पर उत्तर में गहराई, अर्थ की स्पष्टता और तर्क की सुसंगति ने गुरु को चकित कर दिया। कुछ ही दिनों में स्पष्ट हो गया कि बालक साधारण नहीं है। उनके घर की स्थिति अच्छी नहीं थी। गरीबी और असुविधा के कारण उन्हें दिन में वह बाजार से सामान लाने जैसे घर के काम करते। रात में जब सब सो जाते, तब उनकी दुनिया जागती। दीपक की मद्धिम लौ के सामने वह घंटों बैठे रहते। परीक्षा निकट आई तो उन्होंने स्वयं को पूरी तरह अध्ययन में समर्पित कर दिया। परिणाम में वह प्रथम आए। कॉलेज से लौटते हुए वह प्रतिदिन तारानाथ तर्कवाचस्पति के घर जाकर शास्त्रों का अतिरिक्त अध्ययन करते। एक दिन वहां उपस्थित विद्वानों ने उनकी गहरी समझ और विनम्रता देखकर कहा, 'यह बालक एक दिन महान पंडित बनेगा।' त्याग, अनुशासन और करुणा उनके व्यक्तित्व की आधारशिला बने। आगे चलकर वह ईश्वरचंद्र 'विद्यासागर' यानी ज्ञान का सागर कहलाए।

Subrata Dhar

अवामी लीग से आगे बढ़कर बांग्लादेश में अब BNP के साथ चलने का समय

बांग्लादेश पर भारत की होगी परीक्षा

शान्तेष कुमार सिंह

बांग्लादेश के हालिया आम चुनाव ने ढाका की राजनीति को ही नहीं बदला, भारत के रणनीतिक, सुरक्षा और आर्थिक हितों के लिए भी नया समीकरण खड़ा कर दिया है। यह चुनाव भारत के लिए दक्षिण एशिया के भू-राजनीतिक संतुलन को दोबारा परखने का मौका बन गया है।

चुनौती संग अवसर | बांग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी (BNP) के नेतृत्व वाली सरकार का उदय भारत के लिए नई चुनौती के साथ अवसर भी लेकर आया है। अवामी लीग से लंबे समय की निकटता के बावजूद मोदी सरकार ने BNP के उदय को स्वागत योग्य बताया है। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने कहा है कि भारत किसी भी लोकतांत्रिक रूप से चुनी सरकार के साथ काम करने को तैयार है। भारत लंबे समय से अवामी लीग से निकटता रखता रहा है, इसलिए अब BNP प्रधान ढाका में नया विश्वास निर्माण करना उसकी विदेश नीति की परीक्षा बन गया है।

सुरक्षा मुद्दा | भारत के लिए बांग्लादेश का चुनाव सुरक्षा से जुड़ा बड़ा मुद्दा भी है। उत्तर-पूर्वी राज्य भौगोलिक रूप से बांग्लादेश से घिरे हुए हैं। अगर बांग्लादेश में चरमपंथी ताकतें मजबूत होती हैं, तो सीमा पार से आतंकवाद, हथियारों और नशीले पदार्थों की तस्करी, अवैध घुसपैठ और दूसरे अपराध बढ़ सकते हैं।

जमात की हार | बांग्लादेश चुनाव के नतीजों का असर भारत-पाकिस्तान और भारत-चीन रणनीति पर भी पड़ता है। हालिया चुनाव में बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी की हार नई दिल्ली के लिए राहत की खबर है। जमात को पाकिस्तान का समर्थन है। उसकी कट्टरपंथी विचारधारा भारत की सुरक्षा, क्षेत्रीय स्थिरता और द्विपक्षीय संबंधों के लिए खतरा पैदा कर सकती थी।

> **नतीजों का असर**
> - हालिया तनाव को भुलाकर आगे बढ़ सकते हैं दोनों देश
> - जमात का सत्ता से दूर रहना भारत के लिए राहत भरा
> - चीन-पाकिस्तान के बढ़ते प्रभाव को काउंटर करे नई दिल्ली

पाकिस्तान को झटका | अगर जमात सत्ता में आती, तो आशंका थी कि वह पाकिस्तान के लिए प्रॉक्सी की तरह काम करती। उसकी जीत से हूजी, लश्कर और जैश जैसे आतंकी समूहों को बांग्लादेश से नया लॉन्च पैड मिलने की आशंका थी। अब यह डर नहीं है। BNP राष्ट्रवादी है, लेकिन जमात की तरह कट्टर नहीं। नई सरकार ने पहले ही भारत को 'प्राथमिक पड़ोसी' कहा है।

सुरक्षा सहयोग | इसी तरह, चीन का बांग्लादेश में बढ़ता प्रभाव - खासकर रक्षा और बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में, भारत के लिए रणनीतिक चुनौती बनता जा रहा है। मसलन, चीन निर्मित ड्रोन और अन्य सैन्य उपकरणों का बांग्लादेश में उत्पादन व तैनाती भारत की पूर्वी सीमा के पास एक नया रणनीतिक तनाव उत्पन्न कर सकते हैं। भारत के लिए जरूरी है कि वह बांग्लादेश के साथ सुरक्षा सहयोग को मजबूत करके न केवल सीमा पर स्थिरता बनाए रखे, चीन-पाकिस्तान के बढ़ते प्रभाव को भी संतुलित करने में सक्षम रहे।

व्यापार पर असर | भारत ने बांग्लादेश में ऊर्जा, रेलवे, जल संसाधन और डिजिटल ढांचे में बड़ा निवेश किया है। वहीं, बांग्लादेश हमसे कपास, रेडीमेड कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स और दवाएं आयात करता है। इसी वजह से अगर बांग्लादेश में राजनीतिक अस्थिरता होती है या व्यापार नीतियों में बदलाव आता है, तो उसका सीधा असर भारतीय उद्योगों पर पड़ सकता है। नई सरकार की आर्थिक नीतियां क्या होंगी, वह भारत-बांग्लादेश मुक्त व्यापार समझौते को कैसे देखेगी और भारतीय निवेशकों के लिए नियम कितने आसान या सख्त होंगे - ये सभी बातें भारत की आगे की रणनीति तय करेंगी। बांग्लादेश अगर चीन या किसी दूसरी शक्ति की ओर झुकता है, तो भारत को उसी हिसाब से नई योजनाओं पर काम करना होगा।

संवाद चलता रहे | भारत-बांग्लादेश के बीच सांस्कृतिक और भाषाई संबंध इतने गहरे हैं कि एक देश की घटनाएं दूसरे पर तत्काल असर डालती हैं। यदि बांग्लादेश में धार्मिक या जातीय उत्पीड़न बढ़ता है, तो भारत के बांग्ला भाषी क्षेत्रों - खासकर पश्चिम बंगाल और उत्तर पूर्व में भी राजनीतिक व सामाजिक तनाव दिख सकता है। इसलिए जरूरी है कि भारत मानवाधिकार, धार्मिक सहिष्णुता और लोकतंत्र जैसे मुद्दों पर भी बांग्लादेश के साथ लगातार संवाद बनाए रखे।

संतुलन जरूरी | बांग्लादेश चुनाव के बाद भारत को संतुलित नीति अपनानी होगी। उसे सीमा सुरक्षा और आतंकवाद विरोधी सहयोग मजबूत करना है, साथ ही निवेश और आर्थिक साझेदारी बढ़ानी है। नई सरकार के साथ भरोसेमंद संवाद जरूरी है। अगर भारत संवेदनशीलता से आगे बढ़े, तो यह बदलाव दोनों देशों के रिश्तों और क्षेत्रीय स्थिरता के लिए सकारात्मक साबित हो सकता है।

(लेखक JNU के अंतरराष्ट्रीय अध्ययन संस्थान में प्रफेसर हैं)

सपने देखने का साहस देतीं ये 'छोटी' टीमें

जीवन आनंद
शैलेंद्र पांडेय

Rudie van Vuuren एक डॉक्टर हैं, अपनी पत्नी के साथ मिलकर वाइल्ड लाइफ सेंक्चुरी चलाते हैं, प्राकृतिक संसाधनों को बचाने के लिए काम करते हैं और अभी क्रिकेट नामीबिया के अध्यक्ष पद की भी जिम्मेदारी संभाल रखी है। वह कभी खिलाड़ी भी थे। अपने देश का रग्बी विश्व कप में प्रतिनिधित्व किया। और हां, एक छोटी-सी पहचान क्रिकेटर की भी है। 2003 में जिस साल रग्बी विश्व कप खेला, उसी साल वनडे विश्व कप में हिस्सा लिया। दुनिया में ऐसे खिलाड़ी अंगुलियों पर गिने जा सकते हैं, जो दो खेलों के वर्ल्ड कप में रहे हों। लेकिन, रूडी की मुस्कान सबसे ज्यादा खिलती है उस एक गेंद की चर्चा पर, जिसने सचिन तेंडुलकर को पवेलियन की राह दिखाई थी।

रूडी का यह कीमती लम्हा ICC इवेंट्स में 'छोटी टीमों' की यादगार कहानियों का बस एक छोटा-सा हिस्सा है। बड़े मंच पर बड़ी टीमों के भिड़ने, बड़े नामों के आमने-सामने आने का इंतजार रहता है सभी को, लेकिन इनके बीच में जब कोई असोसिएट टीम और उसका कोई खिलाड़ी चौंका जाता है, तो टूर्नामेंट का रोमांच बढ़ जाता है। इन टीमों को खेलते देखना खास है, क्योंकि इनके लिए हर मुकाबला होता है करो या मरो वाला। इन्हें नहीं पता कि अगली बार कब मौका मिलेगा। इनके लिए जो है, आज है और उसी में ये अपना सब कुछ झोंक देते हैं। हर मैच में मैदान पर उतरते हैं खुद को साबित करने के लिए, यह दिखाने के लिए कि वे भी खेलते हैं। हारने के लिए इनके पास कुछ खास नहीं होता, लेकिन जीतने के लिए होता है पूरा संसार।

बड़ी टीमों के पास अनुभव, संसाधन और स्टार खिलाड़ी होते हैं। लेकिन, छोटी टीमों के पास होता है जज्बा, भूख और खुद को साबित करने की बेचैनी। इन पर अतीत का बोझ नहीं होता और न भविष्य की चिंता। इनके खेल में जो आजादी आती है, वही अलग चमक भरती है इवेंट्स में। खिलाड़ी हर मुमकिन रन के लिए दौड़ते हैं, हर गेंद के पीछे जान लगाते हैं और हर विकेट पर ऐसा जश्न मनाते हैं, मानो यही शुरुआत और यही आखिरी हो। दुस्साहस भरा होता है इनमें इतिहास को चुनौती देने के लिए।

न पर्याप्त फंडिंग और न ढंग का इंफ्रास्ट्रक्चर - इन टीमों को खड़ा करना आसान नहीं होता। कई देशों में तो क्रिकेट मुख्य खेलों में भी शामिल नहीं। फुटबॉल, रग्बी, एथलेटिक्स, बेसबॉल वगैरह के बाद नंबर आता है इसका। ऐसे में ये टीमें अपने साथ लाती हैं संघर्ष और सपने की तमाम कहानियां। खेल इनके लिए जीवन है, पर उससे जीवन नहीं चलता। इनमें कोई पुलिस वाला है, कोई बैंककर्मी, कोई इंजीनियर और कोई फायर फाइटर। इनकी एक पहचान बनती है क्रिकेट से।

THE SPEAKING TREE

और पढ़ने के लिए देखें
www.speakingtree.nbt.in

जोड़ने-छोड़ने का अल्जेब्रा जीवन का है सबसे बड़ा सूत्र

अनमोल सक्सेना

हमारा जीवन महज घटनाओं का सिलसिला नहीं, ऊर्जा का संतुलन है। हर पल हमारे भीतर दो दिशाएं सक्रिय रहती हैं। इसी को जानने के लिए बाबूजी महाराज के नाम से प्रसिद्ध संत श्याम लाल सक्सेना ने ऊर्जा के 12 मूल तत्वों के बारे में बताया है। 6 सकारात्मक तत्व, जिन्हें अपनाना चाहिए और उतने ही नकारात्मक, जिनका त्याग अनिवार्य है। यही सिक्स सिग्मा, सिक्स कप्पा का आधार है।

यह मॉडल कहता है कि कोई भी इंसान महज अच्छाइयां जोड़कर अथवा बुराइयां छोड़कर विकसित नहीं हो सकता। असल बदलाव जोड़ और घटाव के साथ चलने से आता है। जागृति का अलजेब्रा भी यही है। दया, विनम्रता, माफी, सचाई, प्रेम और दान जैसे 6 सिग्मा विकास की ताकत हैं। जब दया चुनते हैं, तो हृदय विशाल हो जाता है। सचाई अपनाने पर मन स्पष्ट होता है। माफ करने में दिल हल्का होता है। ये गुण हमें जोड़ते हैं। हर सकारात्मक काम हमारे जीवन में विश्वास, शांति, गहराई जोड़ने के साथ भगवान के करीब ले जाता है। इसके विपरीत, वासना, गुस्सा, लालच, लगाव, ईर्ष्या और अहंकार जैसे 6 कप्पा हमारी शक्तियों का नाश करते हैं। ये हमारी ऊर्जा खा जाते हैं। गुस्सा हमारा विवेक छीन लेता है। लालच से संतोष खत्म होता है। अहंकारी होने पर प्रेम सीमित होता है। भले ही ये गुण हमें बाहर से शक्तिशाली दिखाएं, मगर भीतर से खोखला कर देते हैं। इसलिए इन्हें महज दबाना नहीं, समझदारी से छोड़ना चाहिए।

AI Image

सफाई के बगैर अच्छाई रह नहीं पाएगी और अच्छाई के बगैर सफाई खालीपन बन जाएगी। यह मॉडल किसी खास धर्म या रिवाज का नहीं है। आप जोड़कर और छोड़कर आगे बढ़ते हैं। यह प्रक्रिया एक दूसरे के परस्पर है। अगर सिग्मा आत्मा की सकारात्मकता दिखाता है, तो कप्पा उसे जरूरी रूप से तोड़ता है। जीवन का अगर कोई समीकरण होता, तो वह कुछ ऐसा होता : मानव विकास = (गुण) – (दोष)। यह जागृति का अलजेब्रा है, जीता-जागता फॉर्म्युला।

कांटे की बात

> यह 'हाथ न मिलाना' कितनी बेवकूफी भरी बात है जो भारत ने शुरू की है। यह हमारे जैसे देश के लिए ठीक नहीं है। या तो खेल की भावना के साथ ठीक से खेलें या बिल्कुल मत खेलें।

संजय मांजरेकर, पूर्व क्रिकेटर

हर छठे इंसान की समस्या सुलझा रहा AI

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस का सफर अभी शुरू ही हुआ है और इसने पूरी दुनिया में पैठ बना ली है। नई दिल्ली में आज से इंडिया AI समिट शुरू हो रहा है, तो इस सफर को और रफ्तार मिलेगी। अभी देश-दुनिया में क्या है AI की स्थिति, समझते हैं :

डेटा Window

- **288.8** अरब डॉलर का है ग्लोबल AI मार्केट
- **109.08** अरब डॉलर US ने किया है इन्वेस्ट
- **9.29** अरब डॉलर निवेश की तैयारी में चीन
- **1.16** अरब डॉलर भारत ने लगाया है इसमें
- **39%** हिस्सेदारी माइक्रोसॉफ्ट की AI मार्केट में

AI Image

इंडिया AI समिट : एक छत के नीचे दिग्गज

- **100** देश हिस्सा लेंगे चौथे AI समिट में
- **500** कंपनियों के प्रतिनिधि शामिल होंगे
- **35** हजार से अधिक ने कराया है रजिस्ट्रेशन
- **20** देशों के प्रमुख आ सकते हैं इवेंट में
- **50** से अधिक देशों के मंत्री शिरकत करेंगे
- **40+** CEO ग्लोबल व इंडियन कंपनियों के जुटेंगे

यूजर से मेकर बनने की ओर भारत

- **7.63** अरब डॉलर का है भारतीय AI बाजार
- **3.8** अरब Gen-AI ऐप भारत में डाउनलोड
- **10,371.92** करोड़ रुपये का है इंडिया AI मिशन
- **86%** भारतीय कंपनियां कर रहीं इस्तेमाल
- **16%** डाउनलोड हिंदुस्तानियों ने किया
- **14%** भारतीय आबादी AI उपकरण चला रही

जनता जंक्शन
इरफान

द्वितीय विश्वयुद्ध का नायक नहीं है ब्रिटेन

मृत्युंजय राय

द्वितीय विश्वयुद्ध के नायकों में ब्रिटेन के तत्कालीन प्रधानमंत्री विंस्टन चर्चिल का नाम भी शामिल है। लेकिन क्या उन्हें यह सम्मान मिलना चाहिए? **'Advance Britannia: The Epic Story of the Second World War, 1942-1945'** नाम की किताब में एलन ऑलपोर्ट (Alan Allport) ने इसी पहलू पर रोशनी डाली है। यह उनकी किताब 'Britain at Bay,' की सीक्वल है, जिसकी काफी सराहना हुई थी। एलन ने 'Advance Britannia' में द्वितीय विश्वयुद्ध में ब्रिटेन के सफर का हाल बयां किया है।

रूजवेल्ट की धमकी

किस तरह से युद्ध में El Alamein की जंग से एक अहम मोड़ आया और वहां से मित्र देशों की जीत में चर्चिल के देश की क्या भूमिका रही। एलन लिखते हैं कि इस युद्ध में ब्रिटेन कोई नायक नहीं था बल्कि मित्र देशों के अलायंस में जो मुल्क शामिल थे, उनमें अमेरिका और सोवियत संघ का दबदबा रहा।

एलन यह भी लिखते हैं कि मित्र देशों के अलायंस के बीच भी सबकुछ ठीक नहीं था। ब्रिटेन के रुख से अमेरिका सहमत नहीं था। ब्रिटिश फौज ने एशियाई मोर्चों पर गलतियां की और रूजवेल्ट ने इंपीरियल ब्रिटेन के कुछ औपनिवेशिक इलाकों पर कब्जा करने की सांकेतिक धमकियां तक दी थीं। कई देशों के मिलकर लड़े गए इस युद्ध में ब्रिटेन एक सर्वाइवर रहा। यानी उसे अपना वजूद बचाने में कामयाबी मिली।

इस तरह से एलन की यह किताब चर्चिल के ब्रिटेन को लेकर कई मिथकों को ध्वस्त करती है। किताब बताती है कि द्वितीय विश्वयुद्ध के दौर में वह एक ऐसा साम्राज्य था, जिसका पतन हो रहा था। तब की दुनिया में वैश्विक स्तर पर नई दोस्तियां भी सामने आ रही थीं।

एलन ने किताब की शुरुआत 1942 के आखिर से की है, जब ब्रिटेन को El Alamein में जीत मिली और इससे ब्रिटिश फौज में नई जान डाल दी। इसके तुरंत बाद ब्रिटेन को युद्ध में अपनी स्थिति की सचाई का अहसास भी हो गया। इस जंग के केंद्र में तब उत्तरी अफ्रीका से लेकर इटली के इलाके तक शामिल थे। एलन लिखते हैं कि युद्ध एक तरफ नॉरमंडी के बीचों पर लड़ा जा रहा था तो दूसरी ओर पैसिफिक के आसपास के इलाकों में।

विचार विंडो

AI Image

युद्ध के दौरान ब्रिटेन के घरेलू हालात के बारे में भी एलन ने बताया है। वह लिखते हैं कि तब देश में चीजों की राशनिंग चल रही थी और मजदूर संकट का भी उसे सामना करना पड़ रहा था। किताब में चर्चिल का एक अलग ही चरित्र उभरता है। एलन के लिखे से यह बात तो सामने आती है कि वह शानदार रणनीतिकार थे, लेकिन चर्चिल साम्राज्यवादी भी थे। खासतौर पर भारत की स्वतंत्रता को लेकर उनका क्या रुख था, इससे तो हम सब वाकिफ हैं ही। दूसरी ओर, अमेरिकी राष्ट्रपति फ्रैंकलिन रूजवेल्ट उपनिवेश बनाने वालों और औपनिवेशिक सत्ता के हिमायतियों के विरोधी थे।

उपनिवेशों से मिली चुनौती

किताब लिखने के लिए एलन ने सार्वजनिक किए गए गोपनीय दस्तावेजों, डायरियों और ब्रिटिश सरकार की चिट्ठियों का सहारा भी लिया है। इनकी मदद से वह बताते हैं कि जर्मनी और पश्चिम यूरोप में किए गए हमलों से मित्र देशों को रणनीतिक रूप से मामूली फायदा ही हुआ। हकीकत यह भी थी कि युद्ध के दौरान ब्रिटेन में राष्ट्रीय एकता कमजोर पड़ रही थी। वहां अमीर और गरीब वर्गों के बीच तनाव बढ़ रहा था। ब्रिटेन के उपनिवेशों की स्थिति भी ठीक नहीं थी। भारत में बंगाल तब अकाल से जूझ रहा था, जबकि अफ्रीका में साम्राज्यवादी ब्रिटेन को विद्रोह का सामना करना पड़ रहा था। ब्रिटेन ने इन वजहों से द्वितीय विश्व युद्ध में जो कीमत चुकाई, उसे जीत के बाद भुला दिया गया।

रीडर्स मेल
www.edit.nbt.in

मजबूत हो भरोसा

यह पत्र 14 फरवरी के अंक में प्रकाशित संपादकीय 'सकारात्मक संकेत' पर है। बांग्लादेश में BNP की जीत न केवल वहां, बल्कि भारत के लिए भी महत्वपूर्ण संकेत है। तारिक रहमान का संतुलित और व्यावहारिक रुख क्षेत्रीय स्थिरता के लिहाज से सकारात्मक है। भारत के साथ संबंधों को देखते हुए यह आवश्यक है कि दोनों देश पारस्परिक विश्वास को दोबारा मजबूत बनाएं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी जीत के तुरंत बाद तारिक रहमान को बधाई दी। यह दर्शाता है कि भारत लोकतांत्रिक जनादेश का सम्मान करता है और रचनात्मक संवाद के लिए भी तैयार है। अब यही उम्मीद है कि ढाका भी सहयोग और पारदर्शिता के साथ आगे बढ़ेगा।

विश्वास रंजन, शाहदरा

nbtedit@timesofindia.com पर अपनी राय नाम-पते के साथ मेल करें।

[illegible]

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 16-02-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH11 User: ccl Time: 02-15-2026 23:06 Color:

फटाफट खबरें

'इमरान को चुपके से अस्पताल ले गए'

■ आईएएनएस, इस्लामाबाद: पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) ने आरोप लगाया है कि पाक के पूर्व पीएम इमरान खान को मेडिकल ट्रीटमेंट के लिए चुपके से जेल से अस्पताल में शिफ्ट किया जा रहा है। पार्टी ने इस कथित कदम को उनके मौलिक अधिकार का गंभीर उल्लंघन बताया और चेतावनी दी है कि इससे उनकी जान को खतरा है।

ईरान बोला- बैन हटें तो समझौता संभव

■ एएफपी, तेहरान: ईरान ने कहा कि वह परमाणु समझौते को तैयार है, बशर्ते अमेरिका आर्थिक प्रतिबंध हटाए। ईरान के उप विदेश मंत्री माजिद तख्त-रवांची ने कहा कि सकारात्मक रुख से समझौता संभव है। ओमान में बातचीत फिर शुरू हुई, अगला दौर जिनेवा में होगा। ईरान 400 किलोग्राम से ज्यादा यूरेनियम रखता है, लेकिन उसका कहना है कि कार्यक्रम केवल शांतिपूर्ण उद्देश्यों के लिए है।

जब ID पर अटके पाक सेना प्रमुख

■ आईएएनएस, म्यूनिख: पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर को म्यूनिख सिक्योरिटी कॉन्फ्रेंस के एंट्री गेट पर सुरक्षा अधिकारी ने रोककर ID दिखाने को कहा गया। अधिकारी ने कार्ड स्पष्ट करने को कहा। जर्मनी में हुई इस घटना का विडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया, जिससे यह मामला चर्चा में आ गया।

केमिकल फैक्ट्री मे विस्फोट, दो की मौत

■ भाषा, मांड्या (कर्नाटक): कर्नाटक के मांड्या जिले में करेकट्टे गांव के पास एक केमिकल फैक्ट्री में रविवार को केमिकल टैंक में विस्फोट हो गया। इस हादसे में 2 मजदूरों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि 4 गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह विस्फोट उस समय हुआ जब फैक्ट्री को दूसरी जगह ट्रांसफर किया जा रहा था।

असम में बनेंगे 4 नए हवाई अड्डे: CM

■ आईएएनएस, गुवाहाटी: असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने रविवार को राज्य में हवाई और कनेक्टिविटी से जुड़ी कई बड़ी घोषणाएं कीं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार असम में 4 नए हवाई अड्डे बनाने की योजना पर काम कर रही है। ये हवाई अड्डे माजुली, धुपू, उमरांगसो और मानस में बनाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि इससे रणनीतिक इलाकों में हवाई संपर्क बेहतर होगा।

लैंबॉर्गिनी केस मे जल्द दाखिल होगी चार्जशीट

■ NBT रिपोर्ट, कानपुर: 8 फरवरी को वीआईपी रोड पर लैंबॉर्गिनी कार से 3 लोगों को टक्कर मारने के मामले में पुलिस जल्द चार्जशीट दाखिल कर सकती है। सूत्रों के मुताबिक, अगले कुछ दिनों में चार्जशीट कोर्ट में भेजी जाएगी। जानकारी के अनुसार, लग्जरी कार न तो ज्यादा रफ्तार में थी और न ही हादसे में घायल लोगों को गंभीर चोट आई है। मेडिकल रिपोर्ट में भी इसकी पुष्टि बताई जा रही है।

'डॉक्टर मॉड्यूल' का 2016 से ही था आतंक की ओर झुकाव

लाल किला विस्फोट के आरोपियों ने बनाया था नया आतंकी संगठन

■ पीटीआई, नई दिल्ली/ श्रीनगर

जम्मू कश्मीर पुलिस ने हाल ही में एक व्हाइट कॉलर आतंकी मॉड्यूल का पर्दाफाश करने का दावा किया है। अधिकारियों के मुताबिक, इस मामले में गिरफ्तार डॉक्टर 2016 से कट्टरपंथ की ओर झुक चुके थे और उन्होंने 'अंसार अंतरिम' नाम से एक नया आतंकी संगठन बनाया था। इस संगठन का मकसद केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर और देश के अंदरूनी इलाकों में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देना था। अब इस मामले की जांच NIA कर रही है। जांच में सामने आया है कि डॉ उमर उन नबी, जो 10 नवंबर को रेड फोर्ट के बाहर विस्फोटक से लदी कार में हुए धमाके के समय गाड़ी चला रहा था और उसकी मौत हो चुकी है। उसने 2016 और 2018 में आतंकी संगठनों में शामिल होने की कोशिश की थी लेकिन असफल रहा था।

अधिकारियों के अनुसार, अप्रैल 2022 में श्रीनगर के ईदगाह इलाके में मुजम्मिल, उमर उन नबी, आदिल राथर, मुजफ्फर राथर, मौलवी इरफान, कारी आमिर और तुफैल गनी की बैठक हुई। इसी बैठक में 'अंसार अंतरिम' नाम से संगठन बनाने का फैसला हुआ। 'अंसार' नाम का इस्तेमाल ग्लोबल लेवल पर प्रतिबंधित आतंकी संगठन अल कायदा से भी जोड़ा जाता है।

गिरफ्तार डॉक्टर 2016 से कट्टरपंथ की ओर झुक चुके थे और 'अंसार अंतरिम' नाम से एक आतंकी संगठन बनाया था

उमर ने 2016 और 2018 में आतंकी संगठनों में शामिल होने की कोशिश की थी लेकिन असफल रहा था

10 नवंबर को रेड फोर्ट के बाहर हुए कार धमाके में हुई थी कई मासूम लोगों की मौत

जम्मू कश्मीर में 8,000 + म्यूल अकाउंट नेटवर्क का भंडाफोड़

■ भाषा, नई दिल्ली/श्रीनगर

सुरक्षा एजेंसियों ने जम्मू कश्मीर में तेजी से बढ़ रहे 'म्यूल अकाउंट' नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। अधिकारियों को आशंका है कि इन अकाउंट्स के जरिए भेजा गया पैसा अलगाववादी और राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में इस्तेमाल किया जा सकता है। अधिकारियों के अनुसार, पिछले 3 साल में इलाकों में चल रहे 8,000 से अधिक म्यूल अकाउंट्स की पहचान कर उनके लेनदेन पर रोक लगा दी गई है। इससे मनी लॉन्ड्रिंग के एक जटिल नेटवर्क का खुलासा हुआ है। अधिकारियों का कहना है कि ऐसे अकाउंट्स के बिना उग्रों के पैसे को क्रिप्टोकरेंसी में बदलना और उसका पता लगाना मुश्किल हो जाता है।

पिछले 3 साल में हुई इतने म्यूल अकाउंट की पहचान

महाराष्ट्र ATS की दो जिलों में छापेमारी

■ NBT रिपोर्ट, मुंबई: महाराष्ट्र के आतंकवाद रोधी दस्ते ATS ने आतंकवाद से जुड़ी गतिविधियों के बारे में मिली खुफिया सूचना के आधार पर रविवार को यवतमाल और अहिल्यानगर जिलों में व्यापक तलाशी अभियान चलाया। अधिकारियों के मुताबिक, आधी रात को शुरू हुए इस अभियान के दौरान 20 से ज्यादा जगहों पर छापेमारी की गई और दर्जन भर से ज्यादा संदिग्धों को पूछताछ के लिए हिरासत में लिया गया।

टीपू सुल्तान की तुलना छत्रपति शिवाजी से, कांग्रेस नेता पर FIR

फडणवीस ने कहा, महाराष्ट्र इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेगा

NBT 3 मिनट में पढ़ें

■ भाषा, नागपुर (महाराष्ट्र)

कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के अध्यक्ष हर्षवर्धन सपकाल ने मैसूर के 18वीं शताब्दी के शासक टीपू सुल्तान की तुलना छत्रपति शिवाजी महाराज से की। इसने टीपू सुल्तान पर कई दिनों से चल रहे विवाद को हवा दी और रविवार को सियासी विवाद खड़ा हो गया। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने सपकाल की तीखी आलोचना करते हुए उनकी टिप्पणी को 'शर्मनाक' करार दिया। उन्होंने कहा, महाराष्ट्र इसे बर्दाश्त नहीं करेगा। सपकाल को छत्रपति शिवाजी महाराज की तुलना टीपू सुल्तान से करने के लिए माफी मांगनी चाहिए। कांग्रेस को इस मामले का संज्ञान लेना चाहिए और उसके सहयोगी दलों को सपकाल की टिप्पणी पर अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए।

पुणे में बीजेपी के एक पदाधिकारी ने इस मुद्दे पर सपकाल के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। FIR में दंगा भड़काने के इरादे से जानबूझकर उकसाना और धर्म, जाति, भाषा या नस्ल के आधार पर विभिन्न समूहों के बीच दुश्मनी, घृणा या असामंजस्य को बढ़ावा देने से जुड़ी धाराएं जोड़ी गईं।

'...तब RSS के लोग अंग्रेजों के लिए जासूसी कर रहे थे' बाद में सपकाल ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज की वीरता अतुलनीय है, जबकि टीपू सुल्तान वीर और स्वराज प्रेमी थे। छत्रपति शिवाजी महाराज को आदर्श मानकर ही टीपू सुल्तान ने अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ी थी। सपकाल ने दावा किया कि जब टीपू सुल्तान विदेशी शासकों से लड़ रहे थे, तब आरएसएस और बीजेपी की विचारधारा पर अमल करने वाले लोग अंग्रेजों के लिए जासूसी और गुलामी कर रहे थे।

'ये सांप्रदायिक तनाव भड़काने की कोशिश' महाराष्ट्र कांग्रेस के प्रवक्ता अतुल लोंढे ने भी फडणवीस पर जमकर निशाना साधा। एक बयान में लोंढे ने कहा कि बीजेपी टीपू सुल्तान के बारे में सपकाल की टिप्पणी में 'समकक्ष' शब्द के इस्तेमाल पर ध्यान केंद्रित करके विवाद खड़ा करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने इसे सांप्रदायिक तनाव भड़काने का 'हताश भरा प्रयास' करार दिया। लोंढे ने कहा कि कांग्रेस ध्रुवीकरण को बढ़ावा देकर शासन से संबंधित मुद्दों से जनता का ध्यान भटकाने के बीजेपी के प्रयासों की कड़ी निंदा करती है।

Photo - Swapnil Shinde

कहां से शुरू हुआ ये विवाद?

मालेगांव नगर निगम की उप महापौर, शान-ए-हिंद निहाल अहमद के दफ्तर में टीपू सुल्तान की तस्वीर लगाई गई थी। इसपर विवाद शुरू हुआ। मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से लेकर तमाम वरिष्ठ नेताओं ने तस्वीर हटाने की चेतावनी जारी की। लेकिन निहाल अहमद ने तस्वीर हटाने से इनकार कर दिया। इसके बाद सपकाल के बयान ने राजनीतिक पारा चढ़ा दिया। सपकाल ने कहा, इस तरह टीपू सुल्तान एक योद्धा और भारत के भूमिपुत्र के रूप में उभरे। उन्होंने कभी भी जहरीली विचारधाराओं को नहीं अपनाया। हमें टीपू सुल्तान को वीरता के प्रतीक के रूप में शिवाजी महाराज के समकक्ष मानना चाहिए। हालांकि विवाद के बाद रविवार को महापौर ने टीपू सुल्तान की तस्वीर ऑफिस से हटा ली।

ट्रेड डील से जुड़े राहुल के आरोपों पर शिवराज बोले- झूठ बेच रहे

राहुल ने GM उत्पादों का मुद्दा उठाया

क्या भारतीय मवेशियों को GM अमेरिकी मक्का से बने डिस्टिलर्स ग्रेन खिलाए जाएंगे? क्या इससे हमारे दूध उत्पाद प्रभावी रूप से अमेरिकी कृषि उद्योग पर निर्भर नहीं हो जाएंगे? --*राहुल गांधी, नेता विपक्ष*

मैं साफ शब्दों में कहना चाहता हूं, अमेरिका के साथ हुई किसी भी डील में GM उत्पादों को कोई अनुमति नहीं दी गई है। राहुल ने तथ्यहीन बातें फैलाने की कोशिश की है। --*शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय कृषि मंत्री*

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने व्यापार समझौते के तहत अमेरिका से जेनेटिकली मॉडिफाइड (GM) उत्पादों के आयात की इजाजत देने के कांग्रेस नेता राहुल गांधी के आरोपों को रविवार को तथ्यहीन करार दिया। चौहान ने कहा कि ऐसी कोई अनुमति नहीं दी गई है। वहीं, कॉमर्स एंड इंडस्ट्री मिनिस्टर पीयूष गोयल ने कहा कि राहुल 'झूठ पर झूठ' बोले जा रहे हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी कहा कि राहुल गांधी अमेरिका-यूरोपीय संघ के साथ व्यापार समझौतों को लेकर झूठ फैला रहे हैं।

राहुल ने रविवार को कहा, चूंकि ट्रेड डील के नाम पर हम भारत के किसानों के साथ विश्वासघात होते हुए देख रहे हैं। उन्होंने अमेरिका से ड्राइड डिस्टिलर्स ग्रेन (DDG) आयात किए जाने पर कहा, क्या इसका मतलब यह है कि भारतीय मवेशियों को GM अमेरिकी मक्का से बने डिस्टिलर्स ग्रेन खिलाए जाएंगे? क्या इससे हमारे दूध उत्पाद प्रभावी रूप से अमेरिकी कृषि उद्योग पर निर्भर नहीं हो जाएंगे?

सोया ऑयल इंपोर्ट पर भी राहुल के सवाल: अमेरिका से सोया ऑयल इंपोर्ट पर राहुल ने कहा, अगर हम GM सोया तेल के आयात की अनुमति देते हैं, तो मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र, राजस्थान और देशभर के हमारे सोया किसानों का क्या होगा? वे एक और कीमतों का झटका कैसे झेल पाएंगे? कांग्रेस नेता ने डील में नॉन-ट्रेड बैरियर्स हटाए जाने की बात पर सवाल करते हुए कहा, क्या भविष्य में भारत पर GM फसलों पर अपने रुख को ढीला करने, खरीद को कमजोर करने या MSP और बोनस को कम करने का दबाव डाला जाएगा?

राहुल ने झूठ की दुकान खोली है: चौहान: राहुल के सवालों पर कृषि मंत्री ने कहा, फिर एक और झूठ। कांग्रेस और राहुल गांधी ने झूठ की दुकान खोल रखी है और दिन-रात बस झूठ ही परोस रहे हैं। चौहान ने कहा, मैं साफ शब्दों में कहना चाहता हूं कि अमेरिका के साथ हुई किसी भी डील में GM उत्पादों को कोई अनुमति नहीं दी गई है। DDGS को लेकर भी राहुल ने तथ्यहीन बातें फैलाने की कोशिश की, लेकिन सच्चाई सामने है।

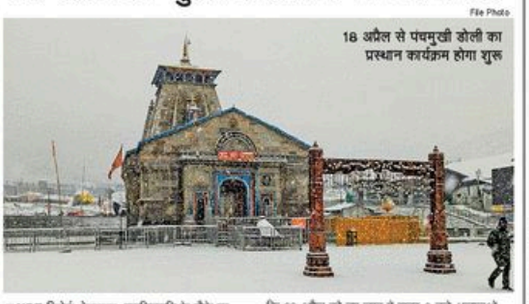

22 अप्रैल को खुलेंगे केदारनाथ धाम के कपाट

File Photo

18 अप्रैल से पंचमुखी डोली का प्रस्थान कार्यक्रम होगा शुरू

■ NBT रिपोर्ट, देहरादून: महाशिवरात्रि के मौके पर 4 धामों में शामिल उत्तराखंड के विश्व प्रसिद्ध ग्यारहवें ज्योतिर्लिंग केदारनाथ धाम के कपाट खुलने की तारीख और समय घोषित कर दिया गया। परंपरा के अनुसार बाबा केदार के शीतकालीन गद्दीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर, उखीमठ में पंचांग गणना के बाद फैसला लिया गया कि 22 अप्रैल को वृष लग्न में सुबह 8 बजे श्रद्धालुओं के दर्शन के लिए कपाट खोले जाएंगे। बाबा केदार की पंचमुखी डोली के हिमालय स्थित धाम प्रस्थान का कार्यक्रम भी जारी किया गया है। 18 अप्रैल को ओंकारेश्वर मंदिर में भैरव पूजा के साथ यात्रा शुरू होगी। 21 अप्रैल को केदारनाथ धाम पहुंच जाएगी।

अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा, वोटिंग 9 मार्च को: रिजिजू

■ भाषा, तवांग: केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला को पद से हटाने के प्रस्ताव पर चर्चा और उसके बाद मतदान नौ मार्च को होगा। रिजिजू ने कहा कि बजट सत्र का दूसरा चरण नौ मार्च से दो अप्रैल तक निर्धारित है। उन्होंने कहा सत्र "दिलचस्प" होगा क्योंकि कई "अहम" विधेयक को संसद में चर्चा और पारित होने के लिए पेश किया जाएगा।

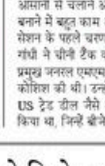

केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने रविवार को कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर तंज भी कसा। उन्होंने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म X पर स्वर्गीय BJP नेता सुषमा स्वराज का पुराना विडियो शेयर किया। उन्होंने लिखा कि एक मैच्योर विपक्ष का नेता सदन को आसानी से चलाने और पार्लियामेंट्री डेमोक्रेसी को बेहतर बनाने में बहुत काम आता है। रिजिजू का यह बयान बजट सेशन के पहले चरण में हुए हंगामे के बाद आया। राहुल गांधी ने चीनी टैंक की लद्दाख में घुसपैठ और पूर्व सेना प्रमुख जनरल एमएम नरवणे की किताब पर बयान देने की कोशिश की थी। उन्होंने 'एपस्टीन फाइल्स' और इंडिया-US ट्रेड डील जैसे मुद्दों को संसद में उठाने का प्रयास किया था, जिन्हें बीजेपी ने बेबुनियाद बताया था।

इंडिगो करेगी 1,000 से ज्यादा पायलटों की भर्ती

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो दिसंबर में बड़े ऑपरेशनल संकट के बाद 1,000 से अधिक पायलटों की भर्ती करने जा रही है। पिछले दिसंबर में कंपनी को 7 दिन के भीतर 5,000 से ज्यादा उड़ानें रद्द करनी पड़ी थीं। इसके बाद कंपनी ने बड़े पैमाने पर भर्ती की तैयारी की है। नई भर्ती में ट्रेनी फर्स्ट ऑफिसर, सीनियर फर्स्ट ऑफिसर और कमांडर शामिल होंगे। रिपोर्ट के अनुसार, एयरलाइन एयरबस A-320 विमान का अनुभव न रखने वाले उम्मीदवारों के आवेदन भी स्वीकार करेगी।

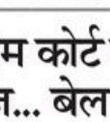

दिसंबर में उड़ानें रद्द होने के बाद लिया है फैसला

नए नियमों के तहत रात 12 बजे से सुबह 6 बजे के बीच लैंडिंग की संख्या सीमित की गई है और पायलटों के साप्ताहिक रेस्ट टाइम को बढ़ाया गया है। DGCA की जांच में पाया गया कि एयरलाइन ने नए नियमों के हिसाब से पर्याप्त भर्ती नहीं की और ट्रेनिंग क्षमता भी नहीं बढ़ाई। इससे पायलटों पर एक्स्ट्रा दबाव पड़ा और उन्हें लंबी ड्यूटी और डेडहेडिंग के जरिए काम करना पड़ा। एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि कंपनी अब तेजी से बढ़ते बेड़े के अनुसार कॉकपिट क्रू की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित कर रही है।

तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल भी जाएंगे

5 राज्यों में चुनाव की तैयारी शुरू, आज EC की टीम का असम दौरा

Maneesh.Aggarwal
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: पश्चिम बंगाल समेत पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए चुनाव आयोग सोमवार से इन राज्यों का दौरा करना शुरू कर रहा है। पहली विजिट असम से शुरू की जा रही है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के नेतृत्व में टीम सोमवार को गुवाहाटी लैंड करेगी। आयोग की वहां से वापसी 18 फरवरी को होगी। इसके बाद तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल समेत अन्य राज्यों का दौरा शुरू होगा।

मार्च में हो सकती है चुनावों की घोषणा: इनमें चार राज्यों की विधानसभा का कार्यकाल मई में और पुडुचेरी का जून में खत्म हो रहा है। सबसे पहले 7 मई को बंगाल विधानसभा का कार्यकाल खत्म हो रहा है। सूत्रों का कहना है कि पिछले साल बिहार में चुनावों की घोषणा 6 अक्टूबर 2025 को की गई थी। दो चरणों में हुए बिहार में चुनावी प्रक्रिया 16 नवंबर को खत्म हो गई थी। जबकि बिहार की विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर तक था। इसे देखते हुए इन पांच राज्यों में भी मार्च के पहले सप्ताह के बाद ही चुनावों की घोषणा होने की उम्मीद है।

होगी राजनीतिक दलों से मीटिंग: सूत्रों ने बताया कि चुनाव आयोग गुवाहाटी पहुंचकर वहां के तमाम राजनीतिक दलों से मीटिंग करेगा। दलों के प्रतिनिधियों से बातचीत कर उनका फीडबैक लेगा। आयोग असम के चीफ सेक्रेटरी और डीजीपी समेत असम के सभी जिलों के डीएम और एसपी के साथ अन्य आला अधिकारियों के साथ मीटिंग करेगा।

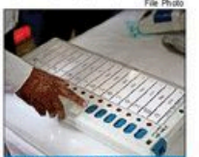

File Photo

इन राज्यों में होंगे चुनाव

294 सीटें	पश्चिम बंगाल
234 सीटें	तमिलनाडु
140 सीटें	केरल
126 सीटें	असम
30 सीटें	पुडुचेरी

चुनावों की घोषणा से पहले दौरा क्यों अहम

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

जब भी किसी राज्य में चुनाव कराए जाते हैं। उससे पहले चुनाव आयोग की टीम उस राज्य का दौरा करती है। इसका मकसद वहां कानून-व्यवस्था से लेकर शांतिपूर्वक चुनावी प्रक्रिया पूरी कराने के लिए तैयारियां का जायजा लेना होता है। इसमें तमाम राजनीतिक दलों, पुलिस-प्रशासन और अन्य संबंधित तमाम स्टेक होल्डरों के साथ मीटिंग करना शामिल होता है। इसमें संवेदनशील और अतिसंवेदनशील बूथों की संख्या भी पता की जाती है कि वह कितनी बढ़ी या कम हुई है। इसके अलावा मतदान के लिए कितने पोलिंग बूथ होने चाहिए ताकि मतदाताओं को वोट देने के लिए अधिक दूर ना जाना पड़े। इन तमाम चीजों का ध्यान रखते हुए यह विजिट की जाती है।

बिजली उत्पादन क्षमता में रेकॉर्ड 50,000 मेगावॉट की बढ़ोतरी

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

देश में इस वित्त वर्ष के दौरान बिजली उत्पादन क्षमता में अब तक की सबसे बड़ी बढ़ोतरी दर्ज की गई है। पावर मिनिस्ट्री के आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में जनवरी तक 52,537 मेगावॉट की नई क्षमता जुड़ चुकी है। यह किसी एक वर्ष में अब तक की सबसे ज्यादा बढ़ोतरी है। इससे पहले वित्त वर्ष 2024-25 में 34,054 मेगावॉट का रेकॉर्ड बना था, जिसे इस साल पार कर लिया गया है।

बढ़ोतरी का 80 फीसदी हिस्सा रिन्यूएबल एनर्जी का

मिनिस्ट्री के मुताबिक, कुल बढ़ोतरी में 39,657 मेगावॉट हिस्सा रिन्यूएबल एनर्जी का है। यानी कुल क्षमता बढ़ोतरी का करीब 80 फीसदी हिस्सा रिन्यूएबल एनर्जी से आया है। इसमें सोलर पावर में 34,955 मेगावॉट और विंड पावर में 4,613 मेगावॉट की बढ़ोतरी दर्ज की गई। थर्मल पावर में 8,810 मेगावॉट का इजाफा हुआ।

मौजूदा वित्त वर्ष में 31 जनवरी तक बिजली उत्पादन क्षमता में बढ़ोतरी पिछले साल की समान अवधि के मुकाबले 11 फीसदी से ज्यादा रही। 31 जनवरी तक देश की कुल बिजली उत्पादन क्षमता 5,20,510 मेगावॉट पहुंच गई। इसमें कोयला सहित जीवाश्म ईंधन आधारित उत्पादन क्षमता 2,48,541 मेगावॉट रही।

डिजिटल करंसी से मिलेगा सस्ता अनाज, शाह ने लॉन्च किया सिस्टम

■ NBT रिपोर्ट: **केंद्रीय गृह** मंत्री अमित शाह ने गांधीनगर में देश का पहला सेंट्रल बैंक डिजिटल करंसी (सीबीडीसी) आधारित सस्ते अनाज से जुड़े पब्लिक डिस्ट्रीब्यूशन सिस्टम को लॉन्च किया। उन्होंने कहा कि आज दुनिया के आधे से ज्यादा डिजिटल लेनदेन भारत में होते हैं। 11 साल पहले 60 करोड़ लोगों के पास बैंक खाते नहीं थे, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में डिजिटल इंडिया ने बड़ा बदलाव लाया। अब यही डिजिटल व्यवस्था गरीबों को सस्ता अनाज देने में भी इस्तेमाल हो रही है।

सुप्रीम कोर्ट ने पलटा HC का फैसला, आहत हुए जज... बेल मामलों से अलग रखने का अनुरोध

Rajesh.Choudhary
@timesofindia.com

- दहेज हत्या के एक मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा आरोपी पति को दी गई जमानत को सुप्रीम कोर्ट ने किया रद्द
- सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश पर कड़ी टिप्पणी भी की।

■ **नई दिल्ली:** दहेज हत्या के एक मामले में इलाहाबाद हाई कोर्ट द्वारा आरोपी पति को दी गई जमानत को सुप्रीम कोर्ट ने रद्द कर दिया है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश पर कड़ी टिप्पणी की। इस टिप्पणी से आहत होकर इलाहाबाद हाई कोर्ट के जस्टिस पंकज भाटिया ने चीफ जस्टिस से अनुरोध किया है कि भविष्य में उन्हें जमानत से जुड़े मामलों की सुनवाई के लिए न दिए जाएं।

सुप्रीम कोर्ट की जस्टिस जेबी पारदीवाला की अगुवाई वाली पीठ ने 9 फरवरी के आदेश में कहा था कि जमानत याचिकाओं पर फैसला करते समय सभी जरूरी फैक्टर्स पर विचार करना जरूरी है। कोर्ट ने हाई कोर्ट के आदेश को हाल के समय में देखे गए सबसे चौंकाने वाले और निराशाजनक आदेशों में से एक बताया और आरोपी को आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया।

इसके बाद जस्टिस पंकज भाटिया ने एक अन्य जमानत याचिका की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों का संज्ञान लिया और कहा कि ये टिप्पणियां उन्हें हतोत्साहित करने वाली और दुष्प्रभाव डालने वाली हैं। उन्होंने इलाहाबाद हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस से अनुरोध किया कि उन्हें भविष्य में बेल मामलों की सुनवाई न दी जाए।

यह पहला मौका नहीं है जब सुप्रीम कोर्ट ने हाई कोर्ट के फैसले को पलटा और सख्त टिप्पणी की हो। पांच अगस्त 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक आदेश को रद्द करते हुए उसे चौंकाने वाला बताया था। हालांकि 8 अगस्त 2025 को सुप्रीम कोर्ट ने उस टिप्पणी को वापस ले लिया था और साफ किया था कि उसका मकसद संबंधित जज को शर्मिंदा करना नहीं था।

पहले भी पलटे गए हैं फैसले: 26 मार्च 2025 को भी सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक आदेश की उन टिप्पणियों पर रोक लगाई थी, जिनमें कहा गया था कि कथित रूप से प्राइवेट पार्ट छूना, बलात्कार या बलात्कार के प्रयास की श्रेणी में नहीं आता। सुप्रीम कोर्ट ने इसे असंवेदनशील और अमानवीय दृष्टिकोण बताया था। सुप्रीम कोर्ट ने इस फैसले पर तत्काल रोक लगा दी थी। इसी तरह 2023 में कलकत्ता हाई कोर्ट के एक फैसले में नाबालिग से सेक्सुअल रिलेशन के मामले में पीड़िता को दी गई नसीहत पर विवाद हुआ था। सुप्रीम कोर्ट ने 2024 में उस फैसले को रद्द करते हुए कहा था कि जजों को लड़कियों की सेक्सुअल इच्छा पर टिप्पणी नहीं करनी चाहिए। सुप्रीम कोर्ट समय समय पर अनुच्छेद 142 के तहत अपने विशेषाधिकार का उपयोग करते हुए हाई कोर्ट के फैसलों को पलटता रहा है।

20 20 WORLD CUP अल्टीमेट रोमांच

"हमने अच्छा खेला,लेकिन बदकिस्मत रहे। पिछले मैच में हम जीत के बहुत करीब थे और दूसरे सुपर ओवर तक पहुंचे थे। जब बड़ी टीमों के खिलाफ खेलने का मौका नहीं मिलता, तो ऐसा होता है।" -राशिद खान, कप्तान, अफगानिस्तान

750 रन जोड़े हैं बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान की जोड़ी ने टी20 वर्ल्ड कप की 17 पारियों में साथ बैटिंग करते हुए। इस टूर्नामेंट में यह किसी जोड़ी द्वारा जोड़े गए सर्वाधिक रन हैं

टीम इंडिया का वर्ल्ड कप में पड़ोसी देश पर जारी रहा दबदबा, 61 रन की जीत के साथ सुपर-8 में बनाई अपनी जगह

पाकिस्तान के खिलाफ भारत की 'किशन लीला'

भारत Vs पाकिस्तान

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली/कोलंबो:** भारत और पाकिस्तान का मुकाबला प्लेयर्स के लिए सिर्फ जीत-हार का मामला नहीं रहता, पर मौका होता है अपने देश के क्रिकेट नायकों की सूची में अपना नाम दर्ज करवाने का। संडे को इस मौके को भारतीय ओपनर ईशान किशन ने खूब लपका। बाएं हाथ के इस युवा ओपनर ने प्रेमदासा स्टेडियम की धीमी पिच पर 40 बॉल पर 10 फोर और 3 सिक्स से सजी 77 रन की सुपर फास्ट इनिंग्स खेली, जिसने चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ 61 रन की जीत की कहानी लिखी। भारत ने टी20 वर्ल्ड कप मैच के मैच में सात विकेट पर 175 रन का मजबूत टोटल बनाया, जवाब में पाकिस्तानी टीम 18 ओवर में 114 रन पर सिमट गई। इस जीत के साथ भारत ने टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ अपनी जीत-हार का स्कोर 8-1 कर लिया, साथ ही टूर्नामेंट के सुपर-8 ग्रुप में अपनी जगह भी पक्की कर ली।

पाक ने बुना स्पिन का जाल: भारतीय पारी में ईशान योगदान का हिसाब इस तरह लगा सकते हैं कि उनके अलावा बाकी पूरी टीम (एक्स्ट्राज समेत) 80 बॉल पर 98 रन बना सकी। टी20 वर्ल्ड कप में पाकिस्तान के खिलाफ किसी भारतीय प्लेयर द्वारा खेली गई तीसरी सबसे बड़ी पारी है। बाकी दो विराट कोहली (82* और 78*) के नाम हैं। प्रचंड फॉर्म में चल रहे ईशान ने देखते-देखते पावरप्ले के अंत तक 25 गेंदों पर 42 रन बना डाले, जिससे बोर्ड पर एक विकेट पर 51 रन आ गए। ईशान के ये 42 रन भारत-पाक टी20 मैच में किसी बैटर द्वारा पावरप्ले में बनाए गए सर्वाधिक रन थे। पाकिस्तान ने इस मैच के लिए भारत के सामने स्पिन का जाल बुनने के लिए छह स्पिनर्स को अटैक पर लगाया और कुल 20 में से 18 ओवर स्पिनर्स से ही करवाए। अगर ईशान की पारी को छोड़ दें तो पाकिस्तानी स्पिनर बाकी भारतीय बल्लेबाजों पर अंकुश लगाने में सफल भी रहे। मैच से पहले जिन पाकिस्तानी स्पिनर उस्मान तारिक की सबसे ज्यादा चर्चा थी, उन्हें भारतीय बल्लेबाजों ने सतर्क होकर खेला। तारिक ने चार ओवर में 24 रन देकर एक विकेट लिया लेकिन वो सईम अयूब (3/25) रहे जिन्होंने भारतीय टीम को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया। इन दो बॉलर्स के कारण ही भारत 200 प्लस का टोटल नहीं बना पाया।

पाक बैटर्स के पास नहीं था जवाब: हालांकि बोर्ड पर आए रन भारतीय बॉलर्स के काफी रहे। भारत के पेस और स्पिन के मिश्रण का पाकिस्तानी बैटर्स के पास कोई जवाब नहीं दिखा। पहले ओवर में हार्दिक पंड्या ने साहिबजादा फरहान के रूप में पहला विकेट झटका और फिर जसप्रीत बुमराह ने सईम अयूब और कप्तान सलमान आगा के विकेट निकालकर पाकिस्तान की शुरुआत खराब कर दी। टीम के अनुभवी प्लेयर बाबर आजम से पारी संवारने की उम्मीद थी लेकिन उन्हें पांचवें ओवर में अक्षर पटेल ने बोल्ड कर दिया। पावरप्ले के भीतर ही 34 रन पर चार विकेट गंवाने के बाद पाकिस्तानी टीम मुकाबले से पूरी तरह से बाहर हो गई। उस्मान खान ने 44 रन और आखिर में शाहीन शाह अफरीदी ने 23* रन बनाकर पाकिस्तान की हार के अंतर को कम किया।

खाता खुलना बाकी

टी20 के नंबर-1 बैटर अभिषेक शर्मा मैदान पर आए तो जरूर, लेकिन सिर्फ चार गेंद में उनकी पारी खत्म हो गई। अमेरिका के खिलाफ भी वह शून्य पर आउट हो गए थे। पिछले छह टी20I मैच में अभिषेक का यह चौथा 'डक' था। इस दौरान उनके बल्ले से सिर्फ एक ही फिफ्टी आई है। मौजूदा टूर्नामेंट में उनके खाता खुलने का इंतजार है।

प्लेयर ऑफ द मैच रहे ईशान किशन

1 पहली बार हार्दिक पंड्या टी20 इंटरनैशनल मैच में गोल्डन डक (पहली बॉल पर आउट) पर आउट हुए

3 तीसरे बैटर हैं अभिषेक शर्मा किसी फुल मेंबर टीम के आशीष नेहरा और इमरान कायस के बाद जिनका टी20 वर्ल्ड कप के शुरुआती दो मैचों में खाता नहीं खुल पाया

4 चौथी बार ऐसा हुआ जब टी20 वर्ल्ड कप के किसी मैच में शुरुआती 10 ओवर्स में से नौ ओवर्स स्पिनर्स ने डाले

स्कोरकार्ड

भारत: ईशान किशन बो सईम 77, अभिषेक शर्मा को अफरीदी बो आगा 0, तिलक वर्मा एलबीडब्ल्यू बो सईम 25, सूर्यकुमार यादव को अयूब बो तारिक 32, हार्दिक पंड्या को बाबर बो सईम 0, शिवम दुबे रन आउट 27, रिंकू सिंह नॉट आउट 11, अक्षर पटेल को सईम बो शाहीन 0 **एक्स्ट्राज** 3 **टोटल** 20 ओवर्स में सात विकेट पर 175 रन **विकेट:** 1-1, 2-88, 3-126, 4-126, 5-159, 6-175, 7-175 **बोलिंग:** सलमान आगा 2-0-10-1, शाहीन शाह अफरीदी 2-0-31-1, सईम अयूब 4-0-25-3, अबरार अहमद 3-0-38-0, शादाब खान 1-0-17-0, मोहम्मद नवाज 4-0-28-0, उस्मान तारिक 4-0-24-1

पाकिस्तान: साहिबजादा फरहान को रिंकू बो हार्दिक 0, सईम अयूब एलबीडब्ल्यू बो बुमराह 6, सलमान आगा को हार्दिक बो बुमराह 4, बाबर आजम बो अक्षर 5, उस्मान खान स्ट ईशान बो अक्षर 44, शादाब खान को दुबे बो तिलक 14, मोहम्मद नवाज को दुबे बो कुलदीप 4, फहीम अशरफ को रिंकू बो वरुण 10, शाहीन शाह अफरीदी नॉट आउट 23, अबरार अहमद एलबीडब्ल्यू बो वरुण 0, उस्मान तारिक बो हार्दिक 0 **एक्स्ट्राज** 4 **टोटल** 18 ओवर में 114 रन, ऑल आउट **विकेट:** 1-0, 2-6, 3-13, 4-34, 5-73, 6-78, 7-78, 8-97, 9-97, 10-114 **बोलिंग:** हार्दिक पंड्या 3-1-16-2, जसप्रीत बुमराह 2-0-17-2, अक्षर पटेल 4-0-29-2, वरुण चक्रवर्ती 3-0-17-2, कुलदीप यादव 3-0-14-1, तिलक वर्मा 2-0-11-1, रिंकू सिंह 1-0-9-0

वर्ल्ड कप स्पेशल QUIZ

इस पेज पर छपी खबरों में ही इन सवालों का जवाब है

1. टी20 वर्ल्ड कप 2026 में वेस्टइंडीज-नेपाल के मैच में प्लेयर ऑफ द मैच कौन रहा?
A) जेसन होल्डर B) दीपेंद्र सिंह ऐरी C) शमार जोसफ D) शाई होप
2. अफगानिस्तान टी20 वर्ल्ड कप 2026 में किस ग्रुप में है?
A) ए B) बी C) सी D) डी

कल के जवाब
1. C) श्रीलंका 2. B) 16

लकी WINNERS

1 प्रवीण जैन, नेरुल, नवी मुंबई

2 अंबा, नजफगढ़, नई दिल्ली

3 उर्मिला माथुर, गुरुग्राम, हरियाणा

आप अपने जवाब हमें 9319282367 पर अपने नाम, तस्वीर और शहर/गांव के नाम के साथ वॉट्सऐप करें। एक 'लकी विनर' का नाम और तस्वीर हम कल के अंक में छापेंगे। दो अन्य विजेताओं के नाम भी प्रकाशित होंगे।

फटाफट खबरें

भारत की चौथी हार

■ **राउरकेला:** FIH प्रो-लीग में भारत का खराब प्रदर्शन जारी रहा उसे टूर्नामेंट की लगातार चौथी हार झेलनी पड़ी। संडे को अर्जेंटीना ने भारत को 4-2 से मात दी। अर्जेंटीना के लिए मारकुसी टाडियो ने दो जबकि टॉमस डोमेने व लूसियो मेडेल ने एक-एक गोल किया। भारत के लिए आदित्य अर्जुन और संजय ने गोल दागे।

केन का 500वां गोल

■ **बर्लिन:** इंग्लैंड के स्टार फुटबॉलर हैरी केन ने बायर्न म्यूनिख की तरफ से दो गोल करके अपने देश और विभिन्न क्लबों की तरफ से 500 गोल करने की उपलब्धि हासिल की। केन पेनल्टी पर 100 गोल कर चुके हैं। केन मदद से बायर्न ने वेर्डर ब्रेमेन पर 3-0 से मात दी।

सिल्वा ने जीता खिताब

■ **चेन्नै:** पुर्तगाल के फ्रेडेरिको फरेरा सिल्वा ने चेन्नै ओपन एटीपी चैलेंजर मेंस इंटरनैशनल टेनिस चैंपियनशिप के फाइनल में अर्जेंटीना के फेडेरिको अगस्टिन गोमेज को हराकर इस स्तर का अपना पहला खिताब जीता। सिल्वा ने 6-4, 6-7, 6-4 से जीत दर्ज की।

लॉकी लौटेंगे स्वदेश

■ **अहमदाबाद:** न्यूजीलैंड के पेसर लॉकी फर्ग्युसन अपने पहले बच्चे के जन्म के समय पत्नी के साथ रहने के लिए स्वदेश लौटेंगे। वह टी20 वर्ल्ड कप के ग्रुप-डी में कनाडा के खिलाफ टीम के अंतिम लीग मैच में नहीं खेल पाएंगे। न्यूजीलैंड के हेड कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि लॉकी को टीम में बनाए रखने की योजना है।

होल्डर और होप ने दिलाई नौ विकेट से बड़ी जीत

विंडीज की सुपर-8 में एंट्री

वेस्टइंडीज Vs नेपाल

Bhvin.Pandya@timesofindia.com

■ **मुंबई:** वेस्टइंडीज ने नेपाल को नौ विकेट से हराकर टी20 वर्ल्ड कप के सुपर-8 में अपनी जगह पक्की कर ली, जबकि नेपाल लगातार तीसरा मैच हारकर सुपर-8 की रेस से बाहर हो गया। ग्रुप-सी में वेस्टइंडीज ने अभी तक अपने तीनों मैच जीते हैं। वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप ने टॉस जीतकर पहले बोलिंग चुनी। जिसके बाद मैथ्यू फोर्ड (1/10) की कसी हुई बोलिंग और जेसन होल्डर (4/27) की बदौलत वेस्टइंडीज ने नेपाल की बैटिंग की कमर तोड़ दी।

होप, हेटमायर की पार्टनरशिप: नेपाल टीम 20 ओवर में 133/8 का स्कोर ही बना सकी। बारहवें ओवर में 50 और 18वें ओवर में 100 रन पूरे करने वाली नेपाल टीम को सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया दीपेंद्र सिंह ऐरी (58 रन, 47 बॉल, 3 फोर और 3 सिक्स) और सोमपाल कामी (26 रन) की जोड़ी ने, जिन्होंने सातवें विकेट के लिए 26 बॉल में 54 रन जोड़े। जवाब में वेस्टइंडीज ने आक्रामक रुख अपनाया। कप्तान होप (61 रन*, 44 बॉल, 5 फोर और 3 सिक्स) ने जिम्मेदारी और आक्रामकता का बेहतरीन मेल दिखाते हुए शिमरोन हेटमायर (46 रन*, 32 बॉल, 4 फोर और 2 सिक्स) के साथ मिलकर 59 बॉल में 91 रन की अटूट साझेदारी कर अपनी टीम को 16वें ओवर में ही जीत दिला दी।

मैं क्रीज पर अपनी स्थिति भी बदलता रहता हूं और कुछ और यॉर्कर डालने की कोशिश करता हूं। -जेसन होल्डर, प्लेयर ऑफ द मैच

2 दूसरे कैरेबियाई कप्तान हैं होप टी20 वर्ल्ड कप के मैच में 50+ स्कोर करने वाले। होप से पहले क्रिस गेल ऐसा दो बार कर चुके हैं

9 विकेट की जीत वेस्टइंडीज की टी20 वर्ल्ड कप में संयुक्त रूप से सबसे बड़ी जीत है। 2024 में अमेरिका से वेस्टइंडीज 9 विकेट से जीता था

ब्रीफ स्कोर

नेपाल: 20 ओवर्स में 133/8 (दीपेंद्र सिंह ऐरी 58, सोमपाल 26, होल्डर 4/27)
वेस्टइंडीज: 15.2 ओवर्स में 134/1 (शाई होप 61*, शिमरोन हेटमायर 46*, नंदन 1/24)

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

भारत में निखर जाता है खेल!

भारत में किसी भी टूर्नामेंट में कैरेबियाई प्लेयर्स का प्रदर्शन बेहतर हो जाता है क्योंकि वे यहां की पिचों और माहौल से अच्छी तरह से वाकिफ रहते हैं। इस टीम के कई प्लेयर्स इंडियन प्रीमियर लीग में अपनी-अपनी टीमों के प्रमुख खिलाड़ी हैं। विंडीज के शिमरोन हेटमायर फिलहाल 10 सिक्स के साथ टूर्नामेंट में सर्वाधिक सिक्स मारने वालों की लिस्ट में ऊपर हैं। विंडीज के शेरफेन रदरफोर्ड 8 सिक्स लगा चुके हैं। रोमारियो शेफर्ड (5/20) के नाम बेस्ट बोलिंग फिगर है।

अमेरिकी टीम ने हासिल की लगातार दूसरी जीत

■ **एजेंसियां, चेन्नै:** बेंगलुरु में अपने क्रिकेट की शुरुआत करने वाले संजय कृष्णमूर्ति (68* रन, 33 बॉल, 4 फोर, 6 सिक्स) की तेज तर्रार फिफ्टी और संयुक्त गेंदबाजी प्रदर्शन की बदौलत अमेरिका ने नामीबिया को अहम मुकाबले में 31 रन की हार सौंपी। पहले दो मुकाबले गंवाने के बाद अमेरिका की यह लगातार दूसरी जीत है, जिसने उसकी ग्रुप-सी से सुपर-8 में पहुंचने की उम्मीदों को जिंदा रखा है। अमेरिका के ग्रुप स्टेज के सभी चार मुकाबले पूरे हो गए हैं और उसके कुल चार अंक हैं। अगले दौर में पहुंचने के लिए अन्य नतीजों पर निर्भर रहना होगा।

कप्तान मोनांक ने रखी नींव: टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने उतरी अमेरिका को कप्तान मोनांक पटेल ने दमदार शुरुआत दिलाई। मोनांक ने 30 बॉल पर 52 रन (3 फोर, 3 सिक्स) बनाए। इसके बाद संजय ने अपने बल्ले का दम दिखाया और अमेरिका को 20 ओवर्स में चार विकेट पर 199 रन तक पहुंचाया। नामीबिया ओपनर लॉरेन स्टीनकैंप (58 रन, 39 बॉल) की पारी के बावजूद छह विकेट पर 168 के स्कोर तक ही पहुंच सकी।

अमेरिका Vs नामीबिया

13 विकेट लिए हैं शैडली वान शाल्विक ने इस टी20 वर्ल्ड कप में। यह किसी असोसिएट देश के बोलर की ओर से सर्वाधिक है

ब्रीफ स्कोर

अमेरिका: 20 ओवर्स में 199/4 (संजय कृष्णमूर्ति 68*, मोनांक पटेल 52, विलेम माईबर्ग 2/22)
नामीबिया: 20 ओवर्स में 168/6 (लॉरेन स्टीनकैंप 58, जेपी रिंगट 31, शैडली शाल्विक 2/30)

पूरी क्षमता के काफी करीब पहुंच गए हैं हम: मार्करम

■ **एजेंसियां, अहमदाबाद:** साउथ अफ्रीका के कप्तान एडेन मार्करम ने न्यूजीलैंड के खिलाफ बड़ी जीत के बाद कहा कि उनकी टीम टी20 वर्ल्ड कप में अपनी पूरी क्षमता के साथ खेलने के काफी करीब पहुंच गई है। उन्होंने कहा, 'आज हम अपनी पूरी क्षमता के काफी करीब पहुंच गए। मुझे लगता है कि हमने सभी क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन किया। इस पिच पर माना जा रहा था कि 200 रन से अधिक का स्कोर बनेगा। ऐसे में उन्हें कम स्कोर पर रोकना बहुत अच्छा प्रयास था।'

वर्ल्ड कप रिऐक्शंस

एडेन मार्करम

पावरप्ले में अच्छा नहीं खेले हम: मिचेल

न्यूजीलैंड के ऑलराउंडर डेरिल मिचेल ने कहा कि साउथ अफ्रीका के खिलाफ उनकी टीम ने दोनों पावरप्ले में अच्छा प्रदर्शन नहीं किया। मिचेल ने कहा, 'दोनों पावरप्ले में हमने मैच को अपने हाथ से जाने दिया। बैटिंग में हमने शुरुआत में ही कुछ ज्यादा विकेट गंवा दिए। इसके बाद बोलिंग में भी हमने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया जितना कर सकते थे। हम इससे अधिक रन बनाना चाहते थे।'

अफगान टीम के लिए आज का मैच बेहद अहम

आमना-सामना

अफगानिस्तान	कुल मैच	यूएई
11	14	3

टेलिकास्ट सुबह 11:00 बजे से जियोहॉटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर

अफगानिस्तान के रहमानुल्लाह गुरबाज ने पिछले मैच में जड़ी थी फिफ्टी

Abhishek.Upadhyay1 @TimesofIndia.com

■ **नई दिल्ली:** साउथ अफ्रीका के खिलाफ रोमांचक सुपर ओवर में मिली हार से के बाद अफगानिस्तान सोमवार को ग्रुप-डी के 'करो या मरो' मुकाबले में यूएई के खिलाफ बड़ी जीत दर्ज करने के इरादे से उतरेगा। जीत की स्थिति में ही सुपर-8 में पहुंचने की उसकी हल्की उम्मीदें बनी रह सकती हैं। यूएई के लिए भी सुपर-8 की रेस में बने रहने के लिए यह एक अहम मुकाबला साबित होगा।

यूएई के खिलाफ अफगानिस्तान एक बार फिर अपने टीम के अहम बैटर रहमानुल्लाह गुरबाज से बड़ी पारी की उम्मीद करेगी। गुरबाज ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ 84 रन की दमदार इनिंग्स खेली थी, लेकिन टीम को जीत की रेखा पार नहीं करवा पाए थे। कप्तान राशिद खान, मुजीब उर रहमान और मोहम्मद नबी की स्पिन तिकड़ी फिर से अहम भूमिका निभाएगी। यूएई ने कनाडा को हराकर आत्मविश्वास हासिल किया है। आर्यंश शर्मा (74) और शोएब खान (51) ने बल्लेबाजी में कमाल दिखाया, जबकि जुनैद सिद्दीकी ने पांच विकेट झटके। हालांकि मिडल ओवर्स में निरंतरता उसकी कमजोरी रही है। अफगानिस्तान की मजबूत गेंदबाजी के सामने यूएई को एक यूनिट के रूप में प्रदर्शन करना होगा।

अफगानिस्तान Vs यूएई

अभी भी सभी टीमें बनी हुई हैं रेस में

टूर्नामेंट से पहले जिसे 'ग्रुप ऑफ डेथ' कहा गया था, वह पूरी तरह सही साबित हो रहा है। ग्रुप की सभी टीमें अभी सुपर-8 की दौड़ में बनी हुई हैं। अफगानिस्तान का यूएई के बाद कनाडा से मुकाबला है। दोनों मैच जीतने पर उसके चार अंक होंगे। तब उसे उम्मीद करनी होगी कि कनाडा की टीम न्यूजीलैंड को हराए और यूएई की टीम साउथ अफ्रीका से हार जाए। ऐसे में बेहतर नेट रन रेट से फैसला होगा। यूएई अगर अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड को हराती है, तो वह सीधे सुपर-8 में पहुंच जाएगी।

क्रिकेट में इनकी पहली भिड़ंत

कोच ब्रेंडन मैकुलम के साथ इंग्लिश कप्तान हैरी ब्रूक

■ **एजेंसियां, कोलकाता:** फुटबॉल के मैदान पर अक्सर एक-दूसरे से भिड़ने वाली दुनिया के दो दिग्गज इंग्लैंड और इटली आज पहली बार क्रिकेट के मैदान पर आमने-सामने होंगे। इंग्लैंड और इटली के बीच फुटबॉल पिच पर जबर्दस्त प्रतिद्वंद्विता है हालांकि, सोमवार को यह प्रतिद्वंद्विता पहली बार फुटबॉल की जगह क्रिकेट में नजर आएगी।

मैच से तय होगी सुपर-8 टीम: ग्रुप-सी से वेस्टइंडीज की टीम ने अपने तीनों मैच जीतकर अंतिम-8 में पहले ही जगह बना ली है और आज होने वाले मैच से इस ग्रुप से सुपर-8 में पहुंचने वाली टीम का पता चलेगा। इंग्लैंड सिर्फ जीत हासिल कर सुपर-8 में अपनी जगह बना सकता है, वहीं इटली को जीत के साथ-साथ नेट रन रेट को भी बेहतर करना होगा।

इंग्लैंड Vs इटली

लय हासिल की: इंग्लैंड की टीम धीरे-धीरे लय हासिल कर रही है। फिल सॉल्ट, जोस बटलर और कप्तान हैरी ब्रूक के प्रदर्शन में निरंतरता की कमी दिखी है। इटली सभी टीम के लिए अंजान है। नेपाल पर 10 विकेट की जीत के बाद टूर्नामेंट में डेब्यू कर रही इटली का मनोबल बढ़ा है।

टेलिकास्ट दोपहर 3:00 बजे से स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क और जियोहॉटस्टार पर

अहम मैच में उतरेंगे स्मिथ!

■ **एजेंसियां, पल्लेकेले:** चोटों से जूझ रही ऑस्ट्रेलिया सोमवार को ग्रुप-बी के अहम मुकाबले में श्रीलंका के खिलाफ अनुभवी स्टीव स्मिथ को उतारने पर विचार कर सकती है। जिम्बाब्वे से 23 रन की चौंकाने वाली हार के बाद 2021 की चैंपियन टीम पर टूर्नामेंट से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है। कप्तान मिचेल मार्श लगातार दूसरे मैच में चोट के कारण नहीं खेले। स्मिथ को कवर के रूप में बुलाया गया है और जोश हेजलवुड के बाहर होने से टीम संयोजन में जगह भी खाली है। स्पिन के खिलाफ स्मिथ का अनुभव श्रीलंकाई परिस्थितियों में उपयोगी साबित हो सकता है। दूसरी ओर, श्रीलंका ग्रुप में टॉप पर है। हालांकि, उसकी असली परीक्षा ऑस्ट्रेलिया और जिम्बाब्वे के खिलाफ होगी।

श्रीलंका Vs ऑस्ट्रेलिया

किस्मत का साथ भी चाहिए: अगले दौर में पहुंचने के लिए ऑस्ट्रेलिया को श्रीलंका और ओमान के खिलाफ होने वाले मैच जीतना होगा। इसके बाद कंगारू खेमा उम्मीद करेगा कि श्रीलंका या जिम्बाब्वे में से कोई टीम अपने बचे दोनों मैच हार जाए। इससे ऑस्ट्रेलिया अगले दौर में पहुंच जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया के स्टीव स्मिथ

टेलिकास्ट शाम 7:00 बजे से जियोहॉटस्टार और स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर

स्पिनर्स, वृंदा ने दिलाई इंडिया-ए को जीत

■ **एजेंसियां, बैंकॉक:** कप्तान राधा यादव (2/11) की शानदार स्पिन बोलिंग के बाद दिनेश वृंदा (55* रन, 29 बॉल) के तूफानी नाबाद अर्धशतक की बदौलत इंडिया-ए ने संडे को विमिंस एशिया कप राइजिंग स्टार्स में पाकिस्तान-ए को 59 गेंद शेष रहते 8 विकेट से हराया। इंडिया-ए विमिंस टीम की यह टूर्नामेंट में पहली जीत है। इस जीत के साथ इंडिया-ए ग्रुप-ए में दूसरे स्थान पर पहुंच गई है। राधा, प्रेमा रावत (2/16) और मिन्नू मणि (1/10) ने पाकिस्तान को 93 रन पर आउट करने में अहम भूमिका निभाई। अनुष्का शर्मा ने भी 24 रन बनाए।

प्लेयर ऑफ द मैच वृंदा ने बनाए 55* रन

रेड्डी ने मारा 'चौका' और भारत की आसान जीत

भारत Vs ऑस्ट्रेलिया
विमिंस टी20I, पहला मैच

■ **एजेंसियां, सिडनी:** भारतीय विमिंस क्रिकेट टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टी20 मैचों की सीरीज की शुरुआत जीत के साथ की है। संडे को सिडनी में खेले गए पहले टी20 मुकाबले में भारतीय टीम ने डकवर्थ लुईस नियम (DLS) के आधार पर 21 रन से जीत हासिल की। टॉस जीतकर भारत ने पहले बोलिंग करते हुए ऑस्ट्रेलिया की पूरी टीम को 18 ओवर्स में 133 रन पर समेट दिया। भारत की तरफ से पेसर अरुंधति रेड्डी ने 22 रन देकर चार विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने स्मृति मंधाना (16*) और शेफाली वर्मा (21) की बदौलत 4.1 ओवर में 33 रन जोड़ लिए। भारतीय टीम 5.1 ओवर में एक विकेट के नुकसान पर 50 रन बना चुकी थी। उसी समय बारिश आ गई, जिसके बाद DLS से परिणाम निकाला गया।

प्लेयर ऑफ द मैच रहीं अरुंधती

जमशेदपुर FC का जीत से आगाज

जमशेदपुर FC Vs मोहम्मडन SC
इंडियन सुपर लीग

■ **एजेंसियां, जमशेदपुर:** जमशेदपुर FC ने इंडियन सुपर लीग (ISL) फुटबॉल के मौजूदा सीजन के अपने पहले मैच में जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में मोहम्मडन एससी पर कड़े मुकाबले में 1-0 की जीत दर्ज की। घरेलू दर्शकों की जबर्दस्त मौजूदगी के बीच मदीह तलाल का पहले हाफ में किया गया गोल निर्णायक साबित हुआ, जिससे टीम ने अपने अभियान की शुरुआत तीन अहम अंकों के साथ की। जमशेदपुर ने खेल शुरू होते ही मैच पर दबदबा बनाना शुरू कर दिया। तलाल मिडफील्ड में बेहद सक्रिय नजर आए।

राहुल, पडिक्कल ने जमाए शतक

■ **एजेंसियां, लखनऊ:** केएल राहुल (141 रन) और देवदत्त पडिक्कल (148* रन) की शतकों की बदौलत कर्नाटक ने उत्तराखंड के खिलाफ रणजी ट्रॉफी के सेमीफाइनल मैच में मजबूत शुरुआत की। दोनों ही प्लेयर्स की मदद से कर्नाटक ने पूरे दिन अपना दबदबा बनाए रखा और स्टंप्स तक दो विकेट के नुकसान पर 355 रन बना दिए। पडिक्कल शतक बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। दूसरे छोर पर उनका साथ करुण नायर (37* रन) दे रहे हैं।

इससे पूर्व, टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनने का उत्तराखंड का फैसला उलटा पड़ गया। मयंक अग्रवाल (5 रन) जल्दी आउट हुए, लेकिन इसके बाद राहुल और पडिक्कल ने दूसरे विकेट के लिए 278 रन की बड़ी साझेदारी कर मैच की दिशा तय कर दी। राहुल ने 211 गेंदों की पारी में 11 फोर और 5 सिक्स जड़े। यह उनका 25वां फर्स्ट क्लास शतक रहा। दूसरे छोर पर पडिक्कल ने संयम और आक्रामकता का संतुलन दिखाते हुए 236 बॉल में 16 फोर और 2 सिक्स लगाए।

रणजी का रण **148*** रन बनाकर क्रीज पर हैं पडिक्कल

घरामी की शानदार फॉर्म है जारी

कल्याणी: दूसरे सेमीफाइनल के पहले दिन सुदीप घरामी (136*) की बदौलत बंगाल ने जम्मू-कश्मीर के खिलाफ 5 विकेट पर 249 रन बना लिए। क्वॉर्टर फाइनल में 299 रन की पारी खेलने के बाद घरामी ने उसी लय को जारी रखा और 227 बॉल में 19 फोर व एक सिक्स जड़ते हुए नाबाद लौटे। दूसरे ओवर में क्रीज पर आए घरामी ने कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन (49) के साथ 85 रन जोड़े। आकिब नबी ने ईश्वरन को बोल्ड कर झटका दिया। अनुस्टुप मजूमदार (14) ज्यादा देर नहीं टिके, लेकिन 66 रन की साझेदारी से पारी संभाली।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 16-02-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH13 User: cci Time: 02-15-2026 22:18 Color:

नवभारत टाइम्स NBT Delhi Times OF INDIA masala mix
MONDAY, FEBRUARY 16, 2026 ADVERTORIAL, ENTERTAINMENT, PROMOTIONAL FEATURE

जीशान अय्यूब बोले, सोशल मीडिया ने लोगों को कुछ ज्यादा ही ताकत दे दी है

@tamannaahspeaks

तमन्ना भाटिया

'नंबर्स दर्शकों की पसंद को बताते हैं'

कई बार फिल्म इंडस्ट्री में इस बात को लेकर बहस छिड़ी रहती है कि कमाई के नंबर्स पर ध्यान देना चाहिए या फिर फिल्ममेकिंग की कला पर ही फोकस करना चाहिए। अब तमन्ना भाटिया ने इस पर अपनी राय रखी है। उन्होंने कहा है कि फिल्मों की कमाई या फिर सोशल मीडिया पर दिखने वाले नंबर्स बहुत जरूरी होते हैं क्योंकि यही आपकी ऑडियंस का मूड बताते हैं।

एक इवेंट में तमन्ना ने कहा, 'हम नंबर्स को इतना महत्व इसलिए देते हैं कि क्योंकि कहीं-न-कहीं यही हमको बताते हैं कि हमारी कौनसी वह फिल्म थी या कौनसा वह गाना था जो लोगों ने बार-बार देखा। नंबर्स और कला अलग-अलग नहीं हैं, वे एक ही हैं। जब मेरे गाने आज की रात को बिलियन व्यूज मिले, तो उसने दिखाया कि लोगों को वह गाना कितना पसंद आया। मैं तो नंबर्स को सपोर्ट करती हूं, क्योंकि ये ही बताते हैं कि हमारा कौनसा काम ऑडियंस तक ज्यादा पहुंचा है। मेरे हिसाब से इसमें कोई बुरी बात नहीं है।'

'मुझे फैंस से हमेशा खूब प्यार मिला है'

इस दौरान तमन्ना ने यह भी बताया कि उन्हें अपने फैंस के साथ समय बिताना पसंद है और एक ऐक्टर हमेशा से यही चाहता है। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत खुशनसीब हूं। मुझे हमेशा फैंस से ढेर सारा प्यार मिला है। इतना ही नहीं, जब भी फैंस से कभी मेरी मुलाकात या बात हुई है, तो मेरे उनके साथ कई क्यूट-क्यूट मोमेंट्स भी हुए हैं, जो मुझे बहुत पसंद हैं। कहीं-न-कहीं एक ऐक्टर को भी यही चाहिए होता है कि वह बस अपने फैंस के दिल में एक जगह बनाए।'

फिल्म स्त्री 2 के एक गाने में तमन्ना भाटिया

शाहरुख बेहतर ऐक्टर हैं: जेसन

शाहरुख खान की तारीफ देश ही नहीं, बल्कि दुनियाभर के सितारे करते रहते हैं। अब उनकी प्रशंसा में हॉलिवुड के जानेमाने स्टार जेसन मोमोआ ने कुछ बोला है। एक बातचीत में जेसन ने शाहरुख को अपने से बेहतर ऐक्टर माना है। उन्होंने कहा कि शाहरुख वाकई बहुत ज्यादा हैंडसम हैं और मुझसे बेहतर ऐक्टर और परफॉर्मर भी। जब उनसे पूछा गया कि उनकी बॉलिवुड के किंग खान से हुई मुलाकात के दौरान क्या-क्या बातें हुईं, तो उन्होंने जवाब दिया, 'हम दोनों सिर्फ दो दोस्तों की तरह मिले। शाहरुख स्वीटहार्ट हैं, जेंटलमैन हैं और मुझसे बेहर ऐक्टर और परफॉर्मर भी।'

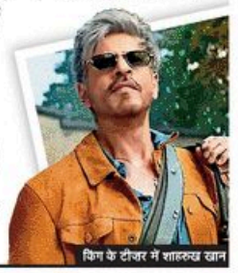

> शाहरुख बहुत हैंडसम हैं। वह जेंटलमैन भी हैं और मुझसे बेहर ऐक्टर भी

किंग के टीजर में शाहरुख खान

रसिका ने माना महिलाओं को अब मिल रहे बेहतर मौके

@rasikadugal

रसिका दुग्गल का कहना है कि अब फिल्मों और वेब सीरीज में महिलाओं के लिए कई बेहतर किरदार लिखे जा रहे हैं और अब वे सिर्फ कार्डबोर्ड के कटआउट्स तक सीमित नहीं रह गई हैं। बकौल रसिका, 'मुझे खुशी है कि हम एक ऐसे समय में जी रहे हैं जहां मुझे इतने विविध किरदार निभाने का मौका मिला है। चीजें हमेशा ऐसी नहीं थीं, खासकर महिलाओं के लिए, और मुझे उम्मीद है कि यह सिलसिला जारी रहेगा।'

वह आगे कहती हैं, 'स्टोरीटेलिंग का तरीका अब बेहतर हुआ है और महिला किरदार अब सिर्फ दिखावटी या कार्डबोर्ड कटआउट्स जैसे नहीं रह गए हैं। एक साल के भीतर मैंने मिर्जापुर में बीना त्रिपाठी, दिल्ली क्राइम में नीति सिंह और मंटो में सफिया का किरदार निभाया। ऐसे अवसर बहुत कम मिलते हैं।' इस दौरान रसिका ने यह भी कहा कि OTT के आने से स्थिति में सुधार हुआ है। उन्होंने कहा, 'OTT ने कई बदलाव लाए हैं। इसने फील्ड को आम लोगों की पहुंच में ला दिया है, जिससे इस फील्ड में नए लोगों को आने का मौका मिला है। अब वही गिने-चुने 10 लोग ही लिखने, निर्देशन करने और अभिनय करने वाले नहीं रह गए हैं। अब नए डायरेक्टर्स और राइटर्स इस पूरे परिदृश्य को नया रूप दे रहे हैं।'

NBT कम्युनिटी कनेक्ट

भारंगम में मैथिली-भोजपुरी का दिखा जलवा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: यह पहली बार है जब भारत रंग महोत्सव (भारंगम) में चार मैथिली और दो भोजपुरी नाटकों को एक साथ जगह मिली है। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा आयोजित हो रहे भारंगम में मैथिली नाटक जनकनंदिनी का मंचन हो चुका है जबकि 'सोन महरिया' का मंचन सोमवार को, 'सखा' का मंचन मंगलवार को (दोनों का मंचन शाम छह बजे से मेघदूत में) और 'पंच पत्र' का मंचन गुरुवार को बहुमुख ऑडिटोरियम में किया जाएगा।

> चार मैथिली और दो भोजपुरी नाटकों को जगह मिली

इस बीच शुक्रवार को दिल्ली की भोजपुरी नाट्य संस्था रंगश्री द्वारा डॉ. महेंद्र प्रसाद सिंह लिखित और निर्देशित भोजपुरी नाटक 'बबुआ गोबरधन' का मंचन किया गया। नाटक में मुन्ना कुमार, वीणा वादिनी चौबे, शुभम तिवारी, रुस्तम कुमार, रिशान वशिष्ठ, सुचित्रा सिंह ने प्रभावित किया।

महाकवि पंडित लाल दास की 170वीं जयंती

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: चित्रगुप्त चित्रगुप्त पूजा समिति और कर्ण कायस्थ महासभा के संयुक्त तत्वावधान में महाकवि पंडित लाल दास की 170वीं जयंती, देवेश्वरी भवन, नंगली डेरी नजफगढ़ में मनाई गई। आशीष नीरज के संचालन में आयोजित कार्यक्रम में मुकेश दास ने कहा कि मिथिला के खड़ौआ निवासी महाकवि पं. लालदास ने मैथिली भाषा को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई। कर्ण कायस्थ महासभा दिल्ली प्रदेश के अध्यक्ष सुनीत कुमार ने कहा कि मैथिली अब रोजी-रोटी की भाषा बन चुकी है। अजय कुमार और मुख्य अतिथि मनोरथ लाल दास ने महाकवि की अभिव्यक्ति के बारे में अपना-अपना वक्तव्य रखा। धन्यवाद ज्ञापन आनंद दास ने किया। अनिल कुमार, वरुण कुमार, प्रिय वरुण कुमार, प्रवीण कर्ण और अन्य लोग उपस्थित रहे।

> उन्होंने मैथिली को विश्व स्तर पर पहचान दिलाई

मंडी की शिवरात्रि में 200 देवी-देवता!

- आज से होगी मंडी में 7 दिवसीय अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव की शुरुआत
- शिव के साथ-साथ 200 से अधिक स्थानीय देवी-देवताओं की होती है पूजा
- 1527 में राजा अजबर सेन द्वारा शुरू की गई परंपरा आज भी जारी है

महाशिवरात्रि पर मिथिला समाज ने की महादेव मंदिर की स्थापना

मिथिला के नचारी गीतों की धुन पर गूंज उठा पूरा किराड़ी

Roushan.Jha
@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: किराड़ी में महाशिवरात्रि के पावन अवसर पर श्री मिथिला शारदीय दुर्गा पूजा समिति ने दुर्गा मंदिर प्रांगण में नर्मदेश्वर महादेव मंदिर की स्थापना की। तीन दिनों तक चले अनुष्ठान के बाद रविवार को महाशिवरात्रि के दिन शिव नगरी वाराणसी (काशी) से आई शिव की दिव्य प्रतिमा का विधिवत प्राण-प्रतिष्ठा अनुष्ठान काशी और मिथिला के विख्यात आचार्य प्रमोद झा शास्त्री के वेदमंत्रोच्चार के साथ किया गया।

संस्था के अध्यक्ष शशांक झा टेशु ने बताया कि पिछले 33 वर्षों से इस प्रांगण में दुर्गा पूजा का भव्य आयोजन होता आ रहा है। लंबे समय से शिव मंदिर स्थापना का संकल्प लिया गया था, जो समाज के सहयोग, समर्पण और श्रद्धा से अब जाकर पूरा हुआ है।

महासचिव विजय ठाकुर पंकज ने समाज के सभी लोगों के सक्रिय योगदान, सहयोग और समर्थन के लिए हार्दिक आभार व्यक्त किया। इस तीन दिवसीय अनुष्ठान के दौरान मिथिला की महिलाओं द्वारा प्रस्तुत सामूहिक लोकगीत, नचारी शिव-विवाह गीत, नृत्य-गान और भजन-कीर्तन से पूरा वातावरण भक्तिमय और आध्यात्मिक ऊर्जा से ओतप्रोत रहा। संस्था की ओर से कन्हैया झा, संतोष कुमार भास्कर, मनोज ठाकुर ने सभी श्रद्धालुओं, सहयोगकर्ताओं और समाज के गणमान्य व्यक्तियों के प्रति धन्यवाद एवं आभार व्यक्त किया।

अध्यक्ष शशांक झा ने कहा कि इस पूरे आयोजन के दौरान संगीत झा, संतोष झा फौजी, शंभू नाथ झा, अखिलेश झा, पवन नारायण झा आदि का काफी सक्रिय योगदान रहा।

- 3 दिनों तक चले धार्मिक अनुष्ठान के बाद विधिवत हुई स्थापना
- लंबे समय से शिव मंदिर स्थापना का संकल्प लिया गया था

आंदोलनकारियों को मिलेगा सम्मान

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: दिल्ली एनसीआर के उत्तराखंड अचिह्नित राज्य आंदोलनकारियों की ओर से 12 फरवरी को पूर्व मुख्यमंत्री और हरिद्वार के सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत का उनके दिल्ली आवास पर अभिनंदन किया गया। आंदोलनकारी अनिल पंत ने बताया कि त्रिवेंद्र रावत के प्रयास से वंचित राज्य आंदोलनकारियों के लिए दोबारा सरकारी आदेश जारी हुआ है। इसी के साथ आंदोलन सम्मान परिषद के सुभाष बर्थवाल के प्रयासों के लिए उनको धन्यवाद दिया गया। स्वागत कार्यक्रम में वरिष्ठ आंदोलनकारी, रंगकर्मी, पत्रकारों सहित समिति के संरक्षक अनिल पंत, प्रधान मनमोहन सिंह, व्योमेश जुगरान, रविंद्र चौहान, पंचम सिंह रावत, राम सिंह, खुशहाल सिंह बिष्ट, पुष्पा घुघत्याल आदि शामिल हुए।

अनिल पंत ने बताया कि दिल्ली एनसीआर के 354 आंदोलनकारी अचिह्नित हैं। इस बारे में सरकारी आदेश जारी होते ही प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

NBT जन्मदिन मुबारक

HAPPY BIRTHDAY HAPPY BIRTHDAY

आप भी भेज सकते हैं देश की जानी-मानी हस्तियों को जन्मदिन की बधाई। बस इस QR कोड को स्कैन करें और विश करें।

16 फरवरी

वसीम जाफर
16 फरवरी 1978 को जन्मे वसीम जाफर के नाम घरेलू क्रिकेट (रणजी ट्रॉफी) में सबसे ज्यादा रन और सबसे ज्यादा शतक लगाने का रेकॉर्ड है। पूर्व सलामी बल्लेबाज ने भारत के लिए 31 टेस्ट खेले हैं।
@wasimjaffer14
@WasimJaffer14

17 फरवरी

के. चंद्रशेखर राव
17 फरवरी 1954 को जन्मे केसीआर तेलंगाना के पहले मुख्यमंत्री रहे हैं। उन्होंने अलग तेलंगाना राज्य के आंदोलन का नेतृत्व किया और भारत राष्ट्र समिति (BRS) की नींव रखी।
@KCRBRSPresident

18 फरवरी

साजिद नाडियाडवाला
18 फरवरी 1966 को जन्मे साजिद फिल्म जगत के दिग्गज निर्माता-निर्देशक हैं। 'नाडियाडवाला ग्रैंडसन' के बैनर तले उन्होंने 'किक', 'हाउसफुल', 'छिछोरे' और हाल ही में 'चंदू चैंपियन' जैसी फिल्में दी हैं।
@nadiadwalagrandson

मनु भाकर
18 फरवरी 2002 को हरियाणा में जन्मी शूटर मनु भाकर ने पेरिस ओलिंपिक 2024 में दो कांस्य पदक जीतकर इतिहास रचा। वह एक ही ओलिंपिक में दो पदक जीतने वाली पहली भारतीय खिलाड़ी बनीं।
@bhakermanu
@realmanubhaker

19 फरवरी

प्रसिद्ध कृष्णा
19 फरवरी 1996 को जन्मे प्रसिद्ध कृष्णा टीम इंडिया के प्रमुख तेज गेंदबाज हैं। उन्होंने 6 टेस्ट मैच में 22 विकेट, 23 ODI मैच में 40 विकेट, और 5 T20I मैच में 8 विकेट, IPL में 66 मैचों में 74 विकेट लिए हैं।
@skiddyy
@prasidh43

20 फरवरी

अन्नू कपूर
20 फरवरी 1956 को जन्मे अन्नू कपूर ने 'अंताक्षरी' शो के होस्ट के रूप में घर-घर में पहचान बनाई। 'विकी डोनर' के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीतने वाले अन्नू कपूर अपने रेडियो शो 'सुहाना सफर' से यादों का जादू बिखेरते हैं।
@skiddyy
@prasidh43

22 फरवरी

सूरज आर. बड़जात्या
फिल्मफेयर और नेशनल अवॉर्ड हासिल कर चुके सूरज बड़जात्या का जन्म 22 फरवरी 1964 को हुआ। वह राजश्री प्रोडक्शंस के सर्वेसर्वा हैं। 'मैंने प्यार किया', 'हम आपके हैं कौन..!' और 'विवाह' जैसी फिल्मों के जरिए उन्होंने भारतीय सिनेमा में पारिवारिक मूल्यों और संस्कारों की एक नई परिभाषा लिखी।

स्नेह राणा
18 फरवरी 1994 को जन्मी स्नेह राणा भारतीय महिला क्रिकेट टीम की शानदार ऑलराउंडर हैं। वह पहली बार महिला वनडे विश्व कप-2025 जिताने वाली टीम का हिस्सा रहीं। उन्होंने भारत के लिए अब तक 4 टेस्ट मैच, 44 ODI और 31 T20I मैच खेले हैं।
@sneh_rana94
@SnehRana15

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 16-02-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAHBP User: cci Time: 02-15-2026 23:20 Color:

NBT AI टाइम मशीन

दिल्ली पुलिस का स्थापना दिवस आज

दिल्ली पुलिस आज अपना स्थापना दिवस (Raising Day) मना रही है। 1948 में आज ही के दिन दिल्ली पुलिस के पुनर्गठन के बाद डी.डब्ल्यू. मेहरा (D.W. Mehra) पहले इंस्पेक्टर जनरल (IGP) बने थे। 'शांति, सेवा, न्याय' के संकल्प के साथ दिल्ली पुलिस ने राष्ट्रीय राजधानी की सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और अपराध नियंत्रण में अहम भूमिका निभाई है। किंग्सवे कैंप में हर साल भव्य परेड आयोजित होती है।

भविष्य में ड्रोन-रोबॉट करेंगे पट्रोलिंग

ChatGPT के अनुसार, भविष्य में दिल्ली पुलिस पूरी तरह टेक्नॉलजी-ड्रिवन हो जाएगी। AI आधारित पुलिसिंग, क्वांटम-लेवल साइबर सिक्योरिटी, रियल-टाइम फेस और बिहेवियर एनालिटिक्स, ड्रोन-रोबोट पट्रोलिंग आम होगी। साइबर क्राइम से निपटने के लिए स्पेशल डिजिटल कमांड सेंटर काम करेंगे। हर पुलिसकर्मी के पास स्मार्ट यूनिफॉर्म, लाइव बॉडी-कैम और हेल्थ मॉनिटरिंग होगी। थाने फिजिकल रूप में नहीं रहेंगे, वर्चुअल सर्विस हब बन जाएंगे।

AI Images

अब फोटो छपवाने का मौका भी

खबरों का ज्ञान

रोज की खबरों पर कितनी पैनी नजर है, आजमाएं

1 भारत की तीनों सेनाओं में से 'भैरव' किसकी बटैलियन है?
A. नौसेना B. थलसेना C. वायुसेना

2 केदारनाथ धाम के कपाट कब खुलेंगे?
A. 20 अप्रैल B. 22 अप्रैल C. 25 अप्रैल

3 बांग्लादेश के नए पीएम के शपथ ग्रहण समारोह में भारत की ओर से कौन शामिल होंगे?
A. नरेन्द्र मोदी B. एस. जयशंकर C. ओम बिरला

4 प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आखिरी इस्राइल यात्रा कब हुई थी?
A. जुलाई 2015 B. जुलाई 2017 C. जुलाई 2019

5 पाकिस्तान के पूर्व पीएम इमरान खान किस पार्टी के नेता हैं?
A. पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (PTI)
B. पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी
C. पाकिस्तान मुस्लिम लीग

कल के जवाब

A1 B. ईरान A2 A. चेक रिपब्लिक A3 C. एलेक्सी नवलनी A4 B. असम A5 B. ब्रह्मपुत्र नदी

लकी विनर्स

1. अंश अग्रवाल, ग्रेनो वेस्ट
2. दीपक कुमार गुप्ता, नई दिल्ली
3. नीतिज गुप्ता, फरीदाबाद

ऐसे भेजें अपने जवाब

अपने नाम, शहर के साथ जवाब भेजें nbtreader@timesofindia.com पर, साथ में फोटो भी भेजें। सब्जेक्ट में KKG लिखें। हर दिन सभी सही जवाब देने वाले तीन चुनिंदा रीडर्स में से एक का फोटो और दो के नाम छापे जाएंगे। जवाब आज के पेपर की खबरों में ही छिपे हैं।

जंगल से आसमान तक... महाशिवरात्रि पर सेना ने दिखाई 'भैरव' की ताकत

Poonam.Pandey@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: करीब साढ़े तीन मिनट के विडियो के जरिए भारतीय सेना ने अपनी नई लाइट कॉम्बैट बटैलियन 'भैरव' की अनदेखी तस्वीरें सामने रखी हैं। सेना के आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स पर शेयर किए गए विडियो में सिर्फ एक बटैलियन की ताकत नहीं दिखाई गई है बल्कि इसके जरिए कई मैसेजिंग भी की गई है।

नई लाइट कॉम्बैट बटैलियन की विडियो जारी

महाशिवरात्रि के मौके पर सेना के X और Instagram पर विडियो शेयर किया गया। इसमें 'भैरव' की क्षमताओं को बेहद सिनेमाई अंदाज में दिखाया गया है। विडियो की टैगलाइन है- "भैरव - नाम नहीं, पहचान। भैरव - नाम नहीं, परिणाम।" जंगल में घात लगाकर हमला करने की रणनीति से लेकर पानी के रास्ते जाना और हवा से उतरकर सटीक प्रहार तक, हर फ्रेम इस यूनिट की क्षमता को दर्शाता है। घने जंगल, कठिन इलाकों और विशेष ऑपरेशन की परिस्थितियों में कमांडो किस तरह काम कर सकते हैं, इसे भी विस्तार से दिखाया गया है। पिछले साल अक्टूबर में भारतीय सेना ने सोशल मीडिया पर 'शैडो एंड स्टील' नाम से एक सीरीज शुरू की थी। इसी सीरीज के तहत भैरव बटैलियन को दिखाया गया है।

Social Media

आधुनिक हथियारों की झलक

विडियो में एके-203 असॉल्ट राइफल्स, नेगेव लाइट मशीन गन, रॉकेट लॉन्चर, नाइट विजन डिवाइस, ड्रोन और स्ट्राइक वीइकल जैसे संसाधनों के साथ ऑपरेशनल तैयारियों को दिखाया गया है।

डिजिटल मोर्चे पर भी सेना का दम

हाई क्वॉलिटी विजुअल्स, सशक्त बैकग्राउंड म्यूजिक और दमदार पंच लाइंस के जरिए सेना अपनी ताकत और तैयारी का संदेश देती नजर आती है। पहली बार इस तरह से सेना का डिजिटल कंटेंट किसी फिल्मी प्रस्तुति की तरह तैयार किया गया। ऐसा स्टाइल अब पश्चिमी देशों की आर्मी भी इस्तेमाल कर रही है। कुछ दिन पहले फ्रांस की सेना ने भी सोशल मीडिया पर इस तरह का विडियो पोस्ट किया है जिसमें वे अपनी ताकत दिखा रहे हैं।

'बांग्लादेश बेहतर रिश्ते चाहता है, लेकिन सोच बदले भारत'

BNP सलाहकार ने भारत में रह रही हसीना को 'आतंकवादी' बताया

■ पीटीआई, ढाका

बांग्लादेश में सत्ता परिवर्तन के बाद भारत के साथ रिश्तों को नए सिरे से स्थापित करने की जरूरत पर जोर दिया गया है। बांग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी (BNP) अध्यक्ष तारिक रहमान के सलाहकार हुमायूं कबीर ने कहा कि भारत को बांग्लादेश की बदली राजनीतिक वास्तविकता को स्वीकार करते हुए आपसी हितों के आधार पर संबंधों को आगे बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश बेहतर रिश्ते चाहता है लेकिन भारत को सोच में बदलाव लाना चाहिए, क्योंकि पूर्व पीएम शेख हसीना और उनकी पार्टी अवामी लीग अब सत्ता में नहीं है। इंटरव्यू में कबीर ने अगस्त 2024 के जनविद्रोह के बाद भारत जा चुकी हसीना को 'आतंकवादी' करार देते हुए उन पर 1,500 से अधिक लोगों की मौत का जिम्मेदार होने का आरोप लगाया।

बोले, जनता ने बीएनपी के पक्ष में फैसला दिया है

AFP

बांग्लादेश जमात-ए-इस्लामी पार्टी और गठबंधन के नेता ने रविवार को चुनाव आयोग के अधिकारियों से मीटिंग के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

पहली बार पीएम बनेंगे तारिक

बांग्लादेश में नई संसद और कैबिनेट का शपथ ग्रहण मंगलवार को होगा। सुबह 10 बजे नवनिर्वाचित सांसदों को शपथ दिलाई जाएगी, जबकि शाम को राष्ट्रपति मोहम्मद शहाबुद्दीन नई कैबिनेट को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाएंगे। बांग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी के अध्यक्ष तारिक रहमान पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे।

देश अहम दौर से गुजर रहा है: यूनुस

बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने कहा कि देश अहम दौर में है। इकॉनमी, तकनीक, जलवायु, मानव संसाधन और सामाजिक न्याय में चुनौतियां व अवसर हैं। लोकतंत्र को मजबूत, सहभागी और संस्थागत बनाने के लिए सरकार और विपक्ष दोनों को जिम्मेदार भूमिका निभानी होगी।

'तारिक भाई' को ममता का संदेश

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने तारिक रहमान को बांग्लादेश के 13वें संसदीय चुनाव में जीत पर फूल और मिठाई भेजी। पार्टी सूत्रों के अनुसार, बांग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी नेता को 'तारिक भाई' कहकर बधाई दी और रमजान से पहले बांग्लादेश के नागरिकों को शुभकामनाएं भी दीं।

9 साल बाद इस्राइल जाएंगे PM, रक्षा-तकनीक पर बढ़ाएंगे कदम

Poonam.Pandey@timesofindia.com

■ नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जल्द ही इस्राइल जाएंगे। दिल्ली में 16 से 20 फरवरी तक होने वाले AI समिट के बाद यह दौरा हो सकता है। पीएम मोदी का यह दौरा दोनों देशों के बीच तेजी से मजबूत हो रहे रणनीतिक, रक्षा और तकनीक के क्षेत्र में संबंधों को नया आयाम दे सकता है।

यह पीएम मोदी के तीसरे कार्यकाल की पहली इस्राइल यात्रा होगी, जो 9 साल के गैप के बाद हो रही है। पीएम मोदी की आखिरी इस्राइल यात्रा जुलाई 2017 में हुई थी। तब वे इस्राइल का दौरा करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने थे। तब इस्राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू लगभग पूरे वक्त पीएम मोदी के साथ थे। जिसने भारत और इस्राइल के गहरे संबंधों को रेखांकित किया। इस्राइल भारत के लिए एक अहम डिफेंस सप्लायर रहा है। मिसाइल सिस्टम, ड्रोन, निगरानी तकनीक और साइबर सुरक्षा में दोनों देशों के बीच सहयोग काफी वक्त से है। माना जा रहा है कि पीएम मोदी के इस दौरे में 'मेक इन इंडिया' के तहत जॉइंट प्रॉडक्शन और टेक्नॉलजी ट्रांसफर पर भी बातचीत और आगे बढ़ सकती है।

मोदी की आखिरी इस्राइल यात्रा 2017 में हुई थी

File

- दिल्ली में 16 से 20 फरवरी तक होने वाले AI समिट के बाद यह दौरा हो सकता है
- दोनों देशों के बीच रक्षा और तकनीक के क्षेत्र में संबंधों को नया आयाम मिल सकता है
- 2017 में इस्राइल का दौरा करने वाले पहले भारतीय PM बने थे

कूटनीतिक लिहाज से भी अहम है दौरा

यह विजिट कूटनीतिक लिहाज से भी अहम है। इसे भारत की दीर्घकालिक रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है, जहां सुरक्षा, तकनीक, ऊर्जा और कूटनीतिक संतुलन सभी को साथ लेकर चला जा रहा है। इस दौरान रक्षा, सुरक्षा, ड्रोन तकनीक और हाई-टेक सहयोग जैसे क्षेत्रों में अहम समझौतों पर चर्चा की उम्मीद है। इस्राइल की तरफ से भी इस यात्रा को लेकर सकारात्मक संकेत दिए गए हैं।

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

रणनीतिक स्वतंत्रता का संकेत भी

मिडिल ईस्ट की पॉलिटिक्स एक कठिन दौर से गुजर रही है। ऐसे में पीएम का यह दौरा भारत की सक्रिय विदेश नीति और रणनीतिक स्वतंत्रता के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। एक तरफ इस्राइल-गाजा में तनाव कम नहीं हुआ है और दूसरी तरफ खाड़ी देशों की अपनी रणनीति है। बदली जियो-पॉलिटिक्स में भारत को संतुलन बनाकर चलना पड़ रहा है। भारत की कोशिश रही है कि किसी एक पक्ष में खड़ा दिखने के बजाय अपने राष्ट्रीय हितों को ध्यान में रखते हुए सभी के साथ रिश्ते बनाए रखे।

नई दिल्ली / एनसीआर > 16-22 फरवरी 2026 > वर्ष 1, संख्या 7 > पेज 6 > मूल्य ₹6.00

NBT नवभारत टाइम्स Wealth

इस हफ्ते क्या है बाजार का मूड?
बजट के बाद थमी तेजी, निफ्टी में नरमी। अमेरिकी डेटा और AI समिट के बीच निवेशक कहां तलाशें अगला मौका?
देखें PG-3

लोन नहीं, बहुत कुछ तय कर रहा CIBIL
नौकरी, इंश्योरेंस, किराये का मकान या हो पोस्टपेड कनेक्शन, आपका क्रेडिट स्कोर हर जगह देखा जा रहा है।
देखें PG-4

आपकी बात

NBT Wealth आपको कैसा लगता है, इसमें क्या पसंद आता है और क्या नहीं, आप और किन विषयों पर लेख पढ़ना चाहते हैं? आप कॉल करके अपनी बात नोट करा सकते हैं। आपका संदेश संपादक तक पहुंच जाएगा।

कॉल करें **011-4978 0064**
आज दिन में 11 बजे से 12 बजे तक

अंदर देखें ये खास स्टोरी

AI की आंधी में हिलता IT सेक्टर, खतरा या मौका?

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की तेज रफ्तार ने भारतीय IT सेक्टर को झकझोर दिया है। निफ्टी IT इंडेक्स कुछ ही दिनों में दो अंकों की गिरावट दर्ज कर चुका है और दिग्गज कंपनियों के शेयर सालों के निचले स्तर पर पहुंच गए हैं।

एंथ्रोपिक और पलान्टिर जैसे ग्लोबल AI प्लैटफॉर्म पारंपरिक सॉफ्टवेयर मॉडल को चुनौती दे रहे हैं, जिससे निवेशकों में घबराहट बढ़ी है। सवाल है कि क्या यह सेक्टर के बिजनेस मॉडल में स्थायी बदलाव की शुरुआत है या सिर्फ डर से हुई बिकवाली? एक्सपर्ट्स की राय बंटी हुई है। कुछ इसे संरचनात्मक संकट मान रहे हैं, तो कुछ लंबी अवधि के निवेश का अवसर बता रहे हैं। ऐसे में समझदारी भरा फैसला ही निवेशकों को आगे बढ़ा सकता है। देखें PG-3

इंट्राडे ट्रेडिंगः आसान कमाई या बड़ा जोखिम?

भारतीय शेयर बाजार में इंट्राडे ट्रेडिंग युवाओं के बीच तेजी से लोकप्रिय हो रही है, जहां निवेशक एक ही दिन में शेयर खरीदकर बेचते हैं और छोटी कीमती उतार-चढ़ाव से मुनाफा कमाने की कोशिश करते हैं।

लेकिन कम पूंजी और तेज फैसलों के आकर्षण के बावजूद यह उतना सरल नहीं, जितना दिखता है। ब्रोकरेज, STT और अन्य चार्ज मुनाफा घटा सकते हैं, जबकि भावनात्मक फैसले नुकसान बढ़ा सकते हैं। एक्सपर्ट मानते हैं कि बिना अनुशासन, रिसर्च और जोखिम समझे इसमें कदम रखना खतरनाक हो सकता है। सवाल यह है कि क्या रोजाना मोटी कमाई सच है या यह सिर्फ भ्रम? जानिए, क्यों ज्यादातर निवेशकों के लिए लंबी अवधि का निवेश और अनुशासित ज्यादा भरोसेमंद रास्ता माना जाता है। देखें PG-2

गोल्ड ETF vs इक्विटी MF

पोर्टफोलियो में किसे दें कितनी जगह?

सुधा श्रीमाली
Sudha.Shrimali
@timesofindia.com

शेयर बाजार में उतार-चढ़ाव और वैश्विक अनिश्चितता के बीच गोल्ड ETF में निवेश तेज हुआ है। कई निवेशक अब सुरक्षित विकल्प की ओर झुकते दिख रहे हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि पोर्टफोलियो में सोने और इक्विटी का सही संतुलन क्या हो और निवेश रणनीति कैसी रखी जाए।

इस साल जनवरी में जो आंकड़े सामने आए, उन्होंने कई निवेशकों को चौंका दिया। गोल्ड ETF में निवेश दोगुना होकर 24,040 करोड़ रुपये तक पहुंच गया, जो लगभग इक्विटी म्यूचुअल फंड के बराबर रहा। यह पहली बार है जब गोल्ड ETF में इनफ्लो ने इक्विटी ओरिएंटेड फंड्स को टक्कर दी। वहीं, सिल्वर ETF में पिछले महीने 9,463 करोड़ रुपये का निवेश आया। गोल्ड और सिल्वर ETF के मैनेजमेंट के तहत कुल एसेट्स जनवरी 2026 में 3 लाख करोड़ रुपये को पार कर गए, जो रेकॉर्ड है। सवाल यह है कि क्या निवेशकों को अब इक्विटी से हटकर सोने में ज्यादा पैसा लगाना चाहिए, या यह सिर्फ अस्थायी रुझान है?

गोल्ड ETF में इतना क्यों बढ़ रहा निवेश?

सोने को परंपरागत रूप से 'सेफ हेवन' असेट माना जाता है। जब बाजार में गिरावट का डर होता है, तो निवेशक ऐसे असेट की ओर रुख करते हैं जो स्थिरता दे सके। वैश्विक अनिश्चितता, जियो-पॉलिटिकल तनाव, शेयर बाजार की वोलैटिलिटी और सोने की रिकॉर्ड कीमतें, इन सभी ने निवेशकों को सुरक्षित विकल्प की ओर मोड़ा है।

दूसरी वजह हालिया रिटर्न है। जब किसी असेट में तेजी आती है, तो निवेशकों में 'परफॉर्मेंस चेजिंग' की प्रवृत्ति दिखती है, यानी जो असेट अच्छा रिटर्न दे रहा है, उसी में ज्यादा पैसा लगाना। लेकिन यह समझना जरूरी है कि हर तेजी स्थायी नहीं होती।

क्या इक्विटी से बाहर निकल रहे हैं निवेशक?

टोटल इक्विटी नेट इनफ्लो महीने दर महीने 9.12% घटकर 39,062 करोड़ हो गया, जो एक मजबूत दौर के बाद नरमी दिखाता है, फिर भी इनफ्लो पॉजिटिव बना हुआ है। इससे पता चलता है कि इन्वेस्टर इक्विटी से बाहर नहीं निकले हैं। SIP इनफ्लो अब भी मजबूत है और नियमित निवेश जारी है। इसका मतलब है कि लॉन्ग टर्म भरोसा इक्विटी पर बना हुआ है। इतिहास देखें तो लंबे समय में इक्विटी ने सोने से बेहतर 'रिस्क एडजस्टेड रिटर्न' दिया है। यानी जोखिम के मुकाबले मिलने वाला रिटर्न इक्विटी में ज्यादा रहा है। इसलिए इक्विटी अब भी लॉन्ग टर्म वेल्थ क्रिएशन का मुख्य साधन बनी हुई है।

गोल्ड ETF में निवेश बढ़ने का क्या मतलब है इन एक्सपर्ट संग समझें!

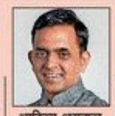

- **ए. बालासुब्रमण्यम,** आदित्य बिड़ला सन लाइफ AMC के MD और CEO
- **आदित्य अग्रवाल,** वेल्थ मैनेजमेंट प्लैटफॉर्म Wealthy.in के को-फाउंडर
- **मनीष श्रीवास्तव,** आनंद राठी वेल्थ लिमिटेड के इग्जेक्यूटिव डायरेक्टर
- **अजय गर्ग,** SMC ग्लोबल सिक्योरिटीज के चीफ इग्जेक्यूटिव ऑफिसर
- **वरुण गुप्ता,** ग्रो म्यूचुअल फंड के मुख्य कार्यकारी अधिकारी

गोल्ड की भूमिका समझें

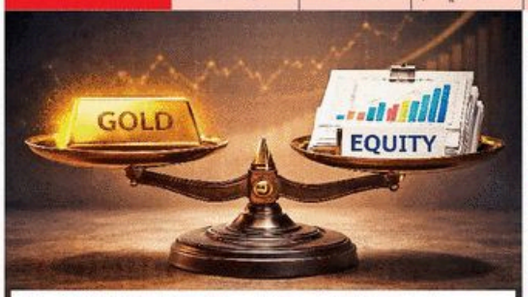

गोल्ड ग्रोथ असेट नहीं, बल्कि डिफेंसिव असेट है। इसका काम पोर्टफोलियो को स्थिर करना है। सिर्फ गोल्ड पर भरोसा करके लंबी अवधि में बड़ा धन बनाना मुश्किल है। गोल्ड को केवल पोर्टफोलियो में 10-15% की सीमित हिस्सेदारी के साथ एक डाइवर्सिफिकेशन टूल के रूप में इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

संतुलन की जरूरत

गोल्ड ETF में बढ़ता निवेश संकेत देता है कि निवेशक सतर्क हैं। लेकिन लॉन्ग टर्म वेल्थ क्रिएशन के लिए इक्विटी अब भी मुख्य असेट क्लास है। समझदारी इसी में है कि दोनों का सही अनुपात रखें। लक्ष्य आधारित निवेश करें और बाजार की अस्थायी हलचल से घबराकर रणनीति न बदलें।

क्या यह ट्रेंड लंबा चलेगा?

गोल्ड ETF में तेजी का मतलब यह नहीं कि इक्विटी का दौर खत्म हो गया। बाजार चक्रों में चलता है। कभी इक्विटी आगे रहती है, कभी गोल्ड। नियमित निवेश, संतुलित पोर्टफोलियो और लंबी अवधि का नजरिया ही धन बनाने का असली रास्ता है। जैसे-जैसे ग्लोबल ट्रेड क्लैरिटी बेहतर होगी, विदेशी इन्वेस्टर फ्लो वापस आएगा, भारतीय इक्विटी स्टेबल होगी। इक्विटी, कीमती धातुओं को मिलाकर बैलेंस्ड पोर्टफोलियो ही समझदारी होगी।

...तो निवेशक क्या करें?

सबसे अहम सवाल, आपकी रणनीति क्या होनी चाहिए?

1. **असेट अलोकेशन तय करें:** विशेषज्ञ मानते हैं कि गोल्ड को पोर्टफोलियो में 10-15% तक सीमित रखना बेहतर है। अगर डेट और गोल्ड मिलाकर कुल 20% तक का डिफेंसिव हिस्सा रखें और बाकी इक्विटी में रखें, तो संतुलन बना रहता है।
2. **लक्ष्य आधारित निवेश करें:** लक्ष्य 10-15 साल बाद है, तो इक्विटी में निवेश जरूरी है। लक्ष्य 2-3 साल बाद का है, तो कुछ हिस्सा गोल्ड में रखा जा सकता है।
3. **एकमुश्त नहीं, धीरे-धीरे निवेश करें:** सोने की कीमतें ऊंचे स्तर पर हों तो एक साथ बड़ी रकम लगाने से बचें। SIP या फेज्ड इन्वेस्टमेंट के जरिए धीरे-धीरे निवेश करें।
4. **सिर्फ रिटर्न के पीछे न भागें:** आज सोना बढ़ा है, तो कल इक्विटी बढ़ सकती है। किसी एक असेट क्लास में बहुत ज्यादा कंसंट्रेशन जोखिम बढ़ा देता है।
5. **रणनीतिक फैसला लें:** मार्केट की सुर्खियां देखकर फैसला न लें। हर निवेश आपके लक्ष्य, आय, जोखिम लेने की क्षमता और समयावधि के हिसाब से होना चाहिए।

GRIP®
www.gripinvest.in

12.5%* P. A.
तक के फिक्स्ड रिटर्न पाएं।

+ 0.25% और कमाएं
(ब्रोकरेज रिवर्सल के जरिए#)

SEBI REGISTERED BROKER
INZ000312836

GRIP®

Download on the App Store
GET IT ON Google Play

QR Code for app download

केवल रु.1,000 से निवेश करना शुरू करें | सेबी पंजीकृत ब्रोकर संख्या: INZ000312836

अस्वीकरण: *प्लेटफॉर्म पर पेश की गई इन्वेंट्री में ब्याज दर 8-12.5% तक होती है.
ऋण प्रतिभूतियों / नगर निगम ऋण प्रतिभूतियों / प्रतिभूतिकृत ऋण साधनों में निवेश जोखिमों के अधीन है, जिसमें भुगतान में देरी और/या चूक शामिल है. ऑफर से संबंधित सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें. अधिक जानकारी के लिए, कृपया https://www-gripinvest-in/ पर जाएं. ग्रिप ब्रोकिंग प्राइवेट लिमिटेड, SEBI पंजीकरण संख्या INZ000312836. NSE आईडी 90319 | SEBI पंजीकृत डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट (डीपी) जिसका पंजीकरण क्रमांक IN-DP-809-2025 और डीपी आईडी IN304877 है। पंजीकृत पता – 106, II F, न्यू एशियाटिक बिल्डिंग, H ब्लॉक, कनॉट प्लेस, नई दिल्ली 110001. #नियम एवं शर्तें लागू.

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 16-02-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD2 User: ccl Time: 02-14-2026 21:26 Color:

इंट्राडे ट्रेडिंग क्या है, कैसे करें?

लॉन्ग टर्म निवेश में आप शेयर को महीनों, वर्षों रखते हैं। वहां फोकस कंपनी की ग्रोथ और भविष्य की संभावनाओं पर होता है। इंट्राडे ट्रेडिंग में ध्यान दिन भर की कीमतों की चाल पर होता है। यहां धैर्य से ज्यादा जरूरी है जल्दी फैसले की क्षमता।

प्रदीप तिवारी
Pradeep.Tiwari@timesofindia.com

भारतीय शेयर बाजार में इंट्राडे ट्रेडिंग युवाओं में तेजी से लोकप्रिय हो रही है। इसमें निवेशक एक ही दिन में शेयर खरीदते और बेचते हैं ताकि छोटी कीमतों के उतार-चढ़ाव से मुनाफा कमा सकें। लेकिन तेज फैसले, अनुशासन और जोखिम समझे बिना इसमें कदम रखना भारी नुकसान का कारण बन सकता है।

भारतीय शेयर बाजार के युवा निवेशकों की इन दिनों इंट्रा डे ट्रेडिंग में खासी दिलचस्पी नजर आ रही है। इंट्राडे या डे ट्रेडिंग का मतलब है एक ही ट्रेडिंग दिन के अंदर शेयर खरीदना और उसी दिन बेच देना। यानी आप शेयर को अपने पास लंबे समय के लिए नहीं रखते, बल्कि उसी दिन कीमतों में होने वाले छोटे-छोटे उतार-चढ़ाव से मुनाफा कमाने की कोशिश करते हैं। भारतीय शेयर बाजार सुबह 9:15 बजे खुलता है और दोपहर 3:30 बजे बंद होता है। इंट्राडे ट्रेडिंग इसी समय के बीच की जाती है। जैसे, अगर आपने सुबह रिलायंस का शेयर 1450 रुपये में खरीदा और दोपहर में वह 1500 रुपये पर पहुंच गया, तो आप उसे बेचकर 50 रुपये प्रति शेयर का मुनाफा कमा सकते हैं। यह ट्रेडिंग NSE और BSE जैसे एक्सचेंज पर इक्विटी या F&O सेगमेंट में होती है। SEBI के नियमों के अनुसार, इंट्राडे में ली गई पोजीशन को उसी दिन स्क्वायर ऑफ करना जरूरी होता है। अगर आप खुद नहीं बेचते, तो ज्यादातर ब्रोकर दिन के अंत में इसे ऑटोमैटिक बेच देते हैं।

कैसे शुरुआत करें?

- **डीमैट और ट्रेडिंग अकाउंट:** इंट्रा डे ट्रेडिंग के लिए डीमैट और ट्रेडिंग अकाउंट होना चाहिए। SEBI रजिस्टर्ड ब्रोकर जैसे Zerodha, Groww, Angel One आदि के साथ यह अकाउंट ऑनलाइन खुल जाता है। ऑनलाइन ही KYC पूरी की जा सकती है।
- **सही ब्रोकर का चुनाव:** ऐसा ब्रोकर चुनें जिसका ऐप आसान हो, ब्रोकरेज कम हो और कस्टमर सपोर्ट अच्छा हो। इंट्रा डे ट्रेडिंग में तेजी से ऑर्डर प्लेस करना होता है, इसलिए टेक्निकल गड़बड़ी नुकसान करा सकती है।
- **शुरुआती पूंजी:** एक्सपर्ट सलाह देते हैं कि कम से कम 10,000 से 20,000 रुपये से शुरुआत करें। SEBI के नए नियमों के मुताबिक, इंट्रा डे ट्रेडिंग में 20% अपफ्रंट मार्जिन जरूरी है। यानी जिस रकम का ट्रेड करेंगे, उसका एक हिस्सा पहले ही खाते से ब्लॉक हो जाएगा।
- **प्रैक्टिस जरूरी:** सीधे लाइव ट्रेडिंग में कूदने के बजाय डेमो अकाउंट या पेपर ट्रेडिंग से अभ्यास करना बेहतर होता है। इससे बाजार की चाल समझने में मदद मिलती है और शुरुआती गलतियों से बचा जा सकता है।

5 स्टेप में समझें

1 समय का ध्यान रखें: इंट्राडे ट्रेडिंग सोमवार से शुक्रवार, सुबह 9:15 से दोपहर 3:30 बजे तक होती है। बाजार खुलने के पहले 15-30 मिनट में काफी उतार-चढ़ाव रहता है। एक्सपर्ट नए निवेशकों को 9:45 के बाद ट्रेडिंग की सलाह देते हैं। 3:20 के बाद ज्यादातर ब्रोकर पोजीशन ऑटोमैटिक स्क्वायर ऑफ करने लगते हैं, इसलिए उससे पहले सौदा बंद कर दें।

2 सही शेयर का चुनाव: इंट्रा डे में हाई लिक्विडिटी वाले शेयर बेहतर माने जाते हैं। जैसे Nifty 50 की कंपनियां- रिलायंस, HDFC बैंक, TCS आदि। इन शेयरों में खरीदने-बेचने वालों की संख्या ज्यादा होती है, इसलिए ऑर्डर आसानी से पूरा हो जाता है। NSE की वेबसाइट पर रोज टॉप गेनर्स और टॉप लूजर्स की लिस्ट जरूर देखें।

3 चार्ट और ट्रेंड समझें: ब्रोकर ऐप में कैंडलस्टिक चार्ट देखें। सपोर्ट यानी जहां शेयर की कीमत गिरकर रुकती है और रेजिस्टेंस, जहां कीमत चढ़कर रुकती है, को पहचानें। चार्ट में लगातार हरी कैंडल दिख रही है तो शेयर ऊपर की ओर ट्रेंड कर रहा है। ज्यादा लाल कैंडल गिरावट का संकेत है। हालांकि, सिर्फ रंग देखकर फैसला न लें। वॉल्यूम और मार्केट न्यूज पर भी नजर रखें।

4 ऑर्डर प्लेस करें: ऑर्डर देते समय 'इंट्रा डे' या 'MIS' ऑप्शन चुनें। दो तरह के ऑर्डर होते हैं, पहला मार्केट ऑर्डर और दूसरा लिमिट ऑर्डर। मार्केट ऑर्डर यानी जो भी मौजूदा बाजार भाव हो, उसी पर तुरंत शेयर खरीद या बिक जाएगा। लिमिट ऑर्डर में आप अपनी पसंद की कीमत तय करते हैं, उसी रेट पर ऑर्डर पूरा होता है।

5 समय पर एग्जिट लें: इंट्रा डे ट्रेडिंग में सबसे जरूरी है सही समय पर बाहर निकलना। टारगेट पूरा होते ही मुनाफा बुक कर लें। नुकसान हो रहा हो, तो स्टॉप लॉस लगाएं। यानी एक तय सीमा पर नुकसान स्वीकार लें, इंतजार न करें। दोपहर 3:20 के करीब आ जाए और लॉस हो रहा हो, तो भी खुद ही पोजीशन बंद करना बेहतर है।

नुकसान ज्यादा हो जाए तो क्या करें?

इंट्राडे पोजीशन को डिलिवरी में भी बदल सकते हैं। यानी जो शेयर इंट्राडे के लिए खरीदा था, उसे लंबी अवधि के लिए डीमैट खाते में रख सकते हैं। इसमें हर ब्रोकर की पॉलिसी अलग है। अगर खाते में पर्याप्त फंड है और आपने तय कट-ऑफ टाइम से पहले कन्वर्जन किया है, तो पोजीशन डिलिवरी में बदल सकती है। अगर फंड कम है, तो ब्रोकर अपने नियम के अनुसार पोजीशन ऑटोमैटिक स्क्वायर ऑफ कर देगा।

> इंट्राडे ट्रेडिंग में समय सबसे बड़ा फैक्टर होता है। यह न्यूज, ट्रेंड और भावनाओं पर कुछ मिनट में सबकुछ बदल सकता है। इसलिए, इंट्राडे ट्रेडिंग खरीदो और भूल जाओ वाला नहीं, बल्कि खरीदो और लगातार देखो वाला गेम है। जरा सी गलत एंट्री या देर से [illegible] फैसला मुनाफे को बड़े नुकसान में बदल सकता है।
> - सान्या मिश्रा, फाइनेंस अडवाइजर

बाज़ार से पैसा कमाना इतना आसान भी नहीं

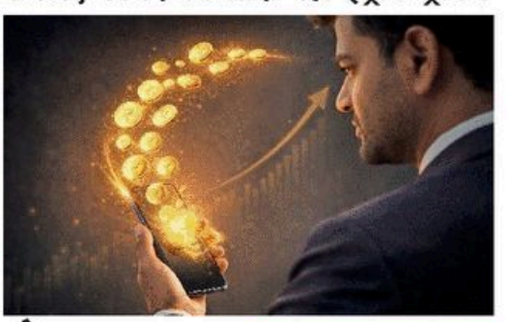

हर किसी के लिए फायदे का सौदा नहीं इंट्राडे ट्रेडिंग

दो दूनी चार

रमेश तिवारी
Ramesh.Tiwari@timesofindia.com

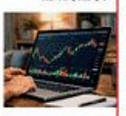

शेयर बाजार में जल्दी अमीर बनने का सपना अक्सर हकीकत से दूर होता है। खासकर इंट्राडे ट्रेडिंग हर किसी के लिए फायदे का सौदा नहीं होती। धैर्य, अनुशासन और लंबी अवधि का नजरिया ही ज्यादातर निवेशकों के लिए टिकाऊ संपत्ति बनाने का बेहतर रास्ता साबित होता है।

NBT Wealth टीम के सामने ये सवाल आया- 'इंट्रा डे ट्रेडिंग कैसे करते हैं? सुना है इसमें छोटी रकम लगाकर हर रोज 5000 रुपये बड़े आराम से कमाए जा सकते हैं।' यह स्टोरी इसी सवाल के जवाब के रूप में छापी गई है।

शेयर बाजार को अक्सर रोमांच और तुरंत अमीर बनने की जगह के रूप में दिखाया जाता है। इससे भी ज्यादा गलत धारणा यह बनती है कि इंट्राडे ट्रेडिंग (एक ही दिन में खरीद-फरोख्त) अमीर बनने का पक्का तरीका है। लेकिन सभी के लिए यह सच नहीं है। ज्यादातर लोगों के लिए पैसा धीरे-धीरे ही बनता है।

शेयर बाजार को करीब से देखने वाले लोग बताते हैं कि एक्टिव डे-ट्रेडर्स में से 1% से भी कम लोग फिक्स्ड डिपॉजिट से ज्यादा रिटर्न कमा पाते हैं। इसके पीछे कई कारण हैं। बार-बार खरीद-फरोख्त से खर्च बढ़ता है। हर ट्रेड पर ब्रोकरेज, STT (सिक्योरिटीज ट्रांजैक्शन टैक्स) और अन्य चार्ज लगते हैं, जो मुनाफा कम कर देते हैं। जल्दी-जल्दी फैसले लेने में डर और लालच हावी हो जाते हैं। छोटे निवेशकों को रिसर्च टीम रखने वाली बड़ी कंपनियों से मुकाबला करना पड़ता है, जिनके पास ज्यादा पैसा और तकनीकी बढ़त होती है।

अगर आप ट्रेडिंग करना चाहते हैं, तो खुद से कुछ सवाल पूछें। क्या आपको बैलेंस शीट और कैश फ्लो समझ आता है? कंपनी की असली स्थिति समझना जरूरी है। क्या आप सही जानकारी को गलत खबरों से अलग कर सकते हैं? क्या आप भीड़ के पीछे चलने की जगह खुद सोचकर फैसला ले सकते हैं? सोशल मीडिया या तथाकथित मार्केट गुरु की टिप्स पर भरोसा करना पैसा गंवाने का आसान तरीका है। अगर किसी के पास पक्का तरीका होता तो वह उसे बेचने के बजाय खुद इस्तेमाल करता। अगर आपके पास गहरी रिसर्च करने का जुनून है, भावनाओं पर नियंत्रण और सीखते समय नुकसान सहने की क्षमता है, तो ट्रेडिंग आपके लिए हो सकती है।

अगर बाजार में अनिश्चितता है, जैसे चुनाव या वैश्विक संकट तो इंट्रा डे से दूर रहने की सलाह दी जाती है। असल में भाव में वोलैटिलिटी (तेज उतार और चढ़ाव) घाटा बढ़ा सकती है। अगर आपका जीवन व्यस्त है, आप स्क्रीन पर नजर नहीं रख सकते, तो फैसला गलत हो सकता है। अगर आप कर्ज लेकर ट्रेड कर रहे हैं या इसे फुल-टाइम जॉब बनाने की सोच रहे हैं, तो रुकें। रोज की ट्रेडिंग कभी-कभी मुनाफा दे सकती है, लेकिन नियमित कमाई का जरिया नहीं। अगर आप तैयार हैं, तो छोटे से शुरू करें और लगातार सीखें। इंट्राडे ट्रेडिंग में हर दिन मुनाफे वाला नहीं होता है। तनाव का स्तर बहुत ज्यादा होता है, क्योंकि लगातार ध्यान देने की जरूरत होती है। ट्रेडिंग थकाऊ भी हो सकती है क्योंकि आपको हर समय स्क्रीन के सामने बैठकर बाजार पर नजर रखनी पड़ती है। इंट्राडे ट्रेडिंग में डिविडेंड और बोनस जैसे लाभ नहीं मिलते हैं।

ज्यादातर के लिए लंबी अवधि का निवेश बेहतर रणनीति है। अच्छी कंपनियों में नियमित निवेश और धैर्य से कंपाउंडिंग का फायदा मिलता है, जहां समय के साथ पैसा खुद बढ़ता है। समय या विशेषज्ञता की कमी हो तो MF या ETF जैसे विकल्प अपनाएं।

ट्रेडिंग को लोग लैपटॉप, कॉफी और मजेदार लाइफस्टाइल समझते हैं, लेकिन ये सबसे ज्यादा अकेलेपन वाला पेशा है। जीत की खुशी और हार का दर्द दोनों अकेले सहने पड़ते हैं। बाजार में भीड़ के खिलाफ चलना पड़ता है, जब सब कहते हैं गिरेगा, तब खरीदना पड़ता है। ये अनुभव बताता है कि इंट्रा डे सिर्फ पैसा नहीं, बल्कि मानसिक ताकत का खेल है। सफलता मिलने पर ज्यादा आत्मविश्वास का नतीजा भी बुरा होता है। अच्छे मुनाफे पर भी छोटा प्रॉफिट बुक न करना नुकसान दे सकता है। ग्लोबल मार्केट से मिलने वाले संकेतों को इग्नोर करना महंगा पड़ सकता है। लेकिन हर न्यूज पर रिएक्ट भी नहीं कर सकते।

ज्यादातर लोगों के लिए लंबी अवधि का निवेश बेहतर है। आप अच्छी कंपनियों में नियमित रूप से निवेश करते हैं और सालों तक बने रहते हैं, तो आपको उनकी बढ़त और डिविडेंड का फायदा मिलता है। सबसे बड़ी ताकत है, कंपाउंडिंग। समय के साथ आपका पैसा खुद पैसा कमाने लगता है। अगर आपके पास समय या विशेषज्ञता नहीं है तो दो विकल्प अच्छे हो सकते हैं। पहला, म्यूचुअल फंड जिसमें आपका पैसा विशेषज्ञ मैनेजर संभालते हैं और सही कंपनियों में निवेश करते हैं। दूसरा है ETF यानी एक्सचेंज ट्रेडेड फंड, जो निफ्टी 50 जैसे इंडेक्स को फॉलो करते हैं। इनमें खर्च कम होता है और जोखिम भी बंट जाता है। आप किसी एक शेयर पर नहीं, बल्कि पूरी अर्थव्यवस्था की वृद्धि पर भरोसा करते हैं।

Reader's choice

अगर आप भी किसी विषय पर जानकारी चाहते हैं तो हमें NBTwealth@timesofindia.com पर मेल कर बताएं। सब्जेक्ट में 'Reader's choice' लिखें। NBT Wealth के अगले अंक में हम उस विषय पर जरूरी हर जानकारी आपको देंगे।

गोल्ड Vs सिल्वर: निवेश की रेस में कौन होगा आगे?

साल 2026 में गोल्ड और सिल्वर की जंग फिर तेज हो गई है। COMEX पर गोल्ड आगे निकल चुका है, जबकि सिल्वर की रफ्तार थमती दिख रही है। क्या सुरक्षित ठिकाने के तौर पर गोल्ड बेहतर है या हाई रिस्क-हाई रिवॉर्ड के लिए सिल्वर? जानिए निवेश का सही संतुलन और रणनीति।

वीर शर्मा
NBTwealth@timesofindia.com

वैश्विक अनिश्चितता, केंद्रीय बैंकों की खरीदारी और ETF रुझानों ने कीमती धातुओं की दिशा बदल दी है। जहां सोना स्थिरता का सहारा बन रहा है, वहीं चांदी में उतार-चढ़ाव तेज है। ऐसे माहौल में सही असेट एलोकेशन तय करना ही 2026 में बेहतर रिटर्न की कुंजी बन सकता है।

साल 2026 में निवेश की दुनिया पूरी तरह बदल चुकी है। जिस सोने को वॉरेन बफे (warren buffett) जैसे दिग्गज निवेशक अक्सर 'बेकार की संपत्ति' कहकर नजरअंदाज करते रहे, आज वही सोना, चांदी को पीछे छोड़ते हुए निवेशकों की पहली पसंद बना हुआ है। ताज्जुब की बात यह है कि चांदी, जो हमारे इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाओं, वाटर प्यूरीफिकेशन और बड़े उद्योगों की रीढ़ है, वह सोने की 'सुरक्षित चमक' के आगे थोड़ी फीकी पड़ती दिख रही है। अगर आप भी उलझन में हैं कि इस समय पैसा सोने में लगाना चाहिए या चांदी में, तो यह रिपोर्ट आपकी हर शंका को दूर कर देगी।

एक साल से हेडलाइंस में सिर्फ चांदी का नाम था। 2025 में चांदी ने 170% की ऐतिहासिक छलांग लगाई थी और 2026 की शुरुआत में भी यह काफी तेज थी। अचानक बाजी पलट गई। इस साल अब तक COMEX (कमोडिटी एक्सचेंज) पर सोना 15% की बढ़त बना चुका है। चांदी केवल 10% बढ़ पाई है।

यह बड़ा विरोधाभास है। एक तरफ चांदी है जिसकी दुनिया भर की इंडस्ट्रीज में असली उपयोगिता (Utility) है, और दूसरी तरफ सोना है जिसका औद्योगिक इस्तेमाल बहुत कम है। फिर भी, बाजार की घबराहट और अनिश्चितता ने सोने को लीडर बना दिया है। जब दुनिया में रिस्क बढ़ता है, तो लोग 'काम आने वाली धातु' (चांदी) के बजाय 'सुरक्षित धातु' (सोना) को चुनते हैं।

इन्वेस्टर क्या करें?

इंडसइंड सिक्योरिटीज के सीनियर रिसर्च एनालिस्ट जिगर त्रिवेदी का मानना है कि सोना उन लोगों के लिए सबसे अच्छा है जो अपनी पूंजी को सुरक्षित रखना चाहते हैं और स्थिर मुनाफा चाहते हैं। उनके अनुसार, सोना अनिश्चितता के दौर में सबसे बेहतर प्रदर्शन करता है। इसमें उतार-चढ़ाव (Volatility) कम होता है। वहीं चांदी उन लोगों के लिए है जो जोखिम उठा सकते हैं। इसमें कीमतें जितनी तेजी से ऊपर जाती हैं, उतनी ही बेरहमी से नीचे भी आती हैं। चांदी में अच्छी खबरें पहले ही कीमतों में शामिल हो चुकी हैं, इसलिए अब यहां से बढ़ी तेजी के साथ-साथ बड़े झटके भी लग सकते हैं।

ब्रोकरेज फर्म मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशल सर्विसेज का कहना है कि चांदी की हालिया तूफानी तेजी ने इसके 'रिस्क-रिवॉर्ड रेश्यो' को बिगाड़ दिया है। सरल शब्दों में कहें तो, चांदी अब महंगी हो चुकी है और इसमें पैसा लगाने पर जोखिम ज्यादा है। फर्म ने निवेशकों को सलाह दी है कि बढ़ती वैश्विक अनिश्चितता के बीच सोना निवेश के लिए ज्यादा बेहतर स्थिति में है। चांदी की औद्योगिक मांग लंबी अवधि के लिए तो अच्छी है, लेकिन फिलहाल इसकी कीमतें अपनी क्षमता से ज्यादा बढ़ चुकी हैं।

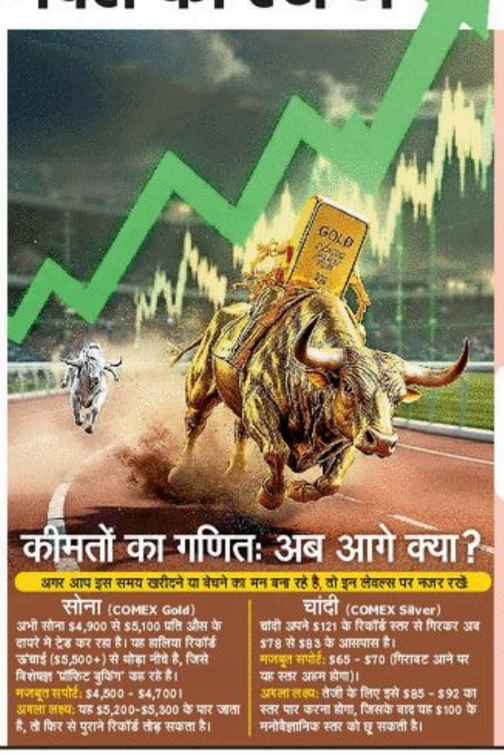

कीमतों का गणित: अब आगे क्या?

अगर आप इस समय खरीदने या बेचने का मन बना रहे हैं, तो इन लेवल्स पर नजर रखें

सोना (COMEX Gold)
अभी सोना $4,900 से $5,100 प्रति औंस के दायरे में ट्रेड कर रहा है। यह हालिया रिकॉर्ड ऊंचाई ($5,500+) से थोड़ा नीचे है, जिसे विशेषज्ञ 'प्रॉफिट बुकिंग' कह रहे हैं।
मजबूत सपोर्ट: $4,500 - $4,700।
अगला लक्ष्य: यह $5,200-$5,300 के पार जाता है, तो फिर से पुराने रिकॉर्ड तोड़ सकता है।

चांदी (COMEX Silver)
चांदी अपने $121 के रिकॉर्ड स्तर से गिरकर अब $78 से $83 के आसपास है।
मजबूत सपोर्ट: $65 - $70 (गिरावट आने पर यह स्तर अहम होगा)।
अगला लक्ष्य: तेजी के लिए इसे $85 - $92 का स्तर पार करना होगा, जिसके बाद यह $100 के मनोवैज्ञानिक स्तर को छू सकती है।

गोल्ड-सिल्वर रेश्यो से समझें गणित

बाजार में सोने और चांदी की तुलना के लिए 'रेश्यो' का इस्तेमाल होता है। महामारी के समय यह रेश्यो 127 तक चला गया था। यानी एक तोला सोने के भाव में 127 तोला चांदी आती थी। 2026 की शुरुआत में यह गिरकर 50 के आसपास आ गया है। इसका मतलब है कि चांदी ने सोने के मुकाबले बहुत ज्यादा रिकवरी कर ली है। जानकारों का मानना है कि अब चांदी की यह 'कैच-अप' (बराबरी करने की रेस) खत्म होने के करीब है, और अब सोने की बारी है।

रुझान कहां ज्यादा?: 2026 की शुरुआत से अब तक ग्लोबल सिल्वर ETF (Exchange Traded Funds) से 30 लाख औंस से ज्यादा की निकासी (Outflow) हुई है। यानी बड़े निवेशक चांदी से पैसा निकाल रहे हैं। इसके विपरीत, गोल्ड ETF में लगातार निवेश बढ़ रहा है। लोग सोने को सुरक्षित ठिकाना मानकर इसमें टिके हुए हैं।

चीन, केंद्रीय बैंकों की रणनीति: चीन का केंद्रीय बैंक पिछले 15 महीनों से लगातार सोना खरीद रहा है। सिर्फ चीन ही नहीं, दुनिया भर के केंद्रीय बैंक डॉलर पर अपनी निर्भरता कम करने के लिए सोने का भंडार जमा कर रहे हैं। जब सरकारी बैंक सोना खरीदते हैं, तो इसकी कीमतों को एक मजबूत आधार (Floor) मिल जाता है।

कीमतों को बढ़ाने वाले बड़े कारण जानें

भू-राजनीति
US-ईरान के बीच चल रही बातचीत पर बाजार की नजर है। अगर तनाव बढ़ता है, तो सोना रॉकेट बन जाएगा।

अमेरिकी फेडरल रिजर्व
ब्याज दरों में कटौती की संभावना सोने के लिए खाद-पानी का काम करती है।

औद्योगिक मांग
चांदी के मामले में सौर ऊर्जा और इलेक्ट्रिक व्हीकल्स (EV) की मांग इसे लंबी अवधि में सहारा देगी।

किसे सोना खरीदना चाहिए?

- अगर आप एक सुरक्षित निवेश चाहते हैं।
- अगर आप बाजार के बड़े उतार-चढ़ाव से डरते हैं।
- अगर आप कम से कम 3-5 साल के लिए निवेश करना चाहते हैं।

किसे चांदी खरीदनी चाहिए?

- अगर आप 'हाई रिस्क-हाई रिवॉर्ड' के खिलाड़ी हैं।
- अगर 20-30% की गिरावट झेलने का जिगर रखते हैं।
- अगर मानते हैं कि भविष्य की कई तकनीक चांदी के बिना अधूरी हैं।

फिलहाल सोना रेस जीतता दिख रहा है। विशेषज्ञ सलाह है कि पोर्टफोलियो का बड़ा हिस्सा सोने में रखें, चांदी में निवेश तब करें जब उसकी अस्थिरता से परेशानी न हो। गोल्डमैन सैक्स ग्रुप इंक, ड्यूश बैंक जैसे बड़े बैंकों ने सोने पर भरोसा जताया है।

डिस्क्लेमर: *यह रिपोर्ट केवल सूचना के लिए है। कमोडिटी मार्केट में निवेश जोखिमों के अधीन है। निवेश से पहले अपने वित्तीय सलाहकार से परामर्श जरूर लें।*

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 16-02-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD3 User: cci Time: 02-14-2026 21:25 Color:

क्या AI के आगे ढेर हो जाएगा IT सेक्टर?

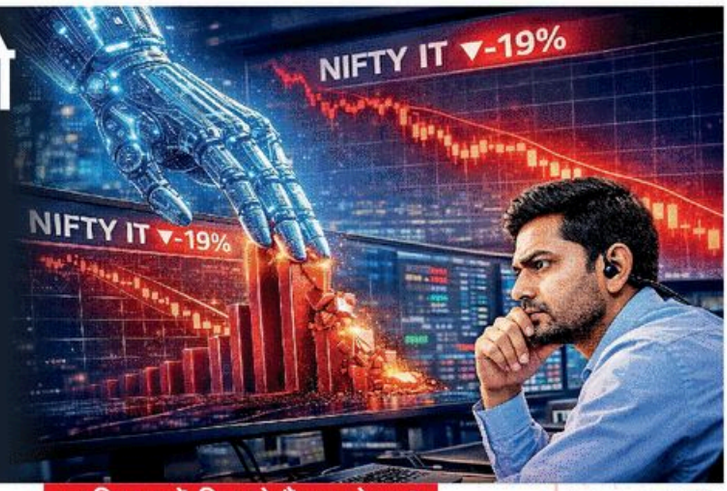

AI की तेजी ने IT कंपनियों के पारंपरिक बिज़नेस मॉडल पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बड़े शेयर सालों के निचले स्तर पर हैं और निवेशक दुविधा में हैं। क्या यह तकनीकी बदलाव अस्थायी दबाव है या सेक्टर की दिशा बदलने वाला निर्णायक मोड़? निवेशक क्या करें?

राजेश मिश्र
Rajesh.Mishra
@timesofindia.com

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) की तेज रफ्तार ने भारतीय IT सेक्टर को झटका दिया है। निफ्टी IT इंडेक्स में तीखी गिरावट से निवेशकों की चिंता बढ़ गई है। सवाल यह है कि क्या यह अस्थायी घबराहट है या सेक्टर के बिजनेस मॉडल में बड़े और स्थायी बदलाव की शुरुआत?

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) के बढ़ते खतरों ने भारतीय IT सेक्टर की नींव हिला दी है। पिछले 3 दिनों में IT शेयरों में 12% की भारी गिरावट आई है। अगर पिछले 8 कारोबारी दिनों की बात करें, तो निफ्टी IT इंडेक्स 19% तक गिर चुका है। इस बड़ी गिरावट ने निवेशकों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि क्या यह सिर्फ घबराहट में की गई बिकवाली है या फिर किसी बड़ी मुसीबत की शुरुआत? निवेशकों के मन में सवाल है कि क्या यह सेक्टर अब अपना पुराना जलवा खो रहा है? सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस वक्त नए शेयर खरीदें, पुराने में बने रहें या सब बेचकर निकल जाएं? आइए इन सवालों के जवाब ढूंढते हैं।

निफ्टी IT इंडेक्स गुरुवार को 5.5 प्रतिशत टूट गया। यह पिछले 10 महीनों के अपने सबसे निचले स्तर पर पहुंच गया है। अक्टूबर 2023 के बाद का यह सबसे खराब स्तर है। साल 2025 में करीब 13 प्रतिशत की गिरावट के बाद, 2026 में भी यह गिरावट जारी है। इंफोसिस, टीसीएस (TCS), एचसीएल टेक, विप्रो और टेक महिंद्रा जैसी दिग्गज कंपनियों में बिकवाली का दौर बना हुआ है।

भारत की सबसे बड़ी टेक कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (TCS) की बात करें, तो कंपनी के शेयर साढ़े पांच साल के सबसे निचले स्तर 2,692.20 रुपये पर पहुंच गए हैं। नुकसान हर तरफ और बहुत गहरा है। पिछले 8 दिनों में इंफोसिस 21%, TCS 19%, HCL टेक 17% और विप्रो व टेक महिंद्रा के शेयर 13% तक गिर चुके हैं। TCS के शेयर अब अगस्त 2024 के अपने सबसे ऊंचे स्तर से 44% तक नीचे आ गए हैं। कंपनी की मार्केट वैल्यू 10 लाख करोड़ रुपये से कम हो गई है। यह स्तर आखिरी बार अक्टूबर 2020 में देखा गया था।

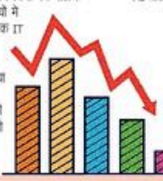

आखिर क्यों गिर रहे हैं IT शेयर?

अमेरिकी AI कंपनी एंथ्रोपिक (Anthropic) ने नया टूल क्लाउड कोवर्क (Claude Cowork) लॉन्च किया है। यह टूल कानूनी कामकाज जैसे कॉन्ट्रैक्ट चेक करना और नियमों का पालन (Compliance) करने वाले काम चुटकियों में कर सकता है। ये वही काम हैं जो अब तक IT कंपनियां करती आई हैं। Jefferies ने इस स्थिति को 'SaaSpocalypse' (सॉफ्टवेयर सर्विस का अंत) का नाम दिया है। निवेशकों को डर है कि AI अब IT कंपनियों की मदद करने के बजाय उनकी जगह ले लेगा। हाल ही में अमेरिकी कंपनी पलान्टिर (Palantir) ने भी निवेशकों को डरा दिया है। कंपनी ने बताया कि उसका AI प्लेटफॉर्म पुराने सॉफ्टवेयर मॉडल की जगह ले रहा है। पलान्टिर का दावा है कि जो काम पहले सालों में होते थे, उसका AI प्रोग्राम हफ्तों में कर रहा है। मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट के मुताबिक, AI से IT सेक्टर की 9-12% कमाई पर खतरा है और 3-4 सालों तक हर साल ग्रोथ में 2% की कमी आ सकती है। जियोजित इन्वेस्टमेंट्स के रिसर्च हेड विनोद नायर का कहना है कि AI भारतीय IT सेवाओं के काम के तरीके बदल रहा है। इससे ऑटोमैटिक तरीके से कम समय में काम हो रहा है। इससे उस पुराने मॉडल पर दबाव बढ़ गया है जहां कर्मचारियों की संख्या के आधार पर पैसे मिलते थे। अब वही काम कम लोग कर सकेंगे।

डर की असली वजह क्या है?

दरअसल, यह इंडस्ट्री अपने सबसे बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। एजेंटिक एआई (Agentic AI) सॉफ्टवेयर बनाने और उसकी टेस्टिंग के तरीके को पूरी तरह बदल रहा है। 'ज्यादा लोगों' वाले मॉडल की जगह अब 'बेहतर नतीजों' पर आधारित ढांचा बन रहा है। लोगों की गिनती बढ़ाकर तरक्की करने वाले पुराने मॉडल की जगह अब एआई आधारित काम ले रहे हैं।

खत्म हो जाएगा ये सेक्टर?

दिग्गज निवेशक विजय केडिया का मानना है कि निवेशकों को उभरते सेक्टर पर फोकस रखना चाहिए और कमजोर सेक्टर से दूरी बनानी चाहिए। वहीं समीर अरोड़ा कहते हैं कि बदलाव का अर्थ अंत नहीं होता। फिलहाल डर के कारण शेयर दबाव में है, लेकिन AI अगर सॉफ्टवेयर लागत घटाता है तो डिजिटल निवेश बढ़ेगा, जिससे आईटी कंपनियों के लिए नए अवसर खुल सकते हैं।

निवेशक अब क्या करें?

आईटी शेयरों में आई गिरावट को लेकर विशेषज्ञों की राय संतुलित है। राइट रिसर्च की सोनम श्रीवास्तव मानती हैं कि यह गिरावट मुख्य रूप से डर से प्रेरित है और लंबी अवधि के निवेशकों के लिए अवसर भी बन सकती है। वहीं फंड मैनेजर क्रिस्टी मथाई का कहना है कि वैल्यूएशन आकर्षक जरूर है, लेकिन बाजार का मूड अभी कमजोर है, इसलिए स्थिरता आने तक आक्रामक खरीदारी से बचना बेहतर होगा। वीके विजयकुमार निवेशकों को घबराकर बिकवाली न करने की सलाह देते हैं और कहते हैं कि उतार-चढ़ाव के दौर में ही अच्छे मौके बनते हैं। विशेषज्ञों का जोर उन कंपनियों पर है जो AI को अपनाकर बिजनेस मॉडल को बदल रही हैं। ब्रोकरेज फर्म JPMorgan के अनुसार, IT कंपनियां टेक जगत की वैसी 'प्लंबर' हैं जिनके बिना काम नहीं चल सकता। मौजूदा डिविडेंड यील्ड आकर्षक स्तर पर है। TCS, इंफोसिस जैसे शेयरों में जोखिम सीमित है और सुधार आने पर बेहतर रिटर्न मिल सकता है।

घबराकर नहीं बेचें शेयर!

- **बड़ी गिरावट:** निफ्टी IT इंडेक्स पिछले 8 दिनों में 19% और पिछले 3 दिनों में 12% गिर चुका है।
- **TCS को झटका:** कंपनी के शेयर 5 साल के निचले स्तर पर आ गए, मार्केट कैप 10 लाख करोड़ से नीचे आया।
- **क्या है खौफ:** एंथ्रोपिक और पलान्टिर जैसी कंपनियों के नए AI टूल्स अब वो काम कर रहे हैं जो पहले IT इंजीनियर करते थे।
- **पैनिक से बचें:** निवेशकों को घबराकर शेयर नहीं बेचने चाहिए, स्थिति साफ होने का इंतजार करना बेहतर है।
- **अच्छे शेयरों पर नजर:** बाजार के इस उतार-चढ़ाव का इस्तेमाल अच्छी क्वॉलिटी और दमदार शेयरों को खरीदने में कर सकते हैं।
- **जारी रहेगी उथल-पुथल:** विशेषज्ञ कहते हैं कि जब तक कंपनियों का भविष्य और अमेरिकी बाजार स्थिर नहीं होते, IT शेयरों में रिस्क बना रहेगा।

SMART STATS

1 Top 5 SIPs

Top 5 equity schemes based on 10-year SIP returns

Scheme	% Annualised returns
Quant Small Cap Fund(G)	22.95
Quant Infrastructure Fund(G)	21.40
ICICI Pru Infrastructure Fund(G)	21.34
Nippon India ETF Nifty PSU Bank BeES	21.32
Nippon India Small Cap Fund(G)	21.29

11 Feb 2016 to 11 Feb 2026 | % ANNUALISED RETURNS As on: 12 Feb 2026

किसका, कैसा रिटर्न?

यहां अलग कैटिगरी में रिटर्न के आधार पर शीर्ष 5 और कम रिटर्न वाले 5 फंड्स की सूची है, ताकि निवेशक समझ सकें कि किन फंड्स का कैसा प्रदर्शन रहा है।

Equity: Large Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Nippon India Large Cap Fund(G)	19.50	PGIM India Large Cap Fund(G)	11.86
ICICI Pru Large Cap Fund(G)	18.40	LIC MF Large Cap Fund-Reg(G)	12.31
WOC Large Cap Fund-Reg(G)	18.08	Axis Large Cap Fund-Reg(G)	12.99
Bandhan Large Cap Fund-Reg(G)	18.00	Sundaram Large Cap Fund-Reg(G)	13.00
DSP Large Cap Fund-Reg(G)	17.94	UTI Large Cap Fund-Reg(G)	13.32

Equity: Flexi Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Motilal Oswal Flexi Cap Fund-Reg(G)	22.57	Samco Flexi Cap Fund-Reg(G)	2.48
HDFC Flexi Cap Fund(G)	22.48	UTI Flexi Cap Fund-Reg(G)	11.10
Bank of India Flexi Cap Fund-Reg(G)	22.01	Shriram Flexi Cap Fund-Reg(G)	11.46
Invesco India Flexi Cap Fund-Reg(G)	21.08	PGIM India Flexi Cap Fund-Reg(G)	13.60
JM Flexicap Fund-Reg(G)	20.38	Navi Flexi Cap Fund-Reg(G)	13.77

Equity: Mid Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Invesco India Midcap Fund-Reg(G)	27.41	PGIM India Midcap Fund-Reg(G)	13.95
Nippon India Growth Mid Cap	26.32	Quant Mid Cap Fund(G)	15.09
HDFC Mid Cap Fund-Reg(G)	25.97	Taurus Mid Cap Fund-Reg(G)	15.67
Edelweiss Mid Cap Fund-Reg(G)	25.96	UTI Mid Cap Fund-Reg(G)	17.32
WOC Mid Cap Fund-Reg(G)	25.56	SBI Midcap Fund-Reg(G)	17.61

Equity: Small Cap 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
Bandhan Small Cap Fund-Reg(G)	30.33	SBI Small Cap Fund-Reg(G)	13.79
Invesco India Smallcap Fund-Reg(G)	25.00	PGIM India Small Cap Fund-Reg	14.42
ITI Small Cap Fund-Reg(G)	24.86	Tata Small Cap Fund-Reg(G)	15.17
Mahindra Manulife Small Cap	23.75	Kotak Small Cap Fund(G)	15.31
Nippon India Small Cap Fund(G)	21.41	Canara Rob Small Cap Fund	16.70

Hybrid: Aggressive 3-year returns

अव्वल		फिसड्डी	
ICICI Pru Equity & Debt Fund(G)	19.67	PGIM India Aggressive Hybrid Equity	11.26
BoI Mid & Small Cap Equity-Debt Fund	18.79	Tata Aggressive Hybrid Fund	11.81
JM Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	17.99	HDFC Hybrid Equity Fund(G)	11.93
Mahindra Manulife Aggressive Hybrid	17.16	HDFC Hybrid Equity (Adjusted)	11.93
Edelweiss Aggressive Hybrid Fund-Reg(G)	16.83	Shriram Aggressive Hybrid Fund	11.99

ANNUALISED RETURNS IN %. As on: 12 Feb 2026

US लेबर डेटा और भारत में AI समिट पर नज़र

शेयर बाज़ार में कहां देखें मौका?

इस हफ्ते शेयर मार्केट

अखिलेश प्रताप सिंह
Akhilesh.Singh1
@timesofindia.com

बजट के बाद आई तेजी थम गई है और निफ्टी में फिर नरमी दिख रही है। अब बाजार की दिशा अमेरिकी लेबर डेटा, फेड बैठक के ब्योरे और दिल्ली में होने वाले AI समिट से तय हो सकती है। ऐसे माहौल में निवेशकों को सतर्क रहकर चुनिंदा सेक्टरों में अवसर तलाशने होंगे।

आम बजट के बाद आई 3.5% की तेजी ज्यादा दिन नहीं टिक पाई और पिछले सप्ताह निफ्टी 50 में गिरावट दिखी। AI से जुड़े वैश्विक घटनाक्रम ने खासकर IT सेक्टर पर दबाव बनाया और निफ्टी 0.87% की साप्ताहिक गिरावट के साथ बंद हुआ। अब नजर घरेलू और अंतरराष्ट्रीय आंकड़ों पर है। सोमवार को जनवरी के आयात-निर्यात और थोक महंगाई दर के आंकड़े आएंगे। 18 फरवरी को US का इंडस्ट्रियल प्रोडक्शन डेटा, 19 फरवरी को यूएस एफओएमसी के ब्योरे और बेरोजगारी के आंकड़े महत्वपूर्ण रहेंगे। 20 को भारत का PMI मैन्युफैक्चरिंग डेटा और RBI की मॉनेटरी पॉलिसी मीटिंग के ब्योरे जारी होंगे। दिल्ली में होने वाला AI समिट भी निवेशकों की नजर में रहेगा।

कैसा रहेगा बाजार?

- एंजेल वन के चीफ मैनेजर ओशो कृशन ने कहा, 'टेक्निकल नजरिए से देखें तो निफ्टी अहम शॉर्ट टर्म EMAs से नीचे आ गया है। मौजूदा प्राइस स्ट्रक्चर अब तक की रैली के बाद ट्रेंड एकदम पलट जाने के बजाय कंसॉलिडेशन का संकेत दे रहा है। 14डे RSI के नेगेटिव क्रॉसओवर के साथ निकट भविष्य में कमजोरी का संकेत मिल रहा है। कुलमिलाकर तेजी के बाद अब मार्केट में अच्छा-खासा प्राइस एंड टाइम करेक्शन हो रहा है।'
- ओशो कृशन ने कहा, 'निफ्टी 50 के लिए 25700-25750 पर रेजिस्टेंस है। नीचे 25450-25400 एक अहम पड़ाव है। यहां से नीचे जाने पर इंडेक्स 25250-25200 जोन की ओर फिसल सकता है।'
- LKP सिक्योरिटीज के सीनियर टेक्निकल एनालिस्ट रूपक दे ने कहा, 'निफ्टी अपने 20DMA के नीचे आ गया है। इससे कमजोरी का संकेत मिल रहा है। डेली RSI नेगेटिव क्रॉसओवर में बना हुआ है। नियर टर्म सेंटिमेंट कमजोर नजर आ रहा है। 25000 के आसपास सपोर्ट है और फिलहाल 25800 के करीब रेजिस्टेंस दिख रहा है।'

क्या करें निवेशक?

जियोजीत इनवेस्टमेंट्स के रिसर्च हेड विनोद नायर ने कहा, 'मार्केट का फोकस अब अमेरिकी लेबर डेटा और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की पॉलिसी सहित वैश्विक संकेतों पर रहेगा। AI से जुड़े घटनाक्रम के चलते सतर्कता वाला सेंटिमेंट बना रह सकता है। वैल्यूएशंस में सुधार और GDP ग्रोथ के बेहतर अनुमानों को देखते हुए FII इनफ्लो बनाए रखने में मदद मिल सकती है। IT और मेटल्स के सामने स्ट्रक्चरल और एक्सटर्नल चुनौतियों को देखते हुए मार्केट लीडरशिप बैंकिंग, ऑटो और कुछ कंजम्पशन आधारित सेगमेंट्स की ओर मुड़ सकती है। हालांकि मुख्य सूचकांकों के रेंज बाउंड रहने का अनुमान है।' ओशो कृशन का कहना है, 'जो लेवल्स बताए गए हैं, उनके आसपास सतर्कता बनाए रखें। IT सेक्टर से जुड़े घटनाक्रम पर नजर रखना जरूरी है क्योंकि कोई भी कंस्ट्रक्टिव पुलबैक मेन इंडाइसेज के लिए आने वाले सेशंस में मुख्य सूचकांकों के लिए राहत बन सकता है। मौजूदा माहौल में रिस्क मैनेजमेंट पर फोकस जरूरी है।'

क्या खरीदें-बेचें?

एंजेल वन के ओशो कृशन ने ICICI बैंक को ₹1410-₹1400 के प्राइस जोन के करीब खरीदने की सलाह दी है और 1445-1475 रुपये के टारगेट प्राइस दिया है। उन्होंने मैक्स हेल्थकेयर को 1060-1040 रुपये के करीब खरीदने की सलाह दी है और 1120-1140 रुपये का टारगेट प्राइस तय किया है। एलारा कैपिटल ने ऑयल इंडिया (टारगेट प्राइस 575 रुपये), अपोलो हॉस्पिटल्स (TP 8670 रुपये), SJVN लिमिटेड (TP 120 रुपये), जुनिपर होटल्स (TP 365 रुपये) और ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज (TP 6975 रुपये) को खरीदने की सलाह दी है। उसने डिविज लैबोरेटरीज के लिए 4486 रुपये का टारगेट प्राइस देते हुए सेल रेटिंग दी है।

लोगों को AI पर करना होगा भरोसा

AI अब सिर्फ सवालों के जवाब देने तक सीमित नहीं है। यह साइंटिफिक रिसर्च को आगे बढ़ाने और रोबॉटिक्स जैसे क्षेत्रों में असली दुनिया में काम करने की दिशा में बढ़ रहा है। लोगों को टूल पर भरोसा होना चाहिए और संस्थाओं के पास जिम्मेदारी से इस्तेमाल करने के साफ तरीके होने चाहिए। खासकर युवाओं के लिए मजबूत सुरक्षा उपाय जरूरी है।

■ भारत इस समय एक खास बात लेकर आया है- AI को लेकर उत्साह और उसे जमीन पर उतारने की गंभीर कोशिश। पहुंच, व्यावहारिक AI साक्षरता और मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर पर ध्यान देकर भारत यह तय कर सकता है कि तकनीक का फायदा ज्यादा लोगों तक पहुंचे और लोकतांत्रिक तरीके से बड़े स्तर पर अपनाया जाए।

AI का भविष्य तय करने में मदद करेगा भारत: ऑल्टमैन

मैं सैम ऑल्टमैन इस हफ्ते ग्लोबल AI इंपैक्ट समिट के लिए भारत में हूं। यहां चर्चा इस बात पर होगी कि AI तक पहुंच कैसे बढ़ाई जाए और इसे देश के ज्यादा से ज्यादा लोगों तक, देश के अलग-अलग हिस्सों में, जितनी जल्दी हो सके, कैसे पहुंचाया जाए। तेजी साफ दिखाई दे रही है। इस महीने तक भारत में 10 करोड़ लोग हर हफ्ते ChatGPT का इस्तेमाल कर रहे हैं। अमेरिका के बाद यह दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा यूजर बेस है। दुनिया में ChatGPT इस्तेमाल करने वाले छात्रों की सबसे बड़ी संख्या भारत में है। इससे पता चलता है कि यहां के युवा AI को तेजी से सीखने और आगे बढ़ने के एक जरिए के रूप में अपना रहे हैं। हमारी नई मुफ्त रिसर्च और सहयोग टूल 'Prism' के इस्तेमाल में भी भारत दुनिया में चौथे स्थान पर है।

लोगों के फायदे के लिए ये 3 चीजें ज़रूरी

AI का फायदा लोगों तक पहुंचाने के लिए तीन चीजें जरूरी हैं- पहुंच (Access), इस्तेमाल (Adoption) और अधिकार या क्षमता (Agency)।

1 इस्तेमाल मतलब AI को स्कूलों, दफ्तरों और सरकारी सेवाओं में काम में लेना। और क्षमता या अधिकार मतलब लोगों के पास वह आत्मविश्वास और समझ हो कि वे AI का सही इस्तेमाल कर सकें- तेजी से सीखने, ज्यादा बनाने और बेहतर फैसले लेने के लिए। जब ये तीनों चीजें साथ आती हैं, तब लोग सिर्फ AI के यूजर नहीं रहते, बल्कि उसके जरिए विकास करने वाले और उसका फायदा उठाने वाले बनते हैं।

2 भारत के पास AI में पूरी ताकत से आगे बढ़ने के लिए सब कुछ है- सकारात्मक सोच, घरेलू टेक टैलंट और एक राष्ट्रीय रणनीति। सरकार का 'IndiaAI मिशन' देश की कंप्यूटिंग क्षमता बढ़ाने, स्टार्टअप्स को सपोर्ट देने और कई भाषाओं में AI एप्लिकेशन तैयार करने पर काम कर रहा है।

3 संतुलन बहुत जरूरी है। अगर AI तक पहुंच और उसका इस्तेमाल बराबर नहीं होगा, तो उसका फायदा भी बराबर नहीं मिलेगा। बहुत लोगों के पास टूल तो होंगे, लेकिन कम लोग उन्हें सही तरीके से इस्तेमाल करना जानेंगे।

सैम ऑल्टमैन
CEO, OpenAI

भारत में विस्तार की हमारी योजना

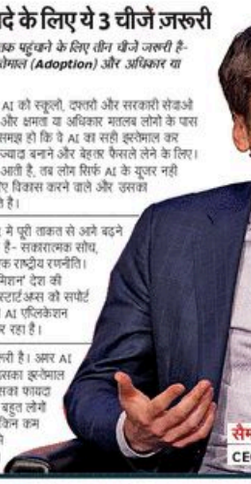

हाल ही में हमने भारत के 4 शहरों में 200 से ज्यादा गैर-लाभकारी संस्थाओं के नेताओं को साथ लाकर उन्हें ChatGPT का इस्तेमाल सिखाया, ताकि वे अपनी टीम की क्षमता बढ़ा सकें और ज्यादा असर डाल सकें। पिछले अगस्त में हमने दिल्ली में अपना पहला दफ्तर खोला और इस साल विस्तार की योजना है। जल्द ही हम भारतीय सरकार के साथ नई साझेदारियों की घोषणा करेंगे, ताकि AI तक पहुंच और उसके फायदे ज्यादा लोगों तक पहुंच सकें।

3 बातें जिन पर है फोकस

OpenAI भारत में, भारत के साथ और भारत के लिए AI बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। हमने टूल मुफ्त उपलब्ध कराए हैं, ताकि इनकम, एजुकेशन या तकनीकी जानकारी की कमी किसी के रास्ते में बाधा न बने। हम कुछ व्यावहारिक कदमों पर फोकस कर रहे हैं।

1 बड़े स्तर पर AI साक्षरता

सिर्फ नाम की जानकारी नहीं, बल्कि असली काम में AI का इस्तेमाल करना सीखना- जैसे कोडिंग, राइटिंग, एनालिसिस, प्लानिंग, स्टडी और प्रॉब्लम सॉल्विंग। छात्रों और कर्मचारियों दोनों को AI के कौशल और आत्मविश्वास की जरूरत है। यही पहुंच को इस्तेमाल में और इस्तेमाल को असली ताकत में बदलता है।

2 मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर

AI को कंप्यूटिंग क्षमता और बिजली की जरूरत होती है। जो देश यह इंफ्रास्ट्रक्चर मजबूत करेंगे, वही भविष्य में AI की दिशा तय कर पाएंगे और उसका ज्यादा फायदा उठा पाएंगे।

3 काम में AI को शामिल करना

लोग AI को सबसे तेजी से तब अपनाते हैं, जब वह उनके रोजमर्रा के काम में मदद करे, न कि नया झंझट बने। अगर AI को स्कूलों, अस्पतालों, छोटे कारोबारों और सरकारी सेवाओं में सही तरह से लगाया जाए, तो यह जल्दी और साफ दिखने वाला फायदा दे सकता है।

AI के भविष्य पर चर्चा

19, 20 फरवरी को उद्योगपति और टेक दिग्गजों के कार्यक्रम

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव

Hemwati.Rajaura1
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** समिट के अंतिम दो दिन यानी 19 और 20 फरवरी सबसे अहम माने जा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के अलावा इन दो दिनों में दुनिया की बड़ी टेक कंपनियों के CEO, प्रमुख उद्योगपति, वैश्विक संस्थाओं के प्रतिनिधि और भारत सरकार के शीर्ष नेता एक मंच पर AI के भविष्य पर चर्चा करेंगे। यह बात भी केंद्र में रहेगी कि AI लोगों की जिंदगी नौकरी, कारोबार, शिक्षा, इलाज और सरकारी सेवाओं को किस तरह बदल रहा है। समिट की खास कड़ी 20 फरवरी को 43 CEO की राउंड टेबल बैठक भी संभव है, जिसमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी शामिल होंगे।

- **19 फरवरी** को होने वाले कार्यक्रम में की शुरुआत रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी के उद्घाटन भाषण से होगी।
- इसके बाद टेक जगत के कई बड़े नाम अपने विचार रखेंगे, जिनमें इन्फोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणी, OpenAI के CEO सैम ऑल्टमैन, गूगल डीपमाइंड के प्रमुख डेमिस हसाबिस, विप्रो के चेयरमैन रिशाद प्रेमजी और HCL टेक की चेयरपर्सन रोशनी नादर मल्होत्रा शामिल हैं।
- शाम को ब्रिटेन के पूर्व प्रधानमंत्री ऋषि सुनक विशेष संबोधन देंगे।

- **20 फरवरी** को विश्व आर्थिक मंच के अध्यक्ष बोर्गे ब्रेंडे और केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव चर्चा की शुरुआत करेंगे।
- इसके बाद क्वालकॉम के सीईओ क्रिस्टियानो आमोन, पेटीएम के संस्थापक विजय शेखर शर्मा, इन्फोसिस के सीईओ सलील पारेख और टीसीएस के सीईओ के. कृतिवासन समेत कई दिग्गज अपने विचार रखेंगे।
- अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष की मैनेजिंग डायरेक्टर क्रिस्टालिना जॉर्जीवा भी AI और वैश्विक अर्थव्यवस्था पर चर्चा करेंगी।

टेक दिग्गज कब बोलेंगे

19 फरवरी | भारत मंडपम प्लेनरी हॉल में

- **11:00 बजे : मुकेश अंबानी** चेयरमैन व एमडी, रिलायंस इंडस्ट्रीज
- **11:50 बजे : बिल गेट्स**, सह-संस्थापक, माइक्रोसॉफ्ट; चेयर, गेट्स फाउंडेशन
- **12:04 बजे : नंदन नीलेकणी** सह-संस्थापक, इन्फोसिस
- **12:40 बजे : सैम ऑल्टमैन** सीईओ, OpenAI
- **01:25 बजे : डेमिस हसाबिस** सीईओ, गूगल डीपमाइंड
- **05:11 बजे : ऋषि सुनक** पूर्व प्रधानमंत्री, यूनाइटेड किंगडम

20 फरवरी | भारत मंडपम प्लेनरी हॉल में

- **12:02 बजे : बोर्गे ब्रेंडे** प्रेजिडेंट व CEO, वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम
- **12:02 बजे : अश्विनी वैष्णव** रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक्स-आईटी मंत्री, भारत सरकार
- **12:38 बजे : क्रिस्टियानो आमोन** प्रेसिडेंट व CEO, क्वालकॉम
- **02:17 बजे : क्रिस्टालिना जॉर्जीवा** मैनेजिंग डायरेक्टर, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष
- **03:54 बजे : विजय शेखर शर्मा** संस्थापक व CEO, पेटीएम
- **04:22 बजे : सलील पारेख** CEO व एमडी, इन्फोसिस
- **04:22 बजे : के. कृतिवासन** CEO व एमडी, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज

पहली बार इस **समिट का फोकस** सेफ्टी से हटकर मानव केंद्रित विकास पर

भारत की ग्लोबल साउथ से लेकर AI डिप्लोमेसी पर नज़र

Alpyu.Singh
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** पिछले साल पैरिस AI ऐक्शन समिट में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने AI फॉर ऑल का मंत्र दिया था। उसी वक्त ये तय हो गया था कि अगली AI समिट भारत में होगी। 2023 में दिल्ली में हुई G-20 समिट को रूस-यूक्रेन संघर्ष के बीच नई दिल्ली डिक्लेरेशन पर आम सहमति के लिए जाना जाता है, ऐसे में इस समिट से भारत AI डिप्लोमेसी के जरिए समावेशी विकास केंद्र में ला रहा है।

मोदी ने पैरिस में पिछले साल दिए अपने भाषण में कहा था कि गवर्नेंस का अर्थ लोगों को पहुंच देने का भी है। खासतौर से उन्होंने इस संबंध में ग्लोबल साउथ का जिक्र किया था। पीएम ने कहा था कि चाहे ये पहुंच कंप्यूटिंग पावर, टैलंट, डेटा किसी क्षेत्र में क्यों ना हो। ऐसे में AI इंपैक्ट समिट 2026 में भारत ने जिन 7 चक्रों को इस समिट का आधार बनाया गया है, वे ग्लोबल साउथ और समावेशी विकास को सामने रखते हैं। ये G 20 की तर्ज पर ही भारत के नेरेटिव को दिशा देते हैं। ध्यान रखने वाली बात ये भी है कि इससे पहले जितनी भी समिट हुई हैं, चाहे वो ब्रिटेन, पैरिस या फिर कोरिया में, उनमें पश्चिमी देशों का फोकस सुरक्षा और सेफ्टी को लेकर ही रहा, लेकिन ग्लोबल साउथ में पहली बार हो रही इस समिट में समिट का फोकस सेफ्टी से हटकर मानव केंद्रित विकास पर आ गया है।

G 20 की तर्ज पर ही घोषणापत्र पर नजर: भारत AI के क्षेत्र में महत्वाकांक्षी है, लेकिन भारत हमेशा से ही समावेशी और एथिकल AI की बात करता रहा है। ऐसे में भारत AI के जिस तरह के विजन को सामने रख रहा है, उसे दुनिया की ओर से भी समझने की कोशिश हो रही है। संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंटोनियो गुटारेस ने अपने हाल के बयान में ये कहा भी है कि इस समिट के लिए भारत सबसे उपयुक्त जगह है। ऐसे में भारत खुद को उभरती इकॉनमी, इमर्जिंग टेक्नॉलजी का हब और सबको साथ लेकर चलने वाले देश की तरह दिखाना चाहता है। जानकार मान रहे हैं कि जिस तरह दुनिया के देशों ने G-20 के दिल्ली घोषणापत्र पर आम सहमति जताई थी उसी तरह इस बार उम्मीद है कि सभी देश ग्लोबल AI विजन के एजेंडे पर भारत के परिप्रेक्ष्य को समझेंगे।

आने वाला वक्त AI डिप्लोमेसी का: दुनिया अब धीरे धीरे ऐसे वक्त में पहुंच रही है, जहां AI के विकास के लिए इस्तेमाल होने वाले चिप और क्रिटिकल मिनरल्स पर कंट्रोल रणनीतिक हथियार बनते जा रहे हैं। AI ना सिर्फ इकॉनमी, बल्कि गवर्नेंस के सिस्टम, पब्लिक सर्विसेस और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों को प्रभावित कर रहा है। ऐसे में AI वैल्यू चेन, डेटा सेंटर्स के हब बनने वाले देशों के पास पहले AI इकोसिस्टम के लिहाज एक अग्रणी पोजिशन पहले से ही होगी। भारत का एआई समिट एआई इकोसिस्टम में गैरबराबरी को पाटने में मददगार साबित हो सकता है, जिससे भारत की छवि ग्लोबल साउथ के अपेक्षित अगुआ के तौर पर और पुख्ता होती है।

समिट से भारत में बढ़ेगा एआई इकोसिस्टम

भारत ने जिन 7 चक्रों को इस समिट का आधार बनाया गया है, वे ग्लोबल साउथ और समावेशी विकास को सामने रखते हैं

भारत AI के जिस तरह के विजन को सामने रख रहा है, उसे दुनिया की ओर से भी समझने की कोशिश हो रही है

आज से 20 फरवरी तक दिल्ली में होने जा रहा है इंडिया-AI इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन 2026

MRI और AI तकनीक पर होगी चर्चा

AIIMS में फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रो, AI बेस्ड ब्रेन हेल्थ रिसर्च को मिलेगा बढ़ावा

Hemwati.Rajaura1
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रो 18 फरवरी में दोपहर को एम्स नई दिल्ली का दौरा करेंगे। इस दौरान वे भारत और फ्रांस के बीच हेल्थ रिसर्च और AI आधारित एमआरआई तकनीकों में सहयोग को मजबूत करने के मकसद से डॉक्टरों और वैज्ञानिकों बैठक में हिस्सा लेंगे। सूत्रों के अनुसार, मैक्रो एम्स के प्रतिनिधियों, डॉक्टरों, वैज्ञानिकों और छात्रों के साथ अलग से संवाद भी करेंगे।

एम्स में आयोजित हाई-लेवल यूनिवर्सिटी एंड साइंटिफिक मीटिंग्स (RUSH) कार्यक्रम के तहत AI से ब्रेन हेल्थ, मेंटल हेल्थ और गंभीर बीमारियों की पहचान व उपचार में सुधार जैसे विषयों पर चर्चा होगी। विशेषज्ञ इस बात पर विचार करेंगे कि मशीन लर्निंग और एडवांस

इमैनुअल मैक्रो

इमेजिंग तकनीकों की मदद से शुरुआती स्तर पर बीमारियों का पता कैसे लगाया जा सकता है और उपचार को अधिक सटीक कैसे बनाया जा सकता है।

भारत-फ्रांस के संस्थानों की भागीदारी रहेगी: इस कार्यक्रम में भारत और फ्रांस के कई बड़े रिसर्च इंस्टिट्यूट शामिल हो रहे हैं। इनमें आईआईटी दिल्ली, फ्रांस की सार्बोन यूनिवर्सिटी और पेरिस ब्रेन इंस्टिट्यूट शामिल हैं।

■ MRI और न्यूरो-इमेजिंग में मदद कर रहा फ्रांस

इस कार्यक्रम से पहले भी फ्रांसीसी राजनयिक और वहां के वैज्ञानिक एम्स का दौरा कर एडवांस एमआरआई और न्यूरो-इमेजिंग सुविधाओं के विस्तार पर चर्चा कर चुके हैं। इसका मकसद ब्रेन इमेजिंग डेटा के विश्लेषण में AI तकनीक का उपयोग बढ़ाना है। विशेषज्ञों का कहना है कि भारत जैसे बड़े देश में, जहां मरीजों की संख्या अधिक है और विशेषज्ञ संसाधन सीमित हैं, AI आधारित विश्लेषण से डॉक्टरों को निर्णय लेने में मदद मिल सकती है और इलाज में सुधार संभव है।

ताकि लोगों को न हो दिक्कत

ये है ट्रैफिक प्लान, देखकर ही निकलें

Rajesh.Saroha
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** ट्रैफिक पुलिस ने समिट में शामिल होने वाले वीवीआईपी और लोगों की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए डिटेल ट्रैफिक एडवाइजरी जारी की है। मथुरा रोड (सुब्रमण्यम भारती मार्ग टी-पॉइंट से लोदी रोड फ्लाईओवर तक), सुब्रमण्यम भारती मार्ग, राजेश पायलट मार्ग, तीस जनवरी मार्ग, अकबर रोड, तीन मूर्ति मार्ग, मदर टेरेसा क्रेसेंट, सरदार पटेल मार्ग, जनपथ, फिरोज शाह रोड, शांति पथ, सत्य मार्ग, अफ्रीका एवेन्यू, कमाल अतातुर्क मार्ग, एपीजे अब्दुल कलाम रोड, 'सी' हेक्सागन, डॉ. जाकिर हुसैन मार्ग, सिकंदर रोड, अशोका रोड, पृथ्वीराज रोड, कौटिल्य मार्ग, पुराना किला रोड, शेरशाह सूरी मार्ग, तिलक मार्ग, भगवान दास रोड, सेंट्रल स्पाइन रोड, नॉर्थ एवेन्यू रोड, रिंग रोड, भैरों मार्ग, मथुरा रोड (सुब्रमण्यम भारती मार्ग टी-पॉइंट से डॉ. दिनेश नंदिनी डालमिया चौक तक) वीवीआईपी मूवमेंट के दौरान सामान्य गाड़ियों का प्रवेश पूरी तरह से वर्जित रहेगा।

इस रूट पर नहीं होगा कोई असर

- **नॉर्थ साउथ कॉरिडोर:** रिंग रोड, आश्रम चौक, सराय काले खां, राजघाट, आईएसबीटी कश्मीरी गेट, आजादपुर, पंजाबी बाग, धौला कुआं और एम्स
- **नई दिल्ली रेलवे स्टेशन:** ISBT कश्मीरी गेट, बुलेवार्ड रोड और रानी झांसी मार्ग से होते हुए डीबीजी रोड होकर रेलवे स्टेशन तक पहुंचा जा सकता है।
- **पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन:** यहां जाने के लिए आईएसबीटी कश्मीरी गेट, रिंग रोड, हनुमान मंदिर और एसपी मुखर्जी मार्ग से होकर रेलवे स्टेशन पहुंचे।
- **हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन:** एम्स, आश्रम चौक, मथुरा रोड, आईएसबीटी कश्मीरी गेट, रिंग रोड, राजघाट, रिंग रोड और आश्रम चौक से मथुरा रोड होते हुए स्टेशन पहुंचा जा सकेगा।

स्टूडेंट्स के लिए ट्रैफिक प्लान

समिट के कारण स्टूडेंट्स को नहीं होगी दिक्कत

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** दिल्ली में सोमवार से एआई समिट शुरू हो रही है। समिट शुरू होने के अगले ही दिन यानी 17 फरवरी से बोर्ड के एग्जाम भी शुरू हो रहे हैं। 10 स्कूल ऐसे हैं जो एआई समिट के दौरान होने वाली वीवीआईपी मूवमेंट के बीच में आ रहे हैं। एग्जाम सेंटर तक पहुंचने में स्टूडेंट्स को किसी तरह की दिक्कत न हो इसके लिए नोडल ऑफिसर्स तो नियुक्त किए ही गए हैं साथ ही हर स्कूल के लिए दो-दो ऑल्टरनेट रूट की भी व्यवस्था की गई है।

ट्रैफिक पुलिस का कहना है कि भारत मंडपम के लगभग पांच किमी के दायरे में 34 स्कूल आते हैं। इनमें से 10 स्कूल ऐसे हैं, जहां बोर्ड के सेंटर पड़े हैं। इन सेंटर्स पर लगभग तीन हजार स्टूडेंट्स परीक्षा देने पहुंचेंगे। ऐसे में एजुकेशन विभाग और ट्रैफिक पुलिस के नोडल अधिकारियों की नियुक्ति की गई है। वहीं आसपास के 24 अन्य स्कूलों में भी डायवर्जन का असर रहेगा। एग्जाम के दौरान दिल्ली के 10 स्कूलों के लिए कई रूट में बदलाव किया गया है।

राजधानी में हाईटेक पहरा, चप्पे-चप्पे पर AI की नज़र

Vishal.Sharma3
@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली :** इंडिया-AI इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन 2026 आज (16 फरवरी) से 20 फरवरी तक दिल्ली में होने जा रहा है। इसकी सुरक्षा दुनिया के किसी भी बड़े आयोजन की तरह खास है। दिल्ली अलर्ट पर है। दिल्ली पुलिस सतर्क है। भारत मंडपम के अंदर 5 एंटीड्रोन सिस्टम और 4 एयर डिफेंस गन तैनात हैं, ताकि किसी भी हवाई खतरे को तुरंत फेल किया जा सके।

सुरक्षा तैयारियों से जुड़े एक अधिकारी ने NBT को बताया कि समिट की सुरक्षा में NSG, CRPF, CISF, BSF और ITBP जैसे केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के पास बाहरी सुरक्षा और रिजर्व फोर्स का जिम्मा रहेगा। NSG किसी भी 'डेंजर सिचुएशन' से निपटने के लिए तैनात रहेगी। स्पेशल प्रोटेक्शन ग्रुप प्रधानमंत्री और अन्य बड़े वीवीआईपी को नजदीकी सुरक्षा देगी। इंटेलिजेंस ब्यूरो और रिसर्च एंड एनालिसिस विंग खुफिया जानकारी जुटाने और खतरे का आकलन करने में लगे हैं। आपात स्थिति के लिए नैशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स भी तैयार रहेगी। पूरा एरिया 10 जोन और 22 सेक्टर में बांटा गया है। दिल्ली पुलिस ने समारोह की सुरक्षा संबंधित योजना और कोऑर्डिनेशन के लिए अलग से एआई इम्पैक्ट समिट सेल भी स्थापित की है।

करीब 10,000 पुलिसकर्मी और अर्धसैनिक बल के जवान तैनात रहेंगे। DCP और ACP स्तर के अधिकारी खुद निगरानी कर रहे हैं। सुरक्षा संचार के लिए 450 वायरलेस सेट, 4,000 लाइट बार और उच्च स्तरीय कंट्रोल सिस्टम तैयार किया गया है। 25 एंटी-सबोटाज टीमें लगातार सर्च ऑपरेशन कर रही हैं। दुनिया के इस बड़े आयोजन में 30 देशों के हजारों विदेशी मेहमान दिल्ली लैंड कर चुके हैं। सम्मेलन की हाईटेक तैयारी के लिए तकनीक-आधारित सिक्योरिटी सिस्टम का यूज किया जा रहा है। आमंत्रित मेहमानों को क्यूआर कोड वाले पास जारी किए जा रहे हैं। वे एंट्री गेट पर क्यूआर कोड स्कैन के बाद ही अंदर जा सकेंगे।

अधिकारी ने कहा कि सेफ सिटी परियोजना के तहत संचालित कमांड, कंट्रोल, कम्युनिकेशन एंड इंटेलिजेंस (सी-4आई) सिस्टम के माध्यम से पूरे एरिया की निगरानी की जा रही है। पालिका केंद्र स्थित इंटीग्रेटेड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर से प्रमुख स्थलों पर नजर रखी जा रही है। उन्होंने बताया कि AI आधारित तकनीक के जरिए कैमरों और सेंसर की मदद से दिल्ली की गतिविधियों की रियल टाइम मॉनिटरिंग की जा रही है। इससे ट्रैफिक, भीड़ प्रबंधन और सुरक्षा से जुड़े पहलुओं पर क्विक रिस्पॉन्स लेना संभव हो पा रहा है।

- इंडिया-AI इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन 2026 आज से, एंटी-ड्रोन सिस्टम और एयर डिफेंस गन तैनात
- इंडिया-AI समिट 'सर्वजन हिताय, सर्वजन सुखाय' थीम पर
- AI कैमरों से भी रखी जाएगी भारत मंडपम के आसपास नजर

VVIP मूवमेंट के लिए एक अलग हॉटलाइन

इलाके में तैनात AI कैमरे VIP मूवमेंट, भीड़ और ट्रैफिक की स्थिति का रियल टाइम विश्लेषण कर रहे हैं। वीवीआईपी मूवमेंट के लिए एक अलग हॉटलाइन भी बनाई गई है। सफाई और सर्विस से जुड़ी गाड़ियों में GPS लगाया गया है। रूट से हटते ही सिस्टम अलर्ट भेज देगा। भारत सरकार की ओर से सभी राष्ट्राध्यक्षों को बुलेटप्रूफ कारें मुहैया कराई गई हैं। एयरपोर्ट के पास कारकेड की गाड़ियों के लिए विशेष पार्किंग बनाई गई है। जिन होटलों में राष्ट्राध्यक्षों, मंत्रियों व डेलिगेट्स को ठहराया गया है, उनकी प्रोटोकॉल सिक्योरिटी दो हफ्ते पहले से एक्टिव है। हर होटल की सुरक्षा एक-एक डीसीपी की निगरानी में है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 16-02-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD4 User: cci Time: 02-14-2026 21:25 Color:

सिर्फ लोन नहीं, पूरी ज़िंदगी तय कर रहा आपका क्रेडिट स्कोर

आज क्रेडिट स्कोर सिर्फ लोन लेने का पैमाना नहीं रहा। यह आपकी वित्तीय साख, अनुशासन और भरोसेमंद छवि का संकेत बन चुका है। नौकरी, इंश्योरेंस, किराये का मकान या पोस्टपेड कनेक्शन, हर जगह इसका असर दिख रहा है, इसलिए इसे नजरअंदाज करना अब जोखिम भरा फैसला साबित हो सकता है।

अभिषेक मिश्र
Abhishek.Mishra1
@timesofindia.com

अब कंपनियां भर्ती से पहले क्रेडिट रिपोर्ट देख रही हैं, इंश्योरेंस प्रीमियम में स्कोर के आधार पर छूट मिल रही है और मकान मालिक किरायेदार की साख जांच रहे हैं। खराब स्कोर सिर्फ लोन को महंगा नहीं करता, अवसरों को सीमित कर सकता है।

खराब क्रेडिट स्कोर आपकी नौकरी, इंश्योरेंस से लेकर किराये के मकान लेने तक पर असर डाल सकता है।

दिल्ली के कुंदन ने पिछले दिनों दो संस्थानों में जॉब इंटरव्यू दिया। 15 दिनों से अधिक बीत जाने के बाद भी कॉल नहीं आई। कुंदन को लगा कि शायद इंटरव्यू अच्छा नहीं रहा होगा। मगर, जब उसने तहकीकात की तो पता चला कि नौकरी न मिलने का असल कारण खराब सिबिल स्कोर है। जी हां, अगर आपको लगता है कि खराब सिबिल स्कोर से आपको सिर्फ कर्ज मिलने में दिक्कत होगी, तो आप गलत सोच रहे हैं। आज कई क्षेत्रों में नौकरी से पहले संस्थान क्रेडिट स्कोर जांचते हैं। बैंकिंग, फाइनैंशल सर्विसेज और फिड्युशरी यानी जहां किसी को दूसरों के पैसों का संरक्षक बनकर काम करना होता है, ऐसे सेक्टरों में अब क्रेडिट रिपोर्ट देखना आम हो गया है। कंपनियों का मानना है कि अगर कोई शख्स भारी भरकम कर्ज में है या वह लोन रीपेमेंट समय पर नहीं करता है वह वित्तीय दबाव में है, जिसका सीधा असर उसके काम पर पड़ सकता है। हालांकि, सभी उद्योगों में अभी इसकी शुरुआत नहीं हुई है, लेकिन सार्वजनिक रकम अथवा संवेदनशील वित्तीय जानकारी से जुड़े काम में न्यूनतम क्रेडिट स्कोर सीमा तय की गई है।

वित्तीय साख ही छवि

विशेषज्ञ कहते हैं कि आम धारणा है कि क्रेडिट स्कोर की जरूरत लोन लेते वक्त होती है। मगर, आज यह महज लोन दिलाने या ठुकराने तक सीमित नहीं रह गया है। सर्टिफाइड फाइनैंशल प्लानर (CFP) और द रिचनेस अकादमी के संस्थापक तारेश भाटिया के मुताबिक, आपकी वित्तीय साख, अनुशासन और भरोसेमंद छवि का भी प्रतीक है। इसका सीधा असर अब इंश्योरेंस, नौकरी, शेयर बाजार और यहां तक कि नया मोबाइल कनेक्शन तक पर दिखता है। वित्तीय अनुशासन वाले शख्स की क्रेडिट स्कोर अच्छी होती है। इसका उन्हें कई तरीके से फायदा मिलता है। बेहतर साख वाले इंसान को इंश्योरेंस, शेयर मार्केट जैसे क्षेत्रों में फायदा मिलता है। फाइनैंशियल प्लानिंग कंपनी सहज मनी के संस्थापक और SEBI के रजिस्टर्ड इन्वेस्टमेंट अडवाइजर (RIA) अभिषेक कुमार कहते हैं कि इंश्योरेंस सेक्टर में भी क्रेडिट स्कोर का उपयोग अब बढ़ रहा है। खासकर हेल्थ और टर्म लाइफ इंश्योरेंस में कुछ कंपनियां अच्छे क्रेडिट प्रोफाइल वाले ग्राहकों को प्रीमियम पर छूट देती हैं। हालांकि, खराब स्कोर का मतलब यह नहीं होता कि आपकी पॉलिसी रिजेक्ट हो जाएगी, लेकिन अगर आपका स्कोर दमदार है तो इससे आपको फायदा मिल सकता है।

रेफरेंस पॉइंट बना स्कोर

अभिषेक के मुताबिक, कुछ जनरल इंश्योरेंस कंपनियां अच्छे स्कोर पर 10-15% तक का डिस्काउंट भी देती हैं। इसके पीछे कंपनियों का मानना है कि जो व्यक्ति वित्तीय तौर पर अनुशासित है वह पॉलिसी का दुरुपयोग नहीं करेगा। क्लेम भी वह जरूरत के समय ही दावा करेगा। SEBI के RIA अभिषेक कुमार बताते हैं कि आज वित्तीय संस्थान यह मानने लगे हैं कि जो व्यक्ति कर्ज को अनुशासन से संभाल सकता है, वह पैसों के मामले में जिम्मेदार होगा। यही वजह है कि जहां भी वित्तीय जोखिम जुड़ा होता है, वहां क्रेडिट स्कोर एक रेफरेंस पॉइंट बनता जा रहा है। कई ब्रोकिंग फर्म भी अपने ग्राहकों का सिबिल स्कोर देखती हैं। अभिषेक का कहना है कि शेयर बाजार में मार्जिन ट्रेडिंग (MTF) लेने के लिए कई ब्रोकर्स ग्राहक का क्रेडिट स्कोर देखते हैं। जिसका स्कोर अच्छा होता है, उसे ज्यादा पैसा उधार लेकर ट्रेड करने की सुविधा मिल सकती है। वह बताते हैं कि अपने ग्राहक को जानें (KYC) के साथ क्रेडिट स्कोर भी यह बताता है कि ग्राहक पैसे के मामले में कितना भरोसेमंद है।

टेलिकॉम कंपनियां सतर्क

अब पोस्टपेड मोबाइल कनेक्शन लेते समय भी कुछ टेलिकॉम कंपनियां ग्राहकों की क्रेडिट हिस्ट्री जांच रही हैं। जिन लोगों का लोन डिफॉल्ट रिकॉर्ड है या जिन्होंने समय पर EMI और क्रेडिट कार्ड बकाया नहीं चुकाया, उन्हें कनेक्शन देने में ज्यादा सतर्कता बरती जा रही है। खराब स्कोर से नई सेवा पाना मुश्किल हो सकता है।

किराये का मकान मुश्किल

खराब क्रेडिट स्कोर किराये का मकान पाने में भी बाधा बन सकता है। अब कई मकान मालिक किरायेदार का स्कोर देखकर उसकी वित्तीय जिम्मेदारी आंकते हैं। अच्छा स्कोर भरोसा बढ़ाता है, जबकि कम स्कोर पर ज्यादा सिक्योरिटी डिपॉजिट या एडवांस रेंट की मांग की जा सकती है।

संभावनाओं की चाबी

अब क्रेडिट स्कोर आपकी वित्तीय साख का सबूत बन गया है। यह ब्याज दर, नौकरी का अवसर, ट्रेडिंग लिमिट और पोस्टपेड कनेक्शन तक प्रभावित कर सकता है। विशेषज्ञों के मुताबिक इसे नजरअंदाज करना जोखिम है, क्योंकि वित्तीय अनुशासन ही भविष्य की संभावनाओं की असली चाबी है।

एक्सपर्ट कहते हैं...

"आपका क्रेडिट स्कोर आपकी कहानी कहता है। इसे नजरअंदाज करना जोखिम बढ़ाना है। वित्तीय अनुशासन अब सिर्फ अच्छी आदत नहीं, बल्कि भविष्य की संभावनाओं की चाबी बन चुका है।"
- तारेश भाटिया, CFP

"क्रेडिट स्कोर का दायरा काफी बढ़ गया है। नौकरी पाने से किराये का मकान लेने तक में अब इसकी जरूरत पड़ने लगी है। इसलिए, वित्तीय अनुशासन रखकर आप अपनी छवि मजबूत कर सकते हैं।"
- अभिषेक कुमार, RIA

क्रेडिट स्कोर कैसे चेक करें?

भारत में चार प्रमुख क्रेडिट ब्यूरो हैं: CIBIL, Experian, Equifax, और CRIF High Mark। आप अपना स्कोर इन तरीकों से फ्री में चेक कर सकते हैं:

1 आधिकारिक वेबसाइट्स के माध्यम से

CIBIL: cibil.com पर जाकर आप साल में एक बार अपनी विस्तृत रिपोर्ट मुफ्त में प्राप्त कर सकते हैं।
Experian: इनकी वेबसाइट experian.in पर भी फ्री क्रेडिट रिपोर्ट का विकल्प मिलता है।

2 फिनटेक ऐप्स (सबसे आसान तरीका)

आजकल कई सुरक्षित मोबाइल ऐप्स हैं जो तुरंत स्कोर दिखा देते हैं:
Google Pay/Paytm: 'Check Credit Score' सेक्शन में जाकर।
CRED/OneScore: यहां आप अपना स्कोर ट्रैक कर सकते हैं।
Paisabazaar/BankBazaar: ये प्लेटफॉर्म्स सभी ब्यूरो के स्कोर एक साथ दिखाते हैं।

3 आपके बैंक के ऐप से

HDFC, ICICI, या SBI जैसे बड़े बैंकों के मोबाइल ऐप में 'Credit Score' चेक करने का विकल्प इनबिल्ट होता है।

क्रेडिट स्कोर क्या है?
क्रेडिट स्कोर आपकी वित्तीय साख यानी लोन चुकाने की क्षमता का पैमाना है। यह 300 से 900 के बीच होता है।

300-550
बहुत खराब स्कोर, यानी लोन मिलने में मुश्किल होने वाली है।

550-700
औसत, यानी लोन मिल जाएगा, पर ब्याज दरें ज्यादा हो सकती हैं।

700-750
अच्छा, यानी आसानी से लोन और क्रेडिट कार्ड मिल सकता है।

750-900
उत्कृष्ट, यानी सबसे कम ब्याज दरों पर लोन मिलने की संभावना है।

स्कोर कैसे सुधारा जा सकता है?

अगर आपका स्कोर कम है, तो इन बातों का ध्यान रखें:

EMI और बिल: हमेशा समय पर भुगतान करें। एक भी चूक स्कोर को गिरा देती है।
क्रेडिट उपयोग (Utilization): अपनी क्रेडिट कार्ड लिमिट का केवल 30% तक ही उपयोग करने की कोशिश करें।
पूछताछ: कम समय में कई बैंकों में लोन के लिए आवेदन न करें।

कैश में लेन-देन करने पर क्या इनकम टैक्स से बच सकते हैं?

टैक्स, इंश्योरेंस या निवेश को लेकर कोई भी सवाल आपके मन में है, तो हमें भेजिए! हमारे एक्सपर्ट उसका सटीक, आसान और भरोसेमंद जवाब, हर हफ्ते इसी कॉलम में देंगे।

सुशील अग्रवाल
NBTwealth
@timesofindia.com

Q कैश में लेन-देन करने पर कितना टैक्स रिस्क होता है?
- आशीष रंजन, ग्रेटर नोएडा

■ कैश में लेन-देन करना गलत नहीं है, लेकिन इसकी सीमा और नियम तय हैं। बात रोजमर्रा के घर खर्च की है, तो आम तौर पर टैक्स रिस्क नहीं होता। समस्या तब होती है जब आपका कैश खर्च आपकी घोषित आय (Declared Income) से ज्यादा दिखे या वह पैसा आपके घोषित स्रोतों से आया ही न हो। ऐसी स्थिति में आप आयकर विभाग की निगरानी में आ सकते हैं।

बिजनेस में कैश लेन-देन पर खास नियम हैं। 10,000 से ज्यादा एक दिन में कैश में खर्च करने पर उसे खर्च के रूप में मान्यता नहीं दी जाती, यानी वह टैक्स में घटाया नहीं जा सकता। इसी तरह कैश लोन लेना या देना नियमों के खिलाफ है और इस पर भारी पेनल्टी लग सकती है। प्रॉपर्टी की खरीद-फरोख्त में भी बड़ी रकम कैश में लेना-देना गंभीर उल्लंघन माना जाता है। इनकम टैक्स विभाग को बैंक, फाइनैंशल संस्थानों और अन्य रिपोर्टिंग एजेंसियों से जानकारी मिलती है, जो आपके पैन से जुड़ जाती है। AI आधारित सिस्टम इन जानकारियों का आपकी ITR से मिलान करता है। अगर घोषित आय और खर्च में अंतर दिखता है, तो सिस्टम उसे फ्लैग कर देता है और आपको नोटिस मिल सकता है। बेहतर यही है कि बड़े लेन-देन बैंकिंग चैनल से करें और आय-खर्च का रिकॉर्ड साफ रखें।

Q नॉमिनी और कानूनी वारिस में टैक्स के मामले में क्या फर्क होता है?
- दिलावर प्रसाद, फरीदाबाद

■ नॉमिनी और कानूनी वारिस (Legal Heir) के बीच मूल अंतर अधिकार और जिम्मेदारी का होता है, और टैक्स के मामले में यह फर्क और भी महत्वपूर्ण हो जाता है। नॉमिनी वह व्यक्ति होता है जिसे आप बैंक खाते, बीमा पॉलिसी, म्यूचुअल फंड या अन्य निवेश में नामित करते हैं। उसका काम आपकी मौत के बाद उस संपत्ति या रकम को संबंधित संस्था से प्राप्त करना और सुरक्षित रखना होता है। कानूनी रूप से वह अक्सर 'ट्रस्टी' यानी संरक्षक की भूमिका निभाता है। वह रकम का अंतिम मालिक नहीं माना जाता, जब तक कि वह स्वयं कानूनी वारिस भी न हो। कानूनी वारिस वह व्यक्ति होता है जिसे उत्तराधिकार कानून के तहत आपकी संपत्ति पर वास्तविक अधिकार मिलता है, जैसे पत्नी, पति, बच्चे या माता-पिता। वसीयत (Will) होने पर संपत्ति उसी के अनुसार बंटती है, और वसीयत न होने पर उत्तराधिकार कानून लागू होता है।

टैक्स के नजरिए से समझें तो संपत्ति मिलने पर सामान्यतः उत्तराधिकार के जरिए मिली संपत्ति पर कोई अलग से इनकम टैक्स नहीं लगता। लेकिन उस संपत्ति से आगे जो आय उत्पन्न होगी, जैसे ब्याज, किराया या पूंजीगत लाभ, उस पर टैक्स संबंधित वारिस को देना होगा। इसलिए नॉमिनी सिर्फ रकम प्राप्त करने की प्रक्रिया को आसान बनाता है, जबकि वास्तविक टैक्स देनदारी और स्वामित्व का अधिकार कानूनी वारिस के पास होता है।

अपने सवाल ई-मेल करें

पर्सनल फाइनैंस से जुड़ा कोई भी सवाल आपके मन में है, कोई बात आपको समझ नहीं आ रही है तो हमें बताएं। सब्जेक्ट में 'Wealth QA' लिखें और ई-मेल करें NBTwealth@timesofindia.com पर। हां, ई-मेल में अपना और शहर का नाम लिखना न भूलें।

कानून क्या कहता है और बैंक किन कागजात के मिलने पर ही करता है रकम का भुगतान, पूरी प्रक्रिया समझें

बिना वसीयत की FD, तो परिवार के लोग क्लेम कैसे करें?

डेविड शर्मा
David.Sharma
@timesofindia.com

फिक्स्ड डिपॉजिट सुरक्षित निवेश माना जाता है, लेकिन बिना वसीयत निधन होने पर परिवार के सामने बड़ा सवाल खड़ा हो जाता है कि रकम का हकदार कौन होगा। नॉमिनी, कानूनी उत्तराधिकारी और बैंक प्रक्रिया को समझे बिना क्लेम अटक सकता है, इसलिए नियम और दस्तावेज जानना बेहद जरूरी है।

देश में फिक्स्ड डिपॉजिट (FD) आज भी निवेश का सबसे भरोसेमंद जरिया माना जाता है। करोड़ों परिवार अपनी मेहनत की कमाई बैंक FD के रूप में रखते हैं लेकिन जब कोई शख्स बिना वसीयत यानी विल के दुनिया से चला जाता है तो परिवार के सामने सबसे बड़ा सवाल यही खड़ा होता है कि अब इस रकम पर कानूनी अधिकार किसका होगा। क्या इस रकम पर सिर्फ बच्चे दावा कर सकते हैं, क्या पोते-पोती को हिस्सा मिलेगा या किसी और वारिस को आगे आना होगा, और प्रक्रिया क्या होगी।

कानूनी जानकारों का कहना है कि परिवार को लगता है कि सब अपने ही हैं, इसलिए फॉर्मल प्लान की कोई जरूरत नहीं है लेकिन ऐसा वसीयत नहीं करना कई बार परिवार को उलझनों में फंसा देता है। बिना वसीयत के मामलों में अधिकार नियमों के अनुसार ही तय होते हैं। इसका फैसला उत्तराधिकार कानून, FD में दर्ज नॉमिनेशन और जरूरी दस्तावेजों के आधार पर होता है।

बिना वसीयत के किसका पहला अधिकार?

सबसे पहला सवाल यही उठता है कि अगर कोई शख्स बिना वसीयत के दुनिया से चला जाता है तो उसकी FD की रकम पर कानूनी हक किसका होता है। द रिचनेस अकादमी के संस्थापक और सर्टिफाइड फाइनैंशल प्लानर तारेश भाटिया बताते हैं कि ऐसे मामलों में रकम पर अधिकार कानूनी उत्तराधिकारियों का होता है। यह तय उस शख्स के व्यक्तिगत कानून के अनुसार होता है, जैसे हिंदू सक्सेशन ऐक्ट आदि।

आमतौर पर पति या पत्नी और बच्चे प्राथमिक श्रेणी के उत्तराधिकारी माने जाते हैं और उन्हें समान अधिकार मिलता है यानी यदि मृतक के पीछे जीवनसाथी और बच्चे हैं तो रकम का बंटवारा कानून के मुताबिक उनके बीच होगा।

क्या पोते-पोती को मिलता है सीधा हिस्सा?

कई परिवारों में यह भ्रम रहता है कि पोते-पोती को भी सीधे तौर पर हिस्सा मिल जाता है लेकिन सामान्य हालात में ऐसा नहीं होता। जब तक मृतक का बेटा या बेटी जिंदा है, तब तक पोते-पोती का सीधा अधिकार नहीं बनता। यदि मृतक का बेटा या बेटी पहले ही मर चुके हों तो पोते-पोती अपने माता-पिता के हिस्से पर दावा कर सकते हैं।

क्या नॉमिनी को पैसा मिल जाता है?

बहुत लोग समझते हैं कि नॉमिनी होने का मतलब है कि व्यक्ति के मरने के बाद FD का वे मालिक बन जाएंगे, जबकि ऐसा नहीं है। तारेश भाटिया और अन्य एक्सपर्ट्स साफ कहते हैं कि नॉमिनी केवल रकम प्राप्त करने का अधिकृत शख्स होता है, मालिक नहीं। उसकी भूमिका एक ट्रस्टी या संरक्षक जैसी होती है। उसे बैंक से रकम लेकर असल कानूनी उत्तराधिकारियों को देनी होती है।

बैंक कैसे भुगतान करता है?

बैंक अपने रिकॉर्ड के आधार पर नॉमिनी या वैध कानूनी दस्तावेज प्रस्तुत करने वाले शख्स को रकम जारी करता है। बैंक का मकसद परिवार के भीतर का विवाद सुलझाना नहीं होता, बल्कि भुगतान प्रोसेस पूरा करना होता है। बैंक की जिम्मेदारी रकम जारी करने तक रहती है। रकम का बंटवारा परिवार या उत्तराधिकारियों के बीच कानून के अनुसार तय होता है।

कब सक्सेशन सर्टिफिकेट चाहिए?

बड़ी रकम होने पर बैंक उत्तराधिकार प्रमाण पत्र यानी सक्सेशन सर्टिफिकेट मांग सकता है। यह सर्टिफिकेट सिविल कोर्ट से मिलता है। दस्तावेज पूरे हों और कोई विवाद न हो तो भुगतान प्रक्रिया जल्द पूरी हो सकती है। सर्टिफिकेट लेना पड़े तो प्रोसेस में एक साल भी लग सकता है।

नॉमिनी नहीं तो कैसे होगा बंटवारा?

नॉमिनी दर्ज न होने की हालत में बैंक सीधे किसी एक शख्स को भुगतान नहीं करता बल्कि कानूनी उत्तराधिकारियों से जरूरी कागजात मांगता है। ऐसे में कानूनी वारिसों को सक्सेशन सर्टिफिकेट या लीगल हायर सर्टिफिकेट, पहचान प्रमाण और हलफनामा जमा करना पड़ता है।

वसीयत क्यों ज़रूरी है?

एक्सपर्ट्स का मानना है कि कानूनी रूप से बनाई गई वसीयत परिवार को सही डायरेक्शन देती है। बिना वसीयत के मामलों में कानून तय नियमों के अनुसार काम करता है। चाहे परिवार में आपसी समझ अच्छी क्यों न हो, बैंक और अदालत दस्तावेज और लीगल प्रोसेस के आधार पर ही फैसला करते हैं। इसलिए फाइनैंशल प्लान बनाते समय केवल FD करना ही काफी नहीं है। सही नॉमिनेशन, KYC अपडेट करना और समय पर वसीयत बनाना भी उतना ही जरूरी है। यही कदम भविष्य में परिवार को गैर जरूरी कानूनी उलझनों और देरी से बचा सकते हैं।

कौन से डॉक्यूमेंट मांगता है बैंक?

बैंक आमतौर पर कुछ जरूरी दस्तावेज मांगता है। इनमें मृत्यु प्रमाण पत्र जरूरी होता है, जिससे यह पुष्टि हो सके कि अकाउंट होल्डर का निधन हो चुका है। इसके अलावा पहचान प्रमाण, उत्तराधिकार प्रमाण पत्र या लीगल हायर सर्टिफिकेट और बैंक का निर्धारित दावा फॉर्म भरकर देना होता है।

FD की रकम के दावे में देरी के बड़े कारण

1. FD की रकम के दावे में देरी का एक बड़ा कारण नॉमिनेशन का दर्ज न होना है।
2. KYC दस्तावेजों में गड़बड़ी भी प्रक्रिया को लंबा कर देती है।
3. बच्चों या पोते-पोती के बीच आपसी विवाद होने पर क्लेम अटक सकता है।

विवाद से बचने के लिए क्या करें?

1. समय पर नॉमिनेशन अपडेट करना बेहद जरूरी है। तारेश भाटिया का सुझाव है कि हर 3 से 5 साल में या जरूरी घटनाओं जैसे शादी, बच्चे का जन्म या परिवार में मौत के बाद नॉमिनेशन जरूर अपडेट करना चाहिए।
2. दस्तावेज सही और पूरे रखें।
3. वसीयत से भविष्य में विवाद और कानूनी उलझन कम की जा सकती है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 16-02-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD5 User: vivek.kumar4@timesofindia.com Time: 02-13-2026 20:12 Color:

Nippon india Mutual Fund
Wealth sets you free

सिल्वर ETFs

जिसका आधार है

रीयल सिल्वर

विश्वास पर निर्भर फ्रेमवर्क

सुरक्षित
जिसे आधार है असली चांदी का जो SEBI-रजिस्टर्ड कस्टोडियन्स द्वारा स्टोअर किया है

शुद्धता
जिसमें है विनियामक मानकों के अनुसार 99.9% शुद्धता

विनियमित
सिक्योरिटीज़ एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (SEBI) द्वारा विनियमित

क्या आप ऐसा निवेश चाहते हैं जिसकी कीमत चाँदी के वज़न जितनी हो?
सिल्वर ETFs द्वारा आपको मिले हुए यूनिट्स 99.9% शुद्ध चांदी के मूल्य से प्रमाणित होते हैं, सुरक्षित रूप से संग्रहित रहते हैं, और सेबी-विनियमित ढांचे के अनुसार संचालित होते हैं. इसके अलावा, ETFs के फंडामेंटल वैल्यू के पैमाने के रूप में iNAV अच्छा काम करता है, जिससे आप इसके आस-पास के मूल्य पर ऑर्डर प्लेस कर सकते हैं. इस तरह से आप प्योरिटी की चिंता किए बिना पूरे आत्मविश्वास के साथ निवेश कर सकते हैं और आपको मिलता है परेशानी रहित निवेश का अनुभव.

mf.nipponindiaim.com/EdgeOfKnowledge

अपने म्यूचुअल फंड वितरक या निवेश सलाहकार से संपर्क करें। **8000112244** पर मिस्ड कॉल दीजिए

निप्पॉन इंडिया म्यूचुअल फंड की निवेशक शिक्षा और जागरुकता पहल.

म्यूचुअल फंड निवेशकों के लिए सहायक जानकारी: सभी म्यूचुअल फंड निवेशकों को वन टाइम KYC (नो योर कस्टमर) प्रक्रिया से गुजरना होता है. निवेशकों को केवल पंजीकृत म्यूचुअल फंड्स में निवेश करना चाहिए, जिसकी जाँच SEBI की वेबसाइट पर 'Intermediaries/Market Infrastructure Institutions' के अंतर्गत की जानी चाहिए. अपनी शिकायतों के निवारण के लिए आप https://scores.sebi.gov.in पर विजिट कर सकते हैं. KYC, विभिन्न विवरणों में बदलाव और शिकायतों के निवारण पर अधिक जानकारी के लिए, विजिट करें mf.nipponindiaim.com/InvestorEducation/what-to-know-when-investing.html | ETFs एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स हैं जिनके द्वारा निवेशक मार्केट की अवधियों के दौरान एक्सचेंज पर सिल्वर ETFs खरीद या बेच सकते हैं. लेकिन, कीमतें मार्केट की रफ्तार के अनुसार गतिविधि करती हैं.

म्यूचुअल फंड निवेश बाजार जोखिमों के अधीन है, योजना से जुड़े सभी दस्तावेजों को ध्यान से पढ़ें.

rediffusion.in

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 16-02-2026 Zone: NBTWealth Edition: 1 Page: NBTWD6 User: cci Time: 02-14-2026 21:24 Color:

साप्ताहिक आर्थिक भविष्यफल

(16-22 फरवरी 2026)

नन्दिता पाण्डेय
NBTwealth
@timesofindia.com

मेष (22 मार्च-21 अप्रैल)
यह सप्ताह कड़ी मेहनत से सफलता मिलेगी। आपकी वित्तीय स्थिति में सुधार होगा और पैतृक संपत्ति या प्रॉपर्टी के जरिए धन लाभ होगा। निवेश के लिहाज से शेयर मार्केट, बैंकिंग, शिक्षा, इंश्योरेंस, डेटा एनालिटिक्स, इवेंट मैनेजमेंट और डिफेंस सेक्टर आपके लिए सबसे लाभकारी रहेंगे। सोना-चांदी, तांबा और लेदर प्रोडक्ट्स में पैसा लगाना भी फायदेमंद होगा। हालांकि, सप्ताह के अंत में खर्चों पर नियंत्रण रखना जरूरी है।

वृषभ (22 अप्रैल-21 मई)
इस सप्ताह भाग्य प्रबल रहेगा और पैसा आएगा। अचानक मदद निवेश में बढ़त दिलाएगी। यात्रा से भी लाभ होगा। कार्यक्षेत्र में प्रोजेक्ट पूरे होने से आय बढ़ेगी। निवेश के लिए IT सेक्टर, ऑयल-पेट्रोलियम, लोहा, ऑटोमोबाइल, एयरलाइन, केमिकल इंडस्ट्री, होटल, मीडिया क्षेत्र ठीक है। फैशन और खाद्य पदार्थों में निवेश से भी लाभ होगा। सप्ताह के अंतिम दिनों में शेयर बाजार से मुनाफा कमाने के अवसर मिलेंगे।

मिथुन (22 मई-21 जून)
शुरुआत में भारी खर्चों के प्रति सतर्क रहें। मंगलवार से स्थितियां अनुकूल होंगी और उत्तरार्ध में धन वृद्धि के शुभ संयोग बनेंगे। सहयोगियों की मदद निवेश को सफल बनाएगी। इस सप्ताह IT, फार्मा, बैंकिंग, इंश्योरेंस और शिक्षा क्षेत्र में निवेश करना बुद्धिमानी होगी। इसके अलावा सोना-चांदी, होटल, मीडिया, कंज्यूमर गुड्स और सोलर पावर में पैसे लगाना आपके पोर्टफोलियो को मजबूती देगा।

कर्क (22 जून-21 जुलाई)
व्यापारिक साझेदारी इस सप्ताह आर्थिक उन्नति का मुख्य आधार बनेगी। शुरुआत धन लाभ के साथ होगी, लेकिन सप्ताह के मध्य में खर्चों के कारण मानसिक तनाव हो सकता है। निवेश के लिए सेमीकंडक्टर चिप्स, इलेक्ट्रॉनिक मार्केट, स्पोर्ट्स गुड्स, एग्रीकल्चर और डिफेंस सेक्टर उपयुक्त हैं, जिनमें निवेश आपको दीर्घकालिक लाभ दे सकता है। निवेश के फैसलों में साझेदारी की सलाह को महत्व दें।

सिंह (22 जुलाई-21 अगस्त)
सप्ताह की शुरुआत आकस्मिक धन वृद्धि लेकर आएगी। हालांकि बिजनेस पार्टनरशिप में वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, लेकिन अंतिम परिणाम आर्थिक हित में होंगे। निवेश की दृष्टि से होटल, मीडिया, फैशन, गारमेंट, खाद्य पदार्थ और जेमस्टोन इंडस्ट्री में संभावनाएं बेहतर हैं। चेतावनी यह है कि सप्ताह के उत्तरार्ध में धन हानि के संकेत हैं और खर्च अधिक हो सकते हैं, इसलिए सुरक्षित और स्थिर विकल्पों में ही निवेश करें।

कन्या (22 अगस्त-21 सितंबर)
निवेश के मामले में युवाओं की सलाह काफी फलदायी रहेगी। शेयर मार्केट और लॉटरी जैसे क्षेत्रों से अचानक लाभ के योग हैं। जैसे-जैसे सप्ताह बढ़ेगा, आर्थिक उन्नति के द्वार खुलेंगे। निवेश के लिए होटल, मीडिया, फैशन, जेमस्टोन, परफ्यूम इंडस्ट्री, बैंकिंग और सोना-चांदी सही विकल्प हैं। जीवनसाथी से आर्थिक मदद मिल सकती है। साझेदारी वाले निवेश आपको उम्मीद से बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखते हैं।

तुला (22 सितंबर-21 अक्टूबर)
आपकी व्यवहार कुशलता धन लाभ की नई राहें बनाएगी। हालांकि, वाहन या घरेलू सुख-सुविधाओं पर खर्च बढ़ने की संभावना है। सप्ताह के उत्तरार्ध में लॉटरी, सट्टा और शेयर मार्केट से अचानक लाभ के योग बन रहे हैं। निवेश के लिए होटल, मीडिया, फैशन, परफ्यूम इंडस्ट्री, सोना-चांदी, क्लीनिंग एजेंट, लेदर और डेयरी प्रोडक्ट्स पर ध्यान केंद्रित करें। शेयर बाजार में सक्रियता आपको फायदा देगी।

वृश्चिक (22 अक्टूबर-21 नव.)
वाक्पटुता और नेटवर्किंग के दम पर आप लाभ कमाएंगे। सप्ताह के मध्य में धन हानि की आशंका है। उत्तरार्ध में स्थितियां तेजी से सुधरेंगी। निवेश के लिए सोलर पावर, हेल्थ इंडस्ट्री, ऑप्टिकल और सर्जिकल इंस्ट्रूमेंट्स, डिफेंस सेक्टर, सेमीकंडक्टर चिप्स और इलेक्ट्रॉनिक्स बेहतरीन क्षेत्र हैं। शेयर मार्केट और लॉटरी से भी आकस्मिक लाभ की मजबूत संभावनाएं दिखाई दे रही हैं।

धनु (22 नवंबर-21 दिसंबर)
बुद्धिमानी और मेहनत का समन्वय इस सप्ताह विशेष सफलता दिलाएगा। आपकी कार्यशैली धन आगमन के नए अवसर पैदा करेगी। निवेश के लिहाज से सोलर पावर, हेल्थ इंडस्ट्री, ग्रीन एनर्जी, सोना-चांदी, बैंकिंग, इंश्योरेंस और शिक्षा क्षेत्र लाभकारी हैं। डिफेंस, सेमीकंडक्टर, डेटा एनालिटिक्स और लेदर प्रोडक्ट्स में भी निवेश के अच्छे मौके हैं। सप्ताह के उत्तरार्ध में पारिवारिक खर्च बढ़ सकते हैं, इसलिए अपनी बचत को पहले से सुरक्षित रखें।

मकर (22 दिसंबर-21 जनवरी)
तीक्ष्ण बुद्धि और नेटवर्किंग इस सप्ताह आपकी वित्तीय स्थिति को नई ऊंचाई पर ले जाएगी। सप्ताह के मध्य और उत्तरार्ध में धन लाभ के योग हैं। निवेश के लिए डिफेंस, बैंकिंग, सेमीकंडक्टर चिप्स, एग्रीकल्चर, मैन्युफैक्चरिंग, रियल एस्टेट और IT सेक्टर बेहद अनुकूल हैं। इसके साथ ही फार्मा, ऑयल-पेट्रोलियम, ऑटोमोबाइल और एयरलाइंस में किया गया निवेश आपको बड़ा मुनाफा दिला सकता है।

कुंभ (22 जनवरी-18 फरवरी)
सप्ताह की शुरुआत में भारी खर्च और मानसिक कष्ट के योग हैं। मध्य से स्थितियां बेहतर होंगी और आर्थिक लाभ के मौके मिलेंगे। आपकी वाक्पटुता लाभ दिलाने में सहायक होगी। निवेश के लिए सोना-चांदी, तांबा, बैंकिंग, इंश्योरेंस, शिक्षा, लेदर, क्लीनिंग एजेंट, होटल, मीडिया, गारमेंट और फैशन इंडस्ट्री सबसे सटीक क्षेत्र हैं।

मीन (19 फरवरी-21 मार्च)
बॉस के सहयोग और पैतृक संपत्ति से धन लाभ के प्रबल आसार हैं। प्रॉपर्टी और शेयर मार्केट में निवेश करना जैकपॉट साबित हो सकता है। सप्ताह के मध्य में अनियंत्रित खर्चों से बचें। उत्तरार्ध में स्थितियां फिर आपके पक्ष में होंगी। निवेश के क्षेत्रों में डिफेंस, सेमीकंडक्टर चिप्स, इलेक्ट्रॉनिक गुड्स, एग्रीकल्चर और स्पोर्ट्स गुड्स प्रमुख हैं।

(लेखिका ऐस्ट्रो-टैरो रीडर, आध्यात्मिक गुरु और लाइफ कोच हैं।)

क्रिप्टो पर भारी टैक्स से परेशानी, रेगुलेशन ज़रूरी

नियम साफ हों तो पैसा लौट सकता है भारत

भारत में क्रिप्टो निवेशक नियमों से पूरी तरह छूट नहीं, लेकिन स्पष्ट और व्यावहारिक नियम जरूर चाहते हैं। क्रिप्टो पर भारत का मौजूदा ढांचा गतिविधि पर टैक्स लगाता है, न कि वास्तविक परिणाम पर। यदि टैक्स और नियमों में संतुलित सुधार किया जाता है, तो निवेशक का भरोसा लौट सकता है और विदेशी प्लेटफॉर्म पर जा रही गतिविधि वापस आ सकती है।

Crypto Class

एडुल पटेल
NBTwealth
@timesofindia.com

भारत में क्रिप्टो पर अगर टैक्स और नियमों में स्पष्टता और संतुलन आता है, तो पूंजी और टैलेंट देश में ही रहेगा, निवेशकों को सुरक्षा मिलेगी और भारत डिजिटल फाइनैंस के अगले दौर में अहम भूमिका निभा सकता है।

भारत में क्रिप्टो में निवेश करने वाले निवेशकों के लिए मौजूदा टैक्स व्यवस्था और नियम बड़ी चिंता का कारण बने हुए हैं। अगर नीति स्पष्ट, संतुलित और व्यावहारिक हो तो निवेशक का भरोसा लौट सकता है और विदेश जा रही पूंजी दोबारा देश में आ सकती है। यह समझना होगा कि पाबंदी सुरक्षा नहीं देती, सही नियमन ही असली सुरक्षा देता है।

पिछले एक साल में सरकार ने निगरानी के स्तर पर कुछ अहम कदम उठाए हैं। Financial Intelligence Unit (FIU-IND) की गाइडलाइंस के जरिए ट्रांजैक्शन मॉनिटरिंग यानी लेन-देन पर नजर रखने की व्यवस्था मजबूत हुई है। इकोनॉमिक सर्वे में स्टेबलकॉइन (ऐसी डिजिटल करेंसी जो स्थिर संपत्ति से जुड़ी होती है) को सीमा पार भुगतान के संभावित साधन के रूप में माना गया है। बजट में क्रिप्टो रिपोर्टिंग को औपचारिक रूप दिया गया है, जिससे लेन-देन की पारदर्शिता बढ़ी है। हालांकि, निवेशकों का कहना है कि असली समस्या टैक्स ढांचे से जुड़ी है, जिसमें कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है।

1% TDS से ट्रेडिंग की क्षमता सीमित हो जाती है

सबसे बड़ी परेशानी 1% TDS यानी Tax Deducted at Source को लेकर है। यह हर ट्रांजैक्शन पर कटता है, चाहे निवेशक को लाभ हुआ हो या नुकसान। सक्रिय ट्रेडर्स के लिए यह व्यवस्था पूंजी का बड़ा हिस्सा ब्लॉक कर देती है। उदाहरण के तौर पर, यदि कोई निवेशक दिन में कई बार खरीद-बिक्री करता है, तो हर बार TDS कटने से उसका कामकाजी बैलेंस घटता जाता है। इससे लिक्विडिटी यानी नकदी उपलब्धता कम हो जाती है और ट्रेडिंग की क्षमता सीमित हो जाती है।

30% टैक्स भी बड़ी दिक्कत

क्रिप्टो पर 30% कैपिटल गेन टैक्स लागू है। सबसे बड़ी दिक्कत यह है कि नुकसान को मुनाफे से एडजस्ट करने की अनुमति नहीं है। अगर एक सौदे में नुकसान हुआ और दूसरे में लाभ, तो सामान्य निवेश साधनों में केवल शुद्ध लाभ पर टैक्स लगता है। लेकिन क्रिप्टो में पूरे लाभ पर टैक्स देना पड़ता है, भले ही कुल मिलाकर फायदा कम हो। इससे जोखिम और लागत दोनों बढ़ जाते हैं।

विदेशी क्रिप्टो प्लैटफॉर्म पर बढ़ रहा भारतीयों का रुझान

भारी टैक्स की वजह से लगभग 73% भारतीय ट्रेडिंग वॉल्यूम विदेशी प्लैटफॉर्म पर शिफ्ट हो चुका है, जहां निवेशकों को कम टैक्स और कम तत्काल कटौती का सामना करना पड़ता है। जाहिर है कि निवेशक ऐसे प्लैटफॉर्म की ओर रुख कर रहे हैं जहां लेन-देन पर तुरंत कटौती नहीं होती और टैक्स संरचना अपेक्षाकृत लचीली है। हालांकि इन प्लैटफॉर्म पर नियामकीय सुरक्षा कम हो सकती है, लेकिन लागत कम होने के कारण वे आकर्षक लगते हैं। इस प्रवृत्ति से भारत को लिक्विडिटी, टैक्स रेवेन्यू और बाजार गतिविधि का नुकसान हो रहा है।

स्टार्टअप और निवेशकों के लिए कानूनी स्पष्टता जरूरी

Virtual Digital Assets यानी VDA को भारत में अभी तक स्पष्ट कानूनी दर्जा नहीं मिला है। कोई स्पष्ट लाइसेंसिंग प्रणाली या बाजार आचरण के मानक पूरी तरह परिभाषित नहीं हैं। इस स्थिति में स्टार्टअप्स के लिए पूंजी जुटाना और दीर्घकालिक योजना बनाना मुश्किल हो जाता है। कई फाउंडर्स अपनी कंपनियां ऐसे देशों में रजिस्टर कर रहे हैं, जहां नियम स्पष्ट और स्थिर हैं। वहीं, निवेशक के दृष्टिकोण से देखें तो स्पष्ट नियम भरोसा बढ़ाते हैं। अगर प्लैटफॉर्म के लिए पूंजी मानक, कस्टडी यानी संपत्ति सुरक्षा नियम और शिकायत निवारण प्रणाली तय हो, तो जोखिम कम होता है।

(लेखक क्रिप्टो प्लैटफॉर्म Mudrex के CEO हैं।)

1% TDS हर ट्रांजैक्शन पर कटता है, चाहे मुनाफा हो या नुकसान।

30% फ्लैट टैक्स रेट है क्रिप्टो मुनाफे पर, जो काफी ज्यादा है।

73% भारतीय क्रिप्टो ट्रेडिंग वॉल्यूम विदेशी प्लैटफॉर्म पर, जहां नियम कम सख्त हैं।

अलग असेट के रूप में हो मान्यता

भारत को क्रिप्टो को एक अलग असेट क्लास के रूप में कानूनी मान्यता देनी चाहिए। इससे निवेशक अधिकार और अनुबंध की वैधता स्पष्ट होगी। टैक्स ढांचे को अन्य निवेश साधनों की तरह बनाया जा सकता है, जिसमें नुकसान को लाभ से समायोजित करने की अनुमति हो और TDS को केवल ट्रैकिंग तक सीमित रखा जाए। साथ ही एक स्पष्ट लाइसेंसिंग प्रणाली लागू की जा सकती है, जिसमें पूंजी पर्याप्तता, साइबर सुरक्षा, कस्टडी मानक और पारदर्शिता जरूरी हो। इससे घरेलू प्लैटफॉर्म की विश्वसनीयता बढ़ेगी।

बेसिक बातें

शेयर बाज़ार की चाल समझने में CAPE रेश्यो क्यों है अहम?

रिजु मेहता
Riju.Mehta
@timesofindia.com

शेयर बाजार में तेजी या गिरावट को समझने के लिए सेंसेक्स या निफ्टी देखना काफी नहीं होता। यह जानना भी जरूरी है कि बाजार महंगा है या सस्ता। CAPE रेश्यो बाजार की लंबी अवधि की असली स्थिति को सामने रखता है।

मशहूर अमेरिकी अर्थशास्त्री और नोबेल पुरस्कार विजेता रॉबर्ट जे. शिलर ((Robert J. Shiller) ने साल 1988 में CAPE को विकसित किया था, इसलिए इसे शिलर PE रेश्यो भी कहते हैं। CAPE यानी Cyclically Adjusted Price to Earnings Ratio। यह प्राइस टु अर्निंग रेश्यो (PE Ratio) का ही एडवांस और ज्यादा भरोसेमंद रूप है।

CAPE रेश्यो क्या बताता है?: सामान्य PE रेश्यो किसी शेयर या इंडेक्स की मौजूदा कीमत की तुलना उसकी हाल की कमाई से करता है। लेकिन इसमें एक दिक्कत है। अगर किसी साल कंपनी की कमाई बहुत ज्यादा या बहुत कम हो जाए, तो PE रेश्यो गुमराह कर सकता है।

CAPE रेश्यो इस समस्या को हल करता है। इसमें पिछले 10 साल की औसत कमाई को लिया जाता है और उसे महंगाई (Inflation) के हिसाब से एडजस्ट किया जाता है। फिर मौजूदा शेयर कीमत से उसकी तुलना की जाती है। इससे बिजनेस और बाजार के उतार-चढ़ाव का असर कम हो जाता है और लंबी अवधि की असली तस्वीर सामने आती है।

CAPE रेश्यो कैसे निकाला जाता है?
CAPE रेश्यो निकालने का फॉर्मूला बहुत आसान है:

- CAPE रेश्यो = मौजूदा बाजार कीमत / पिछले 10 साल की औसत (महंगाई-समायोजित) कमाई
- यानी इस तरीके में न तो किसी एक साल की कमाई का असर ज्यादा होता है और न ही किसी अस्थायी तेजी या मंदी का।

इसका मतलब क्या है?

- CAPE रेश्यो ज्यादा है, तो मतलब है कि बाजार अपनी कमाई के मुकाबले महंगा हो चुका है। ऐसे में लंबे समय में रिटर्न कम मिलने का खतरा रहता है।
- अगर CAPE रेश्यो कम है, तो यह दर्शाता है कि शेयर या बाजार सस्ता हो सकता है और लंबी अवधि में अच्छे रिटर्न की संभावना बन सकती है।

मौजूदा स्थिति क्यों चिंता बढ़ा रही है?

फिलहाल CAPE रेश्यो करीब 39.8 के आसपास है। इससे पहले साल 2000 में इतना ऊंचा स्तर (44) देखा गया था, जब डॉटकॉम बबल फूटा था और बाजार बुरी तरह गिरा था। इसी वजह से कुछ एक्सपर्ट मान रहे हैं कि बाजार ज्यादा महंगा हो चुका है। CAPE रेश्यो उपयोगी है, लेकिन परफेक्ट नहीं है। यह भविष्य की कमाई नहीं देखता, सिर्फ पिछले 10 साल के आंकड़े देखता है। इसलिए आने वाले ट्रेंड का अंदाजा स्पष्ट नहीं लगाया जा सकता। यह शॉर्ट टर्म निवेश के लिए सही नहीं है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 16-02-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAHFP User: cci Time: 02-15-2026 23:39 Color:

नई दिल्ली > **सोमवार, 16 फरवरी 2026** > माघ 27 शक संवत 1947 फाल्गुन कृष्ण चतुर्दशी, विक्रम संवत 2082 WATCH GOD WATCHDOG वर्ष 80, संख्या 40 > पेज 16 > मूल्य ₹5.00 या ₹10.00* द टाइम्स ऑफ इंडिया सहित www.nbt.in
*मासिक खरीद पर ही लागू

नंबर्स दर्शकों की पसंद को बताते हैं: तमन्ना ▸p13

NBT नवभारत टाइम्स

जेल में बंद इमरान की हुई जांच, पार्टी ने उठाए सवाल ▸p11

एनबीटी में विज्ञापन देने के लिए 18001205474 पर कॉल करें। नवभारत टाइम्स का अंक प्राप्त करने के लिए 18001200004 पर कॉल करें या subscribe.timesofindia.com पर जाएं।

AI IMPACT SUMMIT भारत 2026 INDIA
सर्वजन हिताय | सर्वजन सुखाय
WELFARE FOR ALL | HAPPINESS OF ALL
16-20 फरवरी, 2026 | नई दिल्ली, भारत

एआई के परिवर्तनकारी प्रभाव का प्रदर्शन
स्कूल के छात्रों के लिए इंडिया एआई टिंकरप्रेन्योर से लेकर स्टार्टअप्स के लिए एआई पिचफेस्ट तक, हम भविष्य के लिए नवाचार कर रहे हैं!
नई दिल्ली में 50,000+ प्रतिभागियों में शामिल हों
इवेंट को LIVE देखें

CBC 06124/13/0011/2526

20 20 आज के मैच
अफगानिस्तान vs UAE
दिल्ली, सुबह 11 बजे से
इंग्लैंड vs इटली
कोलकाता, दोपहर 3 बजे से
ऑस्ट्रेलिया vs श्रीलंका
पल्लेकल (श्रीलंका) शाम 7 बजे से
टेलिकास्ट स्टार स्पोर्ट्स और जियो हॉटस्टार पर

GOOD न्यूज़
गुड न्यूज से जुड़ी खास खबरें देखें पेज 6-7

ईशान किशन
77 रन 40 बॉल 10 फोर 3 सिक्स

Photos: PTI

ईशान की तूफानी पारी, पाक को रौंदकर भारत सुपर-8 में

T20 वर्ल्ड कप में भारत-पाक मैच को लेकर कई महीने संशय चला, लेकिन मैच हुआ तो नतीजा इतिहास से अलग नहीं रहा। पाकिस्तान को हरा भारत सुपर-8 में पहुंच गया...

■ पीटीआई, कोलंबो

ओपनर ईशान किशन के तूफानी अर्धशतक से भारत ने T20 वर्ल्ड कप के मैच पाकिस्तान को 61 रन से रौंद दिया। पाकिस्तान के सामने 176 रन का टारगेट था, जिसके जवाब में टीम 18 ओवर में 114 रन ही बना सकी। भारत ने 7 विकेट पर 175 रन बनाए थे। यह दोनों देशों के बीच T20 वर्ल्ड कप में सबसे बड़ा टोटल है। ईशान ने स्पिन की अनुकूल पिच पर 40 गेंद में 77 रन की पारी खेलने के अलावा तिलक वर्मा (25) के साथ दूसरे विकेट के लिए 87 रन जोड़कर भारत को ठोस आधार दिया। कैप्टन सूर्यकुमार यादव (32) और शिवम दुबे (27) ने भी उम्दा पारियां खेलीं। पाकिस्तान को हाथ बीच में रोककर गेंदबाजी करने वाले उस्मान तारिक से उम्मीदें थीं, लेकिन वह भारत को ज्यादा परेशान नहीं कर पाए।

दोनों कैप्टन ने नहीं मिलाया हाथ...

एशिया कप के बाद से चल रही नीति पर सूर्य रहे कायम

भारतीय कैप्टन सूर्यकुमार यादव ने मैच के टॉस के दौरान अपने पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा से हाथ नहीं मिलाया। वह पिछले साल दुबई में एशिया कप के बाद से चली आ रही नीति पर कायम रहे। कोलंबो में खेल शुरू होने से एक घंटे पहले BCCI के एक अधिकारी ने कह दिया था कि हाथ नहीं मिलाने की नीति जारी रहेगी। ▸▸ पेज 12

गाजियाबाद में डंपिंग ग्राउंड के विरोध में किसानों पर लाठीचार्ज

छावनी बना लोनी का मीरपुर हिंदू गांव। कुछ पुलिसकर्मी भी घायल।

■ NBT न्यूज, गाजियाबाद

लोनी के ट्रोनिका सिटी स्थित मीरपुर हिंदू गांव में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट के विरोध को लेकर रविवार को भारी हिंसा और बवाल देखने को मिला। डंपिंग ग्राउंड का विरोध कर रहे किसानों और पुलिस के बीच हुई इस भीषण झड़प ने पूरे इलाके को छावनी में तब्दील कर दिया है। ग्रामीण लंबे समय से रिहायशी क्षेत्र में कूड़ा निस्तारण केंद्र बनाए जाने का विरोध कर रहे थे। जैसे ही प्लांट में काम शुरू हुआ, सैकड़ों ग्रामीण और महिलाएं विरोध में उतर आए। किसानों ने नारेबाजी शुरू की। इसके बाद पुलिस ने उन्हें खदेड़ने के लिए लाठीचार्ज कर दिया। पुलिस की इस कार्रवाई से आक्रोशित ग्रामीणों ने भी मोर्चा खोल दिया और जमकर पथराव किया।

ग्रामीणों ने भी खोला मोर्चा, पुलिस पर किया पथराव

किसान अड़े, भारी पुलिस बल तैनात

इस हिंसक टकराव में महिलाओं और बुजुर्गों समेत करीब 20 से 25 लोग घायल हुए हैं। वहीं, पथराव में कुछ पुलिसकर्मियों के भी चोटिल होने की सूचना है। किसानों का कहना है कि वे अपनी उपजाऊ जमीन पर डंपिंग ग्राउंड किसी भी कीमत पर नहीं बनने देंगे, जबकि प्रशासन सुरक्षा घेरे में प्लांट का काम कराने की तैयारी में है। इस बीच भारतीय किसान यूनियन ने भी आंदोलन में कूदने का ऐलान कर दिया है, जिससे प्रशासन की मुश्किलें बढ़ गई हैं। फिलहाल भारी पुलिस बल ने पूरे क्षेत्र को घेर रखा है। लोगों को वहां से हटा दिया गया है।

NBT इरा BEAUTY & BRILLIANCE

भीड़ का हिस्सा बनना उसकी फितरत नहीं। वह आज की नारी है, वह 'Gen She' है।
IRA 2026
बिना दिखावे के। बिना किसी बनावट के। अपनी शर्तों पर जीने वाली निडर लड़कियां।
सुंदरता अब किसी की मोहताज नहीं।
हुनर और सौंदर्य की मिसाल बनें। आज ही रजिस्टर करें।
वॉट्सऐप नंबर - 7003890071

'भारत में बने सामान के लिए दुनिया के बड़े बाज़ार खुले'

निवेशकों का भरोसा बढ़ा, 38 देशों से FTA: पीएम

■ पीटीआई, नई दिल्ली

पीएम नरेन्द्र मोदी ने कहा कि उनकी सरकार की 'रिफॉर्म एक्सप्रेस' आम लोगों को बड़े स्तर पर फायदा पहुंचा रही है। अगले 10 वर्षों के लिए उनकी तीन प्रमुख सुधार प्राथमिकताएं होंगी- लगातार ढांचागत सुधार जारी रखना, इनोवेशन को और गहरा करना और शासन व्यवस्था को और अधिक सरल बनाना। उन्होंने कहा कि हाल ही में पेश केंद्रीय बजट में जानबूझकर लोकलुभावन उपायों से बचते हुए बुनियादी ढांचे में निवेश किया गया है। इससे रोजगार बढ़ेंगे और टिकाऊ आर्थिक वृद्धि को गति मिलेगी।

'बजट में जानबूझकर लोकलुभावन उपाय से बचा गया'

रविवार को पीएम ने कहा, 'हमने नीतिगत सुधारों के माध्यम से अर्थव्यवस्था को मजबूत किया, स्थिरता और पारदर्शिता सुनिश्चित की। एक नियम आधारित प्रणाली बनाई। इससे वैश्विक निवेशकों का विश्वास बढ़ा और कई देशों ने भारत के साथ व्यापार समझौते करने में रुचि दिखाई। अब हमारे पास 38 साझेदार देशों के साथ फ्री ट्रेड अग्रीमेंट (FTA) हैं, जो भारत के व्यापार इतिहास में अभूतपूर्व उपलब्धि है।' भारत में बने सामान के लिए FTA ने बड़े बाजार खोल दिए हैं। ▸▸ पेज 9

File Photo

पीएम ने FTA को भारत के व्यापार इतिहास में उपलब्धि बताया।

मुक्त व्यापार समझौते ऐसे साधन हैं, जिनसे हमारे युवा सिर्फ देश के बाजार तक सीमित न रहे, बल्कि वैश्विक व्यापार और विकास में भी सक्रिय भागीदार बनें। -नरेन्द्र मोदी

- सीतारमण का लगातार नौ बजट पेश करना पूरे देश की महिलाओं को प्रेरित करने वाला है
- रक्षा सुधारों के एक दशक के लाभ 'ऑपरेशन सिंदूर' के दौरान साफ दिखाई दिए

कहा- सामाजिक एकता होती है मज़बूत

देश के प्राइवेट सेक्टर को मोदी ने दी सलाह, फायदा मज़दूरों के साथ बांटें

मोदी ने भारत के प्राइवेट कॉरपोरेट सेक्टर से आगे आने और सरकार के सुधार अभियान के साथ साहसी निवेश और इनोवेशन आधारित विकास करने की अपील की। उन्होंने कहा कि अधिक उत्पादकता का फायदा मजदूरों और शेयरधारकों के बीच निष्पक्ष रूप से बांटा जाना चाहिए। टिकाऊ विकास के लिए सामाजिक स्वीकार्यता जरूरी है। मजदूरी में बढ़ोतरी, स्किल में सुधार, स्थिर रोजगार घरेलू मांग और सामाजिक एकता को मजबूत करते हैं। ये लॉन्ग टर्म निवेश को सपोर्ट करते हैं।

AI समिट के बाद इस्राइल जाएंगे मोदी

पीएम नरेन्द्र मोदी जल्द ही इस्राइल जाएंगे। AI समिट के बाद वह दौरा हो सकता है, जो 16 से 20 फरवरी तक दिल्ली में है। पीएम के तीसरे कार्यकाल की यह पहली इस्राइल यात्रा होगी, जो 9 साल के गैप के बाद हो रही है। उनकी पिछली इस्राइल यात्रा 2017 में हुई थी। ▸▸ पेज 14

दिल्ली की हर जमीन का बनेगा 'आधार कार्ड'

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** दिल्ली में जमीन से जुड़े विवादों को जड़ से खत्म करने के लिए दिल्ली सरकार यूनिक लैंड पार्सल आइडेंटिफिकेशन नंबर (ULPIN) 'भू-आधार' योजना लेकर आई है। इसके तहत हर जमीन को 14 अंकों का एक यूनिक डिजिटल नंबर दिया जाएगा। ड्रोन सर्वे और हाई-टेक मैपिंग के जरिए जमीन का डिजिटल लेखा-जोखा तैयार होगा, जिससे मालिकाना हक को लेकर कोई भ्रम नहीं रहेगा। सीएम रेखा गुप्ता ने इसे भ्रष्टाचार के खिलाफ डिजिटल हथियार बताया।

दिल्ली दुनिया में 12वें, कोलकाता 13वें स्थान पर

दुनिया के 10 प्रदूषित शहरों की लिस्ट से दिल्ली बाहर

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

इस सीजन में पहली बार दिल्ली दुनिया के दस सबसे प्रदूषित शहरों की लिस्ट से बाहर आई है। स्विस एयर क्वॉलिटी कंपनी आईक्यूएयर की ओर से रविवार को दी गई रैंकिंग में यह बात सामने आई है। इस रैंकिंग के लिए यूएस AQI सिस्टम को आधार बनाया गया है। दिल्ली को इस रैंकिंग में 12वें पायदान पर रखा गया है। दिल्ली का AQI यूएस सिस्टम के आधार पर 143 है। यह रैंकिंग 15 फरवरी को शाम चार से पांच बजे के बीच के प्रदूषण के आधार पर की गई है। हालांकि स्वास्थ्य के लिए अभी भी यह बेहतर नहीं बताई जा रही है। पहले पायदान पर कुवैत को रखा गया है। यहां का AQI 509 है।

बांग्लादेश जाएंगे

तारिक रहमान के शपथ ग्रहण में शामिल होंगे बिरला

■ **पीटीआई, नई दिल्ली :** मंगलवार को होने वाले बांग्लादेश के अगले प्रधानमंत्री तारिक रहमान के शपथ ग्रहण समारोह में भारत की ओर से लोकसभा स्पीकर ओम बिरला शिरकत करेंगे। बांग्लादेश ने ढाका में होने वाले इस समारोह के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को न्योता भेजा था। विदेश मंत्रालय ने रविवार को बताया कि तारिक रहमान के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की नवनिर्वाचित सरकार के शपथ ग्रहण समारोह में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला भारत सरकार का प्रतिनिधित्व करेंगे। तारिक की बांग्लादेश नैशनलिस्ट पार्टी (BNP) ने संसदीय चुनावों में शानदार जीत दर्ज की है। भारत ने नई सरकार का स्वागत किया है। ▸▸ पेज 12

NBT नवभारत टाइम्स Wealth
क्या आपने NBT Wealth लिया?
पर्सनल फाइनेंस की खबरें आपकी भाषा हिंदी में।
हर सोमवार पढ़ें NBT Wealth
सिर्फ 6 रुपये में
अपने वेंडर से संपर्क करें या 18001205474 पर भी कॉल कर सकते हैं।
NBT Wealth आपको कैसा लगता है, इसमें क्या पसंद आता है और क्या नहीं? क्या और चाहते हैं आप? ऐसे विषयों पर आप कॉल करके अपनी बात नोट करा सकते हैं। आपका संदेश संपादक तक पहुंच जाएगा।
कॉल करें 011-4978 0064 पर आज दिन में 11 से 12 बजे तक

हैपी मॉर्निंग

टीचर: कल स्कूल क्यों नहीं आए?
स्टूडेंट: सर, सपना आया था कि आपकी शादी हो रही है।
टीचर: तो?
स्टूडेंट: मैं खुशी में घर पर ही जश्न मना रहा था।

मौसम

अधिकतम तापमान 28.5°
11.1° न्यूनतम तापमान
सूर्यास्त 6:12 सोमवार | सूर्योदय 6:58 मंगलवार
मौसम विभाग ने सोमवार को हल्की धुंध होने का अनुमान जताया है।

अमेरिका में लापता भारतीय छात्र का शव मिला

■ **पीटीआई, न्यू यॉर्क :** अमेरिका के कैलिफोर्निया में पढ़ाई कर रहे एक भारतीय छात्र की मौत की खबर सामने आई है। कर्नाटक के रहने वाले 22 साल के साकेत श्रीनिवासैया पिछले सोमवार से लापता थे। सैन फ्रांसिस्को में भारतीय दूतावास ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर एक पोस्ट के जरिए साकेत का शव मिलने की पुष्टि की। साकेत यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया, बर्कले में मास्टर ऑफ साइंस (M.Sc) की पढ़ाई कर रहे थे। 'द बर्कले स्कैनर' न्यूज पोर्टल की एक रिपोर्ट के मुताबिक, उनका बैग पार्क हिल्स इलाके में एक घर के दरवाजे पर मिला था।

पिछले सोमवार से लापता थे साकेत श्रीनिवासैया

दिया मैसेज — अमिताभ बच्चन की आवाज के साथ नया विडियो- 'भैरव: नाम नहीं, पहचान'

सेना ने सामने रखीं नई लाइट कॉम्बैट बटैलियन 'भैरव' की अनदेखी तस्वीरें

Poonam.Pandey@timesofindia.com

■ **नई दिल्ली:** भारतीय सेना ने अपनी नई लाइट कॉम्बैट बटालियन 'भैरव' की अनदेखी तस्वीरें सामने रखी हैं। करीब साढ़े तीन मिनट का विडियो सेना ने आधिकारिक सोशल मीडिया हैंडल्स पर शेयर किया। विडियो की टैगलाइन है- भैरव: नाम नहीं, पहचान। महाशिवरात्रि के मौके पर जारी विडियो के जरिए सेना ने प्रतीकात्मक रूप से अपनी नई बटैलियन की पहचान भी स्थापित करने की कोशिश की है। 'भैरव' को भगवान शिव का उग्र रूप माना जाता है। इसी से प्रेरित होकर बटैलियन का नाम भैरव रखा गया है। ▸▸ पेज 14

'भैरव' को भगवान शिव का उग्र रूप माना जाता है

विडियो में एके-203 असॉल्ट राइफल्स, रॉकेट लॉन्चर, ड्रोन, स्ट्राइक वीकल जैसे संसाधनों के साथ ऑपरेशनल तैयारियों को दिखाया गया है।

रोहिणी में युवक की हत्या, गैंगवॉर की आशंका

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली :** दिल्ली के रोहिणी इलाके में शनिवार रात एक युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने मरने वाले की पहचान साहिल सोलंकी के तौर पर की है। वह हत्या समेत तीन आपराधिक मामलों में वॉन्टेड बताया जा रहा है। पुलिस हत्या को गैंगवॉर के एंगल से भी जोड़ देख रही है। पुलिस के मुताबिक साहिल सोलंकी रोहिणी सेक्टर-17 के B-7 में रहता था। शाम को कुछ सामान लेने के लिए घर से बाहर निकला था। इस दौरान स्कूटर सवार दो युवकों ने उस पर फायरिंग की। बताया गया है कि मरने वाला युवक कुछ दिन पहले ही जेल से बाहर आया था।

मरने वाले की पहचान साहिल सोलंकी के तौर पर हुई है

पढ़े-लिखे डॉक्टरों पर शामिल होने का आरोप

देश को दहलाने के लिए बनाया था 'अंसार अंतरिम'

■ पीटीआई, नई दिल्ली/श्रीनगर

सुरक्षा एजेंसियों ने एक ऐसे 'व्हाइट-कॉलर' आतंकी मॉड्यूल का भंडाफोड़ किया है, जिसमें पढ़े-लिखे डॉक्टर शामिल थे। इस मॉड्यूल का मुख्य चेहरा डॉ. उमर-उन नबी था, जिसकी मौत लाल किले के बाहर हुए कार धमाके में हुई। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि इन लोगों ने 'अंसार अंतरिम' नाम से एक नया आतंकी संगठन बनाया था। इसका मकसद केंद्र शासित प्रदेश के साथ-साथ देश के बाकी हिस्सों में भी आतंकी गतिविधियों को अंजाम देना था।

इस मामले की जांच अब नैशनल इन्वेस्टिगेशन एजेंसी (NIA) कर रही है। जांच से सामने आया है कि डॉ. उमर-उन नबी ही वह शख्स था, जो 10 नवंबर को लाल किले के बाहर बारूद से भरी कार चला रहा था। ▸▸ पेज 11

IED बनाना सीखा

साल 2023 में इस ग्रुप ने हरियाणा के सोहना और नूह इलाकों से खाद खरीदने का फैसला किया। उमर के कहने पर फरीदाबाद की एक केमिकल की दुकान से NPK (पोटैशियम नाइट्रेट) भी खरीदा गया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उमर ने इंटरनेट पर विडियो देखकर IED बनाना सीखा था।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 16-02-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH02 User: vivek.kumar4@timesofindia.com Time: 02-15-2026 22:04 Color:

जनसुविधा से जनविश्वास तक : विकसित दिल्ली का संकल्प

विकसित दिल्ली का संकल्प अब धरातल पर आकार लेता दिखाई दे रहा है। आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, तेज़ रफ्तार कनेक्टिविटी और जनकेंद्रित विकास मॉडल ने राजधानी की तस्वीर बदलनी शुरू कर दी है। एक्सप्रेसवे, फ्लाईओवर, एलिवेटेड कॉरिडोर, सिग्नल-फ्री सड़कें और ग्रीन एनर्जी प्रोजेक्ट्स मिलकर दिल्ली को बेहतर बना रहे हैं। विकास अब केवल बड़े प्रोजेक्ट्स तक सीमित नहीं, बल्कि कॉलोनियों, गांवों, शिक्षा, स्वास्थ्य और स्किल इंफ्रास्ट्रक्चर तक विस्तार पा चुका है। योजनाबद्ध निवेश और समन्वित कार्यशैली ने दिल्ली को रफ्तार, सुविधा और अवसरों से भरते हुए एक नए शहरी मॉडल के रूप में स्थापित करना शुरू कर दिया है।

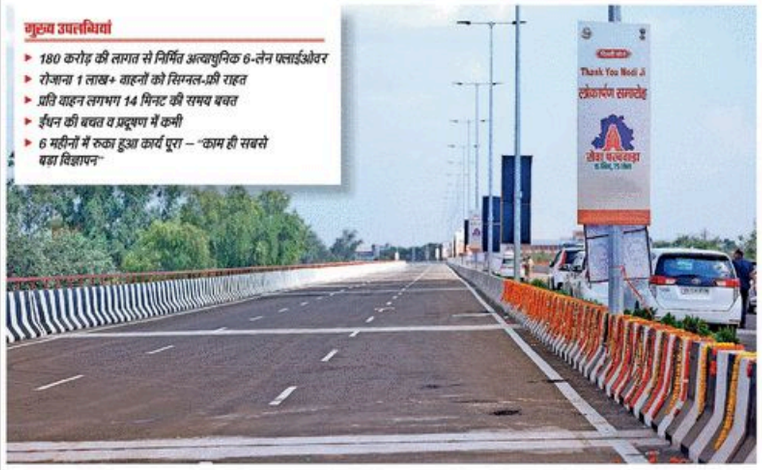

मुख्य उपलब्धियां

- *180 करोड़ की लागत से निर्मित अत्याधुनिक 6-लेन फ्लाईओवर*
- *रोजाना 1 लाख+ वाहनों को सिग्नल-फ्री राहत*
- *प्रति वाहन लगभग 14 मिनट की समय बचत*
- *ईंधन की बचत व प्रदूषण में कमी*
- *6 महीनों में रुका हुआ कार्य पूरा – "काम ही सबसे बड़ा विज्ञापन"*

प्रमुख आगामी बुनियादी ढांचा परियोजनाएं:

- **अंडरग्राउंड टनल:** शिव मूर्ति से नेल्सन मंडेला रोड तक 5 किलोमीटर लंबी सुरंग का निर्माण, जो ट्रैफिक को पूरी तरह अंडरग्राउंड कर देगी।
- **एलिवेटेड कॉरिडोर:** INA से एयरपोर्ट तक नया एलिवेटेड रोड, जो आगे फरीदाबाद और गुरुग्राम को जोड़ेगा।
- **दिल्ली-देहरादून सीधा जुड़ाव:** अलीपुर से ट्रॉनिका सिटी (UER-II एक्सटेंशन) के जरिए अब हरियाणा से आने वाले यात्री बिना दिल्ली में प्रवेश किए सीधे नोएडा और फरीदाबाद जा सकेंगे।
- **सिग्नल फ्री सड़कें:** रोहतक रोड, पंजाबी बाग, नांगलोई और आश्रम से बदरपुर की सड़कों को NHAI के माध्यम से जल्द ही सिग्नल फ्री बनाया जाएगा।
- 802.18 करोड़ की लागत से लगभग 400 km सड़कों का पुनर्निर्माण किया जा रहा है
- दिल्ली के लिए नया ड्रेनेज मास्टर प्लान बनाया गया जिसके अनुसार लगभग 56,000 करोड़ की लागत से दिल्ली के ड्रेनेज इंफ्रास्ट्रक्चर को ठीक किया जायेगा

आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, तेज रफ्तार और जनकेंद्रित विकास से बदलती राजधानी दिल्ली की तस्वीर

देश की राजधानी दिल्ली आज केवल इमारतों का शहर नहीं, बल्कि योजनाबद्ध विकास, तेज रफ्तार कनेक्टिविटी और मजबूत बुनियादी ढांचे की नई पहचान बन चुकी है। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में बीते एक वर्ष ने यह सिद्ध कर दिया है कि जब नीयत स्पष्ट हो और नीति जनकेंद्रित हो, तो परिवर्तन केवल घोषणाओं में नहीं, बल्कि सड़कों, फ्लाईओवरों, मेट्रो कॉरिडोरों, विश्वविद्यालय परिसरों, गांवों और कॉलोनियों में दिखाई देता है।

दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार के साथ समन्वय स्थापित कर लगभग 1.25 लाख करोड़ की इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं के माध्यम से राजधानी को "डी-कंजेस्ट", "ग्रीन" और "फ्यूचर-रेडी" बनाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम उठाए हैं। यह केवल विकास नहीं, बल्कि एक नए शहरी मॉडल की शुरुआत है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की सक्रियता से दिल्ली आज 'गति' और 'प्रगति' का पर्याय बन रही है।

रफ्तार का नया युग : एक्सप्रेसवे, कॉरिडोर और सिग्नल-फ्री दिल्ली

पिछले एक वर्ष में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने केंद्र सरकार के साथ मिलकर दिल्ली को "डी-कंजेस्ट" करने और शहर की आवागमन क्षमता बढ़ाने के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं। इस दिशा में माननीय प्रधानमंत्री जी द्वारा हाल ही में उद्घाटित द्वारका एक्सप्रेसवे और अर्बन एक्सटेंशन रोड-II (UER-II) ने राजधानी की गति को नई ऊंचाई दी है। अब सिंघु बॉर्डर से एयरपोर्ट तक का सफर मात्र 40 मिनट में संभव है।

एक वर्ष की बड़ी उपलब्धियां

- *1.25 लाख करोड़ के इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स*
- *एक्सप्रेसवे और सिग्नल-फ्री कॉरिडोर*
- *1150+ स्थानीय विकास परियोजनाएं*
- *206 गांवों में बुनियादी ढांचा*
- *नए विश्वविद्यालय और स्किल सेंटर*
- *ग्रीन एनर्जी और सोलर विस्तार*

सिग्नल-फ्री रफ्तार की ओर बढ़ी दिल्ली: नंद नगरी–गगन सिनेमा 6-लेन फ्लाईओवर राजधानी को समर्पित

दिल्ली की यातायात व्यवस्था को नई गति देते हुए मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने 180 करोड़ की लागत से बने नंद नगरी–गगन सिनेमा 6-लेन फ्लाईओवर का लोकार्पण किया। 1,550 मीटर लंबा और 22 मीटर चौड़ा यह फ्लाईओवर प्रतिदिन एक लाख से अधिक वाहनों को सिग्नल-फ्री आवागमन की सुविधा देगा, जिससे प्रति वाहन औसतन 14 मिनट की बचत होगी। वर्षों से रुकी परियोजना को मात्र छह महीनों में पूरा कर जनता को समर्पित करना सरकार की परिणाम-केंद्रित कार्यशैली का प्रमाण है। इससे ईंधन की बचत, मानव-घंटों में कमी और कार्बन उत्सर्जन घटने के साथ पर्यावरण को भी बड़ा लाभ मिलेगा।

हर कॉलोनी तक विकास : स्थानीय इंफ्रास्ट्रक्चर का नया ढांचा

दिल्ली का विकास केवल मुख्य सड़कों तक सीमित नहीं रखा गया। पहली बार विधानसभा स्तर पर विकास को संरचित किया गया।

MLALAD योजना के अंतर्गत
- ₹350 करोड़ का प्रावधान
- ₹5 करोड़ प्रति विधानसभा
- 1150+ परियोजनाएं स्वीकृत (₹230 करोड़)
- सड़क, स्ट्रीट लाइट, स्थानीय नागरिक सुविधाएं मजबूत

अनधिकृत कॉलोनियों में
- ₹629 करोड़ का प्रावधान
- 47 कार्य पूरे, 226 प्रगति पर
- 122 किमी सड़क व ड्रेनेज
- 4 लाख नागरिकों को लाभ

प्रदूषण के खिलाफ 'मिशन मोड' में सरकार: वेस्ट से बन रही हैं सड़कें

दिल्ली सरकार ने बुनियादी ढांचे के निर्माण में पर्यावरण संरक्षण को प्राथमिकता दी है। एनएचएआई (NHAI) के सहयोग से दिल्ली के 'कूड़े के पहाड़ों' से लाखों मीट्रिक टन कचरे को रीसायकल कर उसे सड़क निर्माण में उपयोग किया जा रहा है। यह न केवल कचरा प्रबंधन का समाधान है, बल्कि हरित बुनियादी ढांचे की ओर एक बड़ा कदम है। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि दिल्ली का जितना भी वेस्ट होगा, उसे आगामी सड़क परियोजनाओं में खपाया जाएगा ताकि राजधानी को कूड़े से मुक्ति मिल सके।

ट्रैफिक जाम से मुक्ति: 1.25 लाख करोड़ की विशाल योजनाएं

दिल्ली को "डी-कंजेशन" यानी जाम मुक्त बनाने के लिए केंद्र सरकार के सहयोग से कुल 1.25 लाख करोड़ के रोड प्रोजेक्ट्स पर तेजी से कार्य किया जा रहा है। इसमें से 64,000 करोड़ की लागत के कार्य पहले ही सफलतापूर्वक पूरे हो चुके हैं, जिससे शहर में आवागमन में तेजी और सुविधा आई है।

वर्तमान में 35,000 करोड़ के प्रगतिशील प्रोजेक्ट्स पर कार्य जारी है, जिनमें प्रमुख सड़कें, फ्लाईओवर और एक्सप्रेसवे शामिल हैं। इसके अतिरिक्त 24,000 करोड़ की लागत वाले नए प्रोजेक्ट्स की डीपीआर (डिजाइन प्रोजेक्ट रिपोर्ट) तैयार की जा रही है, जो दिल्ली को और अधिक सुव्यवस्थित, सुरक्षित और जाम-मुक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।

मुख्यमंत्री विकास निधि : जहां जरूरत, वहां विकास

- ₹1400 करोड़ की मुख्यमंत्री विकास निधि के माध्यम से 3513 परियोजनाएं।
- स्कूल, स्वास्थ्य केंद्र, पार्क, सड़क, जल-व्यवस्था।
- DDIS पोर्टल से डिजिटल मॉनिटरिंग।
- यह मॉडल विकास को फाइलों से निकालकर जमीन तक लाता है।

शिक्षा और स्किल इंफ्रास्ट्रक्चर : भविष्य की नींव

- दिल्ली केवल आज के लिए नहीं, आने वाले दशकों के लिए तैयार हो रही है
- GGSIPU और दिल्ली टीचर यूनिवर्सिटी के लिए भूमि क्रय
- दिल्ली स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी के लिए 79.4 एकड़ परिसर पर विकास कार्य करने की योजना
- 5000 छात्रों के लिए, अंबेडकर विश्वविद्यालय के धीरपुर कैंपस के निर्माण कार्य की योजना

आईटीआई जहांगीरपुरी में इंडस्ट्रियल ऑटोमेशन और IIoT सेंटर ऑफ एक्सीलेंस और ऑटोमोबाइल कंपनियों के साथ MoU युवाओं को सीधे रोजगार से जोड़ रहे हैं।

पावर और सोलर इंफ्रास्ट्रक्चर: हरित ऊर्जा की ओर कदम

- दिल्ली को आत्मनिर्भर बनाने के लिए ऊर्जा क्षेत्र में अभूतपूर्व सुधार किए गए हैं।
- मुबारकपुर में 66/11 kV के नए ग्रिड सब-स्टेशन का शिलान्यास किया गया है
- पीएम सूर्यघर योजना के तहत अब तक 20,000 से अधिक घरों में छत पर सोलर प्लांट लगाए जा चुके हैं।
- कृषि भूमि पर सोलर प्लांट लगाने के लिए पॉलिसी

सार्वजनिक परिवहन और संस्थागत ढांचा

DSIIDC के माध्यम से राजधानी के बुनियादी ढांचे को आधुनिक स्वरूप देने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाए गए हैं। इसके तहत IP बस डिपो और दिल्ली ट्रांसपोर्ट कॉरपोरेशन (डीटीसी) मुख्यालय का अत्याधुनिक पुनर्विकास किया जा रहा है, ताकि परिवहन सेवाओं को अधिक सुव्यवस्थित और सुविधाजनक बनाया जा सके। साथ ही, दिल्ली पॉल्यूशन कंट्रोल कमेटी (DPCC) के नए मुख्यालय का निर्माण भी किया जायेगा, जो पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी गतिविधियों को और अधिक प्रभावी ढंग से संचालित करने में सहायक होगा। नए बस डिपो तथा एक बड़े स्तर पर चार्जिंग स्टेशन का निर्माण स्तर किया जा रहा है

गांव भी अब विकास की मुख्यधारा में हैं शामिल

दिल्ली सरकार ने राजधानी के गांवों को मुख्यधारा के शहरी विकास से जोड़ते हुए एक महत्वपूर्ण पहल की है। दिल्ली ग्राम विकास बोर्ड (DVDB) के माध्यम से 1,700 करोड़ की राशि स्वीकृत की गई, जिसके तहत 206 गांवों में 705 विकास परियोजनाओं को अमल में लाया जा रहा है। इन परियोजनाओं में सड़कों और नालियों के निर्माण से लेकर चौपालों के सुदृढ़ीकरण और ओपन जिम जैसी आधुनिक सुविधाओं का विकास शामिल है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों को भी शहरी सुविधाओं के समान स्तर पर लाया जा सके और संतुलित विकास सुनिश्चित हो सके। यह पहली बार है जब ग्रामीण दिल्ली का विकास योजनाबद्ध तरीके से हो रहा है। इसलिए अब वो दिन दूर नहीं, जब गांव भी शहर की तरह विकास करेंगे।

दिल्ली का हृदय: स्वास्थ्य और समाज कल्याण

- केवल सड़कें ही नहीं, दिल्ली सरकार ने स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे में भी निवेश किया है।
- गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल : रघुबीर नगर में ₹172.03 करोड़ की लागत से 472 बेड वाले नए ब्लॉक और डॉक्टर्स हॉस्टल का निर्माण पूरा किया जा चुका है।
- श्री दादा देव मातृ एवं शिशु चिकित्सालय का निर्माण एवं पुनर्निर्माण ₹117.78 करोड़ की लागत से किया गया।
- संजय गांधी मेमोरियल अस्पताल में ट्रॉमा सेंटर का निर्माण ₹53.44 करोड़ की लागत से पूर्ण किया गया।
- भगवान महावीर अस्पताल का पुनर्निर्माण ₹65.86 करोड़ की लागत से पूर्ण किया गया।
- आचार्य श्री भिक्षु अस्पताल का विस्तार/पुनर्निर्माण ₹94.38 करोड़ की लागत से पूर्ण किया गया।
- श्रमिक कल्याण: दिल्ली के श्रमिकों के लिए 5 में भोजन की 'अटल कैंटीन' और आयुष्मान भारत के तहत ₹10 लाख तक का स्वास्थ्य कवर सुनिश्चित किया जा रहा है।
- GRAP से प्रभावित कंस्ट्रक्शन वर्कर्स को ₹10,000 की राहत केवल सड़कें ही नहीं, दिल्ली सरकार ने स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे में भी निवेश किया है।
- गुरु गोबिंद सिंह अस्पताल : रघुबीर नगर में ₹172.03 करोड़ की लागत से 472 बेड वाले नए ब्लॉक और डॉक्टर्स हॉस्टल का निर्माण पूरा किया जा चुका है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली आज "रफ्तार + सुव्यवस्था + अवसर" का मॉडल बन रही है।

विकसित दिल्ली की ओर : एक वर्ष, एक बदलाव

बीते एक वर्ष में दिल्ली ने यह अनुभव किया कि–

- विकसित दिल्ली की ओर : एक वर्ष, एक बदलाव
- विकास का फाइलों से निकलकर धरातल पर आया
- हर विधानसभा को बराबर महत्व मिला
- गांव और कॉलोनियां मुख्यधारा में आईं
- शिक्षा, स्वास्थ्य और परिवहन को एक साथ जोड़ा गया

बदलती राजधानी, बढ़ता विश्वास

दिल्ली अब केवल देश की राजधानी नहीं, बल्कि विकसित भारत के शहरी मॉडल की प्रयोगशाला बन रही है। यह परिवर्तन बताता है कि जब विकास का केंद्र नागरिक हो, तो इंफ्रास्ट्रक्चर केवल निर्माण नहीं, बल्कि विश्वास बनता है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में शुरू हुआ यह एक वर्ष का सफर आने वाले वर्षों में दिल्ली को विश्व-स्तरीय, हरित, सुगम और समावेशी महानगर बनाने की दिशा में मील का पत्थर है।

DIP/Shabdarth/Advertorial/0138/25-26

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 16-02-2026 Zone: Mahanagar Edition: 2 Page: NBTMAH03 User: ccl Time: 02-15-2026 23:33 Color:

IQAir रैंकिंग में 12वें पायदान पर पहुंची राजधानी

AI समिट से पहले मिली राजधानी दिल्ली को राहत, 143 AQI के साथ टॉप-10 से बाहर

2 मिनट में पढ़ें

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

राजधानी में होने वाले इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 से पहले दिल्ली की हवा में कुछ राहत देखने को मिली है। इस सीजन में पहली बार दिल्ली दुनिया के दस सबसे प्रदूषित शहरों की लिस्ट से बाहर हो गई है।

दुनिया के बड़े शहरों की एयर क्वॉलिटी रैंकिंग जारी करने वाली स्विस कंपनी IQAir की 15 फरवरी की रिपोर्ट में यह तस्वीर सामने आई। कंपनी यूएस एक्यूआई सिस्टम को आधार बनाकर रैंकिंग तैयार करती है। यूएस एक्यूआई में प्रदूषण की छह कैटिगरी तय की गई हैं। रैंकिंग में दिल्ली को 12वां स्थान पर रखा गया है। दिल्ली का एक्यूआई 143 दर्ज किया गया। यह आंकड़ा 15 फरवरी शाम चार से पांच बजे के बीच के स्तर पर आधारित है। सूची में पहले नंबर पर कुवैत सिटी है, जहां एक्यूआई 509 रहा। दूसरे नंबर पर तेल अवीव-याफो और तीसरे पर यरूशलम है।

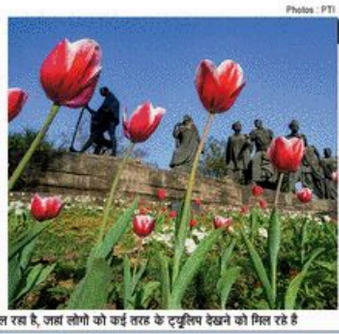

Photos : PTI

राजधानी में इन दिनों शांति पथ पर दिल्ली ट्यूलिप फेस्टिवल चल रहा है, जहां लोगों को कई तरह के ट्यूलिप देखने को मिल रहे हैं

टॉप 13 प्रदूषित शहर

शहर	देश	AQI
कुवैत सिटी	कुवैत	509
तेल अवीव-याफो	इजराइल	289
यरूशलम	इजराइल	189
वुहान	चीन	186
अलमाटी	कजाकिस्तान	181
डकार	सेनेगल	162
उलानबाटर	मंगोलिया	161
चोंगकिंग	चीन	156
रियाद	सऊदी अरब	154
लाहौर	पाकिस्तान	153
काहिरा	इजिप्ट	151
दिल्ली	भारत	143
कोलकाता	भारत	138

बढ़ते पारे, धूप की तपिश ने किया परेशान

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

रविवार को अधिकतम तापमान 28.5 दर्ज किया गया, जिस वजह से धूप की तपिश ने लोगों को परेशान किया। 17 व 18 फरवरी को बादल छाएंगे। 18 फरवरी को बूंदाबांदी की संभावना है। एक्सपर्ट के अनुसार अब सर्दियां लगभग खत्म हो चुकी हैं। रविवार को अधिकतम तापमान 28.5 डिग्री रहा। यह सामान्य से 4.1 डिग्री अधिक रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 11.1 डिग्री रहा। यह भी सामान्य से 0.1 डिग्री अधिक रहा। इससे पहले भी 10 फरवरी को तापमान 28.6 डिग्री दर्ज हुआ था। वहीं 2025 में भी 15 फरवरी को अधिकतम तापमान 28.6 डिग्री था। पूर्वानुमान के अनुसार सोमवार को आसमान साफ रहेगा। धूप तेज रहेगी। अधिकतम तापमान 28 डिग्री और न्यूनतम 12 डिग्री तक रह सकता है।

17 और 18 फरवरी को बूंदाबांदी के आसार

216 रहा दिल्ली का AQI

NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : भले इन दिनों राजधानी में प्रदूषण की स्थिति कुछ बेहतर है। इस बीच 18 फरवरी को प्रदूषण का स्तर बढ़ कर बेहद खराब होने की आशंका जताई गई है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के एयर बुलेटिन के अनुसार रविवार शाम को दिल्ली का एक्यूआई 216 रहा। पूर्वानुमान के अनुसार 16 व 17 फरवरी को प्रदूषण खराब स्तर पर रहेगा। 18 फरवरी को प्रदूषण बढ़कर बेहद खराब स्तर पर आ सकता है।

जूलरी शोरूम में चोरी के आरोपी आगरा से अरेस्ट

■ अनिल शर्मा, आगरा

रविवार को आगरा पुलिस ने एक अंतरराज्यीय चोर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए छह शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार करने और लगभग 50 लाख की कीमत की 22.5 किलो चोरी की चांदी और नकदी बरामद करने का दावा किया है। यह चांदी दिल्ली के आरके पुरम स्थित एक जूलरी शोरूम से चोरी की गई थी।

रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में डीसीपी पूर्वी अभिषेक अग्रवाल ने जानकारी देते हुए बताया कि आगरा की डौकी थाना पुलिस और सर्विलांस टीम ने रविवार को छह आरोपियों को गिरफ्तार किया। पूछताछ में इन्होंने बताया कि बरामद चांदी 14 फरवरी को दिल्ली के आरके पुरम स्थित चौहान जूलर्स से चोरी की थी। थाना आरके पुरम पुलिस से संपर्क करने पर घटना की पुष्टि हुई है। इसके अलावा आरोपियों ने आगरा के थाना शमशाबाद, निबोहरा, अछनेरा तथा अन्य क्षेत्रों में भी घरों और दुकानों के ताले तोड़कर चोरी की घटनाएं करना स्वीकार किया है।

AI Image

बीते शुक्रवार को आरके पुरम के चौहान जूलरी में हुई थी चोरी

चोरी के मोबाइल के साथ पकड़ा

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली : साउथ वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के वसंत कुंज नॉर्थ थाना पुलिस ने चोरी के फोन समेत एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान किशन के रूप में हुई है। तलाशी में उसके पास से पुलिस को मोबाइल और एक चाकू मिला। आरोपी के खिलाफ पहले भी चोरी का एक केस दर्ज है। डीसीपी अमित गोयल ने बताया कि वसंत कुंज नॉर्थ पुलिस टीम स्ट्रीट क्राइम पर अंकुश लगाने के लिए इलाके में गश्त कर रही थी। सुबह करीब साढ़े नौ बजे पुलिस टीम ने महिपालपुर बस स्टैंड के पास एक युवक को संदिग्ध परिस्थितियों में बस से नीचे उतरते देखा। पुलिस टीम ने युवक को पकड़ा तो तलाशी में एक चाकू तथा चोरी का फोन मिला। पूछताछ में युवक की पहचान रंगपुरी पहाड़ी निवासी किशन के रूप में हुई। बरामद मोबाइल छतरपुर मेट्रो स्टेशन से चोरी का है।

महिपालपुर बस स्टॉप के पास बस से उतरते हुए दबोचा

जानलेवा हमले में बदमाश गिरफ्तार

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: त्रिलोकपुरी में पुरानी रंजिश में मामा-भांजे पर चाकू और गोली चलाकर हमला करने वाले तड़ीपार बदमाश सरफराज उर्फ फराज नाम को क्राइम ब्रांच ने पकड़ा है। आरोपी के खिलाफ हत्या, हत्या की कोशिश, लूट के कुल 10 मामले दर्ज हैं। क्राइम ब्रांच डीसीपी संजीव कुमार यादव के मुताबिक, 25 जनवरी को त्रिलोकपुरी 27 ब्लॉक बस स्टैंड के पास मारपीट और फायरिंग की घटना हुई। पीड़ित ने बताया कि वह वहां मौजूद था, इस बीच 6-7 बदमाश आए और उस पर हमला कर दिया। इस दौरान पीड़ित ने मदद के लिए अपने मामा को मौके पर बुला लिया। बीच-बचाव के दौरान आरोपियों ने मामा पर गोली चला दी। सूचना पर मैदी मार्ग से आरोपी को दबोचा गया।

मर्डर प्लान कर रहा शूटर अरेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली: बुराड़ी में कारोबारी की हत्या की प्लानिंग कर रहे कौशल चौधरी गैंग के एक शूटर को क्राइम ब्रांच ने गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान कुलदीप सिंह के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के पास से एक पिस्टल, 5 कारतूस और स्कूटी बरामद की है।

क्राइम ब्रांच डीसीपी हर्ष इंदौरा के मुताबिक, आरोपी कुलदीप ने बताया कि पवन और गुरदीप ने उसे बुराड़ी के एक कारोबारी की हत्या करने का काम दिया था। वह अपने गिरोह का दबदबा बनाने के लिए कारोबारी की हत्या की योजना बना रहा था। इससे पहले ही पुलिस ने उसे दबोच लिया।

एक पिस्टल, 5 कारतूस और स्कूटी बरामद

त्रिलोकपुरी के सुमित का नोएडा में कार में मिला था शव

15 साल का साथ, फिर खामोश अंत, अब गली में पसरा सन्नाटा

■ अश्वनी शर्मा, नई दिल्ली

त्रिलोकपुरी एक्स्ट्रा 30/12 गली में शनिवार दोपहर से एक ही सवाल गूंज रहा था, 'ऐसा क्या हो गया जो बात जान पर आ गई।' सुमित के घर के बाहर चारपाइयों पर बैठे लोग हैरानी से एक-दूसरे का चेहरा देख रहे थे। मृतक सुमित के पिता राजबीर कहते हैं कि उस लड़की के लिए उसने अपना पूरा करियर बर्बाद कर लिया। वह न होती तो शायद सुमित आज एक अच्छा क्रिकेटर होता।

मूलरूप से बागपत के रहने वाले सुमित परिवार के साथ त्रिलोकपुरी में रहते थे। परिवार में पिता राजबीर, मां सुरेश, बड़ा भाई दीपक और भाभी हैं। बड़ी बहन की शादी हो चुकी है। माता-पिता एमसीडी में कार्यरत हैं। सुमित वॉटर सप्लाई का काम कर रहे थे। सुमित के चचेरे भाई सचिन ने बताया कि सुमित ने मयूर विहार एक्सटेंशन स्थित स्कूल से 12वीं की थी। स्कूल के दिनों में ही उसकी मुलाकात 10वीं में पढ़ने वाली इस लड़की से हुई। वहीं से दोस्ती की शुरुआत हुई। सुमित क्लब जोन में क्रिकेट खेलते थे। वहीं, पिता राजबीर ने बताया कि वह अंडर-19 भी खेल चुका था। हमें उम्मीद थी कि वह आगे बढ़ेगा।

पुलिस का कहना था कि सुमित ने आत्महत्या की है

त्रिलोकपुरी में सुमित के घर के बाहर जुटे पड़ोसी, नहीं हो रहा किसी को भरोसा
स्कूल के दिनों में ही सुमित की मुलाकात 10वीं में पढ़ने वाली लड़की से हुई थी

एक हादसा जिसने तोड़ दिए क्रिकेटर बनने के सपने

परिवार के अनुसार, वर्ष 2017 में सुमित उस लड़की को घर छोड़कर लौट रहा था, तभी एक्सिडेंट हो गया। हादसे में सुमित के दोनों पैरों और एक हाथ में रॉड डालनी पड़ी। महीनों तक वह बिस्तर पर रहा। क्रिकेट का सपना वहीं टूट गया। राजबीर कहते हैं कि धीरे-धीरे फिर से खेलने की कोशिश कर रहा था, लेकिन पहले जैसा नहीं हो पाया। उधर लड़की नोएडा की एक प्राइवेट कंपनी में काम करने लगी थी। दोनों के रिश्ते को लेकर जाति की आपत्तियां सामने आईं। राजबीर का कहना है कि उन्होंने बेटे की खुशी के लिए शादी के लिए हामी भर दी थी। वह हमारे घर के हर कार्यक्रम में आती थी।

बेटे के लिए लिया था फ्लैट

कुछ महीने पहले ही सुमित के कहने पर परिवार ने नोएडा में एक फ्लैट खरीदा था। पिता ने बताया कि लड़की ने शादी के बाद त्रिलोकपुरी में न रहने की शर्त रखी थी। शुक्रवार शाम करीब 4:30 बजे राजबीर ऑफिस से घर लौटे। पत्नी की तबीयत खराब थी, उन्हें डॉक्टर के पास ले गए। करीब 6 बजे उन्होंने सुमित को कॉल मिलाया तो फोन नहीं लगा। फिर बड़े बेटे दीपक को पता करने को कहा। तभी लड़की के जीजा का फोन आया। उसने उल्टा-सीधा बोलना शुरू कर दिया और बताया कि लड़की भी घर से गायब है। परिवार के मुताबिक, उसी दिन लड़की ने सुमित की भाभी को मैसेज कर झगड़े की बात बताई थी। सुमित के एक दोस्त ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि कुछ समय पहले जाति को लेकर लड़की पक्ष के लोगों ने सुमित को काफी कुछ कहा था।

आरोप का किया खंडन

मृतक युवती के पिता ने बताया कि उनकी तीन बेटियां हैं। बीच वाली बेटी ने दूसरी कास्ट में लव मैरिज की है। बड़ी वाली बेटी भी लव मैरिज कर पूने में रहती है। उन्होंने जातिवाद के आरोप का खंडन करते हुए कहा कि युवक के परिजन कभी शादी की बात करने के लिए उनके घर नहीं आए।

एक बदमाश एनकाउंटर में हुआ घायल, 9 फरवरी को हुई थी वैभव की हत्या

वैभव गांधी मर्डर केस में 5 बदमाश अरेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, बवाना इंडस्ट्रियल एरिया

कारोबारी वैभव गांधी की 9 फरवरी को हुई हत्या में पुलिस ने पांच बदमाशों को अरेस्ट किया है। इनमें से एक बदमाश को मुठभेड़ के बाद पकड़ा गया है। एनकाउंटर के दौरान पैर में गोली लगने से वह जख्मी हो गया। पुलिस यह पता लगा रही है कि आरोपियों का लॉरेंस गैंग या रणदीप मलिक के गैंग से लिंक है या नहीं।

आउटर नॉर्थ डीसीपी हरेश्वर वी स्वामी के मुताबिक 9 फरवरी की सुबह बवाना में बिजनेसमैन वैभव गांधी की गोली मारकर हत्या की गई थी। स्पेशल सीपी रवींद्र यादव के दिशा निर्देश में जॉइंट सीपी विजय सिंह के सुपरविजन में ACP जोगिंदर सिंह, SHO अखिलेश, इंस्पेक्टर विजय ने कई डेडिकेटेड टीमें बनाईं। दिल्ली-NCR के लगभग 1000 CCTV कैमरों को एनालाइज किया। लगातार पूछताछ में पता चला कि पहले आरोपियों में से एक रवि उर्फ रविंदर, जो किसी दूसरे बिजनेसमैन के साथ ड्राइवर का काम करता था, कुछ फाइनेंशियल ट्रांजैक्शन के लिए वैभव गांधी के ऑफिस में कई बार गया था। रविंदर उर्फ रवि ने वैभव गांधी के ऑफिस में पैसे होने की यह जानकारी संजय उर्फ ताऊ नाम के क्रिमिनल को दी थी, जिसके खिलाफ दिल्ली और UP में पहले से 60 केस दर्ज हैं। आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि वह कार समेत कैश को लूटकर भागना चाहते थे। लेकिन वैभव गांधी कार की चाबी लेकर भागे थे। चाबी छीनने के लिए बदमाशों ने पीछा करके गोली मारी थी।

संजय उर्फ ताऊ जो दूसरे क्रिमिनल्स के टच में था, उसने बिजनेसमैन को लूटने की साजिश रची। उसने अरुण नाम के बदमाश से कॉन्टैक्ट किया। इन्होंने जनवरी और फरवरी 2026 में घटना वाले दिन से पहले बवाना में ऑफिस के इलाके की तीन बार रेकी की। जैसे ही वैभव दिखे सभी आरोपी कार के पास आ गए। उन्होंने कार और कैश लूटने के लिए दो राउंड फायरिंग की। सभी लोग वैभव की कार से तीन बैग लेकर मौके से भाग गए, जिसमें कारोबारी की डायरी, लैपटॉप और फोन थे। पुलिस ने ऑपरेशन में मर्डर केस के मास्टर माइंड संजय उर्फ ताऊ और मुखबिर रविंदर उर्फ रवि को सुल्तानपुरी से गिरफ्तार कर लिया। कोर्ट से 5 दिन की पुलिस रिमांड मिली। बाद में खुलासे पर दो और आरोपी संदीप पुजारी और हरीश कुमार उर्फ सोनू को भी गिरफ्तार किया। 14 फरवरी की रात करीब 11:30 बजे मुठभेड़ के बाद मध्य प्रदेश के भिंड निवासी अरुण उर्फ पागल को पकड़ा। वह RTV में बस कंडक्टर है। इस मामले में पहले पकड़े गए सुल्तानपुरी निवासी संजय उर्फ ताऊ पर पहले से 50 से ज्यादा केस दर्ज हैं और वह इस हत्या में मास्टरमाइंड और हमलावर है।

गिरफ्तार संजय उर्फ ताऊ इस केस में मास्टरमाइंड और हमलावर है

पीटने और घसीटने में BBA के दो छात्र अरेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, गाजियाबाद : कविनगर एरिया में एनएच 9 पर डेकेटर की सड़क पर गिराकर पीटने और घसीटने के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। बताया जा रहा है कि दोनों ग्रेटर नोएडा के एक निजी कॉलेज से बीबीए की पढ़ाई कर रहे हैं।

एसीपी कविनगर सूर्यबली मौर्य ने बताया कि शनिवार को मारपीट का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। कुछ युवक एनएच-नौ पर एक व्यक्ति को गिरा-गिराकर बेरहमी से पीटते हुए नजर आ रहे थे। मामले में वेव सिटी निवासी पंकज कुमार ने अज्ञात के खिलाफ केस दर्ज कराया। कार नंबर के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई। गोविंदपुरम निवासी अनुज उर्फ आयुष और अंकित को गिरफ्तार कर लिया गया।

गला रेतकर महिला की हत्या

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

नॉर्थ-ईस्ट डिस्ट्रिक्ट के ज्योति नगर इलाके में महिला की गला रेतकर हत्या कर दी गई। मृतका की पहचान विमला देवी (55) के रूप में हुई है। लोकल पुलिस के अलावा क्राइम टीम व एफएसएल ने मौके पर पहुंचकर साक्ष्य जुटाए। मृतका का गला रेतने के अलावा उनके दोनों हाथों पर किसी तेजधार हथियार से कट के निशान मिले हैं। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

सूत्रों की मानें तो शुरुआती जांच में पता चला है कि महिला का कुछ परिजनों से प्रॉपर्टी को लेकर विवाद चल रहा था। पुलिस के मुताबिक विमला देवी परिवार के साथ अमर कॉलोनी, ज्योति नगर में रहती थीं। वह मूल रूप से एटा, यूपी की रहने वाली थीं। परिवार में पति महावीर के अलावा दो बेटे हैं। इनका एक बेटा राजस्थान में रहता है जबकि दूसरा बेटा घर से अलग रहता है। कुछ दिनों से इनके पति एटा, यूपी गए हुए थे। पुलिस अधिकारियों के अनुसार महिला के पति पड़ोसियों से पत्नी को देखने के लिए कह गए थे। रविवार सुबह जब वह सोकर नहीं उठीं तो पड़ोसी उनके घर पहुंचे और घटना का पता चला। फिलहाल पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर मामले की जांच कर रही है।

AI Image

विरोध... प्रदर्शन में कमल के परिवार के अलावा दिल्ली उत्तराखंड संगठन के पदाधिकारी और महिलाएं भी हुई शामिल

पहाड़ के लाल को न्याय दिलाने रोड पर उतरे लोग

■ नवीन निश्चल, जनकपुरी

जनकपुरी में गड्ढे में गिरकर कमल ध्यानी की मौत मामले में रविवार को बड़ी संख्या में लोग पीड़ित परिवार को न्याय दिलाने के लिए सड़क पर उतरे और धरना दिया। इस शांतिपूर्ण धरने में कमल ध्यानी के परिवार वाले, उनके दोस्त, कॉलोनी के लोग, RWQ से जुड़े लोग और महानगर दिल्ली उत्तराखंड प्रवास संगठन से जुड़े उनके पदाधिकारी और अन्य सदस्य शामिल हुए। सभी ने न्याय की मांग करते हुए सरकार तक अपनी आवाज पहुंचाने की कोशिश की। इस दौरान वहां बड़ी संख्या में पुलिस फोर्स भी मौजूद रही। वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के डीसीपी शरद भास्कर, अडिशनल डीसीपी पीयूष जैन, एसीपी, एसएचओ सहित काफी संख्या में पुलिसकर्मियों की टीम वहां तैनात रही।

सुबह 10 बजे से शुरू हुए इस विरोध प्रदर्शन में परिवार वाले घटनास्थल के पास बैनर लेकर बैठ गए। बाद में अन्य लोग भी वहां पहुंच गए। दोपहर 2 बजे तक सभी घटनास्थल के पास जमे रहे। कमल के भाई करण ने बताया कि पुलिस ने उन्हें 2 बजे के आसपास धरना खत्म करने के लिए कहा था। वे लोग दोपहर 2 बजे घटनास्थल से वापस चले गए। दूसरी तरफ दिल्ली उत्तराखंड संगठन से जुड़े पदाधिकारी और मेंबर वहां से नहीं हटे। करीब 4 बजे पुलिस ने उन्हें हिरासत में लिया और दूर ले जाकर छोड़ दिया। कई घंटे तक घटनास्थल पर गहमागहमी रही।

कमल ध्यानी के परिवार को न्याय दिलाने की मांग को लेकर हुआ प्रदर्शन

परिवार और संगठन के लोगों ने घटनास्थल पर दिया धरना, वहीं दूसरी तरफ एहतियात के तौर पर पुलिस भी तैनात रही

'जिनका कमाने वाला बच्चा चला जाए, उनसे पूछो हाल'
कमल ध्यानी के पिता नरेश ध्यानी ने कहा कि जिसका बच्चा जाता है, उनसे पूछो उन पर क्या बीतती है ? मेरा यह बच्चा घर में कमाने वाला अकेला था, उसकी कमाई से घर की आर्थिक स्थिति ठीक थी।

'परिवार से मिलने क्यों नहीं आईं मुख्यमंत्री'
महानगर दिल्ली उत्तराखंड प्रवासी संगठन से जुड़ी हुई महिलाओं का कहना था कि कहीं भी गड्ढे खोदकर छोड़ देते हैं। अब सरकार को जागना ही पड़ेगा। वोट के लिए नेता गली-गली जाते हैं। लेकिन मुख्यमंत्री अभी तक मिलने नहीं आईं।

'पहाड़ के लाल को न्याय दिलाकर ही रहेंगे हम लोग'
उत्तराखंड की कुसुम देवरानी और दिनेश ने कहा कि आज पुलिस ने हम लोगों की आवाज दबाने के लिए इतनी बैरिकेडिंग की है। गोपाल सिंह का कहना था कि हम लोग पहाड़ के लाल की मौत पर उसे न्याय दिलाकर रहेंगे।

'मुख्य आरोपी खुले में घूम रहे, परिवार सड़क पर'
उत्तराखंड से आईं महिलाओं का कहना था कि जितनी पुलिस अब लगा रहे हैं, पहले कर लेते तो यह नौबत नहीं आती। मेट्रो का काम देखना चाहिए। मुख्य आरोपी खुले में घूम रहे हैं, पीड़ित परिवार सड़क पर धक्के खा रहा है।

'जिनको मिली हुई है जमानत, उनका फिर करेंगे विरोध'
एडवोकेट महावीर सिंह ने बताया कि दो आरोपियों की जमानत हम लोगों ने रिजेक्ट करवाई है। दो अभी बेल पर हैं, 18 को डेट है। राजेश प्रजापति की डेट आज की लगी है, पहले भी हम लोगों ने जमानत का विरोध किया था।

पत्थर से कुचलकर दोस्त ने की हत्या, हुआ अरेस्ट

■ NBT रिपोर्ट, कोतवाली

चांदनी चौक में युवक की पत्थर से सिर कुचलकर हत्या के आरोप में मृतक कांचा नाम के शख्स के दोस्त को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान शामली निवासी जुनैद खान के रूप में हुई है। पुलिस ने आरोपी के खून से सने कपड़े और हत्या में इस्तेमाल पत्थर बरामद कर लिया है।

डीसीपी राजा बांठिया के मुताबिक, एसएचओ सुमन कुमार की टीम ने लगातार टेक्निकल और ग्राउंड लेवल पर जांच की। दरअसल 7 फरवरी को एक युवक का शव चांदनी चौक के पास गांधी पार्क में पड़ा मिला था। मौके से ऐसा कोई दस्तावेज नहीं मिला, जिससे मृतक की पहचान हो पाती। आसपास सीसीटीवी कैमरा भी नहीं थे। ऐसे में यह एक ब्लाइंड मर्डर केस था। टीम ने इलाके के आसपास, रेलवे स्टेशन, बस अड्डे व अन्य जगह करीब 250 से अधिक सीसीटीवी फुटेज खंगाले। लगभग 400 से अधिक लोगों से पूछताछ की। जांच में पता चला कि 6 फरवरी की रात मृतक एक युवक के साथ देखा गया था। फुटेज में दोनों दोस्त की तरह हाथ पकड़कर घूमते नजर आए। पुलिस ने लोकल सोर्स में फोटो शेयर की। पता चला कि युवक के साथ घूम रहा आरोपी जुनैद खान है, जो शामली का है। आरोपी की पहचान के बाद पुलिस ने 12 फरवरी की शाम खोया वाली गली, लेबर चौक से आरोपी को दबोच लिया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि मृतक कांचा उसका दोस्त था। वह बेघर था और लंबे समय से चांदनी चौक इलाके में फुटपाथ और पार्कों में रहता था। वह आसपास सोने वाले मजदूरों और बेघर लोगों की जेब काट लेता था।

वारदात वाले दिन गांधी पार्क में वह कांचा से मिला था। पार्क में कांचा ने उससे 500 रुपये मांगे मना किया तो वह उससे जबरन पैसे छीनने लगा। हाथापाई के दौरान जुनैद की कोहनी में चोट लग गई। तभी गुस्से में आकर उसने कांचा को बुरी तरह पीटा और पत्थर से सिर कुचल कर उसकी हत्या कर दी।

आरोपी के खून से सने कपड़े और पत्थर बरामद

AI Image

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 16-02-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH4 User: ccl Time: 02-15-2026 23:01 Color:

अब दिल्ली की हर ज़मीन का 'आधार कार्ड'

'भू आधार' सिस्टम के लागू होने से सीमा विवादों का होगा अंतः CM

NBT 3 मिनट में पढ़ें

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

यूएलपीआईएन सिस्टम प्रधानमंत्री के 'डिजिटल इंडिया' संकल्प को जमीन पर उतारने की दिशा मे क्रांतिकारी कदम है। मकसद जमीन के रिकॉर्ड को पारदर्शी बनाना है।
-रेखा गुप्ता, सीएम

जमीन से जुड़े विवादों और रिकॉर्ड की उलझनों को खत्म करने की दिशा मे बड़ा कदम उठाया गया है। लोगों को अपनी जमीन की पहचान के लिए कई दस्तावेजों की जरूरत नहीं होगी, एक ही नंबर से जमीन की पूरी जानकारी सामने आ जाएगी। यह दिल्ली की हर जमीन के आधार कार्ड से संभव होगा। सरकार ने दिल्ली की हर जमीन को 14 अंकों की विशिष्ट डिजिटल पहचान देने का फैसला किया है, जिसे 'भू आधार' प्रणाली के तहत यूनिक लैंड पार्सल आइडेंटिफिकेशन नंबर (यूएलपीआईएन) कहा जाएगा। इस पहल का मकसद जमीन के रिकॉर्ड को पारदर्शी, सुरक्षित और व्यवस्थित बनाना है, ताकि सीमाओं के विवाद कम हों और भ्रष्टाचार पर प्रभावी रोक लग सके। इसे डिजिटल मैपिंग, ड्रोन सर्वे और हाई-रिजॉल्यूशन भू-डेटा के जरिए लागू किया जाएगा, जिससे राजधानी की हर इंच जमीन का सटीक डिजिटल लेखा-जोखा तैयार हो सकेगा, जिसे 'भू आधार' कहा जाता है।

सीएम ने कहा कि इस प्रणाली को लागू करने की जरूरत लंबे समय से महसूस की जा रही थी। यह योजना भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय और भूमि संसाधन विभाग की है। मुख्यमंत्री के अनुसार, केंद्र सरकार की यह योजना साल 2016 की है, लेकिन पिछली सरकारों द्वारा इसे लागू नहीं किया गया। अब इसे 'मिशन मोड' पर लिया जा रहा है। इसे लागू करने का जिम्मा राजस्व विभाग की आईटी शाखा को सौंपा गया है, जो तीव्र सर्वेक्षण विभाग से भी सहयोग प्राप्त करेगी। सीएम के अनुसार, इसका 14 अंकों का कोड भू संदर्भित (Geo-referenced) होगा, जिससे जमीन के विवादों को कम किया जा सकेगा। इसके लिए आधुनिक तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। भारतीय सर्वेक्षण विभाग से करीब 2 टेराबाइट का हाई-क्वालिटी भू-स्थानिक डेटा और ड्रोन से ली गई विशेष तस्वीरें (ऑर्थो रेक्टिफाइड इमेज) ली जा रही हैं। इन आंकड़ों की मदद से दिल्ली के ग्रामीण इलाकों सहित उन सभी 48 गांवों के लिए सटीक यूएलपीआईएन तैयार किए जाएंगे, जो पहले से 'स्वामित्व योजना' में शामिल हैं। इस योजना के लिए पहले जारी किए गए 132.07 लाख रुपये का प्रबंधन भी आईटी शाखा ने ही किया था। अब सरकार एक तय प्रक्रिया (एसओपी) और समय सीमा के तहत इसे पूरी दिल्ली में लागू करने की तैयारी कर रही है।

हर इंच का डिजिटल हिसाब

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि दिल्ली सरकार राजधानी के हर नागरिक की संपत्ति और उसके अधिकारों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। 'भू आधार' केवल नंबर नहीं है, बल्कि यह भ्रष्टाचार और भूमि विवादों के खिलाफ शक्तिशाली डिजिटल हथियार है।

उन्होंने कहा कि अक्सर हम देखते हैं कि गरीब और मध्यम वर्ग के लोग अपने जीवन भर की कमाई से जमीन खरीदते हैं, लेकिन अस्पष्ट रिकॉर्ड्स के कारण वे कानूनी विवादों में फंस जाते हैं। यह 'जमीन के लिए आधार' के रूप में काम करेगा, जिससे हर इंच जमीन का डिजिटल हिसाब होगा।

पूर्वी दिल्ली को आज ₹1075 करोड़ की सौगात

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली:** सीएम रेखा गुप्ता आज पूर्वी दिल्ली के लोगों को 1075 करोड़ के विकास कार्यों की सौगात देंगी। पूर्वी दिल्ली झिलमिल इलाके में इस संबंध में एक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जहां सीएम विकास कार्यों का शिलान्यास करेंगी। इस दौरान केंद्रीय मंत्री हर्ष मल्होत्रा और दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह भी मौजूद रहेंगे।

झिलमिल इलाके में आज सीएम विकास कार्यों का शिलान्यास करेंगी

पीडब्ल्यूडी अफसरों के अनुसार, पूर्वी दिल्ली में विभाग से संबंधित कई प्रोजेक्ट का सोमवार को शिलान्यास किया जाएगा। ड्रेनेज सिस्टम से संबंधित कुछ काम सिंचाई व बाढ़ विभाग का भी है, जिसका शिलान्यास किया जाएगा। इन कार्यों में ट्रंक ड्रेन-1 पर एलिवेटेड रोड का निर्माण भी शामिल हो सकता है। इसके अलावा नालों की सफाई और सड़कों पर बने गड्ढों की मरम्मत की कई परियोजनाओं का शिलान्यास किया जा सकता है।

ब्यूटी एक्सपर्ट से सीखें मिनटों में पार्लर जैसा मेकअप करना

NBT रंगमंच Club

इंस्टा फोटो के लिए खूबसूरत दिखना है, मगर मेकअप करने का सही तरीका नहीं आता? पार्टी और शादी में ढेर सारी रील बनानी हैं लेकिन पार्लर जाने के लिए टाइम नहीं है, तो क्यों ना आप खुद ही अपनी मेकअप आर्टिस्ट बन जाएं। ऐसे में अगर आपको मेकअप करना नहीं आता और आप बार-बार पार्लर में खर्चा करने से बचना चाहती हैं तो एनबीटी रंगमंच क्लब आपके लिए लेकर आया है ब्यूटी बेसिक्स स्पेशल वर्कशॉप। इस वर्कशॉप में ब्यूटी एक्सपर्ट जेनब एस. सिद्दीकी लाइव डेमो में आपको कम समय में मेकअप करने का सबसे आसान और सही तरीका सिखाएंगी, साथ ही मेकअप से जुड़े आपके तमाम सवालों के जवाब भी देंगी। तो देर किस बात की है, वर्कशॉप में शामिल होने के लिए आज ही रजिस्टर करें।

- **तारीख:** 18 फरवरी 2026
- **समय:** दोपहर 3 बजे से शाम 4 बजे तक
- **स्थान:** टाइम्स हाउस, बहादुरशाह जफर मार्ग, आईटीओ, नई दिल्ली

जेनब एस. सिद्दीकी (ब्यूटी एक्सपर्ट)

लाइव डेमो में सीखें मेकअप करना
- मिनटों में पार्लर जैसा मेकअप
- शादी-पार्टी जैसा मेकअप
- मेकअप बिगड़ने पर उसे ठीक करने का तरीका
- ब्यूटी बेसिक्स होली में स्किन केयर के टिप्स

रजिस्ट्रेशन के लिए 7003890071 पर कॉल/वट्सऐप करें।

27 से 29 मार्च 2026 तक साहित्य और रंगमंच का सफर

ढाई आखर : हिंदी भवन में सजेगा शब्दों और सुरों का महासंगम

रविवार को उत्सव का उद्घोष किया गया। साहित्योत्सव का यह मंच अलग-अलग स्वरों और विचारों की साझी अभिव्यक्ति का मंच होगा

■ NBT न्यूज, नई दिल्ली

दिल्ली के हिंदी भवन में रविवार को ढाई आखर 'विरासत से भविष्य तक, साहित्य उत्सव का उद्घोष किया गया। यह उत्सव 27, 28, 29 मार्च 2026 को आयोजित किया जाएगा। इस उत्सव की परिकल्पना में मूल भावना यह है कि साहित्य, रंगमंच, सिनेमा और कलाओं की विभिन्न पीढ़ियों को एक मंच से देखा-सुना जाए। एक तरह से यह साहित्योत्सव पीढ़ियों के अंतराल को पाटते हुए साहित्य और कलाओं के वैविध्य को एक ही मंच पर लाएगा। साहित्योत्सव का यह मंच अलग-अलग स्वरों और विचारों की साझी अभिव्यक्ति का मंच होगा। यह एक अनूठा प्रयोग है। इसमें हर उम्र के लिए बहुत कुछ होगा।

पत्रकारिता के महान सवाल भी इस उत्सव में होंगे

ढाई आखर में एक तरफ जहां वरिष्ठ कवियों को सुनने का मौका मिलेगा तो दूसरी तरफ युवा आवाजों को भी सुन पाएंगे। इसमें जहां एक तरफ स्त्री साहित्य होगा तो दूसरी तरफ कबीर गायन। एक तरफ जहां साहिर-अमृता की दास्तान होगी तो दूसरी तरफ नाटक 'बिटेसिया' के लोकरंग भी। इतना ही नहीं, ढाई आखर में नई हिन्दी के नए किस्से होंगे तो दूसरी तरफ पत्रकारिता के महान सवाल भी। इस साहित्योत्सव का साक्षी होने के लिए आप सभी को साहित्य और कलाओं के इस महा संगम में शामिल होने के लिए आमंत्रण है। इस साहित्योत्सव का मीडिया पार्टनर नवभारत टाइम्स है।

सुरेन्द्र शर्मा को व्यंग्यश्री सम्मान

सुरेन्द्र शर्मा को वैसे तो उनकी उपलब्धि के लिए कई सम्मान मिल चुके हैं। वह पद्मश्री हैं। इस बार हिंदी भवन ने उन्हें व्यंग्यश्री सम्मान 2026 से सम्मानित किया है। व्यंग्यश्री सम्मान महान हिन्दी सेवी, हास्य व्यंग्य के महान कवि, वरिष्ठ पत्रकार और हिन्दी भवन के संस्थापक पंडित गोपाल प्रसाद व्यास जी के जन्मदिन के अवसर पर हर साल दिया जाता है। व्यंग्यश्री सम्मान देने की शुरुआत हिन्दी भवन की स्थापना के साथ हुई थी। इस अवसर पर कई जाने-माने कवियों ने अपने अनुभव साझा किए। इनमें उदय प्रताप सिंह, गोविंद व्यास, गोपाल चंद मिश्र, वेद प्रकाश वेद, अरुण जैमिनी, चिराग जैन समेत कई दूसरे कवि भी मौजूद थे। अपने चिर-परिचित अंदाज में सुरेन्द्र शर्मा ने 'एक महान व्यक्ति यानी मैं' यानी खुद ही व्यंग्य सुनाया।

कई जगहों पर शोभायात्रा का आयोजन भी किया गया

महाशिवरात्रि पर सुबह से ही जलाभिषेक के लिए पहुंचे श्रद्धालु

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

महाशिवरात्रि पर राजधानी के अलग-अलग मंदिरों में श्रद्धालुओं के बीच भारी उत्साह देखने को मिला। सुबह से ही मंदिरों में श्रद्धालु पहुंचना शुरू हो गए।

झंडेवालान मंदिर में महाशिवरात्रि पूरी धूमधाम से मनाई गई। नीचे गुफा वाले शिवालय में सुबह 6 से रात 9 बजे तक श्रद्धालुओं ने रुद्राभिषेक किया। जिन श्रद्धालुओं ने ऑनलाइन बुकिंग करवाई थी उन्हें रुद्राभिषेक के लिए इंतजार नहीं करना पड़ा। ऊपर बने नए शिवालय में सुबह से ही भक्तों में जल चढ़ाने के लिए लंबी लाइनें लगी हुई थीं। मंदिर एग्जिट गेट नंबर दो पर भक्तों को प्रसाद दिया गया। छतरपुर स्थित श्री आद्य कात्यायनी शक्तिपीठ मंदिर ट्रस्ट में सात शिवलिंगों पर श्रद्धालुओं ने पूजन किया। यह शिवलिंग मुख्य मंदिर यज्ञशाला, नागेश्वर मंदिर, दुर्गा आश्रम, शिव मंदिर किलेश्वरी भवानी कुंज मंदिर और संत निवास में स्थित हैं। चांदनी चौक स्थित गौरी शंकर मंदिर परिसर में भी भक्तों ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। बाहरी हिस्से को रंग-बिरंगी लाइटों से सजाया गया था। भीड़ को कंट्रोल करने के लिए बैरिकेडिंग रही। निगम बोध घाट पर स्थित नीली छतरी मंदिर में भी श्रद्धालुओं की भीड़ जुटी। यहां भी देर शाम तक भक्त शिवजी का जलाभिषेक करने आते रहे।

धानक समाज ने महाशिवरात्रि पर शोभायात्रा का आयोजन किया। यह यात्रा सदर थाने से मोतिया खान, आराकाशा रोड, राम नगर, नबी करीम, सिंघाड़ा चौक से होते हुए खारी कुआं पर पहुंचकर संपन्न हुई। यात्रा में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं और पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। यहां सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने कहा कि महाशिवरात्रि केवल धार्मिक पर्व ही नहीं, बल्कि सामाजिक समरसता और आपसी भाईचारे का संदेश देने वाला अवसर है। विधायक इमरान हुसैन ने कहा कि भारतीय संस्कृति में शिवभक्ति का विशेष महत्व है। शोभायात्रा के दौरान भगवान शिव की आकर्षक झांकियां, भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

मंदिरों में भारी उत्साह

Photos : Surender Kumar, Rajesh Mehta

सभी प्रमुख मंदिरों में देर शाम तक भक्त शिवजी का जलाभिषेक करने आते रहे। आकर्षक झांकियां, भजन-कीर्तन का भी आयोजन हुआ

NBT नवभारत टाइम्स | NBT रंगमंच Club

स्पीकिंग ट्री रिट्रीट

योग गुरु सुरक्षित गोस्वामी के सान्निध्य में

गंगा किनारे, हिमालय की गोद में आत्म अनुभव के योग, ध्यान, मौन और आध्यात्मिक जागरूकता का दिव्य संगम। चार दिवसीय इस रिट्रीट में होगा ऊर्जा, संतुलन और आंतरिक शांति का संचार। **योग गुरु सुरक्षित गोस्वामी** के मार्गदर्शन में यह यात्रा आपके जीवन को नया आयाम दे सकती है। स्वस्थ एकत्र रहना और तीन वक्त का भोजन शामिल है।

सीटें सीमित हैं, आज ही पंजीकरण करें।
*(शर्तें लागू)

- **स्थान:** परमार्थ निकेतन, ऋषिकेश
- **तिथि:** 27 से 30 मार्च 2026

शुल्क मात्र ₹13,000 प्रति व्यक्ति

रजिस्ट्रेशन कराने के लिए 9910475909 पर सुबह 10 बजे से शाम 7 बजे के बीच कॉल करें या अपनी डिटेल वट्सऐप पर भेजें।

भव्य झांकियां, सुबह से अभिषेक

■ **रमेश जैन, नई दिल्ली:** सभी मंदिरों में महाशिवरात्रि धूमधाम से मनाई गई। गौरीशंकर मंदिर, चांदनी चौक में पंडित तेज प्रकाश शर्मा के अनुसार रात्रि चार पहर की आरती बड़ी श्रद्धापूर्वक की गई। भगवान शिव के महारानाधिराज, बूढ़े बाबा, दूल्हा-दुल्हन व कैलाश गमन रूप की भव्य झांकियां सजाई गईं। सुबह से ही पूजन, अभिषेक और आरती के समय भक्तों की भारी भीड़ उमड़ी रही। शिवशंकर आरती मंडल के प्रधान महेंद्र भारद्वाज के अनुसार बनखंडी महादेव मंदिर से भव्य शिव बारात कौड़िया पुल, नया बाजार, फतेहपुरी, जामा मस्जिद से गौरी शंकर मंदिर तक निकाली गई। सिद्धपीठ कालकाजी मंदिर में महंत सुरेंद्र नाथ के सान्निध्य में जल, दूध, दही, घी, शहद से वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भगवान शिव का अभिषेक किया गया। प्राचीन शिव मंदिर, संध्यापुरी संन्यास आश्रम आईपी स्टेडियम में महंत धीरेंद्रपुरी के सान्निध्य में तीन दिन का शिवरात्रि उत्सव रुद्राभिषेक से शुरू हुआ। ब्रह्माकुमारीज के मालवीय नगर सेवा केंद्र द्वारा लक्ष्मीनारायण मंदिर वाटिका में 5 दिन का बाबा अमरनाथ दर्शन मेला लगाया गया। **पंचकल्याणक महोत्सव शुरू:** श्री दिगंबर जैन लाल मंदिर चांदनी चौक का पंचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव आचार्य श्री श्रुतसागरजी और सौरभसागरजी महाराज के सान्निध्य में भव्य घट यात्रा के साथ शुरू हुआ।

स्पीकिंग ट्री धर्म कर्म

दिल्ली की खबरों के लिए एक्स पर फॉलो करें @NBTDilli

TIMES TRIBUTE
PAYING HOMAGE TO THE DEPARTED SOUL

To book your ad | Logon to: ads.timesofindia.com or Call: 18001205474 (Toll Free) | Scan QR Code

Smriti Sabha

We are deeply saddened by the demise of
Shri Hulasmal Lalani
Smriti Sabha will be held on
Monday 16th February 2026 from **3:00 pm** to **4:00 pm**
at
Anuvrat Bhawan
210, Deen Dayal Upadhyay Marg (Rouse Avenue)

In Grief:

Sons & Daughters in Law
Vikas & Sapna Lalani
Mayank & Abhilasha Lalani
Daughter & Son in Law
Smita & Manish Dhariwal
Grand Children
Ayushman Lalani
Rishab & Arhana Dhariwal
Raghav Dhariwal
Kshitij Lalani
Aadit Lalani
Manya Lalani

Brothers & Sisters in Law
Todarmal & Durga Lalani
Hansraj & Jyoti Lalani
Nephews & Nieces
Kunal & Vimi Lalani
Seema & Jaikumar Kochar
Varsha & Rajendra Bengani
Rachna & Sunil Bothra
Vishal & Seema Lalani
Virat & Anju Lalani
Plasopan Engineers India Pvt. Ltd.
Indications Instruments Ltd.
Crayons Advertising Ltd.

REMEMBRANCE SHARING MEMORIES

In Loving Memory of Our Dear Parents
SH. O.P VERMA & SMT. LAKHI DEVI
You will remain alive in our hearts forever and always.
Family Members
Omsons Jewellers, South Extn.-I

"HONOUR. COURAGE. BRAVERY. Three words that you taught us. Three words that help us cope with your loss".

The silent joy of remembering a loved one. The moments you shared together. Little moments that make life beautiful.
Share them. With Friends. Relatives. Neighbours. Colleagues. With all those whose lives the departed Soul has touched. Because while life goes on, when you share memories, they stay on forever.

Publications	Total Outlay
The Times of India Delhi/NCR	5,600
TOI+NBT (Delhi/NCR)	8,800
TOI+ET (Delhi/NCR)	6,600

Maximum 10 lines

REMEMBRANCE SHARING MEMORIES
For any information call
Vinod : 9958992088
Pankaj : 8130604727

'Life is one eternal struggle between the forces of good and evil.'
Sree Sree Zarathushtra

शोक सन्देश

पुण्यतिथि

चौतीसवीं पुण्य तिथि

लाला आत्माराम जी गोयल
(सकुन वाले)
1905 - 16.02.1992
आपकी चौतीसवीं पुण्यतिथि पर श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। हम आपके बताए गए आदर्शों व मूल्यों के लिए प्रतिबद्ध एवं दृढ़ संकल्पित हैं। तथा आपके दिखाए गए मार्ग पर चलने के लिए कटिबद्ध हैं।
पुत्र, पुत्रवधु, पोते, पौत्रवधु, पड़पोते
जनकपुरी, विकासपुरी, मायापुरी, नई दिल्ली
(के.एल. गोयल-पुत्र)
मो.: 9810209581

TO BOOK AN OBITUARY & REMEMBRANCE AD PLEASE CONTACT
VINOD : 99589 92088
PANKAJ : 81306 04727

AAP का ऐलान, निकाले गए संविदा कर्मियों संग जंतर मंतर पर प्रदर्शन

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली** : आप ने बीजेपी सरकार में नौकरी से निकाले गए संविदा कर्मचारियों की आवाज जंतर-मंतर पर बुलंद करने की तैयारी तेज कर दी है। रविवार को 'आप' के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने नौकरी से निकाले गए सभी संविदा कर्मचारियों को एक मार्च को जंतर मंतर पहुंचने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी बस मार्शल, डीटीसी कंडक्टर-ड्राइवर, अस्पताल के डेटा एंट्री ऑपरेटर, नर्स, फार्मासिस्ट, मोहल्ला क्लिनिक के लिए आवाज उठाएगी।

सौरभ ने कहा कि डिम्स के 400 लोग हमारे साथ हैं और हम 10 हजार बस मार्शलों और 6,000 अन्य कर्मचारियों से बात करेंगे। सरकार के अस्पतालों में पिछले 10 साल से काम कर रहे डेटा एंट्री ऑपरेटरों को एक-एक करके हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि हमें इस सरकार को अपनी संख्या बल दिखानी होगी। हमारे पास 15 दिन का समय है।

अपनी राजनीति चमकाना चाहती है AAP: बीजेपी

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली** : दिल्ली बीजेपी प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि जो संविदा कर्मचारियों के समक्ष रोजगार समस्या है, उसके लिए केजरीवाल सरकार है। केजरीवाल ने सैकड़ों पार्टी कार्यकर्ताओं को नौकरियों में भर्ती करने के चक्कर में हजारों को बिना प्रशासनिक नियमों का पालन किए बस मार्शल से लेकर स्वास्थ्य कर्मी के रूप में संविदा नौकरियों पर भर्ती कर लिया और जांच शुरू होते ही अपने ही शासनकाल में खुद केजरीवाल ने इन्हें बर्खास्त कर दिया था। अब संविदा कर्मियों के कंधे पर बैठकर उन्हें गुमराह कर अपनी राजनीति चमकाना चाह रही है।

TIMES TRIBUTES
RATE CARD

Publications	Rates per sq. cms
TOID Capital + NBT (Delhi+NCR)	1295
TOID Full Run ## + NBT (Delhi+NCR)	1360
THE TIMES OF INDIA (Delhi+NCR)	780
THE TIMES OF INDIA (Delhi) Full Run##	900
NAVBHARAT TIMES (Delhi+NCR)	595
THE ECONOMIC TIMES (Delhi+NCR)	715
SANDHYA TIMES (Delhi)	100

Rates effective: 5th June 2019

▸ *Placement on specified obit pages only. ▸ This rate benefit is extended up till the size of 320 sq. cm only. ▸ ## Full run includes Delhi City + NCR (Including Gurgaon + Noida) + Chandigarh + Western U.P. + Uttarakhand ▸ TOI Capital (Delhi & NCR) Includes TOI Gurgaon & TOI Noida.

To place an Obituary announcement or Remembrance message please call
Vinod: 9958992088
Pankaj : 8130604727

समितियों में सक्रिय भागीदारी पर जोर

■ **NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली** : दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने विधानसभा समितियों की कार्यक्षमता और जवाबदेही मजबूत करने के मकसद से आठवीं विधानसभा की विभिन्न सदन समितियों के सदस्यों को परामर्श जारी किया है। साथ ही सामान्य प्रशासन विभाग ने भी पत्र जारी कर समिति बैठकों में वरिष्ठ अधिकारियों की अनिवार्य उपस्थिति के निर्देश दिए हैं। इस कदम का मकसद समितियों की कार्यवाही को अधिक प्रभावी बनाना है।

कच्ची उम्र पक्के जुर्म पार्ट-1

जघन्य से लेकर स्ट्रीट क्राइम तक के जुर्म को अंजाम दे रहे हैं राजधानी के नाबालिग। चाकूबाजी और पिस्टल तक उनके हाथों में पहुंच चुका है। गैंगस्टर्स भी ऑर्गनाइज्ड क्राइम में कच्ची उम्र के लड़कों का इस्तेमाल कर रहे हैं। इसी पर फोकस है एनबीटी की यह सीरीज।

दिल्ली में तेज़ी से बढ़ रही क्राइम में नाबालिगों की भागीदारी

अपराध के दलदल में धंसता बचपन

दिल्ली में बढ़ता नाबालिग अपराध एक गंभीर चुनौती बन गया है। विशेषकर झुग्गी-बस्तियों के 12 से 17 वर्ष के टीनेजर्स तेजी से जघन्य वारदात में शामिल हो रहे हैं। पुलिस की सख्ती के बावजूद बढ़ता ग्राफ और विशेषज्ञों की चेतावनी भविष्य के खतरनाक संकेत दे रही है। पेश है *अश्वनी शर्मा* की रिपोर्ट:

लगातार कर रहे हैं वारदात

एक्सपर्ट्स मानते हैं कि अगर जल्द ही इस समस्या का समाधान नहीं हुआ तो आने वाले समय में हालात बदतर हो सकते हैं। एक नजर कुछ बड़े मामलों पर।

12 फरवरी 2026

चाकू से गोदकर हत्या, 4 पकड़े

नरेला इंडस्ट्रियल एरिया के बवाना जेजे कॉलोनी में 17 साल के नाबालिग को चाकू गोद कर मार दिया। सात आरोपियों को पकड़ा गया, जिनमें चार जुवेनाइल थे।

11 फरवरी 2026

टोपी लेने के विरोध पर मर्डर

रोहिणी के विजय विहार इलाके में टोपी लेने का विरोध करने पर नाबालिग को दो दोस्तों ने ही चाकू मार दिया। दो दिन बाद मौत हुई तो हत्या का खुलासा हुआ।

9 फरवरी 2026

स्कूल के सामने ही ले ली जान

बाहरी दिल्ली के मंगोलपुरी एरिया में 25 दिन पहले हुए झगड़े में 15 साल के छात्र की हत्या को सरकारी स्कूल के सामने चार नाबालिगों ने अंजाम दिया।

अपराध करना बन गया है इनके लिए 'खेल'

एक वक्त था, जब निम्न आय वर्ग की बस्तियों वाली गलियों में लड़कों की गिल्ली-डंडा, लट्टू, कंचे और क्रिकेट खेलने का शोर गूंजता था। अब उन्हीं गलियों में मर्डर, रेप, कातिलाना हमला, डकैती और लूट की ताबड़तोड़ वारदात से पुलिस का सायरन बजता है। आखिर छोटी उम्र की यह पीढ़ी क्यों राह भटक रही है? जमीनी पड़ताल करने पर जो सच उजागर हुआ, वो बताता है कि नाबालिगों के जुर्म की जड़ें परिवार, परिवेश और सामाजिक उपेक्षा में गहराई तक धंसी हुई हैं। विशेषज्ञ मानते हैं कि जुवेनाइल से जुड़े करीब 75% मामले झुग्गी-झोपड़ी और पुनर्वास बस्तियों से हैं। लगभग 22% लोअर मिडल क्लास तो महज 3% मिडल क्लास परिवारों से आते हैं। यह सिर्फ आंकड़े नहीं हैं, बल्कि उस सामाजिक ढांचे की कहानी है, जहां बचपन-लड़कपन धीरे-धीरे खोता जा रहा है।

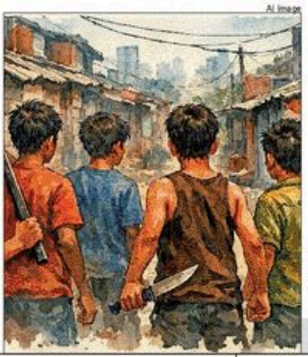

AI Image

यह डेटा हर वारदात में पकड़े गए नाबालिगों की संख्या को लेकर है।

तेज़ी से बढ़ रहा गंभीर जुर्म करने का भी ग्राफ

दिल्ली पुलिस के आंकड़े बताते हैं कि हत्या में 2024 की तुलना में 2025 में 17 नाबालिग ज्यादा शामिल थे तो जानलेवा हमले में 123 अधिक जुवेनाइल शामिल रहे। डकैती में आठ नाबालिग ज्यादा पकड़े गए तो लूट में 109 अधिक लड़के शामिल थे। रेप की बात करें तो 2024 की तुलना में 2025 में 80 नाबालिग ज्यादा लिप्त पाए गए। दिल्ली में 2024 में जहां सभी तरह के जुर्म में शामिल नाबालिगों की तादाद 3270 रही तो 2025 में इसका ग्राफ 3833 तक पहुंच गया। एनसीआरबी के आंकड़ों के मुताबिक, राजधानी में 2023 में आरोपियों के तौर पर 3098 नाबालिग पकड़े गए थे। इससे ज्यादा महाराष्ट्र (3970) और मध्य प्रदेश (3619) था।

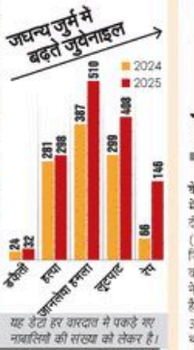

अनजाने में अनदेखी करना भी है वजह

एक्सपर्ट्स बताते हैं कि झुग्गी-झोपड़ी और पुनर्वास बस्तियों में रहने वाले अधिकतर माता-पिता दिहाड़ी मजदूर होते हैं। सुबह से शाम तक जॉब की जद्दोजहद में बच्चों के जीवन से अनजाने में दूर हो जाते हैं। बच्चे स्कूल से लौटते हैं तो मार्गदर्शन देने वाला कोई नहीं होता। शाम तक थके-हारे लौटे माता-पिता के पास अक्सर यह पूछने का समय नहीं होता कि दिनभर क्या हुआ। धीरे-धीरे बच्चों की दिनचर्या पर से परिवार की नजर हट जाती है। छोटे घर, सीमित जगह और निजी स्पेस का अभाव भी समस्या को गहरा करता है। जिज्ञासा से शुरू हुई नकल धीरे-धीरे आदत बन जाती है, जल्द लत में बदल जाती है।

करवट लेती उम्र मांगे अच्छी गाइडेंस

एक्सपर्ट के अनुसार, 12-17 वर्ष की उम्र अधिक संवेदनशील होती है। इस दौर में बच्चे तेजी से सीखते हैं-चाहे सही हो या गलत। जब परिवार सही-गलत का फर्क समझाने में विफल रहता है तो सड़क, पड़ोस, सोशल मीडिया और गलत संगति उनके टीचर बन जाते हैं। एक पुलिस अधिकारी कहते हैं, अगर माता-पिता रोज कुछ मिनट बच्चों से बातचीत करें तो कई अपराध जन्म लेने से पहले ही रोके जा सकते हैं। लोअर मिडल क्लास परिवारों में समस्या का स्वरूप अलग है। छोटे घरों में साफ सीमाओं का अभाव, संवाद की कमी और सेक्स एजुकेशन की गैरमौजूदगी कई बार गलत जिज्ञासा और दबाव की ओर धकेल देती है।

मनोचिकित्सक की राय...

'कंडक्ट डिसऑर्डर से होती है शुरुआत'

राम मनोहर लोहिया अस्पताल के प्रोफेसर साइकेट्री डॉ. लोकेश शेखावत बताते हैं कि बच्चों में दिखने वाला हिंसक या नियम तोड़ने वाला व्यवहार हमेशा 'सिर्फ शरारत' नहीं होता। कई मामलों में यह एक गहरी मानसिक स्थिति का संकेत हो सकता है, जिसे मनोविज्ञान की भाषा में 'कंडक्ट डिसऑर्डर' कहा जाता है। ये अक्सर नकारात्मक या आपराधिक छवि वाले लोगों को ही अपना रोल मॉडल मान लेते हैं। हिंसात्मक खेलों और जोखिम भरे व्यवहार की ओर आकर्षण बढ़ जाता है। ये समझ नहीं पाते कि उनके व्यवहार से दूसरों को कैसी पीड़ा होती है। ऐसे बच्चे टीनएज तक नशा, ग्रुप या गैंग बनाना, 'बड़ों जैसा' आक्रामक व्यवहार और छोटी-छोटी बातों पर हिंसक होने लगते हैं। कई मामलों में शुरुआत छोटी चोरी या लूट से होती है, जो गलत संगति और आपराधिक तत्वों के प्रभाव में आकर बड़े अपराधों तक पहुंच जाती है।

350 मीटर की दूरी पर चौकी, 400 मीटर पर थाना, फिर भी कर दिया मर्डर

■ नवीन निश्चल, हरि नगर

वेस्ट डिस्ट्रिक्ट के हरि नगर थाना इलाके में एक शख्स की चाकू मारकर हत्या कर दी गई। मृतक की पहचान हरीश कंडवाल (46) के रूप में हुई है। जो द्वारका जिला के उत्तम नगर के रहने वाले थे। घटनास्थल पर लोगों ने बताया कि जहां पर वारदात हुई है, उससे पुलिस चौकी लगभग 350 मीटर की दूरी पर है और थाना लगभग 400 मीटर है। इसे जोड़कर पिछले 13 दिन में वेस्ट डिस्ट्रिक्ट में 4 मर्डर की वारदात हो चुकी है। मृतक के परिवार वाले इतने सदमे में हैं कि जब वो दीन दयाल उपाध्याय हॉस्पिटल में पहुंचे तो उन्होंने कुछ भी बात नहीं की।

हरि नगर में 14 फरवरी की रात हुई वारदात, NGO का डायरेक्टर गिरफ्तार

डीसीपी शरद भास्कर ने इस वारदात की पुष्टि करते हुए बताया कि हत्या के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया है। उसकी पहचान असीम अली (46) के रूप में हुई है। वो एक NGO का डायरेक्टर है और फर्श बाजार इलाके का रहने वाला है। पुलिस को 14 फरवरी की रात डीडीयू हॉस्पिटल से सूचना मिली थी। एक घायल शख्स को हॉस्पिटल लाया गया था, जिन्हें डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। वारदात के पीछे फाइनेंशल डिस्प्यूट का कारण पुलिस को पता चला है। जिसके कारण डायरेक्टर ने चाकू से गला पर वार करके जान ले ली। मरने वाला भी उसी NGO में आरोपी के साथ जुड़ा हुआ था। यह भी पता चला कि दोनों शनिवार को दिन में ज्यादातर समय साथ-साथ घूम रहे थे।

MDI GURGAON Established in 1972 | Management Development Institute
AACSB | AMBA | EQUIS

ADMISSIONS OPEN FOR 2026

POST GRADUATE DIPLOMA IN MANAGEMENT - BUSINESS ADMINISTRATION (PGDM-BA) Non-Residential

- 24-month Programme For Working Professionals
- Classes are conducted in evening/weekend at MDI Gurgaon campus

MDI GURGAON IS NOW
- Triple Crown Accredited
- #9th NIRF Rankings 2025

PROGRAMME HIGHLIGHTS
- An opportunity to pursue management education along with the job.
- Specialisations in Marketing, Finance, Operations, HR, Strategy, Information Management etc.
- Interactive & participative methods of learning and methodology.
- Continuous industry engagement through guest lectures by senior corporate executives.
- Strong and vibrant alumni network.

To Apply Scan QR Code

ADMISSION THROUGH VALID GMAT/CAT/XAT/ATMA/MAT/CMAT test score

0124-4560793/4560000 executiveadmissions@mdi.ac.in www.mdi.ac.in

दिल्ली में बिजली का 'डिजिटल बाज़ार', पड़ोसी को बिजली बेच कर सकेंगे कमाई

DERC की नई गाइडलाइंस जारी, मोबाइल ऐप से तय होंगे दाम

■ NBT रिपोर्ट, नई दिल्ली

दिल्ली इलेक्ट्रिसिटी रेगुलेटरी कमीशन (डीईआरसी) ने दिल्ली के बिजली वितरण कंपनियों के लिए जो वर्चुअल नेट मीटरिंग की नई गाइडलाइंस जारी की है, उसके तहत उपभोक्ता आपस में ही बिजली खरीद-फरोख्त कर सकते हैं। तीनों बिजली वितरण कंपनियां (बीएसईएस, टाटा पावर डीडीएल और एनडीएमसी) को अपने क्षेत्र में ऐसे 1000-1000 कंज्यूमर्स तैयार करने हैं।

बिजली वितरण कंपनियों के अनुसार, डीईआरसी ने वर्चुअल नेट मीटरिंग की जो नई गाइडलाइंस जारी की हैं, उसके अनुसार नेट मीटरिंग एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें आपके घर या बिल्डिंग की छत पर सोलर पैनल लगा है, तो आप अपनी जरूरत से अधिक बनी बिजली को बिजली वितरण कंपनी को वापस भेज सकते हैं। जब आप ग्रिड से बिजली लेते हैं, तो मीटर उसे रिकॉर्ड करता है। जब कोई अतिरिक्त सोलर बिजली ग्रिड में भेजता है, तो वह भी रिकॉर्ड होती है। महीने के अंत में दोनों का अंतर (नेट) निकालकर बिल बनाया जाता है। अगर आपने ज्यादा बिजली भेजी है, तो उसका क्रेडिट आपके बिल में एडजस्ट हो जाता है। वर्चुअल नेट मीटरिंग इससे थोड़ी अलग व्यवस्था है, जिसमें एक ही स्थान पर बनी सोलर बिजली को कई उपभोक्ताओं के बीच उनके स्वीकृत लोड के अनुसार बांटा जा सकता है, भले ही वे अलग-अलग मीटर क्यों न रखते हों। उदाहरण के तौर पर एक बिल्डिंग में 20 लोग रहते हैं, तो वे मिलकर एक कॉमन सोलर प्लांट बिल्डिंग से दूर कहीं भी जमीन लेकर लगा सकते हैं।

डीईआरसी के नई गाइडलाइंस के अनुसार, उपभोक्ता आपस में सीधे बिजली खरीद-फरोख्त कर सकते हैं, जिसे पीयर-टू-पीयर ऊर्जा व्यापार का नाम दिया गया है। जो बिजली खरीदेगा उसे स्मार्ट मीटर लगाना होगा। बिक्री करने वाले उपभोक्ता के पास रूफटॉप सोलर प्लांट और नेट मीटरिंग की सुविधा होनी जरूरी है। दोनों पक्ष मोबाइल ऐप के जरिए बिजली की दरें तय कर सकते हैं। लेनदेन की प्रक्रिया पूरी तरह से डिजिटल और सुरक्षित रखी गई है।

AI Image

आखिर क्यों जरूरी था वर्चुअल नेट मीटरिंग?

वर्चुअल नेट मीटरिंग को काफी आसान बनाया गया है, ताकि सभी तरह के उपभोक्ताओं को इसका फायदा मिल सके। इसलिए वर्चुअल नेट मीटरिंग सिंगल पॉइंट कंज्यूमर तक पहुंचाया गया है। सोलर बिजली बनाने वाले उपभोक्ता अपनी अतिरिक्त बिजली बेचकर आय भी कमा सकते हैं। खरीदारों को डिस्कॉम की तय बिजली दरों की तुलना में कम दरों पर बिजली मिल सकती है। बिजली खरीद-फरोख्त की प्रक्रिया को सरकार ने पूरी तरह से पारदर्शी और डिजिटल बनाया है।

NBT Lens खबरों के अंदर की बात

डीयू प्रोटेस्ट विवादः पुलिस ने दर्ज किए चश्मदीदों के बयान

■ NBT रिपोर्ट, मौरिस नगर : एक यूट्यूबर से कथित बदसलूकी मामले में AISA और एबीवीपी के बीच विवाद में दर्ज क्रॉस एफआईआर के बाद पुलिस की जांच जारी है। पुलिस ने चश्मदीदों के बयान दर्ज किए हैं। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज, वायरल विडियो और चश्मदीदों के बयान के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस अफसर के मुताबिक शुक्रवार को ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) के स्टूडेंट और कुछ टीचर्स यूजीसी के समानता से जुड़े नियम लागू करने की मांग को लेकर डीयू के फैकल्टी ऑफ आर्ट्स परिसर में प्रदर्शन कर रहे थे। इसी दौरान यूट्यूबर वहां पहुंची और प्रदर्शनकारियों से यूजीसी नियमों को लेकर सवाल पूछने लगीं। उनका कहना है कि इस दौरान उन्हें धक्का दिया गया, मारा गया और गंभीर धमकियां दी गईं। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया।

इस मामले में आइसा की छात्रा ने भी दर्ज कराई। छात्रा का आरोप है कि यूट्यूबर और उनके समर्थकों ने प्रदर्शन के दौरान उनके साथ मारपीट की। पुलिस ने दोनों पक्षों की शिकायतें दर्ज कर ली है और मामले की जांच चल रही है। पुलिस का कहना है कि सीसीटीवी फुटेज, वायरल वीडियो और चश्मदीदों के बयान के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

दिल्ली पुलिस शांति सेवा न्याय

79वां स्थापना दिवस

दिल्ली पुलिस 79वां स्थापना दिवस 2026

सेवा
(निस्वार्थ जनसेवा का संकल्प)

जनता की सहायता करना, पीड़ितों के साथ सहानुभूति रखना, वरिष्ठ नागरिकों एवं समाज के ज़रूरतमंद वर्गों के लिए हर समय तत्पर रहना दिल्ली पुलिस की सेवा-भावना का मूल सिद्धांत है।

7 दिन 7 संकल्प एक सुरक्षित दिल्ली

दिल्ली पुलिस सप्ताह : 16-22 फरवरी, 2026

1 सेवा 2 सुरक्षा 3 समर्पण 4 साहस 5 संवेदनशीलता 6 सतर्कता 7 सहयोग

पुलिस कंट्रोल रूम — हर समय त्वरित प्रतिक्रिया
ट्रैफिक पुलिस — सुरक्षित और सुगम आवागमन
SPUWAC — महिलाओं के लिए संवेदनशील और सहयोगात्मक सहायता
कम्युनिटी पुलिसिंग/बीट स्टाफ — साझेदारी के माध्यम से सुरक्षा
मीडिया सेल/पीआरओ — समय पर और सटीक जानकारी
वरिष्ठ नागरिक सेल — देखभाल, सम्मान और संरक्षण

दिनांक	कार्यक्रम
16.02.2026	दिल्ली भर में रक्तदान शिविरों का आयोजन
17.02.2026	प्रत्येक पुलिस स्टेशनों में छात्रों का दौरा
18.02.2026	दिल्ली भर में वरिष्ठ नागरिकों के लिए कार्यक्रम
19.02.2026	आरडब्ल्यूए एवं एमडब्ल्यूए के साथ संवाद कार्यक्रम
20.02.2026	दिल्ली भर में ग्रामीण खेल/औरत एवं कान/प्रहरी बैठक 20 से 22 फरवरी 2026 तक सेंट्रल पार्क, कनॉट प्लेस, दिल्ली में भव्य प्रदर्शनी कवि सम्मेलन-लाल किला (शाम 6.30 बजे से)
21.02.2026	दिल्ली के प्रत्येक पुलिस स्टेशनों में जन संपर्क कार्यक्रम
22.02.2026	मादक द्रव्य दुरुपयोग के विरुद्ध जन-जागरूकता कार्यक्रम (i) एंटी ड्रग्स रन: नेहरू पार्क से राष्ट्रीय पुलिस स्मारक तक (प्रातःकाल) (ii) एम्फीथिएटर, सेंट्रल पार्क, कनॉट प्लेस, दिल्ली में सायंकालीन संगीतमय कार्यक्रम

DP/8652/2026

साइबर अपराध हेल्पलाइन नंबर: 1930

पुलिस आयुक्त, दिल्ली को ई-मेल करें : cpdelhi@delhipolice.gov.in | लिखें : पुलिस आयुक्त, दिल्ली को, पोस्ट बॉक्स नं. 171, जीपीओ, नई दिल्ली पर

@DelhiPoliceOfficial @DelhiPolice @delhi.police_official @DelhiPoliceofficial Delhipolice.nic.in

तुरंत पुलिस सहायता के लिए 112 पर कॉल करें | पुलिस को सूचना देने के लिए कॉल करें 14547

कई बार की शिकायत, पर नहीं दिया ध्यान तालाब में डूबकर 3 साल के बच्चे की मौत

ग्रेटर नोएडा में दनकौर के दलेलगढ़ गांव के 10 फुट गहरे तालाब में डूबा बच्चा

■ NBT न्यूज, दनकौर

नोएडा के सेक्टर-150 में लापरवाही के गड्ढे में गिरकर जान गंवाने वाले सॉफ्टवेयर इंजीनियर युवराज का मामला अभी ठंडा भी नहीं हुआ कि अफसरों की इसी नकारापन ने अब दनकौर में एक मासूम को निगल लिया। दनकौर में बिना चारदीवारी के एक तालाब में गिरने से तीन साल के मासूम की मौत हो गई। लापरवाही की हद यह है कि युवराज की मौत से सबक लेकर गांव के लोगों ने इस तालाब से सुरक्षा के लिए अफसरों से गुहार लगाई थी, लेकिन इन्हें शायद एक और मौत का इंतजार था।

कस्बे के दलेलगढ़ गांव में शनिवार शाम करीब 10 फुट गहरे तालाब में डूबकर तीन वर्षीय मासूम की मौत हो गई। बताया जाता है कि मृतक बच्चा कुछ दिन पहले अपने मामा के घर आया था। पीड़ित परिवार बुलंदशहर के सिकंदराबाद का रहने वाला था। बच्चा शनिवार शाम घर के पास बने तालाब के पास खेल रहा था और अचानक उसमें गिरकर डूब गया। घरवालों को करीब आधा घंटे बाद वह तालाब में मृत अवस्था में मिला। घटना के बाद परिवार में कोहराम मच गया है। ग्रामीणों का आरोप है कि ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों से छह से अधिक बार तालाब की सफाई की मांग की गई थी, लेकिन कोई ध्यान नहीं दिया गया। सेक्टर-150 में युवराज मेहता की 16 जनवरी को मौत के बाद इस घटना का हवाला देते हुए यहां के लोगों ने चार फरवरी को ग्रेनो अथॉरिटी से सेफ्टी के लिए कदम उठाने की गुहार लगाई थी। पुलिस का कहना है कि मृतक के परिजनों ने बिना पोस्टमॉर्टम कराए ही अंतिम संस्कार कर दिया है। किसी ने शिकायत नहीं दी है।

यहां से फिसलकर तालाब में डूबा मासूम

जिस तालाब में देवांश के डूबने से मौत हुई है वहां पर कुछ वर्षों से ग्रामीण अवैध खनन कर रहे थे। इस वजह से तालाब में 10 फुट से ज्यादा गहरा गड्ढा हो गया था। साथ ही उसमें जलकुंभी भी उग आई थी। आरोप है कि स्थानीय पुलिस और खनन विभाग ने इस तरफ कोई ध्यान नहीं दिया। हर साल खनन से यह तालाब और गहरा होता चला गया। इस बारे में ग्रामीणों ने शिकायत भी की थी।

अथॉरिटी ने झाड़ा पल्ला

इस हादसे के बाद प्राधिकरण के संबंधित वर्क सर्किल की टीम मौके पर पहुंची। टीम ने बताया कि यह जमीन गांव के ही किसान के नाम पर दर्ज है। यह सरकारी तालाब नहीं है। इसी जमीन पर गड्ढे में पानी भरा हुआ था, जिसमें डूबने से बच्चे की मौत हुई। लोगों का आरोप है कि जब अथॉरिटी में इस तालाब की शिकायत करने गए थे, तब क्यों नहीं बताया गया कि यह सरकारी नहीं, किसी किसान की जमीन है।

CCI NG 3.7 Product: NBTDelhiBS PubDate: 16-02-2026 Zone: Mahanagar Edition: 1 Page: NBTMAH06 User: cci Time: 02-15-2026 23:05 Color:

विचार

सही निर्णय लेने में विश्वास नहीं करता, बल्कि मैं फैसले लेता हूं और उन्हें मेहनत के साथ सही साबित करता हूं। सकारात्मकता ही सफलता का आधार है। – रतन टाटा

कविता

मुट्ठी में आसमान

एक मुट्ठी में आसमान है,
एक मुट्ठी में तारे हैं,
गिनती में कम लगते होंगे,
पर जोश में हम हजारों हैं।
कभी हवा हैं, कभी हैं पानी,
कभी शब्द हैं, कभी कहानी,
धीमी सी एक आंच कभी हैं,
धीमी सी एक आंच कभी हैं,
कभी कभी अंगारे हैं...
...एक मुट्ठी में आसमान है,
एक मुट्ठी में तारे हैं।
रोशन करते हैं हर दिल को,
डरते हमसे अंधियारे हैं,
ऊर्जा से हम ओत प्रोत हैं,
ऊर्जा के ही प्यारे हैं...
... एक मुट्ठी में आसमान है,
एक मुट्ठी में तारे हैं।
मस्ती के पंखों पर उड़ते,
आसमान के प्यारे हैं,
मस्ती के पंखों पर उड़ते,
आसमान के प्यारे हैं,
खुशी बांटना काम हमारा
हम तो सबसे ही न्यारे हैं...
रोक सके कोई हमको यारों, ऐसे भी सपने होते होंगे,
रोक सके कोई हमको यारों, ऐसे भी सपने होते होंगे,
जलने वाले हमसे सच में, कुछ दुनिया में होते होंगे,
अनजाने हैं हमसे वो, हम दो-धारी तलवारें हैं,
एक मुट्ठी में आसमान है,
एक मुट्ठी में तारे हैं...

मोहित दधीच, NBT रीडर

पॉजिटिव सोच के साथ आपने भी कोई कविता लिखी है, तो हमें ईमेल nbtreader@timesofindia.com पर भेजें। जिसे मिल सकता है अगले अंक में छपने का मौका।

खेती संग डेटा भी: झारखंड की रहने वाली चांदमनी केरकेट्टा खेती का काम निपटाने के बाद 'डेटा लेबलिंग' का काम करती हैं।

कीड़ों पर AI का पहरा: बिहार के समस्तीपुर जिले के कोठिया गांव में खेती अब वैज्ञानिकों की सलाह और तकनीक के भरोसे है।

किसानी से डेटा एंट्री: बंगाल के कादोबारी गांव के अजहर अहमद रिकाब को अधेड़ कर डेटा एंट्री की नौकरी कर रहे हैं।

आसमान पर नजर: पंजाब के बलजिंदर सिंह मान ने AI पर आधारित एक ऑटोमेटिक 'वेदर स्टेशन' (मौसम केंद्र) बना दिया है।

हाई-टेक खेती का लैब: समस्तीपुर के नवनगर गांव के किसान सुधांशु ने अपने खेत को एक 'स्मार्ट लैब' में बदल दिया है।

स्कूल के लिए बचा ज्यादा वक्त: मालदा की अदिति चट्टोपाध्याय अब सैकड़ों ऑफिशियल ईमेल ड्राफ्ट करने के लिए AI का सहारा लेती हैं।

AI गांवों की दहलीज पर पहुंच चुका है। कहीं खेती में, कहीं मौसम में, कहीं क्लासरूम में, तो कहीं घर बैठे कमाई के जरिए ग्रामीण भारत अब AI का पावरहाउस बन रहा है

डेटा लेबलिंग के काम पर उठते सवालों के बीच हर्षिल नाइक का मानना है कि युवाओं को भविष्य के नए हुनर सिखाकर उनकी काबिलियत बढ़ाई जा सकती है, ताकि वे सिर्फ लेबलिंग तक ही सीमित न रहें और आगे बढ़ सकें।

तरक्की की नई रफ्तार पकड़ रहे गांव

खेती, स्कूल और मौसम... AI से हुए स्मार्ट

खेती में सेंसर, ड्रोन और स्कूलों में एआई टूल से गांवों में शिक्षा और पैदावार दोनों सुधरे

■ अक्सर हमें लगता है कि आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (AI) सिर्फ बड़े शहरों और ऊंची इमारतों तक सीमित है, लेकिन सच तो यह है कि भारत के गांवों ने इस क्रांति में अपनी जगह बना ली है। कहीं खेती में, कहीं मौसम में, कहीं क्लासरूम में, तो कहीं घर बैठे कमाई के जरिए ग्रामीण भारत अब AI का 'पावरहाउस' बन रहा है।

जब झारखंड में रहने वाली 27 साल की चांदमनी केरकेट्टा अपने खेत में टमाटर और मटर की देखभाल का काम खत्म करती हैं। वह कंप्यूटर ऑन करके एक दूसरा काम भी करती हैं। उनका काम है, डेटा को टैग करना, पहचानना और जांचना, जिससे लोग आर्टिफिशल इंटेलिजेंस सिस्टम सीख पाते हैं। हर स्मार्ट सिस्टम चाहे सड़क की लाइन पहचाननी हो, फसल में बीमारी ढूंढनी हो या आवाज समझनी, उसे सीखने के लिए लेबल किए गए डेटा की जरूरत होती है। केरकेट्टा यही काम कर रही हैं। पहले वह रांची की एक डेटा प्रोसेसिंग कंपनी में ऑफिस असिस्टेंट थीं। अब वह घर से काम करती हैं और खेती की आय के साथ अतिरिक्त कमाई भी कर लेती हैं। ऐसे ही ग्रामीण इलाकों और छोटे शहरों में कम से कम दो लाख लोग डेटा एनोटेशन का काम कर रहे हैं। अमेरिका स्थित कंपनी Scry AI के अनुसार, यह संख्या लगातार बढ़ रही है और दुनिया की लगभग आधी डेटा-लेबलिंग वर्कफोर्स भारत में है।

मशीन लर्निंग

डेटा लेबलिंग एआई की पूरी प्रक्रिया का शुरुआती हिस्सा है, लेकिन मशीन लर्निंग की नींव भी यही है। इसमें लोग तस्वीरों में चीजें पहचानते हैं, ऑडियो लिखते हैं, टेक्स्ट जांचते हैं और डेटा की गुणवत्ता सुनिश्चित करते हैं, ताकि एआई 'सीख' सके। झारखंड में केरकेट्टा जैसी महिलाएं इसे आगे बढ़ने का एक मौका मानती हैं। इससे उन्हें पढ़ाई पूरी करने और परिवार की मदद करने का मौका मिला। कुछ लोग बताते हैं कि उन्हें विडियो को फ्रेम-बाय-फ्रेम लेबल करना पड़ता है या निगरानी फुटेज में व्यवहार पहचानना सिखाना पड़ता है।

तमिलनाडु के छोटे शहरों में भी ऐसा ही काम हो रहा है। इंदु नटराजन रोज एक छोटे कस्बे के दफ्तर जाती हैं, जहां वह ऑटोनॉमस गाड़ियों के लिए तस्वीरों में सड़क, हेडलाइट और जानवर जैसी चीजें मार्क करती हैं। काम भले साधारण लगे, लेकिन इसमें बहुत सटीकता चाहिए होती है। कई कंपनियों का मॉडल भी यही है- मुख्य दफ्तर बड़े शहरों में, काम छोटे शहरों से और ग्राहक अमेरिका या यूरोप में। एक कंपनी के संस्थापक श्रीधर मित्ता कहते हैं कि इंटरनेट ही असली कार्यस्थल है और छोटे शहर डिजिटल उद्यमिता का अगला केंद्र बन सकते हैं।

महिलाओं के लिए इसका सामाजिक असर भी बड़ा है। अमला धनपाल, जो अपने परिवार की पहली ग्रैजुएट हैं, कहती हैं कि एआई का काम उन्हें सीखने और आर्थिक आजादी दोनों दे रहा है, खासकर उन जगहों पर जहां महिलाओं की पढ़ाई और करियर अब भी चुनौती है। बेंगलुरु में कटीन्यू नाम की कंपनी के सीईओ हर्षिल नाइक बताते हैं कि उनकी कंपनी ग्रामीण युवाओं को सिर्फ लेबलिंग नहीं, बल्कि भविष्य के कौशल भी सिखाती है। वहीं एक गैर-लाभकारी संस्था Karya ने भी ग्रामीण लोगों को रोजगार देते हुए डेटा तैयार करने की पहल की है। अब तक 30,000 से ज्यादा लोग इससे जुड़े और लगभग 8 लाख डॉलर मजदूरी के रूप में दिए गए। फिर भी, 2022 के Google Research अध्ययन में कई समस्याएं सामने आईं, काम बहुत दोहराव भरा, नौकरी की अवधि छोटी (12-18 महीने), ज्यादा उत्पादन का दबाव, 98-99% सटीकता की मांग और कई बार बिना भुगतान ओवरटाइम।

खेतों में एआई

एआई का असर सिर्फ दफ्तरों तक नहीं, बल्कि खेतों की मेड़ तक पहुंच गया है। बिहार के समस्तीपुर जिले के सुधांशु कुमार ने अपने 200 एकड़ के खेत को एक 'स्मार्ट एग्री-लैब' में तब्दील कर दिया है। वह स्मार्टफोन से सिंचाई नियंत्रित करते हैं और एआई सेंसर की मदद से फसल की निगरानी करते हैं। सुधांशु बताते हैं कि तकनीक की मदद से वह अकेले 35 एकड़ का काम संभाल लेते हैं। वहीं, विरेंद्र कुमार जैसे छोटे किसान 'Plantix' जैसे एआई ऐप का इस्तेमाल कर रहे हैं। बस एक फोटो खींचिए और ऐप बता देगा कि फसल में कौन सा कीड़ा लगा है, इलाज क्या है। केरल के पलक्कड़ में हरि वरदराजन एआई सेंसर से मिट्टी की जांच कर रहे हैं, जो काम पहले हफ्तों में होता था, वह अब घंटों में पूरा हो रहा है।

स्मार्ट क्लास, कंटेंट की दुनिया

शिक्षा के क्षेत्र में भी बदलाव की बयार बह रही है। पश्चिम बंगाल के मालदा में स्कूल की प्रिंसिपल अदिति चट्टोपाध्याय एआई के जरिए घंटों का प्रशासनिक काम मिनटों में निपटाती हैं, ताकि वह बच्चों की पढ़ाई पर ज्यादा ध्यान दे सकें। वहीं, 10वीं का छात्र अदित्य घोष मुश्किल गणित के सवाल सुलझाने और अपनी अंग्रेजी सुधारने के लिए एआई टूल्स का सहारा ले रहा है। आंध्र प्रदेश में तो 14 लाख छात्रों की क्षमताओं को एआई के जरिए ट्रैक किया जा रहा है। कंटेंट क्रिएशन में भी गांव अब पीछे नहीं हैं। पश्चिम बंगाल के आरामबाग में साहिद शेख और केरल के परस्साला में साय धुलसीधरन एआई की मदद से वीडियो एडिटिंग और डिजाइनिंग कर रहे हैं। उन्हें ग्राहकों के लिए दिल्ली-मुंबई जाने की जरूरत नहीं, AI ने उन्हें दुनिया के बराबर लाकर खड़ा कर दिया है।

एआई वाला मौसम

पंजाब के बठिंडा के बलजिंदर सिंह मान ने तो कमाल ही कर दिया। उन्होंने अपना खुद का एआई आधारित 'ऑटोमैटिक वेदर स्टेशन' बना लिया है। वह पंजाबी भाषा में सोशल मीडिया पर मौसम की सटीक चेतावनी देते हैं। ओलावृष्टि हो या भारी बारिश, किसान बलजिंदर की चेतावनी पर भरोसा करते हैं। फेसबुक और यूट्यूब पर उनके लाखों फॉलोअर्स इस बात का सबूत हैं कि लोगों को अब स्थानीय और सटीक जानकारी चाहिए।

इस हफ्ते दिल्ली में होने वाले AI शिखर सम्मेलन में जब OpenAI के सैम ऑल्टमैन और गूगल के सुंदर पिचाई जैसे दिमाग बैठेंगे, तो उनके सामने भारत के इसी उभरते चेहरे की चर्चा होगी। स्टैनफोर्ड की रिपोर्ट कहती है कि एआई के क्षेत्र में भारत अब अमेरिका और चीन के बाद तीसरे स्थान पर है।

रिपोर्टिंग: विनायक प्रिया भट्टाचार्य, फाल्गुनी बनर्जी, सुभो मैत्रा, बीके मिश्रा, कुम्बाराट केके, पीरस श्रीराम, अनिमेष जैन, मीनाक्षी शर्मा, रोशन कुमार, उमामहेश्वर राव और नील कमल। अतिरिक्त इनपुट्स: AFP

यादों की खुली छत

विरासत का दीदार, खुली छत वाली डबल डेकर बस ने बनाया सुहाना हर लम्हा

Syed Asif

लंदन जैसा टशन और बेंगलुरु की ठंडी बयार। शनिवार को 'अंबारी' डबल डेकर बस की खुली छत पर सवार होकर पर्यटकों ने विधान सौध और कब्बन पार्क के दीदार किए। विरासत की गोद में रफ्तार के इस सुहाने सफर ने हर चेहरे पर मुस्कान बिखेर दी।

महानंदा हिरेमठ मूक-बधिर बच्चों को सिखाती है फूल बनाना

खामोश जुबां, हुनरमंद हाथ : कागज़ी गुलाब से महक रहा है बच्चों का कल

Anjali.Jhangiani@timesofindia.com

■ पुणे: जुन्नर में वैलेंटाइन डे पर एक खास गुलाब खिलता है, जो सिर्फ प्यार नहीं बल्कि आत्मनिर्भरता की कहानी कहता है। बंसीलाल मोहनलाल मुथा मुकबधिर विद्यालय के मूक-बधिर बच्चे अपने हाथों से कागज के गुलाब बनाते हैं। यह पहल 2004 में स्कूल की पूर्व प्रिंसिपल महानंदा हिरेमठ ने शुरू की थी। उनका उद्देश्य बच्चों में आत्मविश्वास जगाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना था।

बच्चों को उनकी क्षमता के अनुसार काम दिया जाता है—कोई पंखुड़ियां बनाता है तो कोई डंठल और पत्तियां तैयार करता है। हर गुलाब पांच रुपये में बिकता है और आय हॉस्टल में रहने वाले बच्चों की जरूरतों पर खर्च होती है। बैंक और संस्थाएं सालभर ऑर्डर देती हैं, जबकि वैलेंटाइन डे पर मांग बढ़ जाती है। रिटायरमेंट के बाद भी हिरेमठ के मार्गदर्शन में यह सिलसिला जारी है।

किताबों से भी है उतना ही प्यार

अक्सर लोग सोचते हैं कि खेल में आगे बढ़ने वाले पढ़ाई में पीछे रह जाते हैं, लेकिन अरिशि यहां भी 'चैंपियन' हैं। वह रेस के बाद फ्लाइट्स में पढ़ती हैं, उनकी मां उन्हें हर सफर में पढ़ाती हैं। यही वजह है कि स्कूल में उन्हें पढ़ाई और खेल दोनों में कमाल करने के लिए 'प्रिंसिपल्स गोल्ड मेडल' मिला है।

नन्हीं उम्र, 'सुपरफास्ट' सपने..

9 साल की उम्र में वो मुकाम, जहां नहीं पहुंचा कोई एशियाई रेसर

Daniyal.Abdulla@timesofindia.com

■ सुबह के ठीक 5 बज रहे होते हैं... जब ज्यादातर घरों में गहरी नींद का सन्नाटा पसरा होता है, तब फरीदाबाद में एक 9 साल की नन्ही सी जान अपनी मीठी नींद को नहीं, बल्कि अपनी किस्मत और रफ्तार को जगा रही होती है। सिर पर भारी-भरकम 'हेलमेट' सजता है और छोटे-छोटे हाथों में 'स्टीयरिंग' आता है, तो वो बन जाती है रफ्तार की वो आंधी, जिसे आज पूरा एशिया सलाम कर रहा है। यह कहानी है **अरिशि गुप्ता** की, जिसने साबित कर दिया कि इतिहास रचने के लिए उम्र नहीं होती।

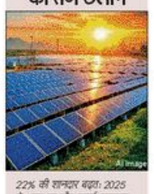

यूं बनीं नंबर-1: रेसिंग की दुनिया बड़ी बेरहम होती है, यहां ट्रैक यह नहीं देखता कि गाड़ी चलाने वाला लड़का है या लड़की। अरिशि ने इसी चुनौती को अपनी ताकत बनाया। महज 9 साल की उम्र में उन्होंने '2025 इंडियन नैशनल कार्टिंग चैंपियनशिप' (माइक्रो मैक्स कैटेगरी) जीतकर वो कर दिखाया जो आज तक एशिया की किसी भी फीमेल रेसर ने नहीं किया था। लड़कों और लड़कियों की इस मिक्स्ड रेस में अरिशि ने सबको पीछे छोड़ते हुए तिरंगा लहराया।

5 बजे का अलार्म और जीत की कसम: अरिशि बताती हैं कि मैं सुबह 5 बजे उठती हूं और 8:30 से शाम 4 बजे तक मेरा पूरा वक्त सिर्फ ट्रैक पर बीतता है। उनके रिश्तेदारों का कहना है कि अरिशि को मेहनत से डर नहीं लगता, क्योंकि उन्हें इस रफ्तार से प्यार है।

लड़कों और लड़कियों की मिक्स्ड रेस की इकलौती फीमेल चैंपियन बनीं अरिशि गुप्ता

UAE में की ट्रेनिंग

अरिशि के पिता अंकित गुप्ता को बेटी के हुनर पर पूरा भरोसा था। अरिशि को ट्रेनिंग के लिए UAE भेजा। 5 महीने की मेहनत रंग लाई और अरिशि 'IAME UAE चैंपियनशिप' के पोडियम पर खड़ी होने वाली सबसे कम उम्र की भारतीय बनीं। श्रीलंका में भी उन्होंने अपने से उम्र में बड़े रेसर्स को टक्कर देते हुए चौथा स्थान पाया।

अब F1 का सपना : अरिशि की आंखों में अपने आइडल मैक्स वेरस्टापेन जैसी चमक है। उनकी तरह ही अरिशि भी बहुत प्रोफेशनल और फोकस्ड हैं। अब उन्हें F1 एकेडमी प्रोग्राम के लिए चुना गया है, जो 2026 तक उनके रेसिंग करियर को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। 9 साल की यह अरिशि आज सिर्फ एक रेसर नहीं है, बल्कि उन लाखों लड़कियों के लिए एक उम्मीद है जो बड़े सपने देखने से डरती हैं।

उम्मीद की किक | सख्त सुरक्षा के बीच तालियों से गूंजा मैदान, बना भरोसे का नया रास्ता

फुटबॉल ने पिघलाए दिलों के फासले, मैतेई और कुकी समुदाय को जोड़ा

■ विशाख अग्रवाल, इंफाल

असम राइफल्स के न्यू केथेलमानबी गैरीसन में खेले गए फुटहिल्स फुटबॉल टूर्नामेंट ने मणिपुर के तनावग्रस्त इलाकों में उम्मीद की नई किरण जगाई। पिछले करीब तीन साल से झड़पों और चौकसी के माहौल में जी रहे गांवों के लड़के, जो रात में लाठी और टॉर्च लेकर पहरा देते हैं, वही सुबह जर्सी पहनकर मैदान में खिलाड़ी बनकर उतरे। ऑपरेशन सद्भावना के तहत सोमवार से गुरुवार तक आयोजित इस टूर्नामेंट में आसपास के 13 गांवों की टीमों ने हिस्सा लिया–8 नगा, 3 मैतेई और 2 कुकी। केथेलमानबी वह संवेदनशील इलाका है जहां इंफाल घाटी पहाड़ियों से मिलती है और अब बफर जोन में बदल चुका है। कई गांवों के बीच चार किलोमीटर की दूरी भी सुरक्षा की दृष्टि से अहम मानी जाती है।

मई 2023 के बाद पहली बार कुकी टीम हाइकुन एफसी ने बफर जोन पार कर टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। खिलाड़ियों को सुरक्षा में बसों से लाया गया। मैच से पहले अधिकारियों ने साफ निर्देश दिए कि खेल भावना बनाए रखना सर्वोपरि है। जानबूझकर चोट पहुंचाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई। विवाद से बचने के लिए पूर्वोत्तर से बाहर के सैनिकों को रेफरी बनाया गया और मैदान के चारों ओर सुरक्षा बल तैनात रहे।

■ मई 2023 के बाद पहला कुकी-मैतेई फुटबॉल फाइनल खेला गया।
■ 13 टीमों ने हिस्सा लिया, 8 नगा, 3 मैतेई और 2 कुकी टीमें थीं।
■ टूर्नामेंट ऑपरेशन सद्भावना के तहत असम राइफल्स ने कराया।
■ कड़ी सुरक्षा के बीच फाइनल मैच न्यू केथेलमानबी के नाम रहा।
■ असम राइफल्स ने ऑपरेशन सद्भावना के तहत कराया टूर्नामेंट।

सिर्फ खेल नहीं, शांति की मजबूत कोशिश

सेमीफाइनल में मैतेई टीमों और नगा-कुकी टीमों के बीच मुकाबले शांतिपूर्वक हुए। हाइकुन एफसी ने जीत दर्ज कर फाइनल में जगह बनाई, जहां उसका सामना न्यू केथेलमानबी टीम बी से हुआ। फाइनल में मैतेई टीम ने 5-2 से जीत हासिल की, लेकिन असली जीत खेल भावना की रही। हल्की झड़प के बावजूद मैच शांतिपूर्ण ढंग से पूरा हुआ। मैच के अंत में दोनों टीमों ने हाथ मिलाकर और गले लगकर साबित किया कि भरोसा लौटाने की ताकत कभी-कभी एक गेंद में भी छिपी होती है। रात को फिर से पहरा देने लौटने वाले इन युवाओं के लिए यह टूर्नामेंट सिर्फ खेल नहीं, बल्कि शांति की एक मजबूत कोशिश था।

जीवित डोनर बनने का लिया था फैसला

10 साल की कानूनी लड़ाई जीती, डॉक्टर ने अजनबी को किडनी देकर बचाई जान

Jahnavi@timesofindia.com

■ बेंगलुरु: शहर की एक भ्रूण चिकित्सा विशेषज्ञ ने एक अनजान व्यक्ति को अपनी किडनी दान कर जीवन बचाने का फैसला किया। डॉ. वैकम एस. मणिपाल हॉस्पिटल्स (ओल्ड एयरपोर्ट रोड) में कंसल्टेंट हैं। उन्होंने सबसे पहले 2014 में अंगदान का संकल्प लिया था। लेकिन मृत व्यक्तियों से अंगदान की कम दर के बारे में जानने के बाद उन्हें लगा कि अब और इंतजार नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि मैंने परिस्थितियों पर इसे छोड़ना नहीं चाहा। मैंने जीवित डोनर बनने का फैसला किया।

इसके बाद एक दशक तक कानूनी अड़चनें, पारिवारिक समर्थन की कमी और अस्पताल की ऑथराइजेशन कमिटी से बार-बार अस्वीकृति का सामना करना पड़ा, क्योंकि वह प्राप्तकर्ता से संबंधित नहीं थीं। 2023 में उनका मिलान वेटिंग लिस्ट में शामिल 24 वर्षीय अनाथ से हुआ, लेकिन अनुमति नहीं मिली। कमिटी ने कारण बताया कि डोनर और रिसीपिएंट के बीच कोई संबंध स्थापित नहीं हो सका।

जून 2025 में उन्होंने अदालत का रुख किया। दिसंबर 2025 में हाई कोर्ट ने अस्पताल की ऑथराइजेशन कमिटी को दान की अनुमति का निर्देश दिया। कमिटी को पांच हफ्तों के भीतर पांच उपयुक्त उम्मीदवारों की पहचान करने को कहा गया। पहला उम्मीदवार अनफिट पाया गया, लेकिन दूसरी उम्मीदवार, 56 वर्षीय महिला ट्रांसप्लांट के लिए उपयुक्त थीं। सर्जरी को 2 फरवरी को मंजूरी मिली और 10 फरवरी को ऑपरेशन किया गया। डॉ. वैकम ने कहा कि मेरा लंबे समय से देखा सपना अब पूरा हुआ है। यह सिर्फ किडनी दान करने के बारे में नहीं है, बल्कि जागरूकता फैलाने के बारे में भी है।

उम्मीद का फैक्ट

सौर ऊर्जा में भारत की चमक, 22% की तेज छलांग

22% की शानदार बढ़त: 2025 में भारत का सौर ऊर्जा उत्पादन बढ़कर 164.5 अरब यूनिट (BU) पहुंच गया है। साल 2024 में यह आंकड़ा 133.7 BU था।

■ सौर ऊर्जा उत्पादन में उत्तर भारत (38%) देश में सबसे आगे रहा, इसके बाद दक्षिण (32.2%) और पश्चिम भारत (28.5%) का नंबर है।

■ सोलर पावर बनाने में राजस्थान देश का नंबर-1 राज्य बना हुआ है (13.5 BU)। गुजरात (6 BU) और कर्नाटक (4.6 BU) ने भी उत्पादन में जबरदस्त तेजी दिखाई है।

■ **आधी बिजली अब 'ग्रीन':** भारत की कुल बिजली क्षमता में अब रिन्यूएबल एनर्जी (सौर, जल, वायु) की हिस्सेदारी 50.2% हो गई है। यानी देश की आधी बिजली अब प्रदूषण मुक्त स्रोतों से आ रही है।

■ **रुकावटें हुईं दूर:** सुप्रीम कोर्ट के फैसले और सरकारी योजनाओं के चलते रुके हुए प्रोजेक्ट्स में तेजी आई, जिससे 2025 की आखिरी तिमाही (Q4) में रिकॉर्ड बिजली पैदा हुई।

■ **आखिरी तिमाही का रिकॉर्ड:** अक्टूबर से दिसंबर 2025 (Q4) के बीच ही 41.2 अरब यूनिट बिजली पैदा की गई।

■ **ग्रीन एनर्जी का आंकड़ा:** देश की कुल रिन्यूएबल एनर्जी क्षमता अब 258.3 गीगावाट (GW) के ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गई है।

स्रोत: सेंट्रल इलेक्ट्रिसिटी अथॉरिटी की फरवरी 2026 की रिपोर्ट

विचार

सही निर्णय लेने में विश्वास नहीं करता, बल्कि मैं फैसले लेता हूं और उन्हें मेहनत के साथ सही साबित करता हूं। – रतन टाटा

कविता

मुट्ठी में आसमान

तरक्की की नई रफ्तार पकड़ रहे गांव

खेती, स्कूल और मौसम... AI से हुए स्मार्ट

मशीन लर्निंग

स्मार्ट क्लास, कंटेंट की दुनिया

खेतों में एआई

एआई वाला मौसम

यादों की खुली छत

विरासत का दीदार, खुली छत वाली डबल डेकर बस ने बनाया सुहाना हर लम्हा

Syed Asif

खामोश जुबां, हुनरमंद हाथ : कागजी गुलाब से महक रहा है बच्चों का कल

Anjali.Jhangiani@timesofindia.com

नन्हीं उम्र, 'सुपरफास्ट' सपने..

9 साल की उम्र में वो मुकाम, जहां नहीं पहुंचा कोई एशियाई रेसर

Daniyal Abdulla

UAE में की ट्रेनिंग

अब F1 का सपना

उम्मीद का फैक्ट

सौर ऊर्जा में भारत की चमक, 22% की तेज छलांग

उम्मीद की किक | सख्त सुरक्षा के बीच तालियों से गूंजा मैदान, बना भरोसे का नया रास्ता

फुटबॉल ने पिघलाए दिलों के फासले, मैतेई और कुकी समुदाय को जोड़ा

■ विशेष अग्रवाल, इंफाल

असम राइफल्स के न्यू केथेलमानबी गैरीसन में खेले गए फुटहिल्स फुटबॉल टूर्नामेंट ने मणिपुर के तनावग्रस्त इलाकों में उम्मीद की नई किरण जगाई। पिछले करीब तीन साल से झड़पों और चौकसी के माहौल में जी रहे गांवों के लड़के, जो रात में लाठी और टॉर्च लेकर पहरा देते हैं, वही सुबह जर्सी पहनकर मैदान में खिलाड़ी बनकर उतरे। ऑपरेशन सद्भावना के तहत सोमवार से गुरुवार तक आयोजित इस टूर्नामेंट में आसपास के 13 गांवों की टीमों ने हिस्सा लिया–8 नगा, 3 मैतेई और 2 कुकी। केथेलमानबी वह संवेदनशील इलाका है जहां इंफाल घाटी पहाड़ियों से मिलती है और अब बफर जोन में बदल चुका है। कई गांवों के बीच चार किलोमीटर की दूरी भी सुरक्षा की दृष्टि से अहम मानी जाती है।

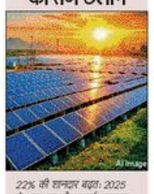

मई 2023 के बाद पहली बार कुकी टीम इखुल एफसी ने बफर जोन पार कर टूर्नामेंट में हिस्सा लिया। खिलाड़ियों को सुरक्षा में बसों से लाया गया। मैच से पहले अधिकारियों ने साफ निर्देश दिए कि खेल भावना बनाए रखना सर्वोपरि है। जानबूझकर चोट पहुंचाने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी गई। विवाद से बचने के लिए पूर्वोत्तर से बाहर के सैनिकों को रेफरी बनाया गया और मैदान के चारों ओर सुरक्षा बल तैनात रहे।

सिर्फ खेल नहीं, शांति की मजबूत कोशिश

जीवित डोनर बनने का लिया था फैसला

10 साल की कानूनी लड़ाई जीती, डॉक्टर ने अजनबी को किडनी देकर बचाई जान

Jahnavi@timesofindia.com

Kindly call on 8291362368 for all enquiries related to purchase from CSD or KPKB/CPC

NOTE : -

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS
[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:-https://t.me/Newspaper_pdf_bot
Or type in Search box of Telegram
@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel
BACKUP GROUP LINK
https://t.me/joinchat/5P9EL1JaqoYzNTI1

Hindi-English News Paper Website:- onlineftp.in